पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

रायपुर, सोमवार, 30 जून 2025 । वर्ष – 67 । अंक –75 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु. प्रेस पंजीयन- 06072/59

बिहार में मतदाताओं को मतदाता सूची से निकालने की रची जा रही साजिश : तेजस्वी पृष्ठ 2

■ बिहार में चुनाव आयोग कामयाब तो भाजपा कामयाब!
■ एससीओ की बैठक में भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ गया पृष्ठ 6

■ भारत ने पाकिस्तानी सेना के दावों को किया खारिज
■ अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के दावे को नकारा पृष्ठ 7

मंधाना सभी प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं पृष्ठ 8

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़, 3 की मौत, 50 घायल

गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ हादसा, मुख्यमंत्री माझी ने माफी मांगी

पुरी, 29 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हो गए। घायलों में 6 की हालत गंभीर है। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्तिगत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।'

पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए।

बताया जा रहा है कि घटना के समय वहां पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। हादसे में मारे गए लोगों के नाम बसंती साहू (36), प्रेमकांति महांति (78) और प्रभाती दास हैं। इनके शव पुरी मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं।

दो अधिकारी निलंबित डीएम-एसपी का तबादला

ओडिशा के पुरी में गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ की घटना पर माझी सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। डीसीपी बिष्णु पति और कमांडेंट अजय पाढ़ी को ड्यूटी में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। वहीं, पुरी के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) का भी तबादला कर दिया गया है। चंचल राणा को नया जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं, पिनाक मिश्रा को नए एसपी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, ओडिशा सरकार ने जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसकी जानकारी रविवार को सीएम मोहन चरण माझी के कार्यालय ने दी।

प्रदेश में बन रहा उद्योग-धंधों के लिए अनुकूल माहौल : साय

■ एससी-एसटी के नव उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए डिक्की बना सशक्त माध्यम

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। प्रदेश में सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के फलस्वरूप कृषि के साथ-साथ उद्योग-धंधों के लिए भी एससी-एसटी सहित सभी वर्गों के लिए अनुकूल वातावरण पूरे प्रदेश में बना हुआ है। यही वजह है कि अब तक प्रदेश में लगभग साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर में आयोजित डॉ. आंबेडकर बिजनेस कॉन्क्लेव एवं एक्सिलेंस अवॉर्ड्स समारोह में कही। उन्होंने दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव को नव उद्यमियों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया एवं छत्तीसगढ़ में आयोजन के लिए बधाई दी।

इस दौरान श्री साय ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के नव उद्यमियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। कॉन्क्लेव में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लगभग 800 से अधिक नव उद्यमियों ने हिस्सा लिया।

श्री साय ने कहा कि हमने यहां नई औद्योगिक नीति को अपनाया है, जिसे बहुत परिश्रम से हमारी सरकार ने तैयार कर प्रदेश में उद्योग के क्षेत्र में नई संभावनाओं को पंख देने का कार्य किया है। इसके तहत देश के बड़े मेट्रो शहरों में इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इतने कम समय में ही 5.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हुआ है। अकेले पावर सेक्टर में ही 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। हमारी औद्योगिक नीति का ही परिणाम है कि आज रायपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर सहित सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयों की स्थापना हो रही है।

श्री साय ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों को उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ावा देने से ही देश विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर होगा। हमें आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करना है, जिसके लिए हमें उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ना ही होगा।

इस अवसर पर दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले ने वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 360 डिग्री अप्रोच वाली योजना की आवश्यकता बताई, जिससे उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ रहे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को उद्योग से संबंधित उच्चस्तरीय प्रबंधन, टेक्नोलॉजी, वित्तीय प्रबंधन, सब्सिडी, मार्केट लिंकेज तथा मार्केटिंग जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों की त्वरित जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। इस दौरान उन्होंने डिक्की के उद्देश्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी साझा की।

सार संक्षेप

श्रीलंकाई नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को पकड़ा

चेन्नई। तमिलनाडु के आठ मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने रविवार तड़के गिरफ्तार किया है। इन मछुआरों पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करके श्रीलंकाई जलक्षेत्र में घुसने का आरोप है। यह मछुआरे शनिवार रात को रामेश्वरम से निकले थे। मछुआरों को उनकी नाव के साथ हिरासत में लिया गया है। मछुआरों के साथ नाव को भी श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारियों ने जब्त कर लिया है।

दिल्ली में कोरोना से दो बुजुर्ग की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना से दो बुजुर्गों ने दम तोड़ दिया। दोनों पहले से अस्पताल में दूसरी बीमारी का इलाज करवा रहे थे। इलाज के दौरान संक्रमण होने से स्थिति गंभीर हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार दिल्ली में शनिवार को 73 वर्षीय पुरुष ने दम तोड़ा। वह पहले से मेटास्टेटिक लंग कार्सिनोमा, एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम, बी/एल निमोनिया, उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे। वहीं दूसरा मरीज 76 वर्षीय पुरुष हैं। उन्हें पहले से सेप्टिक शॉक के साथ सेप्टिसीमिया, मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम, गंभीर निमोनिया, डीएम, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग की समस्या थी।

तेजस्वी कलम वाले नहीं, कट्टा वाले लोग : प्रशांत

सीवान। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने रविवार को राजद पर जुबानी हमला किया। उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा बिहार की जनता से 20 महीने मांगे जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार की जनता 15 साल उनके माता-पिता (लालू यादव-राबड़ी देवी) को और तीन साल उन्हें देकर देख चुकी है, इन लोगों ने बिहार को बर्बाद कर दिया है। प्रशांत किशोर ने यहां तक कह दिया कि मुसलमान भी अब राजद को वोट नहीं देंगे।

विमान हादसा : तोड़फोड़ के एंगल से भी हो रही जांच

नई दिल्ली। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा है कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) एयर इंडिया एआई 171 दुर्घटना में तोड़फोड़ सहित सभी एंगल्स की जांच कर रहा है और इस पर तीन महीने में रिपोर्ट आने की उम्मीद है। मोहोल ने कहा कि एएआईबी द्वारा सभी एंगल्स से जांच की जा रही है। जिसमें किसी भी संभावित तोड़फोड़ की संभावना भी शामिल है। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की जा रही है और कई एजेंसियां इसमें शामिल हैं।

राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज शाम राजभवन में राज्यपाल रमेन डेका से मुलाक़ात की है। राज्यपाल जुलाई के पहले हफ्ते में विदेश प्रवास पर जा रहे हैं। बताया गया है कि इस मुलाकात में राज्य हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सुगबुगाहट तेज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जब-जब राज्यपाल से मुलाकात करते हैं, तब प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें तेज हो जाती है। साय मंत्रिमंडल में दो मंत्री की जगह खाली है, लेकिन हरियाणा फार्मूला लागू हुआ तो एक मंत्री को और शामिल किया जा सकता है इस लिहाज से तीन नए मंत्री मंत्रिमंडल में शामिल किए जा सकते हैं।

सूत्र कहते हैं कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अब और इंतजार नहीं करना होगा सत्ता और संगठन में विस्तार को लेकर चर्चा एक बार फिर से उठ खड़ी हुई है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की राज्यपाल से आज हुई मुलाकात में प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर किसी तरह की बातचीत हुई है या नहीं ?

कोई अधिकारी पैसे मांगे तो बताइए, एसीबी से रंगे हाथों करवाऊंगा गिरफ्तार : वित्त मंत्री

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जीएसटी में भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी से जुड़ा कोई भी मामला हो। अधिकारी अपने लिए पैसा मांग रहा हो, तो आप मुझे किसी भी माध्यम से जानकारी देंगे, तो एसीबी से उसे मैं रंगेहाथ गिरफ्तार कराऊंगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी प्रियदर्शनी नगर स्थित कंधकोट भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' के 123वें प्रसारण को सुनने पहुंचे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा नेता-कार्यकर्ता और आमजन मौजूद थे।

वित्त मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि अगर जीएसटी की 10, 20, 30 परसेंट भी गलती हो तो विभाग आंख बंद करने को तैयार है, लेकिन अगर 10 से 20 लाख की चोरी हो तो उसकी गलती माफ नहीं होगी। कोई फर्जी बिल लगाकर अपना फायदा देखेगा तो उसे माफ नहीं किया जाएगा।

प्रदेश में कारोबार में बढ़ोतरी के साथ ही जीएसटी अधिकारियों की मनमानी की शिकायत भी आम होने लगी है। ऐसी ही एक शिकायत पर सीबीआई ने साल के पहले महीने 31 जनवरी को सेंट्रल जीएसटी के दो अधिकारियों ङ्क अधीक्षक भरत सिंह और विनय राय को कारोबारी से रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया था।

प्रदेश के कारोबारियों में जीएसटी को लेकर खासा हौव्वा खड़ा है कारोबारियों का कहना है कि छोटी-छोटी गलतियों पर अधिकारी उन्हें प्रताड़ित करते हुए बड़ी कार्रवाई का डर दिखाने लगते हैं। कारोबारी कोर्ट-कचहरी की झमेले में पड़ने की बजाए मामले को ले-देकर ही रफा-दफा करने में ही भलाई समझते है। कारोबारियों की कमजोर नस पकड़ में होने की वजह से जीएसटी अधिकारी भी मनमानी पर उतर आते हैं।

पूरे देश में मानसून की दस्तक, कई राज्यों में बाढ़ का कहर

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। मानसून पूरे देश को कवर कर चुका है। पिछले एक हफ्त से लगातार बारिश की वजह से कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। भारी

■ उत्तराखंड में बादल फटने से 9 मजदूर बहे, मनाली में हाईवे का हिस्सा बहा

बारिश और खराब मौसम की वजह से उत्तराखंड में चारधाम यात्रा अगले 24 घंटे के लिए रोक दी गई है। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भारी बारिश के चलते जमुआ घाट पुल टूट गया।

उत्तरकाशी में यमुनोत्री मार्ग पर बादल फटने से दो मजदूरों की मौत हो गई जबकि 7 लापता हैं। जिला मजिस्ट्रेट प्रशांत आर्य ने बताया कि मजदूर एक होटल के निर्माण में लगे हुए थे। जब भूस्खलन हुआ, तब कैंप साइट पर 29 मजदूर थे। उनमें से 20 को सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं, सरयू, अलकनंदा और सरस्वती नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। शनिवार से जारी भारी बारिश के चलते चारधाम यात्रा अगले 24 घंटे के लिए रोक दी गई है। यात्रियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में ही रोकने के आदेश दिए गए हैं।

पिछले 9 दिन में 34 लोगों की मौत

हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के चलते कई जिलों में भूस्खलन और पानी भरने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रदेश के रेवेन्यू मिनिस्टर जगत सिंह नेगी ने बताया कि बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 20 जून से अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली में भी मानसून ने दस्तक दे दी है।

अगले 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान

इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कई भागों में अगले 7 दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश के भी अनुमान हैं। मध्य प्रदेश, बिहार, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा का अनुमान है।

वैश्विक संगठन हमारी उपलब्धियां की तारीफ कर रहे : मोदी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आंख की बीमारी ट्रेकोमा से भारत मुक्त घोषित हो गया है और इसके साथ ही देश में सामाजिक सुरक्षा के लिए जो कदम उठाए गए हैं उसके लिए वैश्विक संगठन हमारी उपलब्धियां की तारीफ कर रहे हैं।

मन की बात में बोले

श्री मोदी ने आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 123वीं कड़ी में कहा कि देश की हाल की दो ऐसी उपलब्धियां हैं जो सबको गर्व से भर देंगी। इन उपलब्धियों की चर्चा वैश्विक संस्थाएं भी कर रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व श्रम संगठन ने हमारी इन उपलब्धियों की सराहना की है। उन्होंने कहा 'पहली उपलब्धि आंखों की बीमारी ट्रेकोमा के ईलाज से जुड़ी है जो बैक्टीरिया से फैलती है। एक समय था जब यह बीमारी आम थी और ध्यान नहीं दिया गया तो इससे धीरे- धीरे आँखों की रोशनी तक चली जाती थी। हमने संकल्प लिया है कि ट्रेकोमा को जड़ से खत्म करेंगे और मुझे

➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

झूठी और नकली निकली मोदी की गांरटी: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने रविवार को दिल्ली में झुग्गियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा- मोदी की गारंटी झूठी, फर्जी और नकली है। आगे कभी जिंदगी में मोदी की गारंटी पर भरोसा मत करना।

■ झुग्गियां तोड़ने के विरोध में आप ने किया प्रदर्शन

केजरीवाल ने कहा- चुनाव के समय मोदी जी ने आपको गारंटी दी थी- जहां झुग्गी-वहां मकान। उनका मतलब था- 'जहां झुग्गी-वहां मैदान।' वो ये कहना चाहते थे मुझे वोट दे दो, मैं सारी झुग्गियां तोड़ दूंगा और मैदान बना दूंगा। भाजपा का प्लान दिल्ली की सभी झुग्गियां तोड़ने का है।

इनकी गंदी नजर आपके घरों पर टिकी हुई है। दिल्ली में 40 लाख से ज्यादा झुग्गीवाले हैं, यह सभी इकट्ठे होकर सड़कों पर आकर आंदोलन करेंगे। मैं भाजपा को चेतावनी देना चाहता हूं कि सुधर जाओ, झुग्गियां तोड़ना बंद करो। अगर झुग्गियां तोड़ना बंद नहीं किया तो तुम्हारा सिंहासन डोलने में वक्त नहीं लगेगा।

डाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान भारत में शीर्ष प्रदर्शन वाला संरक्षित क्षेत्र

जम्मू, 29 जून (देशबन्धु)। जम्मू कश्मीर की जनता के लिए यह खुशी मनाने का मौका है कि जम्मू कश्मीर का डाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान भारत में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले संरक्षित क्षेत्र के रूप में उभरा है, जिसने भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा आयोजित प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई) में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 92.97 प्रतिशत का प्रभावशाली स्कोर प्राप्त करते हुए, डाचीगाम ने देश भर में मूल्यांकन किए गए 438 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में पहला स्थान प्राप्त किया, जो इस क्षेत्र के संरक्षण प्रयासों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जम्मू कश्मीर के वन्यजीव संरक्षण विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है और पार्क के उत्कृष्ट संरक्षण मानकों, अनुकूली प्रबंधन और पारिस्थितिक संरक्षण प्रोटोकाल का प्रमाण है। जानकारी के लिए डाचीगाम विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय हंगुल (सर्वस हंगलू हंगलू) का अंतिम निवास स्थान है – जिसे कश्मीरी हिरण के नाम से भी जाना जाता है – जो दुनिया में कहीं और नहीं पाया जाता है। हाल ही में जनसंख्या अनुमानों ने हंगुल की संख्या में सकारात्मक रुझान दिखाया है, जो इस प्रजाति के दीर्घकालिक अस्तित्व की उम्मीद जगाता है।

सुविधा तत्काल टिकट व आरक्षण चार्ट बनाने का बदला जा रहा तरीका

रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में कल से बड़ा बदलाव

■ चार्ट ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले किया जाए तैयार

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में एक जुलाई से बड़ा बदलाव करने जा रही है, जिसके फलस्वरूप टिकट बुकिंग क्षमता में विस्तार और तत्काल टिकट बुकिंग में उपयोगकर्ता के आधार से प्रमाणीकरण के साथ साथ आरक्षण चार्ट बनाने का तरीका भी बदला जा रहा है।

आधिकारिक सूत्रों ने यहां कहा कि भारतीय रेल यात्रियों के संपूर्ण यात्रा अनुभव को यात्री-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलयात्रा की शुरुआत टिकट आरक्षण से होती है और इसे सरल व सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे कई कदम उठा रही है।

हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सुधारों की समीक्षा की थी और निर्देश दिए थे कि टिकटिंग प्रणाली को स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी होना चाहिए। योजना निर्माण में यात्री सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि यात्रियों को एक सहज और आरामदायक अनुभव मिल सके।

यात्रा योजना में अधिक सुविधा होगी

सूत्रों के अनुसार नई चार्टिंग प्रणाली से यात्रा योजना में यात्रियों को तैयारी करने में अधिक सुविधा होगी। वर्तमान व्यवस्था में अभी आरक्षण चार्ट ट्रेन प्रस्थान के चार घंटे पहले बनाया जाता है जिससे यात्रियों में अनिश्चितता बनी रहती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो आस-पास के क्षेत्रों से ट्रेन पकड़ने आते हैं। अब नई प्रणाली के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रस्ताव किया है कि चार्ट ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाए। यदि ट्रेन अपराह्न दो बजे से पहले प्रस्थान करती है तो चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे ही तैयार कर लिया जाएगा। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव से सहमति जताई है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई व्यवधान न हो।

सूत्रों के अनुसार दिसंबर 2025 तक नई और आधुनिक यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) लागू हो जाएगी। रेल मंत्री ने नई पीआरएस प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की है। इस परियोजना पर पिछले कुछ महीनों से क्रिस कार्य कर रहा है। नई प्रणाली अधिक लचीली, सक्षम और मौजूदा लोड से दस गुना अधिक संभालने में सक्षम होगी। टिकट बुकिंग क्षमता वर्तमान 32 हजार प्रति मिनट से बढ़कर 1.5 लाख टिकट प्रति मिनट होगी।

देश

उवाच “ चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर उन्हें राजनीतिक फायदा पहुंचाने के मकसद से काम कर रहा है। इसी एजेंडे के तहत इन लोगों ने महाराष्ट्र में काम किया था। लेकिन, अब हम इन लोगों को यह प्रयोग बिहार में नहीं करने देंगे।

–सुधाकर सिंह,राजद नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	27.0	26.0
मुंबई	30.0	26.0
कोलकाता	29.0	26.0
चेन्नई	37.0	29.0

बिहार में मतदाताओं को मतदाता सूची से निकालने की रची जा रही साजिश : तेजस्वी

वक्फ, संविधान, मताधिकार की रक्षा के लिए एकजुट होने का किया आह्वान

पटना, 29 जून (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने रविवार को वक्फ, संविधान, मताधिकार की रक्षा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिशों को विफल करने के लिए लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया। राजद नेता ने भाजपा पर बिहार में मतदाताओं को मतदाता सूची से निकालने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा जब सत्ता से जाने वाली है तो वह गरीब, पिछड़ा, दलित, अति पिछड़ा, आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज के वोट के अधिकार को ही छीनना चाहती है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अभी चुनाव आयोग की जो अधिसूचना जारी हुई है उसमें आठ करोड़ मतदाताओं की नई सूची बनाने की बात की गई है वह भी मात्र 25 दिनों में। सभी को सचेत रहने की ज़रूरत है कि किसी का भी नाम मतदाता सूची से हटे नहीं। उन्होंने कहा कि ये लोग मतदाता सूची से नाम हटाकर आपके नागरिक अधिकार को छीन लेंगे और आपके पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति और अन्य योजनाओं को बंद कर देंगे। राजद नेता ने यहां गांधी मैदान में ईमारत-ए-शरिया एवं अन्य धार्मिक मुस्लिम संगठनों की ओर से आयोजित वक्फ बचाओ-दस्तूर बचाओ

यह लोग मतदाता सूची से नाम हटाकर आपके नागरिक अधिकार छीन लेंगे और आपके पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति व अन्य योजनाओं को बंद कर देंगे : **तेजस्वी यादव**

कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम हिंदुस्तान की सरजमीन का हर एक इंच, हर एक पन्ना और इतिहास चीख-चीख कर इस बात की गवाही दे रहा है कि देश की आजादी की लड़ाई हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई हर एक ने मिलकर लड़ी और देश के लिए कुर्बानी दी है। यह देश किसी की जागीर नहीं है, ये देश सबका है। वहीं राजद नेता चंद्रशेखर यादव ने कहा कि कम समय में इतने बड़े पैमाने पर वेरिफिकेशन संभव नहीं है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। एक जून तक सत्यापन पूरा हो जाने के बाद, उन्हें अचानक गहन पुन: सत्यापन की आवश्यकता महसूस हुई। उन्हें एहसास हुआ कि उनकी घृणास्पद, सांप्रदायिक रणनीति अब समाज को धोखा नहीं दे रही है। बिहार हमेशा से बदलाव की भूमि रहा है और हमेशा नफरत के खिलाफ खड़ा रहा है। इसे देखते हुए, उन्होंने लगातार सर्वेक्षण करना शुरू कर दिया। इसमें संघ और भाजपा दोनों शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जब तेजस्वी प्रसाद यादव जैसे युवा नेता गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मूल मुद्दों पर लोगों तक पहुंचते हैं, तो उनके लिए जनता का समर्थन बढ़ता है। इससे नफरत फैलाने वाली ताकतें घबरा गई हैं, और उन्हें अपनी जमीन खोने का डर सता रहा है। राजद नेता ने आशंका जताई कि प्रदेश में एनआरसी की तर्ज पर ही काम किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इनका एक ही मकसद है कि गरीब मतदाता को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाए। महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनाव में हम यह देख चुके हैं। संविधान के प्रस्तावना में सेक्युलरिज्म और सोशलिस्ट शब्द हटाने को लेकर बहस तेज है।

भाजपा की साजिशों को मिलकर नाकाम करना है : यादव

बिहार विस में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि इन साजिशों के खिलाफ हम सभी को मिलकर लड़ना है। वक्फ, दस्तूर के साथ-साथ वोट बचाने के अभियान में भी सजग रहना है और भाजपा की साजिशों को मिलकर नाकाम करना है। उन्होंने कहा कि सामूहिक जागरूकता और प्रतिरोध के जरिए ही भाजपा की साजिशों को नाकाम किया जा सकता है। कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, राज्यसभा सांसद संजय यादव, जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, राजद के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, सैयद फैसल अली, डॉक्टर शमीम अहमद, मो. कारी शोहैब, मो. शाहनवाज आलम, इसराइल मंसूरी, मो. अंजार नईमी, इजहार असफी, सऊद आलम, सैयद रुकनुद्दीन, एजाज अहमद, डॉ. अनवर आलम समेत बड़ी संख्या में सांसद, विधायक एवं अन्य नेता उपस्थित थे।

सांसद रघुनंदन राव को फिर मिली धमकी

हैदराबाद, 29 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना में मेडक सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रघुनंदन राव को माओवादियों फिर जान से मारने की धमकी दी है। यह ताजा धमकी 23 जून को उन्हें मिली धमकी के कुछ ही दिन बाद मिली है। सांसद वर्तमान में यशोदा अस्पताल में पैर की चोट का इलाज करा रहे हैं। पहली धमकी मिलने के बाद उन्होंने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक के साथ-साथ संगारेड्डी और मेडक पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत दर्ज कराई थी। प्रारंभिक जांच के बाद अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षा के लिए एक एस्कॉर्ट वाहन और सशस्त्र सुरक्षाकर्मी मुहैया कराए।

हालांकि दो दिन पहले जब सांसद अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे, तो उन्हें दो अलग-अलग नये नम्बरों से धमकी भरे संदेश मिले। फोन करने वालों ने दावा किया कि वे आंध्र प्रदेश माओवादी समिति के आदेश पर कथित तौर पर उनकी हत्या करने के लिए भेजी गई पांच माओवादी टीमों का हिस्सा है। कॉल करने वालों ने यह भी दावा किया कि वे पहचान से बचने के लिए इंटरनेट-आधारित कॉल का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि वे किसी भी परिस्थिति में उन्हें नहीं छोड़ेंगे। सांसद ने अस्पताल से एक और पुलिस शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें अधिकारियों से सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और खतरे की संवेदनशील प्रकृति और इसमें शामिल सुरक्षा जोखिम के कारण इसे उच्च प्राथमिकता दे रही है।

उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

- सड़क मार्ग से तय करेंगी 129 किमी की दूरी
- आज दोपहर में गोरखपुर आएंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से दो दिवसीय उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगी। 30 जून को राष्ट्रपति बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। उसी दिन वह एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। 1 जुलाई को राष्ट्रपति गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भी दौरा करेंगी, जहां वह इसके ऑडिटोरियम, अकादमिक ब्लॉक और पंचकर्म केंद्र का उद्घाटन करेंगी और साथ ही एक नए गर्ल्स हॉस्टल की आधारशिला भी रखेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय गोरखपुर दौरे में न केवल तीन बड़े संस्थानों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगी, बल्कि गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद 129 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से तय करेंगी। वह गोरखपुर में हर गंतव्य तक सड़क मार्ग से ही जाएंगी।

मेधावियों को मेडल प्रदान करेंगी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति सोमवार को दोपहर में गोरखपुर आएंगी और अगले दिन मंगलवार की शाम प्रस्थान करेंगी। सोमवार को वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होंगी। जहां वह मेधावियों को मेडल प्रदान करेंगी। जबकि, एक जुलाई को राज्य के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, पिपरी भटहट का लोकार्पण और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम, सोनबरसा में अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण तथा गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

सार संक्षेप

जगदीप धनखड़ का जयपुर दौरा आज

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को राजस्थान की यात्रा पर रहेंगे और स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में शामिल होंगे। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने रविवार को बताया कि धनखड़ 30 जून को राजस्थान की राजधानी जयपुर जाएंगे। यात्रा के दौरान वह जयपुर में राजस्थान संविधान क्लब में आयोजित ‘स्नेह मिलन समारोह’ में शिरकत करेंगे। समारोह का आयोजन राजस्थान प्रगतिशील मंच (पूर्व विधायक संघ) ने किया है।

मध्य प्रदेश के मैहर में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के बदेरा थाना क्षेत्र के बराखुर्द गांव में संपत्ति के विवाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार संपत्ति पर कब्जे को लेकर हुए खूनी संघर्ष मे रामलाल साकेत की मौत हो गई। बताया गया कि झगडे में घायल सभी लोगों को मैहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान रामलाल की मौत हो गई। वहीं दस अन्य घायल व्यक्तियों का उपचार किया जा रहा है।

कांग्रेस ने किया पार्टी नेता श्रीनिवास को निलंबित

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) ने दल विरोधी गतिविधियों को लेकर पार्टी नेता रवि श्रीनिवास को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। टीपीसीसी की अनुशासन समिति के अध्यक्ष एवं सांसद मल्लू रवि की अध्यक्षता में आज हुई बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। एक बयान में कहा गया कि कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के डीसीसी अध्यक्ष विश्व प्रसाद की ओर से शिकायत के बाद श्रीनिवास को निलंबित किया। प्रसाद ने आरोप लगाया था कि श्रीनिवास ऐसी गतिविधियों में शामिल थे जो कांग्रेस पार्टी के हितों के लिए हानिकारक थीं।

कीचड़ में फंसने के कारण प्रवासी श्रमिक की मौत

कोझिकोड। केरल में थोंडायड के पास नेल्लीकोट में रविवार को कीचड़ मलबे में धंसने के कारण पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के एलंजर के रूप में हुई है, जबकि दो अन्य प्रवासी श्रमिक मामूली रूप से घायल हो गए व उन्हें कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एलंजर के शव को पोस्टमार्टम को केएमसीएच में रखा गया। घटना सुबह 11 बजे हुई। नेल्लीकट में रेगेट्स कंपनी की निर्माणाधीन इमारत में तीन प्रवासी श्रमिक काम कर रहे थे। तभी इमारत पर कीचड़ युक्त मलबा गिरने से तीन श्रमिक मलबे के नीचे फंस गए।

अमित शाह ने तेलंगाना में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का किया उद्घाटन

निजामाबाद/तेलंगाना, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया। इसे हल्दी का

उत्पादन करने वाले किसानों को समर्थन और निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इस अवसर पर शाह ने बोर्ड के आधिकारिक लोगो का भी अनावरण किया, जो भारत में हल्दी की खेती के लिए कृषि नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के एक नए युग का प्रतीक है। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए हल्दी किसानों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि निजामाबाद को देश की हल्दी राजधानी माना जाता है। मैं हल्दी बोर्ड का उद्घाटन करते हुए खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं, जो भारतीय जनता पार्टी सांसदों के लगातार प्रयासों की बदौलत वास्तविकता बन पाया है। न केवल तेलंगाना को बोर्ड दिया गया, बल्कि एक तेलंगाना मूल निवासी को इसका अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। उन्होंने हल्दी के वैश्विक महत्व का उल्लेख करते हुए इसे एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-कैंसर गुणों वाली ‘दिव्य औषधि’ बताया। हमारा लक्ष्य 2030 तक हल्दी के निर्यात में एक अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को हासिल करना है। इस बोर्ड के माध्यम से हम किसानों को आधुनिक खेती तकनीकों में प्रशिक्षित करेंगे और भारती सहकारी समिति जैसी पहलों के माध्यम से उनकी आय में सुधार करने के लिए काम करेंगे।

कोलकाता गैंगरेप गंभीर अपराध : कांग्रेस

दोषियों के खिलाफ की सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग

प्रयागराज, 29 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कोलकाता गैंगरेप को बहुत गंभीर अपराध करार देते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की बात पर जोर दिया है। कांग्रेस सांसद ने रविवार को कहा कि सिक्योरिटी गार्ड के कमरे में जिस तरह की घटना को अंजाम दिया गया है यह सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाता है। तिवारी ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ, चाहे उनका कोई भी संबंध हो, सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर दो से तीन महीने में आरोपियों को कड़ी सजा देने की वकालत की। साथ ही, उन्होंने भाजपा को सलाह दी कि इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। तिवारी ने भाजपा से कहा है कि वह पहले उन प्रदेशों का हाल सुधारे जहां पर

सिक्योरिटी गार्ड के कमरे में जिस तरह की घटना को अंजाम दिया गया यह सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाता है : **प्रमोद तिवारी**

भाजपा शासित सरकार है। पुरी भगदड़ पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि इतने वर्षों से ओडिशा में भगवान जगन्नाथ की यात्रा होती थी। भगवान अपनी मौसी के घर जाते हैं। पहली बार यहां पर भाजपा सरकार बनी और उन्होंने इसे राजनीतिक इवेंट बना दिया। इस घटना में जिनकी मृत्यु हुई है उन्हें अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मोदी से शुभांशु शुक्ला की बातचीत पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों के लिए बहुत गर्व का क्षण है कि शुभांशु शुक्ला हमारे नायक के रूप में वहां गए हैं। उनके साहस, निडरता व चेहरे पर चमक दर्शाती है कि वह इस यात्रा को सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

कोलकाता में मेडिकल छात्रा के साथ दरिंदगी बेहद निंदनीय : राशिद अल्वी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राशिद अल्वी ने कोलकाता में एक मेडिकल छात्रा के साथ हुई जघन्य घटना पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे बेहद निंदनीय बताते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज के लिए शर्मनाक हैं। आजकल हमारे समाज में न जाने क्या हो गया है, ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आ रही हैं। कुछ नेता इस पर जिस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं, वह पूरी तरह गलत है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को भी नाकाम करार देते हुए कहा कि इसका यह मतलब नहीं कि कोई अपराध हो जाए तो सरकार पुलिस या कानून की कमी का बहाना बनाए।

असम के मंत्री ने पत्रकार विवाद मामले में मांगी माफी

गुवाहाटी, 29 जून (एजेंसियां)। असम के मंत्री जयंत मल्लाबरुआ ने एक पत्रकार पर विवादित टिप्पणी के बाद आलोचनाओं के मद्देनजर रविवार को एक औपचारिक सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी किया। मल्लाबरुआ ने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी एक बयान में इस विवाद को कम करने की कोशिश की और दावा किया कि उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से लियागया और उनका उद्देश्य कभी भी मीडिया का अपमान करना नहीं था। मंत्री ने कहा कि मेरे पिता 22 वर्ष तक दैनिक असम के स्थानीय संवाददाता रहे। पत्रकारिता हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। मैं शुरू से ही पत्रकारों का बहुत सम्मान करता रहा हूं और यह आज भी बरकरार है। अगर मेरे शब्दों ने किसी को ठेस पहुंचाई है, तो मैं ईमानदारी से माफी मांगता हूं। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने शासन करने का सारा नैतिक अधिकार खोया : येदियुरप्पा

महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं को रोककर लोगों को धोखा देने का लगाया आरोप

बेंगलुरु, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने रविवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना करते हुए सरकार पर महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं को ‘रोककर ’ लोगों को धोखा देने और राज्य के विकास को अवरुद्ध करने का आरोप लगाया।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने शासन करने का सारा नैतिक अधिकार खो दिया है। उनका एकमात्र ध्यान किसी भी कीमत पर सत्ता बनाए रखना है। उन्होंने मौजूदा प्रशासन को स्वार्थी और जन कल्याण के प्रति उदासीन करार दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में नई रेलवे परियोजनाओं को लागू करने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा दिखाई गई सक्रिय स्वीकृति और उत्साह के बावजूद, राज्य सरकार आवश्यक लागत-साझाकरण योगदान देने में विफल रही है। भाजपा नेता ने फंडिंग फॉर्मूले का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राज्य ने अपने हिस्से का पर्याप्त योगदान नहीं दिया जिसके कारण कई रेलवे आधारभूत योजनाओं में अनिश्चितकालीन देरी हुई। उन्होंने कांग्रेस सरकार को ‘कर्नाटक के लिए अभिशाप’ बताया।

रिश्वतखोरी की गिरफ्त में हर विभाग

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष येदियुरप्पा ने कांग्रेस सरकार पर विभागों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और कमीशनखोरी की राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हर विभाग रिश्वतखोरी और उपेक्षा की गिरफ्त में है। इस सरकार ने विकास की मशीनरी को पूरी तरह से जंग लगा दिया है। येदियुरप्पा ने जनता को एकजुट करने का आह्वान करते हुए कहा कर्नाटक तब तक आगे नहीं बढ़ सकता जब तक कि यह जनविरोधी, शून्य-विकास वाली सरकार नहीं हटाई जाती।

बिहार विस चुनाव नहीं लड़ेंगे चिराग पासवान

राजगीर, 29 जून (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि वह बिहार से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे बल्कि बिहार के लिए चुनाव लड़ेंगे। पासवान ने रविवार को नालंदा के राजगीर में आयोजित बहुजन भीम संकल्प समागम को संबोधित करते हुए कहा कि कहा कि मैं

गठबंधन के तहत सभी 243 सीट के लिए चुनाव लड़ूंगा। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव मैं बिहार और बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के लिए चुनाव लड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोजपा रामविलास के रहते देश में ना तो आरक्षण समाप्त होगा ना ही संविधान। उन्होंने तेजस्वी यादव के 20 माह बिहार की सत्ता देने की बात पर तंज कसते हुए कहा कि 20 माह में तेजस्वी यादव नौकरी के बदले जो जमीन लिए हैं वह भी लोगों को लौटा देंगे। उन्होंने कहा कि लोजपा रामविलास बिहार को विकसित राज्य की श्रेणी में लाएगी। रोजगार के लिए लोगों का पलायन न हो, शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े, लोगों का बेहतर इलाज बिहार में हो ऐसी व्यवस्था की जाएगी।

झारखंड के खूंटी में घर पर हमला बोल ग्राम प्रधान की हत्या

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड के खूंटी जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र काड़ेतुबिद गांव में हथियारबंद अपराधियों ने ग्राम प्रधान बलराम मुंडा के घर पर हमला बोलकर उनकी हत्या कर दी। उन्हें गोली मारी गई और इसके बाद उन पर धारदार हथियार से कई वार किए गए। उन्होंने मौके पर दम तोड़ दिया।

यह वारदात शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की है। अपराधियों ने घर पर मौजूद ग्राम प्रधान के भांजे आचू मुंडा की भी पिटाई की। वह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज खूंटी के सदर अस्पताल में चल रहा है। यह इलाका नक्सल प्रभावित है। रविवार को इलाके के लोगों को वारदात की खबर मिली तो सनसनी फैल गई। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। मारे गए ग्राम प्रधान बलराम मुंडा भारतीय जनता पार्टी से जुड़े थे। वह

भाजपा से जुड़े थे ग्राम प्रधान बलराम मुंडा

खूंटी जिला भाजपा मंडल के मंत्री रह चुके थे। उनकी हत्या की खबर सुनकर झारखंड के पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा सहित पार्टी के कई नेता अस्पताल पहुंचे। पार्टी ने इस हत्याकांड की भर्त्सना करते हुए हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की है। बताया गया कि रात में बारिश के दौरान 10-12 की संख्या में हथियारबंद अपराधी उनके घर में घुस आए।

चिंता कश्मीर की ओर मुड़े पर्यटक पर लद्दाख को अभी भी इंतजार

अपर्याप्त प्रचार ने पर्यटन निर्भर अर्थव्यवस्था को किया प्रभावित

जम्मू, 29 जून (देशबन्धु)। पहलगाम नरसंहार और उसके बाद आपरेशन सिंदूर के कारण कश्मीर से लापता हुए पर्यटक फिर से लौटने तो लगे हैं पर बर्फीले रेगिस्तान लद्दाख को अभी भी उस भीड़ का इंतजार है जो कभी हुआ करती थी। हालांकि लद्दाखियों को टूरिज्म सेक्टर से जुड़े उन लोगों से नाराजगी तो जरूर है जिन्होंने चलो कश्मीर की तो मुहिम छेड़ी। पर लद्दाख को याद नहीं किया। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक।

लद्दाख में अप्रैल में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जबकि मई में यह संख्या स्थिर रही और जून में पर्यटकों के आगमन में लगभग 60 फीसदी की नाटकीय गिरावट देखी गई।

इस पूरी तस्वीर से पता चलता है कि सुरक्षा चिंताओं, अंतरराष्ट्रीय विकास और अपर्याप्त प्रचार सहित कई कारकों ने क्षेत्र की पर्यटन-निर्भर अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। पिछले साल के मुकाबले इस साल लेह में पर्यटकों की संख्या में मिला-जुला रुझान देखने को मिला है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के

मुताबिक, अप्रैल 2025 में पर्यटकों की संख्या अप्रैल 2024 के 14,235 से बढ़कर 25,686 हो गई। यह 80 फीसदी की बढ़ोतरी है।

हालांकि, मई में यह संख्या लगभग वैसी ही रही, पिछले साल के 29,497 से मामूली गिरावट के साथ इस साल 29,353 हो गई। सबसे उल्लेखनीय

- जून माह में पर्यटकों के आगमन में 60 फीसदी की आई गिरावट
- पिछले साल के मुकाबले इस साल पर्यटकों की संख्या में मिला-जुला रुझान दिखा

गिरावट जून में देखी गई, जहां पर्यटकों की संख्या 2024 में 1,53,711 से घटकर 2025 (25 जून तक) में सिर्फ 61,927 रह गई। यह लगभग 60 फीसदी की कमी को दर्शाता है। इसके अलावा, पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से दिसंबर 2024 तक कुल 376,386 पर्यटक लद्दाख आए, जबकि जनवरी से 25 जून 2025 के बीच 127,437 पर्यटक आए। हालांकि, अधिकतर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने अप्रैल और मई की अपनी यात्राएं रद्द कर दी थीं। दूसरी ओर, घरेलू पर्यटक आमतौर पर पहले से बुकिंग नहीं कराते हैं। कई लोग गर्मी से बचने के लिए लद्दाख आ रहे हैं। हालांकि कुछ को यहां का मौसम अभी भी गर्म लग रहा है। टूर आपरेटर त्सेरिंग दादुल के बकौल पर्यटन विभाग को अपने प्रचार प्रयासों में सुधार करने की जरूरत है। चूंकि कई पर्यटक अपना खुद का वाहन चलाकर आ रहे हैं, इसलिए इससे स्थानीय परिवहन क्षेत्र को कोई फायदा नहीं हो रहा है। फिर भी, पिछले दो महीनों की तुलना में अब स्थिति बेहतर है। उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है। वे कहते थे कि इजराइल से कई अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने चल रहे युद्ध के कारण अपनी योजनाएं रद्द कर दी हैं।

कुछ का कहना है कि उनका दूतावास जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है क्योंकि लद्दाख एक सीमावर्ती क्षेत्र है। लेकिन यहां पहुंचने के बाद, उन्हें स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और शांतिपूर्ण जरूर लगी थी।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

काफी दिनों बाद चिंटू पार्क में घूमने गया,
घर लौटकर उसने अपनी पत्नी को बताया-
जानती हो लोग मुझे भगवान मानने लगे हैं।
पत्नी- ये तुमने कैसे जाना।
चिंटू- जब मैं पार्क में गया था, वहां पर औरतें मुझे देख कर बोली, हे भगवान तू फिर आ गया।

संपादकीय

बारिश में सांपों का खतरा

वर्षाकाल के आते ही पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर ग्रामीण एवं आदिवासी इलाकों में सर्प दंश का खतरा बढ़ जाता है। प्रदेश वनों तथा खेतों से आच्छादित होने से यहां के ज्यादातर क्षेत्रों में सर्पों की बहुतायत है। बस्तर, सरगुजा, कोरबा आदि में कई तरह के सांप पाये जाते हैं। इनमें से कई ज़हरीली प्रजातियां हैं। जिन भागों का शहरीकरण हो चुका है, वहां अब वे धीरे-धीरे निकलने बन्द हो गये हैं। अब वे ज्यादातर ग्रामीण या सूने इलाकों में ही मिलते हैं परन्तु गाहे-बगाहे शहरी क्षेत्रों में भी मिल जाते हैं। वे नालियों आदि के जरिये आ जाते हैं। इनसे सावधान तो रहा ही जाये, उन्हें न ही छेड़ा जाये तो बेहतर होता है।

सर्प भी इन्सानों से दूरी बनाये रखना पसंद करते हैं। उन्हें मारने की भी ज़रूरत नहीं होती। अब पर्यावरण प्रेमी उन्हें बचाकर उनके प्राकृतिक आवासों अर्थात जंगलों में छोड़ आते हैं। पुलिस के सपर्क क्रमांक 112 पर डायल कर रेस्क्यू टीम को बुलाया जा सकता है। यदि सांप ने काटा हो तो तुरन्त चिकित्सक के पास जाना चाहिये। झाड़-फूंक के चक्कर में कतई नहीं पड़ना चाहिये।

आरंग के देवरी गांव के एक नागरिक के घर शनिवार को कोबरा सांप निकला था। जब रेस्क्यू टीम आई तो एक कमरे में टाइल्स के नीचे से लगभग 35 नाग निकले। सभी को वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। यह अच्छा हुआ कि कोई सर्प दंश का शिकार नहीं हुआ। विषैले सांपों के डंसने से हर साल कई मौतें होती हैं। पिछले साल जुलाई में अंबिकापुर के दरिमा थाना के तहत तुनतुरी गांव में जमीन पर सोये हुए एक 22 वर्षीय युवक को सांप ने काट लिया था जिसमें उसकी जान चली गयी थी। उसके पूर्व बलरामपुर जिले के बलंगी थानांतर्गत जोगयानी गांव में 7 साल की एक बच्ची भी सर्प दंश से मारी गयी। इस प्रकार की कई मौतें राज्य में हर वर्ष आम हैं।

मानसून के दौरान उनके प्राकृतिक आवासों में पानी भर जाता है। इसके चलते वे बाहर निकलते हैं। कई बार राह चलते किसी व्यक्ति का पैर धोखे से इन पर पड़ता है तभी वे अपने बचाव के लिये उसे डंसते हैं। सर्पों के बाहर निकलने के इस काल में सावधान रहें। उन स्थानों पर बारिशों में, विशेषत: रातों में बिलकुल नहीं जाना चाहिये जहां ये हो सकते हैं। पेड़ों व झाड़ियों के नीचे, लकड़ियां, बोरे आदि के ढेर, अंधेरे व नमी वाले स्थानों में वे रहते हैं। ऐसी जगहों पर जाने के पहले प्रकाश किया जाये। बिजली न हो तो टॉर्च का इस्तेमाल किया जाना चाहिये। गांव-जंगलों तथा सूने रास्तों में सावधान रहें। यदि सर्प दंश का शिकार हो ही जायें तो झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़कर यथाशीघ्र डॉक्टरों से उपचार करायें। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व अस्पतालों में एंटी वेनम दवाएं उपलब्ध हैं।

एनएचएम कर्मी जुलाई में करेंगे बेमियादी हड़ताल

मानसून सत्र के दौरान बड़े प्रदर्शन की तैयारी

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संघ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहा है। इसी कड़ी में 10 जुलाई से कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। इसके लिए कर्मचारियों ने समर्थन पत्र भी अधिकारियों को सौंपा है।

एन एच एम कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने बताया कि हमारे प्रतिनिधि मंडल ने अप्रैल में स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया एवं आयुक्त सह मिशन संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला से मुलाकात कर नियमितीकरण, ग्रेड पे, मेडिकल अवकाश, स्थानांतरण नीति जैसी महत्वपूर्ण मांगों को रखा था। उस समय अधिकारियों ने एक महीने के भीतर मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

मांग पूरी ना होने से नाराज

संविदा स्वास्थ्य कर्मी विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान बड़े आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। प्रदेश के ब्लॉक से लेकर जिला स्तर के कर्मचारी आंदोलन में भाग लेने की सहमति दे रहे हैं और अपने जिलाध्यक्षों के माध्यम से प्रांतीय अध्यक्ष को अनिश्चितकालीन आंदोलन की अनुशंसा कर रहे हैं। हेमंत सिन्हा के मुताबिक शासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई तो 10 जुलाई से अनिश्चित कालीन हड़ताल लगभग तय है, जिसके लिए जिलों में बैठकें जारी हैं।संघ के प्रदेश प्रवक्ता पूरन दास ने बताया कि, शासन-प्रशासन द्वारा समय पर मांगें पूरी नहीं किए जाने से कर्मियों में भारी निराशा एवं आक्रोश है। मानसून सत्र के दौरान आंदोलन की रूपरेखा बनाई जा रही है।एनएचएम के संविदा कर्मचारी पिछले 20 वर्षों से अत्यंत कम वेतन, बिना ग्रेड पे, बिना मेडिकल अवकाश जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भी उपस्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में सेवा दे रहे हैं। इन्हीं कर्मियों की मेहनत के बल पर छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं में कई राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि बारिश के इस मौसम में कर्मचारियों के आंदोलन में चले जाने से डायरिया, उल्टी, जलजनित रोगों एवं सांप-बिच्छू काटने जैसे मौसमी बीमारियों के बढ़ते मामलों में आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए शासन को पूरी ज़िम्मेदारी लेनी होगी। संघ सरकार से मांग करता है कि कर्मचारी हितों को ध्यान में रखते हुए उनकी मांगों पर तत्काल निर्णय लिया जाए, ताकि जनस्वास्थ्य व्यवस्था पर प्रतिकूल असर न पड़े।

छात्रों के मुद्दों को लेकर विस का घेराव करेगी एनएसयूआई

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में 7 जुलाई की सभा में भीड़ जुटाने सौंपी गई जिम्मेदारी

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) की छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक राजीव भवन में हुई। इस बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, सभी जिला अध्यक्ष एवं संगठन के अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने बताया की बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करना तथा आगामी आंदोलनों की रूपरेखा तैयार करना रहा। विशेष रूप से 7 जुलाई को आयोजित होने वाले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के छत्तीसगढ़ आगमन एवं कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई।

एनएसयूआई ने निर्णय लिया कि प्रदेश भर के छात्रों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक जिला अध्यक्ष और पदाधिकारी को ज़िम्मेदारी दी गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक छात्रों को इस कार्यक्रम में शामिल करवाएं।

इसके साथ ही, बैठक में छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर आने वाले समय में राज्यव्यापी आंदोलनों की रूपरेखा भी तय की गई। शिक्षा, बेरोजगारी, छात्रवृत्ति,युक्तियुक्तकरण , छात्र संघ चुनावों की बहाली, और शिक्षकों की भर्ती जैसे विषयों को लेकर चिंता जताई गई।

महाविद्यालयीन समस्याओं को लेकर एनएसयूआई एक सशक्त जनआंदोलन चलाएगी, जिसकी विस्तृत रणनीति जल्द ही घोषित की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आगामी 7 जुलाई को प्रस्तावित कांग्रेस के कार्यक्रम को लेकर बड़ी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने में एनएसयू आई की भूमिका सबसे अहम होगी, जो कांग्रेस पार्टी के लिए इंजन की तरह काम करती है।

दीपक बैज ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई है और संगठन के सभी मोर्चे विशेषकर एनएसयू आई इसमें प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस विपक्ष की एक मज़बूत भूमिका निभाएगी और प्रदेश की विफल सरकार को हर मोर्चे पर घेरा जाएगा।

एआईसीसी सचिव देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण के नाम पर स्कूलों को बंद करना, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार की अनदेखी करना और अंतिम व्यक्ति तक विकास नहीं पहुंचा पाने जैसी विफलताओं के खिलाफ एनएसयूआई मजबूती से आवाज उठाएंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनएसयूआई आने वाले समय में जमीनी मुद्दों पर लड़ाई लड़ेंगी और जन-आंदोलनों के ज़रिए सरकार की नीतियों को बेनकाब करेंगी।

बैठक में दीपक बैज, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, एजाज ढेबर, पंकज शर्मा, संजीव शुक्ला, दीपक मिश्रा, पंकज मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ नेताके अलावा एनएसयूआई के अमित शर्मा, आदित्य बीसेन, संकल्प मिश्रा समेत पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक से प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का मोबाइल चोरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक से दीपक बैज का मोबाइल चोरी हो गया है। जानकारी के मुताबिक श्री बैज बैठक के दौरान मीडिया से बातचीत करने मीटिंग हॉल से बाहर आए थे। इसी बीच कार्यकर्ता के रूप में किसी चोर ने बैज का आई फोन 15 श्चह्म्श चोरी कर ले गया। दीपक बैज के मोबाइल गायब होने की सूचना मिलते ही प्रदेश कार्यालय में हड़कंप मच गया। सभी कार्यकर्ता उनका मोबाइल खोजने में जुट गए। फिलहाल खम्हारडीह थाना में मोबाइल गुम होने की सूचना दी गई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा मोबाइल फ़ोन गायब हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकाजुर्न खड़गे के दौरे की तैयारी चल रही थी। एनएसयूआई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई थी। इसी बीच मीडिया को बाइट देने बाहर आया हुआ था। अंदर जाने पर मोबाइल फ़ोन नहीं मिला। मेरा मोबाइल हो सकता है, मुझसे कहीं छूट गया होगा, इतना मुझे ध्यान नहीं है हमने मोबाइल को बंद करने की सूचना दे दी है। मेरे मोबाइल में गाँव से लेकर दिल्ली तक के कांटेक्ट थे।सिर्फ़ इसी की चिंता है। मेरे कांटेक्ट नए सिरे से जोड़ने पड़ेंगे, और मेरे लोकसभा चुनाव के वक्त की कुछ तस्वीरे है इससे ज़्यादा कुछ ख़ास मेरे मोबाइल पर नहीं था।

राजीव भवन की सुरक्षा के सवाल पर कहा श्री बैज ने कहा पूरा प्रदेश सुरक्षित नहीं है, तो राजीव भवन कैसे सुरक्षित रह सकता है। हालांकि हमने सूचना दे दी है हमे अपने कार्यकर्ताओं पर पूरे भरोसा है।

मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने की मुलाकात

नक्सल क्षेत्रों में 159 आंगनबाड़ी केंद्र, 70 लाख महिलाओं को 10,431 करोड़ रुपए, सशक्तिकरण की नई मिसाल

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने श्रीमती ठाकुर के साथ प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के संकल्प के तहत विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित बीजापुर, सुकमा, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों में नियद नेल्लानार योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 159 आंगनबाड़ी केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह पहल उन दुर्गम क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को सीधे अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने यह भी अवगत कराया कि महतारी वंदन योजना अंतर्गत मार्च 2024 से जून 2025 की अवधि में 70 लाख से अधिक महिलाओं को ?10,431.30 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। इससे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत आधार मिला है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती ठाकुर को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा उपस्थित थीं।

छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का बनते हैं आधार : अरुण साव

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के भनपुरी स्थित पाटीदार समाज भवन में स्थानीय लोगों और युवाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 123वीं कड़ी का प्रसारण सुना। प्रधानमंत्री ने आज की %मन की बात% में देशवासियों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता, देश-विदेश में बने कीर्तिमानों, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की हत्या के काले अध्याय जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। विधायक मोतीलाल साहू ने भी पाटीदार समाज भवन में %मन की बात% का प्रसारण सुना।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने %मन की बात% सुनने के बाद कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है। यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं तो समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत को ट्रेकोमा मुक्त देश घोषित करने और देश की 64 प्रतिशत आबादी को सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने संबंधी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का उल्लेख किया है। ये उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए उठाए गए ठोस कदमों का प्रमाण है।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस और प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए महिला स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हो रहे नवाचारों के बारे में भी बताया है। रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंदकुमार साहू, रायपुर नगर निगम के पार्षदगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में पाटीदार समाज भवन में मन की बात सुनने के लिए मौजूद थे।

मानां नपं में लापरवाही का नतीजा

लाखों के स्वच्छता वाहन और मशीनें बनी कबाड़

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। माना नगर पंचायत में स्वच्छता मिशन के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर खरीदे गए वाहन और मशीनें अब बेकार पड़ी हैं। जिन संसाधनों का उद्देश्य नगर को साफ-सुथरा बनाना था, वे आज स्क्र्रूसेंटर में जंग खा रहे हैं। इस हालात के पीछे सबसे बड़ी वजह है— रखरखाव की कमी, कर्मचारियों की अनुपस्थिति और अधिकारियों की लापरवाही।

सूत्रों के अनुसार, सीवर सेक्शन मशीन, कचरा वाहन, ई-रिक्शा, ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी जैसी मंहगी मशीनों की खरीदी के बाद से ही इनका समुचित उपयोग नहीं हो पाया। नगर पंचायत ने इन उपकरणों की खरीदी स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए की थी, लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई सुनियोजित योजना नहीं बनाई गई। न ही इन वाहनों को संचालित करने के लिए पर्याप्त चालक और तकनीकी कर्मी नियुक्त किए गए।

माना नगर पंचायत स्वच्छता उपकरण की यह दुर्दशा दर्शाती है कि संसाधन होने के बावजूद, अगर प्रशासनिक इच्छाशक्ति और निगरानी का अभाव हो, तो योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि इन महंगे संसाधनों की स्थिति की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए और जल्द से जल्द इन्हें दुरुस्त कर नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए। अन्यथा यह सारा निवेश केवल कागजों की खानापूरी बनकर रह जाएगा।

युवा राष्ट्र की ऊर्जा, जो सिर्फ सपना नहीं देखते साकार भी करते हैं : बृजमोहन

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। भारत के भविष्य को गढ़ने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, युवा वो होते हैं जिनके भीतर आग होती है कुछ कर दिखाने की, जो चुनौतियों से डरते नहीं, उनका सामना करते हैं। जो सिर्फ अपने लिए नहीं, देश के लिए भी सोचते हैं।

सांसद अग्रवाल रविवार को 'यंग इंडियंस पार्लियामेंट 2025' के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यह आयोजन यंग इंडियंस एवं कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के तत्वावधान में भारत राइजिंग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर से आए 100 से अधिक ऊर्जावान विद्यार्थियों ने संसद की कार्यप्रणाली को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में सांसद अग्रवाल ने कहा कि, युवा सिर्फ अपने भविष्य के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी भागीदार बनते हैं। उनके इरादे मजबूत, सोच सकारात्मक और उद्देश्य समाज सेवा होता है। उन्होंने आगे कहा कि, च्पार्लियामेंट केवल एक इमारत नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मंदिर है जहाँ सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका अहम होती है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझावों के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूती देना भी होता है। इस आयोजन में रायपुर की महापौर मीनल चौबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा, इस प्रकार के आयोजन बच्चों में जनभागीदारी और ज़िम्मेदारी का बोध कराते हैं, जिससे आने वाले समय में सशक्त नेतृत्व तैयार होता है।

बिलासपुर-अंबिकापुर फ्लाइट बंद

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। फ्लाई बिग कंपनी की बिलासपुर-अंबिकापुर हवाई सेवा अब बंद कर दी गई है। पहले सप्ताह में छह दिन संचालित होने वाली यह फ्लाइट यात्रियों की कमी के कारण केवल तीन दिन चलाई जा रही थी। अब कंपनी ने मानसून के दौरान विजिबिलिटी यानी दृश्यता की कमी का हवाला देते हुए सेवा को फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया है। टिकट खरीदने वाली साइट भी बंद है। इस फ्लाइट का किराया मात्र 1048 रुपए निर्धारित था, फिर भी यात्रियों की संख्या बेहद कम रही, जिससे कंपनी को यह निर्णय लेना पड़ा। कंपनी की वेबसाइट भी बंद कर दी गई है और अब टिकटों की बिक्री नहीं हो रही है। फ्लाइट के बंद होने से बिलासपुर और अंबिकापुर के बीच हवाई सफर करने वाले यात्रियों को अब भारी निराशा का सामना करना पड़ेगा।यह हवाई सेवा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही थी, लेकिन अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण इसे बंद कर दिया गया है।

15 जुलाई से बंद होंगी रायपुर के च्वाइस सेंटरों में आधार सेवाएं

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में आधार कार्ड बनवाने और अपडेट कराने की प्रक्रिया में 15 जुलाई से बड़ा बदलाव लागू होने जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशों के तहत अब किसी भी च्वाइस सेंटर में आधार कार्ड से जुड़ी कोई सेवा नहीं मिलेगी। यानी अब नए आधार कार्ड बनवाना हो या उसमें किसी तरह का संशोधन कराना हो, यह काम सिर्फ सरकारी लोक सेवा केंद्रों में ही होगा।

शहर में सिर्फ 9 सरकारी केंद्र रहेंगे विकल्प

फिलहाल रायपुर में 44 से अधिक च्वाइस सेंटर हैं, जहां नागरिक अपनी सुविधा अनुसार जाकर आधार सेवाएं प्राप्त करते रहे हैं। लेकिन अब ये सेवाएं बंद होने से केवल कलेक्टोरेट, नगर निगम मुख्यालय और 6 जोन कार्यालयों सहित कुल 9 सरकारी केंद्रों में ही आधार कार्ड बनेगा। इसके अतिरिक्त श्याम प्लाजा पंडरी में एक निजी कंपनी को सेवाएं देने की अनुमति है, लेकिन वहां सेवाओं के लिए शुल्क देना होगा।

प्रबंधन की जिम्मेदारी चिप्स को

नई व्यवस्था से आम लोगों को परेशानी की आशंका

सरकारी केंद्रों की संख्या सीमित होने के कारण आम नागरिकों को लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है। साथ ही, भीड़ अधिक होने से इंतजार बढ़ेगा और बार-बार दस्तावेज लेकर लौटना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह मुश्किल होगा जो दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं या रोज़मर्रा की नौकरी करते हैं।

नाराज च्वाइस सेंटर संचालक

च्वाइस सेंटरों के संचालक इस फैसले से नाराज हैं। उनका कहना है कि पहले आधार कार्ड से उन्हें एक निश्चित कमीशन मिलता था जिससे केंद्र की लागत, स्टाफ वेतन और किराया जैसे खर्च पूरे होते थे। अब काम खत्म होने से सेंटर चलाना मुश्किल होगा। हालांकि चिप्स की ओर से संचालकों को सरकारी केंद्रों में शिफ्ट होने का विकल्प दिया गया, लेकिन कमीशन घटाकर 75 रुपये कर दिए जाने के कारण ज्यादातर ने इसमें रुचि नहीं दिखाई।

अब पूरी व्यवस्था चिप्स के हवाले

अब आधार सेवाओं से जुड़ा पूरा प्रबंधन सीधा चिप्स के अंतर्गत आ जाएगा। पहले यह जिम्मेदारी एनआईसी हैदराबाद के पास थी। अब आईडी अलॉटमेंट, ब्लॉकिंग, सर्वर समस्या और तकनीकी फॉल्ट सुधार जैसे सभी कार्य चिप्स ही करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि सर्वर में खराबी आती है तो आम नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है, क्योंकि सुधार में समय लग सकता है।

नई व्यवस्था सरकारी निगरानी को मजबूत बनाने और डेटा की सुरक्षा के लिहाज से फायदेमंद मानी जा रही है, लेकिन आम नागरिकों की सहूलियत को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कम केंद्र, ज्यादा भीड़ और दूरस्थ स्थानों तक की यात्रा इस व्यवस्था को जमीनी तौर पर चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह फैसला लोगों की जिंदगी आसान बनाता है या मुश्किल।

फारेस्ट टू फर्मेसी मॉडल को साकार करने की दिशा में सरकार का ऐतिहासिक पहल

मुख्यमंत्री साय ने नवनिर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई और केन्द्रीय भंडार गृह परिसर का किया लोकार्पण

27.87 एकड़ क्षेत्र में 36.47 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित है आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा के अंतर्गत ग्राम जामगांव (एम) में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा निर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई एवं केन्द्रीय भण्डार गृह परिसर तथा स्प्रेयर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप अंतर्गत निर्मित हर्बल्स एक्सट्रेक्शन इकाई का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, सम्पत लाल अग्रवाल, ललित चन्द्राकर, गजेन्द्र यादव एवं रिकेश सेन, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, पूर्व विधायक दया राम साहू, महामण्डलेश्वर हरिद्वार श्रीश्री 1008 डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज, स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, छत्तीसगढ़ राज्य वनोपज संघ प्रबंध संचालक अनिल कुमार साहू, छ.ग. राज्य वनोपज संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एस. मणिकासगन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने लोकार्पण के पहले प्रसंस्करण ईकाई परिसर में आंवला का पौधा रोपित किया। इसके साथ ही वन मंत्री कश्यप ने सीताफल का पौधा, सांसद विजय बघेल ने बेल, महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 डॉ.स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज ने भी सीताफल का पौधा रोपित किया। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधनों और पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज तीन आधुनिक हर्बल (आयुर्वेदिक) औषधीय संयंत्रों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वादे को हमारी सरकार 'मोदी की गारंटी' को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण किया जा रहा है। हमारी सरकार डेढ़ वर्षो से लगातार विकास की ओर अग्रसर है। तीन करोड़ जनता से किए गए वादों को हमारी सरकार पूरा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत पांच वर्षो में गरीब जनता ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' से वंचित रह गई थी, जिसे हमारी सरकार बनते ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी और निर्माण कार्य प्रारंभ किया, जो पूर्णता की ओर है।

हमारी सरकार किसानों से 21 चिंटल प्रति एकड़ धान की खरीद की जा रही है, और उन्हें प्रति चिंटल 3,100 रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। महिलाओं को 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रतिमाह 1000 की आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है, इस योजना के तहत 70 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। इस योजना के छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को नये सिरे से जोड़ने की प्रक्रिया भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रामलला दर्शन योजना' के तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा शुरू की गई 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' को पुनः शुरू कर दिया गया है। योजना के तहत 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा और गंगा स्नान का अवसर निःशुल्क दिया जा रहा है।

भारत की बेटी ने रचा इतिहास

SSB की कांस्टेबल ललहुमहिमी ने अमेरिका में वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में जीता गोल्ड मेडल

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। देश की बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे किसी भी मैदान में पीछे नहीं हैं। शस्त्र सीमा बल (स्स्ब) की प्रतिभाशाली जूडो खिलाड़ी कांस्टेबल ललहुमहिमी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का परचम लहराया है।

भारतीय पुलिस बल का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्टेबल ललहुमहिमी ने अमेरिका के बर्मिंघम में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जूडो स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने के बाद ललहुमहिमी ने न सिर्फ स्स्ब का, बल्कि पूरे देश का नाम गर्व से ऊँचा कर दिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में खुशी की लहर है। सोशल मीडिया से लेकर विभागीय अधिकारियों तक, सभी ने ललहुमहिमी की इस उपलब्धि पर गर्व जताया है और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

सम्मान और संदेश

ललहुमहिमी की इस कामयाबी से देश की युवा पीढ़ी और विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों को एक नई प्रेरणा मिली है। उन्होंने साबित कर दिखाया कि कठिन परिश्रम, लगन और देशभक्ति के जज़्बे से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

सड़क के दलदल में फंसी गाड़ियां

राजनांदगांव, 29 जून (देशबन्धु)। जिले के अंतिम छोर दुर्ग जिले से लगा ग्राम कोपेडीह से जोरातरई, अंजोरा मार्ग पर पूरी तरह दलदल हो चुका है. स्थिति यह है कि ग्राम वासियों को उक्त सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य मोहनीश धनकर ने बताया कि कोपेडीह, जोरातरई,अंजोरा के ग्रामीणों को आवागमन में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है श्री धनकर ने आगे कहा कि कल्याणी इस्पात कंपनी द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क के किनारे को खोद दिया गया था और उस पर वापस पाटा नहीं गया है जिसके कारण सड़क की दोनों ओर गाड़ियों की लंबी लाइन लग चुकी है और सड़क पूरी तरह से जाम है और सड़क पर बड़े गाड़ियों की लंबी लाइन लग चुकी है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण वाहनों का आवागमन होता रहता है।

दलदल हुई सड़क पर राहगीर हुए परेशान ग्रामीणों में आक्रोश

कोपेडीह, जोरातरई मार्ग पर हुई दलदल से राहगीर परेशान है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश पनप रहा है औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण हजारों की संख्या में मजदूर इसी मार्ग से फैक्ट्री कंपनी में कार्य के लिए इसी मार्ग से आवागमन करते हैं सड़क से गुजरने वाली दोपहिया वाहन चालक तो अक्सर दुर्घटना का शिकार होकर चोटिल होते रहते हैं ग्रामीणों ने यह भी बताया की बारिश होने पर कीचड़ की वजह से यहा से निकलना मुश्किल हो गया है।

दूरस्थ ग्रामीण अंचल से आए जरूरतमंदो को तीन यूनिट रक्तदान

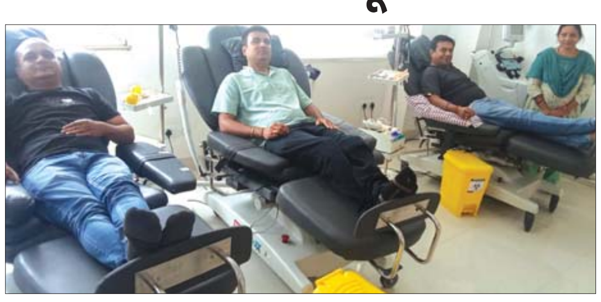

डॉ मनोज ठाकुर बने मार्गदर्शक

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। आज प्रातः रामकृष्ण अस्पताल में दूरस्थ ग्रामीण अंचल से आए हुए एक जरूरतमंद मरीज को 5 यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ने पर तत्काल प्रभाव में आकर गुजराती समाज की युवा प्रकोष्ठ के तीन मित्रों ने वहां पहुंचकर रक्तदान कर जागरूक नागरिक होने का अपना परिचय दिया ,जिस में सेन समाज के जिला अध्यक्ष डॉ मनोज ठाकुर के एक निवेदन पर श्री भूपेश पटेल ,श्री प्रदीप भाई, एवं श्री पवन भाई ,ने तत्काल प्रभाव में आकर रामकृष्ण अस्पताल पहुंचे, और डॉक्टर मनोज ठाकुर के मार्गदर्शन में तीनों ने जरूरतमंद मरीज के लिए अपना रक्तदान कर जागरूकता का परिचय दिया, इस में जिला के संरक्षक श्री नारायण सेन ,श्री राज श्रीवास श्री सुशील कौशिक, अनिल सेन, कमलेश श्रीवास, रवि सतीष श्रीवास, श्रीमती शांता सेन, श्रीमती लता श्रीवास, श्रीमती श्यामा सेन,रमेश दाऊलाल,,अनिल,संतोष,हिरेंद्र सेन, हेमलाल सेन,ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई देते हुए आभार प्रकट किया/ मुक्त जानकारी जिला के अध्यक्ष डॉ मनोज ठाकुर के साथ जिला सचिव दिलीप सेन ने दी।

जवाहर नगर मंडल में भाजपाईयो ने सुनी मन की बात

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम च्मन की बातज् के 123वें संस्?करण का भव्य आयोजन आज जवाहर नगर मंडल के अंतर्गत आने वाले इंदिरा गांधी वार्ड क्र.27 पार्षद कार्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें जवाहर नगर मंडल के पदाधिकारीगण,महिला मोर्चा की सदस्य, mic मेंबर,वार्ड पार्षद, पूर्व पार्षद के जिले का पदाधिकारी,कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ नागरिक गण भी उपस्थित थे। जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि पीएम मोदी ने देशवासियों को संबोधन में नया नारा दिया उन्होंने कहा कि खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करो, मोटापा घटाओ अगर हमें अपने सामर्थ्य का विस्तार करना है तो सबसे पहले हमें अपनी Fitness और Wellbeing पर ध्यान देना होगा. वैसे साथियों, Fitness के लिए और Obesity कम करने के लिए मेरा एक सुझाव आपको याद है ना! खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करो, मोटापा घटाओ. जब आप स्नद्बह्ल होंगे, तो जीवन में और ज्यादा Super Hit होंगे.'

मोरारजी देसाई और बाबू जगजीवन राम को किया याद -

पीएम मोदी ने आपातकाल पर कहा, 'मोरारजी देसाई ने आपातकाल का संक्षिप्त वर्णन कियाज्आपातकाल लगाने वालों ने न केवल लोकतंत्र की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को अपनी कठपुतली बनाए रखना था. 'मीसा' के तहत किसी को भी मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया जा सकता था, लोगों को प्रताड़ित किया जा सकता था. भारतीयों ने लोकतंत्र से समझौता करने से इनकार कर दिया. आखिरकार, लोगों की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया. बाबू जगजीवन राम ने इस बारे में जोरदार ढंग से बात की.'

पीएम मोदी ने कहा, 'देश पर Emergency थोपे जाने के 50 वर्ष कुछ दिन पहले ही पूरे हुए हैं. हम देशवासियों ने संविधान हत्या दिवस मनाया है. हमें हमेशा उन सभी लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने Emergency का डटकर मुकाबला किया था. इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने की प्रेरणा मिलती है.' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग पर बत करते हुए कहा कि 21 जून को देश और दुनिया भर में लाखों लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया. इसकी शुरुआत 10 साल पहले हुई थी. पिछले 10 सालों में हर साल उनकी परंपरा पहले से कहीं ज़्यादा भव्य होती गई है.

निधन

पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा

थानखम्हरिया, 29 जून। चण्डीधाम करमू के पुजारी पं. संजय मिश्रा के पिता पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा का पिछले दिनों दुखद हो गया। चण्डीधाम समिति एवं अनेक श्रद्धालुओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। कमलेश प्रसाद मिश्रा का दशगात्र कार्यक्रम उनके ग्राम सोमईखुर्द में 30 जून को संपन्न होगा। तेरहवीं एवं गंगापूजन 3 जुलाई को संपन्न होगा। वे योगेश्वरी, संजय, अजय, विजय, भागवत मिश्रा के पिता थे। चण्डीधाम समिति के सदस्यों तथा अनेक श्रद्धालुओं ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रामचंद साहू

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून। कसडोल निवासी रामचंद साहू (सेवा निवृत्त मंडी निरीक्षक) का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 30 जून सोमवार को सुबह 8 बजे मुक्ति धाम हड़हा पारा कसडोल में किया जायेगा। वे कसडोल के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता गोपाल प्रसाद साहू के बड़े भाई थे। इनके निधन पर मंडी परिवार के अलावा समाजिक नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

श्री अशोक शर्मा

भाटापारा, 29 जून। संजय वार्ड भाटापारा निवासी श्री अशोक शर्मा (आरा मिल वाले) का आकस्मिक निधन आज हो गया है वे राजा शर्मा, चेतन शर्मा के पिता एवं श्याम शर्मा के छोटे भाई थे जिनकी अंतिम यात्रा 30/06/2025 उनके संजय वार्ड स्थित निवास से निकलेगी भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में शरण दे व परिजनों, स्वजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

ग्राम टोनहीनारा का नाम बदला जाए: डॉ. मिश्र

***रायपुर,** 29 जून (देशबन्धु)। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ दिनेश मिश्र ने राज्य शासन को पत्र लिख कर रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ के नजदीक ग्राम टोनहीनारा ग्राम का नाम बदलने की माँग की है. इस संबंध में ग्राम पंचायत ने बकायदा ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर पत्र 2020 में ही प्रशासन को भेजा है. पर अब तक नाम नहीं बदला जा सका है. डॉ दिनेश मिश्र ने कहा रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ में ही टोनाहीनारा नामक ग्राम है इसके संबंध में वहां की ग्राम पंचायत में 29 जुलाई 2020 में एक प्रस्ताव पारित करके , जनपद पंचायत धर्मजयगढ़, तथा स्थानीय प्रशासन को भेजा ,जो कि जिलाधीश रायगढ़ द्वारा 6 मई 2022 को मंत्रालय नया रायपुर, में भेजा गया है और इस बात को भी काफी समय हो चुका है ,पर अब तक उस आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं हो पायी है. जिससे ग्रामीणों में काफी निराशा है. ग्रामीणों ने जानकारी दी है कि उनके गांव के पास एक नाला है जिसके पास एक बुजुर्ग महिला की हत्या जादू टोने के संदेह में टोनही के संदेह में कर दी गई थी .जब उस मामले की जांच तफ्तीश हुई।*

250 हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने किए चेक वितरित

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में माननीय सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल जी द्वारा स्वेच्छा अनुदान मद से स्वीकृत 250 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के लिए आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया ।

इस अवसर पर अग्रवाल ने गंभीर बीमारियों के इलाज, शिक्षा, उच्च शिक्षा , संस्थाओं , व पअपने घोषणानुसार खेल संघों को प्रतिवर्ष दिए जाने वाले सहयोग राशि एवं अन्य आवश्यक जरूरतों के लिए पात्र लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की विष्णुदेव साय सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारा संकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सहायता सिर्फ एक आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि एक नई उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान की भावना है जो इन लाभार्थियों को अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। अग्रवाल ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करें और जरूरतमंदों को समय पर सहयोग उपलब्ध कराएं।

कार्यक्रम में रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ,बड़ी संख्या में लाभार्थी, जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। लाभार्थियों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य शिविर से सैकड़ो लाभान्वित

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। संत श्री गजानन महाराज संस्थान, तात्यापारा रायपुर में रविवार को सुबह से ही चहल-पहल का नजारा था। यहां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों मरीजों ने चिकित्सकीय जांच का लाभ उठाया। सुबह पंजीयन के बाद शहर के ख्याति नाम डॉ. शैलेश खंडेलवाल, डॉ. गंभीर सिंह, डॉ. सुमित अग्रवाल, डॉ. मंजू सिंह, डॉ. संजय नाहर, डॉ. नवीन गुप्ता, डॉ. सी. रेडी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रभात पांडे, डॉ. सतीश शर्मा, डॉ. सत्येंद्र पांडे, डॉ. सोनाली, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. संजीव कुमार एवं डॉ. सुधीर कुमार गेदाम इन्होंने घुटना, स्तन केंसर , स्त्री रोग, हड्डी रोग, आँख की जांच, फिजियोथैरेपी एवं जनरल फिजिशियन के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। इसमें लगभग 300 मरीजों ने सहभाग लेकर लाभ उठाया। आज ही गजानन मंदिर में च्गजानन सेवा केंद्रज् खोलने की घोषणा की गई, जो गजानन महाराज संस्थान एवं जय जिनेंद्र ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में संचालित होगा। इसमें अन्य निम्नलिखित निर्णय लिए गए- 1. संस्थान की सिफारिश पर चिकित्सीय परामर्श निशुल्क किया जाएगा। 2,ओमेगा डायग्नोस्टिक में 50त्न शुल्क पर पैथोलॉजी की जांच होगी 3,संस्था की सिफारिश पर सोनोग्राफी मात्र ?400 में होगी ,4, घुटने का एक्स-रे निशुल्क होगा। इसके अलावा भी किसी गंभीर चिकित्सा में अनुमानित राशि में 50त्न फ्री करने का प्रयास किया जाएगा ।

सुशासन — संभाग के नक्सल प्रभावित जिलों में भी लोगों की पहुंच तक सुविधाएं

विष्णु के सुशासन से बस्तर संभाग में बदल रही है स्वास्थ्य सुविधाओं की तस्वीर

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन और स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल सामान्य क्षेत्रों में, बल्कि नक्सल प्रभावित जिलों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों की पहुंच में आ रही हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक , राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान और मलेरिया मुक्त अभियान जैसे कार्यक्रमों ने इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नया आयाम दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की जन-केंद्रित सोच और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों, मितानिनों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मेहनत से बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इस दिशा में ठोस प्रयास लगातार जारी हैं। बस्तर में घर-घर जाकर जांच, त्वरित उपचार और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (ह्क्रस्) के तहत बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य संस्थानों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच

नक्सल प्रभावित जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता रहा है। कांकेर, बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ अब आम लोगों तक पहुंच रहा है। यह विष्णु देव साय के सुशासन का परिणाम है, जिसने बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है।

बस्तर संभाग में स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे ये सुधार न केवल स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठा रहे हैं, बल्कि यह भी साबित कर रहे हैं कि सुशासन और समर्पित प्रयासों से सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी सकारात्मक बदलाव संभव है।

मनोज कुमार सिंह, सहायक संचालक

चिकित्सक स्टाफ की नियुक्ति से मजबूत हुई व्यवस्था

पिछले डेढ़ वर्षों में बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए 33 मेडिकल स्पेशलिस्ट, 117 मेडिकल ऑफिसर और 1 डेंटल सर्जन की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही राज्य स्तर से 75 तथा जिला स्तर से 307 स्टाफ एवं प्रबंधकीय पदों पर भर्ती की गई है, जबकि 291 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। यह कदम क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि

1 जनवरी 2024 से 16 जून 2025 तक बस्तर संभाग में कुल 130 स्वास्थ्य संस्थाओं को चालिटी सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। इनमें 1 जिला अस्पताल, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 113 उप स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा, 65 अन्य संस्थाओं का सर्टिफिकेशन कार्य प्रक्रियाधीन है। विशेष रूप से नक्सल प्रभावित जिलों— कांकेर (8), बीजापुर (2), सुकमा (3) और दंतेवाड़ा (1)— में 14 संस्थानों को गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार का प्रमाण है। नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग में 62,466 राशन कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि एक वर्ष में ही 36,231 आयुष्मान कार्ड पंजीकृत किए जा चुके हैं। इसके अंतर्गत अब तक 52.6 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड का कवरेज इन पांच जिलों में हो चुका है, जिसमें 6,816 लोगों को लाभ मिला है और इन पर 8 करोड़ 22 लाख रुपये की राशि क्लेम की गई है।

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे लोग मौजूद हैं, जो मुझे छोटा महसूस कराते हैं : विक्रांत मैसी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी ने कहा कि भले ही उन्होंने अपनी मेहनत से काफी सफलता हासिल की हो, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में अब भी कुछ लोग हैं जो उन्हें छोटा महसूस कराते हैं। विक्रांत मैसी ने माना कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जिन्हें वह एक्टर के तौर पर पसंद नहीं हैं और यही बात उन्हें और ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वह बार-बार खुद को साबित कर सकें। जब उनसे पूछा गया कि क्या स्ट्रगल के दिनों में किसी स्टारकिड ने उन्हें छोटा महसूस कराया था, तो उन्होंने साफ कहा कि ऐसा किसी खास स्टारकिड ने नहीं किया, बल्कि कुछ लोग इंडस्ट्री में थे जिन्होंने उन्हें छोटा महसूस कराने की कोशिश की थी।

लहसुन है हृदय रोग के लिए 'अमृत'

प्रोटीन, एंजाइम व विटामिन बी, सैपोनिन और फ्लैवोनॉइड जैसे पदार्थ

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सफेद छिलकों वाला लहसून जितना देखने में अच्छा लगता है, उसमें प्रकृति ने भी कई गुण भी भरे हैं। यह खाने में जायका बढ़ाने के साथ-साथ आयुर्वेद में खास स्थान है।

रिसर्च बताती है कि यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के साथ-साथ कैंसर को कम करने में कारगर है। लहसुन का वैज्ञानिक नाम 'एलियम सैटिवम एल' है और इसकी उत्पत्ति मध्य एशिया से मानी जाती है। वहीं, इसकी पैदावार भारत, चीन, फिलीपीन्स, ब्राजील, मैक्सिको जैसे देशों में बड़े पैमाने पर हो रही है।

पुराने समय से इसका इस्तेमाल औषधीय प्रयोजन के लिए किया जा रहा है। आयुर्वेद और रसोई के नजरिए से लहसुन एक महत्वपूर्ण सब्जी है। कहते हैं लहसुन को पीसने से 'ऐलिसन' नामक यौगिक मिलता है, जो 'एंटीबायोटिक' गुणों से भरा होता है। इसके साथ ही इसमें प्रोटीन, एंजाइम और विटामिन बी, सैपोनिन, और फ्लैवोनॉइड जैसे पदार्थ पाए जाते हैं।

आयुर्वेद में माना गया है कि लहसुन के प्रयोग से कई प्रकार के रोगों से बचा जा सकता है। वहीं, भोजन में इसका सेवन करने से दमा, बहरापन, कोढ़, बलगम, बुखार, हृदय रोग और क्षय रोगों को दूर करने में मदद मिलती है।

लहसुन से दमा, बहरापन, कोढ़, बलगम, बुखार, हृदय रोग और क्षय रोगों को दूर करने में मिलती है मदद

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट के मुताबिक लहसुन का सेवन करने से ब्लड शुगर में सुधार हो सकता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है। लहसुन के सेवन से भूख भी बढ़ती है और पाचन तंत्र पूरी तरह ठीक रहता है। साथ ही यह डायबिटीज, टीयूएफएस, डिप्रेशन और कैंसर जैसी बीमारियों में भी लहसुन कारगर माना गया है।

हृदय रोग के लिए लहसुन को 'अमृत' की संज्ञा दी गई है। हृदय रोग का मुख्य कारण रक्त वाहिनियों और धमनियों का सिकुड़ जाना है, और इनमें कोलेस्ट्रॉल जम जाता है जिसके कारण शरीर में रक्त-प्रवाह ठीक प्रकार से नहीं हो पाता। धमनियों का सिकुड़ना और उनमें कोलेस्ट्रॉल का जमाव है, जिससे रक्त का प्रवाह बाधित होता है। यह स्थिति एथेरोस्क्लेरोसिस कहलाती है, जिसमें धमनियों की दीवारों पर प्लाक (कोलेस्ट्रॉल, वसा और अन्य पदार्थों का जमाव) जमा हो जाते हैं। ऐसे में लहसुन के प्रयोग से सिकुड़ी हुई धमनियां साफ हो जाती हैं और व्यक्ति हृदय रोग से मुक्ति पा सकता है।

लहसुन, पुदीना, जीरा, धनिया, काली मिर्च और सेंधा नमक की चटनी खाने से रक्तचाप कम होता है। वहीं, इसकी दो-तीन तुर्रियां चबा लेने से हार्ट फेल होने की नौबत नहीं आती, ऐसे में नियमित रूप से लहसुन दूध के साथ प्रयोग करना चाहिए। लहसुन के सेवन से हृदय पर पड़ने वाला गैस का दबाव कम होता है।

शोधकर्ताओं ने विकसित किया इम्प्लांटेबल डिवाइस

रीढ़ की हड्डी की चोट के इलाज में नई उम्मीद

- चूहों में इंसानों के मुकाबले अपने आप ठीक होने की क्षमता ज्यादा
- वैज्ञानिकों ने चूहों पर इम्प्लांटेबल डिवाइस को आजमाया

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की एक टीम ने ऐसा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाया है, जिसे शरीर में लगाया जा सकता है और जिसकी मदद से रीढ़ की हड्डी में चोट के बाद चलने-फिरने की क्षमता वापस लाई गई है। यह शोध जानवरों पर किया गया और इससे इंसानों और उनके पालतू जानवरों के लिए भी इलाज की उम्मीद जगी है।

रीढ़ की हड्डी में चोट लगने पर इसका इलाज अभी संभव नहीं है और यह व्यक्ति की जिंदगी पर बहुत बुरा असर डालती है। लेकिन न्यूजीलैंड की ऑकलैंड यूनिवर्सिटी के वाइपापा तौमाता राउ में एक परीक्षण एक प्रभावी उपचार की उम्मीद जगाता है।

ऑकलैंड विश्वविद्यालय के वाइपापा तौमाता राउ में फार्मेसी स्कूल के वरिष्ठ अनुसंधान फेलो, प्रमुख शोधकर्ता डॉ. ब्रूस हारलैंड ने कहा कि जैसे त्वचा पर कट लगने पर घाव अपने आप भर जाता है, वैसे रीढ़ की हड्डी खुद को ठीक नहीं कर पाती, इसी वजह से इसकी चोट बेहद गंभीर होती है और अभी तक लाइलाज है।

डॉ. हारलैंड ने नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित एक पेपर के अनुसार, डॉ. हारलैंड और उनकी टीम ने एक बहुत पतला उपकरण बनाया, जिसे सीधे रीढ़ की हड्डी पर लगाया जाता है, खासकर वहां जहां चोट लगी हो। यह उपकरण वहां विद्युत का हल्का और नियंत्रित प्रवाह भेजता है, जिससे घाव भरने में मदद मिलती है।

यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी में कैटवॉक क्योर प्रोग्राम के निदेशक प्रोफेसर डैरेन स्विरस्किस ने कहा कि इसका मकसद यह है कि रीढ़ की चोट से जो कामकाज रुक जाते हैं, उन्हें फिर से शुरू किया जा सके।

चूहों में इंसानों के मुकाबले अपने आप ठीक होने की क्षमता थोड़ी ज्यादा होती है, इसी वजह से वैज्ञानिकों ने चूहों पर इस तकनीक को आज़माया और देखा कि प्राकृतिक रूप से भरने की तुलना में विद्युत स्टिमुलेशन से मदद मिलने पर कितना फर्क पड़ता है।

चार हफ्तों बाद, जिन चूहों को हर दिन यह विद्युत स्टिमुलेशन वाला इलाज दिया गया, उनमें चलने-फिरने की क्षमता उन चूहों से बेहतर थी, जिन्हें यह इलाज नहीं दिया गया। 12 हफ्तों की पूरी स्टडी में देखा गया कि ये चूहे हल्के स्पर्श पर भी जल्दी प्रतिक्रिया देने लगे। डॉ. हारलैंड ने कहा कि इसका मतलब है कि इलाज ने चलने-फिरने और महसूस करने दोनों में सुधार किया। और सबसे जरूरी बात यह रही कि इस इलाज से रीढ़ की हड्डी में कोई सूजन या नुकसान नहीं हुआ, जिससे यह साफ हो गया कि यह सुरक्षित भी है। चाल्मर्स यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की प्रोफेसर मारिया एस्पलंड ने कहा कि भविष्य में इस तकनीक को ऐसा मेडिकल डिवाइस बनाने की योजना है, जिससे रीढ़ की गंभीर चोटों वाले लोगों को फायदा मिल सके। आगे वैज्ञानिक यह पता करने पर काम करेंगे कि इलाज की ताकत, उसकी बारंबारता और अवधि में कितना बदलाव किया जाए ताकि सबसे अच्छा नतीजा मिल सके।

इरफान खान से मिली तारीफ मेरे लिए किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी : सुभाष घई

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद किया और उन्हें फिल्म इंडस्ट्री का अनमोल रत्न बताया। उन्होंने कहा कि वह फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक थे। उनकी तारीफ किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर इरफान खान के साथ एक फोटो शेयर की, जो किसी अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान खींची गई थी। तस्वीर में दोनों ब्लैक कलर के सूट और वाइट शर्ट में नजर आ रहे हैं। साथ ही एक-दूसरे से मुस्कुराते हुए मिल रहे हैं। सुभाष घई के हाथ में एक अवॉर्ड है, वहीं इरफान उन्हें प्यार से गले लगाते हुए दिख रहे हैं।

'कर्ज', 'राम लखन', और 'ताल' जैसी मशहूर फिल्मों के लिए मशहूर सुभाष घई ने कहा कि फिल्मों में चमक-दमक से ज्यादा कहानी मायने रखती है। वह इरफान के काम और उनकी काबिलियत को बहुत अहमियत देते थे। उनकी तारीफ उनके लिए किसी भी पुरस्कार से ज्यादा खास थी। उन्होंने लिखा कि मैं हमेशा से दिखावटी सितारों की तुलना में अच्छे और महान अभिनेताओं की तारीफ करता रहा हूं। अच्छे अभिनेता कहानी को और बेहतर बनाते हैं, जबकि सितारे सिर्फ फिल्म को चमकाते हैं। मुझे इरफान खान से तारीफ मिलना किसी अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार मिलने से ज्यादा खुशी देता था।

लिवर की सफाई व ताकत बढ़ाने के लिए रोज करें ये आसन

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। आज के दौर में हमारी जिंदगी जितनी तेज होती जा रही है, उतनी ही तेजी से हमारे शरीर की अंदरूनी सेहत बिगड़ती जा रही है। सुबह से लेकर रात तक की भागदौड़, तला-भुना खाना, देर रात तक जागना जैसी आदतें हमारे शरीर के सबसे जरूरी अंग, खासकर लिवर को नुकसान पहुंचा रही हैं। लिवर यानी यकृत, हमारे शरीर का वो अंग है जो न सिर्फ खाना पचाने में मदद करता है, बल्कि खून को साफ करता है, शरीर से विषैले तत्व को निकालता है और इम्युनिटी को भी संभालता है। लेकिन जब ये ठीक से काम नहीं करता, तो बुरा असर पूरे शरीर पर पड़ता है। थकान, बदहजमी, चक्कर, नींद की कमी और यहां तक कि बड़ी बीमारियों के होने का भी खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में अगर कोई ऐसा तरीका हो जो बिना दवा के लिवर को साफ रखे और उसकी ताकत बढ़ाए, तो वो है 'योग'।

योग कोई नया तरीका नहीं है, बल्कि हजारों साल पुरानी एक ऐसी भारतीय पद्धति है जो शरीर, मन और आत्मा तीनों का संतुलन बनाती है। साथ ही लिवर को डिटॉक्स भी करता है और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाता है।

आयुष मंत्रालय ने लिवर के लिए कुछ खास योगासन जैसे भुजंगासन, धनुरासन, नौकासन, अर्ध मत्स्येन्द्रासन और पवनमुक्तासन आदि के बारे में बात करते हुए इन्हें लिवर की सेहत के लिए वरदान बताया है। यह आसन लिवर के आसपास की मांसपेशियों पर असर डालते हैं, जिससे खून का प्रवाह बेहतर होता है और कोशिकाओं की मरम्मत शुरू होती है।

भुजंगासन : भुजंगासन एक आसान लेकिन बहुत फायदेमंद योगासन है, खासकर लिवर और पाचन से जुड़ी समस्याओं के लिए। इस आसन में हम पेट के बल लेटते हैं और सांस लेते हुए सिर और छाती को ऊपर उठाते हैं, जिससे शरीर का ऊपरी हिस्सा सांप की तरह दिखता है। इससे पेट के अंदरूनी अंगों, जैसे लिवर और अग्न्याशय की मालिश होती है, जो उनके काम को बेहतर बनाती है। यह पाचन सुधारने में मदद करता है और लिवर में खून का प्रवाह बढ़ाता है। रोजाना 15-30 सेकंड तक करने से शरीर को ताजगी और ऊर्जा भी मिलती है।

धनुरासन : धनुरासन एक असरदार योगासन है जो लिवर और पाचन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसे करते समय शरीर का आकार धनुष जैसा हो जाता है, इसलिए इसे धनुरासन कहा जाता है। इसमें हम पेट के बल लेटकर घुटनों को मोड़ते हैं और हाथों से टखनों को पकड़ते हैं। फिर सांस लेते हुए छाती और पैरों को ऊपर उठाते हैं।

पुरुषों को इमोशन दिखाने की आजादी नहीं मिलती : अर्जन बाजवा

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। फिल्म 'फैशन' में अपनी भूमिका के लिए फेमस अभिनेता अर्जन बाजवा कहा है कि पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य को आम तौर पर नजरअंदाज किया जाता है। अभिनेता अर्जन बाजवा ने पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य को अक्सर नजरअंदाज किए जाने पर बात की। उन्होंने कहा कि पुरुषों के भावनात्मक स्वास्थ्य के बारे में कम चर्चा क्यों होती है? उन्होंने इसके पीछे सामाजिक अपेक्षाओं और लंबे समय से चली आ रही सामाजिक सोच को मुख्य कारण बताया।

बाजवा ने कहा कि पुरुषों के स्वास्थ्य को निश्चित रूप से बहुत कम आंका जाता है क्योंकि माना जाता है कि उन्हें भावुक होने का हक नहीं है। उन्हें बस प्रोवाइडर, कार्यकर्ता और सभी स्थितियों को संभालने वाला व्यक्ति माना गया है। एक्टर ने कहा कि वास्तव में अगर कोई पुरुष भावुक दिखाई भी देता है, उसे हम कमजोर मानने लगते हैं। लेकिन कोई यह नहीं समझ पाता कि पुरुष भी इंसान है। इसलिए, पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना बहुत जरूरी है क्योंकि सही मानसिकता ही सही परिणाम लाएगी।

अभिनेता ने बताया कि उन्हें भावनात्मक रूप से खुद को व्यक्त करने में दिक्कत होती है क्योंकि वह अक्सर अपने सपनों की तलाश में डूबे रहते हैं। हालांकि, उन्होंने अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य से जुड़े भावनात्मक संघर्षों के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि एक पुरुष के पास अपने इमोशन को दिखाने के लिए कोई समय और स्थान नहीं है। बचपन से ही पुरुषों को उस बॉक्स में डाल दिया जाता है, जहां उन्हें सही तरीके से काम न करने के लिए दोषी ठहराया जाता है। उन्होंने कहा कि पुरुषों को जीवन में भावुक होने या गलतियां करने की आजादी नहीं मिलती। आप अपने हर कदम के लिए हमेशा जवाबदेह होते हैं। इसलिए, पुरुषों को जीवन में हर कदम पर फायदे और नुकसान को तौलते रहना पड़ता है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेता फिल्म 'फैशन', 'क्रूक', 'सन ऑफ सरदार', 'बॉबी जासूस', 'रुस्तम', और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्मों में भूमिकाओं में रहे हैं। वह 'बेस्टसेलर्स' और 'स्टेट ऑफ सीज 26/11' जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुके हैं।

हिमाचल के हरिपुर पहुंची दीप्ति नवल ने अपनी 'दुनिया' से मिलाया

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री 'दीप्ति नवल' इन दिनों हिमाचल की वादियों में घूम रही हैं। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को प्राकृतिक सुंदरता की झलक भी दिखाई। दरअसल, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एप्रीकॉट से लदे बगीचे की झलक दिखाते हुए वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती नजर आ रही है, यह रहे पहाड़, यह मेरा बगीचा, ये देखिए एप्रीकॉट से लदे पेड़, और यह वह जगह है जहां मैं रोजाना वर्कआउट करती हूं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, नग्गर के पास हरिपुर में आर्ट स्टूडियो में, हां, मैं हिमाचल में हूं। चश्मे बद्दूर की अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, कुछ दिनों पहले, अभिनेत्री ने अपनी मां की एक मोनोक्रोम तस्वीर पोस्ट की थी और इसे कैप्शन दिया, मां, तुम्हें याद करते हुए....यहां इस शांत पहाड़ी पर बैठी हूं-मुझे याद है जब मैं अपना छोटा-सा स्टूडियो बना रही थी, तब आप मेरे साथ आराम से बैठकर मेरा काम शुरू होने का इंतजार कर रही थीं।

फिल्म 'अपने' के 18 साल पूरे

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'अपने' के 18 साल पूरे होने पर पुरानी यादों

वीडियो क्लिप शेयर कर इमोशनल हुईं शिल्पा शेट्टी

को ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री ने एक क्लीप शेयर किया है, जिसमें उनके साथ सनी देओल, बॉबी देओल और दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र नजर आ रहे हैं।

दरअसल, अभिनेत्री ने इस खास मौके को मनाने के लिए इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर फिल्म का पुराना क्लिप शेयर किया है जिसमें दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और फिल्म के सह-कलाकार सनी देओल और बॉबी देओल नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को लोकप्रिय गीत 'अपने तो अपने होते हैं' पर सेट किया गया है।

अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी। स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की थी क्योंकि इसमें धर्मेंद्र और उनके दोनों बेटे सनी और बॉबी देओल पहली बार स्क्रीन पर साथ आए थे। सनी और बॉबी ने इससे पहले 'दिल्लगी' (1999) में स्क्रीन शेयर की थी। इससे पहले धर्मेंद्र बेटे सनी के साथ 'सल्तनत' (1986) और 'क्षत्रिय' (1993) में दिखाई दिए थे। फिल्म 'अपने' में तीनों को पहली बार स्क्रीन पर एक साथ देखा गया था।

शेफाली जरीवाला मामले में बड़ा खुलासा

एंटी-एजिंग दवाएं बनीं मौत की वजह

एंटी-एजिंग वायल्स, विटामिन सप्लीमेंट्स और गैस्ट्रिक से संबंधित गोलियां शामिल

व्रत के बावजूद दोपहर में लिया था एंटी-एजिंग दवा का इंजेक्शन

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की मौत के मामले में पुलिस जांच में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। जांच में पता चला है कि शेफाली पिछले सात से आठ सालों से नियमित रूप से एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन कर रही थीं। 27 जून को उनके घर में पूजा का आयोजन था, जिसके कारण शेफाली व्रत पर थीं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने उसी दिन दोपहर में एंटी-एजिंग दवा का इंजेक्शन लिया था। यह दवाएं उन्हें वर्षों पहले एक डॉक्टर की सलाह पर दी गई थीं, और तब से वह हर महीने यह ट्रीटमेंट लेती आ रही थीं। पुलिस को इस बात का संदेह है कि उनकी अचानक मृत्यु का एक बड़ा कारण यह दवाएं भी हो सकती हैं, जिसके चलते कार्डियक अरेस्ट हुआ।

घटना के समय रात लगभग 10 से 11 बजे के बीच शेफाली की तबीयत अचानक बिगड़ी, उनका शरीर कांपने लगा और वह बेहोश होकर गिर गईं। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। घटना के वक्त घर पर शेफाली के पति पराग, मां और कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। फॉरेंसिक टीम ने उनके घर से अलग-अलग तरह की दवाएं जब्त की हैं, जिनमें एंटी-एजिंग वायल्स, विटामिन सप्लीमेंट्स और गैस्ट्रिक से संबंधित गोलियां शामिल हैं। अब तक पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें परिवार के सदस्य, घरेलू नौकर और बेलेव्यू अस्पताल के डॉक्टर शामिल हैं।

जांच के दौरान किसी प्रकार के विवाद या झगड़े के कोई संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और दवाओं की लैब जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही हैं, ताकि मौत के असली कारणों का पता लगाया जा सके। इस मामले में जांच जारी है और जल्द ही इस पर पूरी रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है।

बता दें कि शेफाली को गुरुवार देर रात 27 और 28 जून के बीच अचानक कार्डियक अरेस्ट हुआ। इसके बाद पति पराग त्यागी और तीन अन्य लोग उन्हें मुंबई के बेलेव्यू मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बता दें कि शेफाली जरीवाला ने 2002 में 1972 की फिल्म 'समाधि' के क्लासिक लता मंगेशकर के गाने के रीमिक्स 'कांटा लगा' की जबरदस्त सफलता के साथ अपनी पहचान बनाई थी।

सोशल मीडिया ने सामाजिक बदलाव के लिए जागरूकता फैलाने का बदला तरीका

- 'सोशल मीडिया डे' आज
- विचारों के आदान-प्रदान व वैश्विक जुड़ाव का एक अनिवार्य हिस्सा बना

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। चाहे सामाजिक बदलाव के लिए जागरूकता फैलाना हो या व्यवसायों को बढ़ावा देना हो या फिर दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहना हो, आज के इस दौर में सोशल मीडिया ने हमारे संवाद के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो हर व्यक्ति को अपनी आवाज को दुनिया तक पहुंचाने और सकारात्मक प्रभाव डालने का मौका देता है। इसके महत्व को रेखांकित करने के लिए हर साल 30 जून को 'सोशल मीडिया डे' मनाया जाता है।

यह दिन हमें सोशल मीडिया की उन अनगिनत खूबियों को याद दिलाता है, जो हमें वैश्विक स्तर पर जोड़ती हैं और विचारों को शेयर करने का प्लेटफॉर्म देती हैं और क्रिएटिविटी को नई उड़ान देने का काम करती हैं। इस दिन की शुरुआत साल 2010 में एक प्रमुख डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म मैशेबल ने की थी। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को मान्यता देने के लिए 30 जून को चुना गया था। कहा जाता है कि जून के महीने में कई प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने कीर्तिमान स्थापित किए थे और यह महीना टेक इंडस्ट्री के लिए बेहद खास माना जाता है। मैशेबल की इस पहल को दुनिया भर के सोशल मीडिया यूजर्स, कंटेंट क्रिएटर्स, डिजिटल मार्केटर्स और ब्रांड्स ने अपनाया, जिससे यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया।

इसका उद्देश्य सोशल मीडिया के प्रभाव, इसकी पहुंच और समाज पर इसके सकारात्मक योगदान को उजागर करना है। यह दिन लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ने, विचार साझा करने और इसके रचनात्मक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस दिन लोग और संगठन सोशल मीडिया पर हैशटैग जैसे सोशल मीडिया डे का इस्तेमाल कर पोस्ट शेयर करते हैं। साथ ही वेबिनार और डिजिटल कैंपेन भी चलाए जाते हैं। इसके अलावा, यह दिन दुनिया भर में लाखों लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने, जागरूकता फैलाने और सामाजिक बदलाव के लिए सोशल मीडिया की शक्ति को दर्शाता है। आज के इस दौर में फेसबुक और लिंक्डइन जैसी सोशल नेटवर्किंग साइटें व्यक्तिगत और पेशेवर रिश्तों को बनाने पर फोकस करती हैं, जबकि माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, जैसे एक्स (पूर्व में ट्विटर) और थ्रेड्स छोटे-छोटे पोस्ट और तेजी से जानकारी साझा करने पर जोर देते हैं। इसके अलावा, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और स्नैपचैट जैसे मीडिया शेयरिंग नेटवर्क यूजर्स को तस्वीरें, वीडियो और लाइव स्ट्रीम साझा करने की सुविधा देते हैं।

इंटरनेशनल जनरल ऑफ होम साइंस में 'सोशल मीडिया डे' को लेकर प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में नई पीढ़ी के युवाओं के बीच सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ रहा है। आज की दुनिया में सोशल मीडिया का इस्तेमाल इंसान के रोजमर्रा के जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। नए युग की सोशल नेटवर्किंग संस्कृति को स्वीकार कर लिया गया है और अध्ययनों से स्पष्ट है कि सोशल मीडिया का युवाओं पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ता है। सोशल मीडिया आज के डिजिटल युग में संचार, विचारों के आदान-प्रदान और वैश्विक जुड़ाव का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। यह न केवल व्यक्तियों को अपनी आवाज को दुनिया तक पहुंचाने का अवसर देता है, बल्कि व्यवसायों, रचनाकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी अपनी पहचान स्थापित करने और प्रभाव डालने का मंच प्रदान करता है।

रायपुर, सोमवार 30 जून 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

धर्मोन्मादी राजनीति का नुकसान

भाजपा धर्म और संस्कृति की माला दिन-रात जपती है। उसकी सारी राजनीति ही धार्मिक मुद्दों के इर्द-गिर्द रहती है। अपने फायदे के लिए लोगों में धर्मांधता और धर्मोन्माद जगाने से भी भाजपा को परहेज नहीं है। ऐसा करके भाजपा को तो सत्ता हासिल हो रही है, लेकिन आम जनता का कितना नुकसान होता जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में हुई भगदड़ से सामने आया है। अभी छह महीने नहीं बीते, जब प्रयागराज में महाकुंभ में भारी भगदड़ मची थी। भाजपा सरकार को इस बात का रिकार्ड कायम करना था कि उसके शासनकाल में आयोजित कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की कितनी भीड़ जुट रही है। रोजाना के आंकड़े सरकार पेश करती थी कि आज इतने करोड़ लोग पहुंचे, आज इतने करोड़ लोगों ने स्नान किया। देश-दुनिया से श्रद्धालु ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे, इसके लिए खूब विज्ञापन और प्रचार-प्रसार किया गया। हालांकि भारत में सदियों से धार्मिक आयोजन होते रहे हैं और जिन्हें सच में श्रद्धा होती है, वे अपने आप तीर्थाटन के लिए निकलते ही हैं। किंतु भाजपा के शासनकाल में तीर्थ यात्रा, धार्मिक मेले इन सब में अब श्रद्धा से ज्यादा दिखावे का बोलबाला दिखने लगा है। लोग धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं और जिन पर व्यवस्था की जिम्मेदारी होती है, उनकी लापरवाही अक्सर जानलेवा साबित हो रही है। महाकुंभ में मची भगदड़ में कई लोग मारे गए और सरकार ने अब तक उनकी सही संख्या नहीं दी है। अब रथयात्रा में भी भगदड़ से कम से कम तीन लोगों की मौत की खबर है।

भारत के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों में से एक पुरी की जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान रविवार तड़के गुंडिचा मंदिर के पास सराधाबली में भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। रथ यात्रा के तीसरे दिन, जब रथ गुंडिचा मंदिर के पास था, तब भारी भीड़ ने दर्शन के लिए धक्का-मुक्की शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थिति तब और बिगड़ गई जब दो ट्रक, जिनमें रस्मों के लिए सामग्री लादी गई थी, भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में प्रवेश कर गए, जिससे अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि जब यह हादसा हुआ, तब न अग्निशमन अधिकारी, न ही बचाव दल, और न ही अस्पताल की टीम ने तत्काल मदद की। वहां मौजूद लोगों के मुताबिक भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था बेहद खराब थी। फिलहाल जिला प्रशासन का कहना है कि पीड़ितों को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया और गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज चल रहा है। लेकिन अब इस पर सियासी बयानबाजी भी शुरु हो चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस हादसे को सरकार की 'घोर अक्षमता' का परिणाम बताया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'यह भगदड़, जो रथ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन की विफलता के ठीक एक दिन बाद हुई, सरकार की नाकामी को उजागर करती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस हादसे में प्रारंभिक मदद श्रद्धालुओं के परिजनों से मिली, सरकारी मशीनरी पूरी तरह अनुपस्थित थी।'

बता दें कि इससे पहले 27 जून को भी रथ यात्रा के दौरान गजपति राजा के महल के पास श्री नहर क्षेत्र में भगदड़ जैसी स्थिति में 40 से अधिक श्रद्धालु बेहोश हो गए थे और उन्हें पुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। इसी दिन एक अन्य हादसे में, तलध्वज रथ (भगवान बलभद्र का रथ) को खींचने के दौरान भारी भीड़ के कारण 500 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए थे, जिनमें से आठ की हालत गंभीर थी। इस घटना ने भी प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए थे।

जब दो-तीन दिनों में ऐसी घटनाएं हो चुकी थीं, जिनमें गंभीर नुकसान हो सकता था, तो फिर सरकार और प्रशासन सचेत क्यों नहीं हुए, ये बड़ा सवाल है।

भाजपा अब भी अपनी जिम्मेदारी से ज्यादा विपक्ष पर हमला बोलने में लगी है। नवीन पटनायक ने कुप्रबंधन पर ध्यान दिलाया तो अब ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने पटनायक का नाम लिए बिना पूर्ववर्ती बीजद सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा कि 1977 से रथ यात्रा की प्रक्रिया में कोई रुकावट नहीं आई थी। हालांकि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और मंत्री मुकेश महालिंग ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट में कहा- 'व्यक्तिगत रूप से, मेरी सरकार और मैं सभी जगन्नाथ भक्तों से क्षमा मांगते हैं। हम अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं... यह लापरवाही अक्षम्य है। सुरक्षा चूक की तत्काल जांच की जाएगी। मैंने निर्देश दिया है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।'

अब सोचने वाली बात यह है कि जब मुख्यमंत्री खुद इस लापरवाही को अक्षम्य मान रहे हैं, तो क्या जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगने के साथ-साथ वे अपने पद से इस्तीफा देने का नैतिक साहस दिखा पाएंगे। क्योंकि जो भगदड़ हुई है, वह सरासर लापरवाही का ही नतीजा है। पुरी जिला प्रशासन और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने स्वीकार किया कि इस साल की भारी भीड़ को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण था। लगभग 10,000 पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती के बावजूद, भीड़ की भारी संख्या के सामने व्यवस्था चरमरा गई। प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर सुरक्षा उपायों और भीड़ प्रबंधन की योजना बनाने का वादा किया है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके।

जहां लाखों की भीड़ आई हो, वहां केवल दस हजार जवानों से व्यवस्था कैसे संभाली जा सकती थी। जाहिर है भाजपा ने एक बार फिर आम आदमी की जान को बहुत हल्के में लिया है। इसमें जान का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कोई मुआवजा नहीं कर पाएगा। वहीं विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा की भव्यता पर भी भाजपा ने दाग लगाया है। पुरी की जगन्नाथ यात्रा दुनिया भर में मशहूर है। इसकी भव्यता और विराटता की मिसालें दी जाती हैं। यहां तक कि अंग्रेजी का शब्द जगरनॉट भी जगन्नाथ रथयात्रा से उपजा है, जिसका अर्थ है एक ऐसी शक्ति जिसे रोका नहीं जा सकता। लेकिन इस हादसे ने रथ यात्रा की भव्यता पर गहरी चोट पहुंचाई है, जिसके लिए सिर्फ और सिर्फ भाजपा जिम्मेदार है।

बिहार में चुनाव आयोग कामयाब तो भाजपा कामयाब !

शकील अख्तर

कभी मतदाता जोड़ने का काम होता था। अब मतदाता काटने की मुहिम चलाई जा रही है। क्या बिहार में भाजपा को अपनी हार के संकेत मिल रहे हैं? 2014 के बाद से हर चुनाव भाजपा ने मोदी के नाम से जीता है। और मोदी के भी राष्ट्रवाद नाम के मुद्दे पर। मगर पहलगाम के बाद मोदी का राष्ट्रवाद का मुद्दा कमजोर हुआ। और फिर अचानक सीज फायर को स्वीकार कर लेने के बाद मोदी का कोर वोटर भी उनसे निराश हो गया।

हमेशा से यह अपने समर्थकों को यह सिखाते रहे थे कि कांग्रेस पाकिस्तान से पीओके नहीं ले पाई। समर्थक जो अब भक्त बन गए हैं वह यह मानकर चल रहे थे कि अब उनके पास मोदी जैसा मजबूत प्रधानमंत्री है वह पीओके वापस ले आएंगे। सेना ने वैसे हालात पैदा भी कर दिए थे। उसके सटीक हमलों से पाकिस्तान घबरा गया था। पेनिक रिएक्शन (घबराहट भरी प्रतिक्रिया) में पुंछ राजौरी के नागरिक क्षेत्रों पर हमला करने लगा था। ऐसे में अचानक अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा स्टाप! शाम पांच बजे से बंद। और हमने कर दिया। पाकिस्तान जिसे सीज फायर की जरूरत थी उसने हमले जारी रखे। इसिलिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि नरेन्द्र सरेंडर!

राहुल गांधी की यह बात लोगों के दिलों में घर कर गई। बीजेपी इस बात को समझ गई है। इसलिए उसने बिहार चुनाव के लिए नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि अलग-अलग तरीकों से वह हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली हर जगह यह काम कर चुकी थी कि वोटर लिस्ट में फर्जी वोट जोड़ना और अल्पसंख्यक वोट कटवाना। राहुल इस मुद्दे पर लगातार चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। उनके किसी सवाल का जवाब चुनाव आयोग के पास नहीं है। उल्टा उसने चुनाव के सीसीटीवी फुटेज का रिकार्ड 45 दिन बाद नष्ट करने का फैसला और कर लिया है। राहुल ने इसे सबूत नष्ट करना बताया है। क्रिमिनल ला में सबूत नष्ट करना गंभीर अपराध है।

अब चुनाव आयोग ने एक नई चाल चली है। उसने बिहार चुनाव से तीन महीने पहले एक विशेष गहन पुनर्निरीक्षण अभियान शुरू किया है। सिर्फ एक महीने के अंदर 25 जून से 26 जुलाई तक वह 243 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 8 करोड़ मतदाताओं का वेरिफिकेशन करेगा। सोचिए 8 करोड़ वोटर का सत्यापन केवल एक महीने में! क्या संभव है? इसके लिए उसने क्या किया है? लोगों को मोबाइल पर मैसेज भेजे जा रहे हैं।

इसमें दो प्रमुख मुद्दे हैं। पहला क्या बिहार में 8 करोड़ मोबाइल हैं? क्या वोटर लिस्ट या वोटर आईडी में मोबाइल नंबर होता है? दूसरा मुद्दा। इन दिनों चल रहे फोन पर फ्राड के बाद सरकारी सरकारी एजेन्सियां और पुलिस साइबर क्राइम वाले सब कहते हैं कि फोन पर कोई जानकारी न दें। यहां फोन पर ही वेरिफिकेशन हो रहा है। क्या यह साइबर क्राइम को बढ़ावा नहीं देगा?

> राहुल गांधी की यह बात लोगों के दिलों में घर कर गई। बीजेपी इस बात को समझ गई है। इसलिए उसने बिहार चुनाव के लिए नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि अलग-अलग तरीकों से वह हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली हर जगह यह काम कर चुकी थी कि वोटर लिस्ट में फर्जी वोट जोड़ना और अल्पसंख्यक वोट कटवाना। राहुल इस मुद्दे पर लगातार चुनाव आयोग को घेर रहे हैं।

दरअसल भारत में लोकतंत्र आने के बाद यह सबसे बड़ा फ्राड होने जा रहा है। समय रहते अगर विपक्ष इसे रोकने में सफल नहीं हुआ तो एक अगस्त, जो चुनाव आयोग ने नई मतदाता सूची जारी होने की तारीख रखी है, को लाखों लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए जाएंगे। विपक्ष को चाहे सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े या कोई और बड़ा कदम उठाना पड़े तत्काल करना चाहिए। अगर चुनाव आयोग कामयाब हो गया तो भाजपा भी कामयाब हो गई।

विपक्ष या जो वहां महागठबंधन कहा जा रहा है, के लिए सीट बंटवारे से बड़ा पहला काम यह होना चाहिए कि वोटर लिस्ट पुनर्निरीक्षण के नाम पर लोगों के नाम कटने को रोका जाए। चुनाव आयोग ने वहां नए मतदाता पहचान पत्र बनाने पर रोक लगा दी। साथ ही कहा है कि जिनका वैरिफिकेशन नहीं होगा उनके वोटर आई डी अवैध माने जाएंगे।

वैरिफिकेशन कितना मुश्किल है यह इससे समझें कि जिनका जन्म एक जुलाई 1987 से पहले हुआ है उन्हें डेट आफ बर्थ सर्टिफिकेट देना होगा। मतलब जिनकी उम्र 38 साल या उससे ऊपर है और जो कई चुनावों में वोट डाल चुके हैं अब इस बार अगर वोट डालना चाहतें हैं तो जन्म प्रमाण पत्र लाएं। गांवों में गरीब कमजोर वर्ग में कितने लोगो के पास होगा?

पंचायत में जब वोट डाले जाते हैं तो वहां प्रत्याशी एक-एक वोटर को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। वही सूची सबसे अथेंटिक होती है। लेकिन अब उसे भी नहीं माना जाएगा। और विपक्षी दलों में अगर कोई यह समझ रहा है कि यह केवल मुस्लिम के वोट काटने के लिए ही किया जा रहा है तो वह भारी गलतफहमी में है। जिन भी पार्टियों के वोटर दलित पिछड़े हैं उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान होगा। मुस्लिम के वोट तो जितने वह काट सकते थे पहले ही काट दिए हैं। अब बारी दूसरे उन वोटों की है जिनका आरक्षण, संविधान, अंबेडकर जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा से अभी-अभी मोहभंग हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनाव के पहले तक तो दलित पिछड़ा भाजपा को खूब वोट दे रहा था। मगर जब भाजपा ने संविधान बदलने की बात की तो दलित आदिवासी वोट थम गया। भाजपा का लोकसभा से बहुमत भी छिन गया।

बहरहाल चुनाव आयोग का वैरिफिकेशन के लिए दूसरी शर्त देखिए युवा वोटरों के लिए। एक जुलाई 1987 के बाद और 2 दिसबंर 2004 से पहले जन्मे हुए लोगों के लिए। इन्हें अपना नाम वोटर लिस्ट में बचाने के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र देना होंगे। मतलब हम जन्मे थे यह बताना ही पर्याप्त नहीं होगा मां-बाप भी जन्में थे यह सिद्ध करना होगा। माता-पिता की संतति हैं-नान बायलोजिकल नहीं! वह तो एक ही हैं वन एंड ओनली मोदी जी!

बिहार के चुनाव बता रहे हैं कि चुनाव आयोग भाजपा को जीताने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। विपक्ष के लिए इसे रोकना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होना चाहिए। सीटों का बंटवारा और दूसरे काम विपक्ष बाद में भी कर सकता है। सबसे पहले उसे इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर रणनीति बनानी होगी। एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट भी जाना चाहिए। यह नया रिविजन ऐसा है जिसमें कई-कई बार अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके लोगों से पूछा जा रहा है आप वोट डालने के अधिकारी हैं या नहीं? मतलब पहले जो वोट डाल चुके और इस आधार पर जो सरकारें बनीं वह नल एंड वाइड (अमान्य और शून्य) हैं। कानून के शब्दों में वह चुनाव रद्द हैं। अप्रभावी। बिहार सरकार भी और केन्द्र सरकार भी!

चुनाव से ठीक पहले ऐसा रिविजन कभी नहीं हुआ। लोकतंत्र पर यह बहुत बड़ा खतरा है। राहुल गांधी के यह आरोप सही साबित हो रहे हैं कि भाजपा को जीताने के लिए चुनाव आयोग हर स्तर पर धांधली कर रहा है। महाराष्ट्र के वोटर बढ़ाने के सारे सबूत वे दे चुके हैं। इससे पहले कांग्रेस हरियाणा में हुई धांधलियों के भी। राहुल महाराष्ट्र के वोटर लिस्ट की डिजिटल कापी मांग रहे हैं। उन्होंने इन चुनावों को मैच फिक्सिंग कहा है। कहा है यह लोकतंत्र के लिए जहर के समान है। चुनाव आयोग से भरोसा खत्म हो रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

एससीओ की बैठक में भारत कूटनीतिक रुप से अलग-थलग पड़ गया

■ नित्य चक्रवर्ती

चीन के क्विंगदाओ शहर में 25 और 26 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत का कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ जाना स्पष्ट रूप से दिखा, जब एक संयुक्त बयान तैयार किया गया, जिसमें सदस्यों से आतंकवाद से मिलकर लड़ने का आह्वान किया गया, लेकिन बलूचिस्तान में हमलों का उल्लेख तो किया गया परन्तु 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी हत्याओं का कोई उल्लेख नहीं किया गया।

2025 शिखर सम्मेलन के मेजबान देश चीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारत और पाकिस्तान सहित सदस्यों के बीच चर्चा के बाद संयुक्त बयान तैयार किया गया। पहलगाम हत्याकांड और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को ध्वस्त करने की भारत की कार्रवाई पर केंद्रित विचार-विमर्श के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ जोरदार तरीके से बात की। लेकिन अंतिम दिन संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकवाद पर भारत के दृष्टिकोण को शामिल नहीं किया गया, जबकि बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दृष्टिकोण को शामिल किया गया।

स्वाभाविक रूप से, श्री सिंह ने इस एकतरफा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये। एससीओ में नियम यह है कि हर प्रस्ताव सर्वसम्मति के आधार पर होना चाहिए। इसलिए भारत की आपत्ति के परिणामस्वरूप, संयुक्त बयान जारी नहीं किया जा सका। पाकिस्तान खुश है कि भारत ने हस्ताक्षर नहीं किये। इसलिए यह इस्लामाबाद के लिए एक कूटनीतिक जीत थी, जो पहलगाम हत्याकांड और ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक राय को प्रभावित करने के लिए भारत के साथ धारणा की लड़ाई में लगा हुआ है।

> स्वाभाविक रूप से, श्री सिंह ने इस एकतरफा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये। एससीओ में नियम यह है कि हर प्रस्ताव सर्वसम्मति के आधार पर होना चाहिए। इसलिए भारत की आपत्ति के परिणामस्वरूप, संयुक्त बयान जारी नहीं किया जा सका। पाकिस्तान खुश है कि भारत ने हस्ताक्षर नहीं किये। इसलिए यह इस्लामाबाद के लिए एक कूटनीतिक जीत थी।

एससीओ में वर्तमान में दस सदस्य हैं- चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। भारतीय अधिकारियों ने दावा किया कि बयान चीन द्वारा पाकिस्तान के पक्ष में दिया गया था। ठीक है। यह सच हो सकता है। लेकिन फिर रूस सहित अन्य सात सदस्यों का क्या? यह हमारे विदेश मंत्रालय की सरासर की विफलता थी कि एससीओ के सभी मध्य एशियाई सदस्य देश भारत के समर्थन में नहीं आये। यहां तक कि रूस ने भी भारतीय दृष्टिकोण को शामिल करने के लिए बयान में संशोधन करने में हस्तक्षेप नहीं किया। एससीओ के कुल दस सदस्यों में से भारत को छोड़कर कोई भी अन्य देश बयान के खिलाफ नहीं था। यह स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के पक्ष में 9-1 था।

इस साल के अंत में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, ऐसा कहा जाता है। वे वहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य नेताओं से मिलेंगे। रक्षा मंत्रियों की हालिया बैठक की तरह इस शिखर सम्मेलन में भी आतंकवाद से लड़ने का मुद्दा उठेगा। भारत के प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करने के लिए क्या करने जा रहे हैं कि शिखर सम्मेलन की घोषणा में अंततः भारतीय दृष्टिकोण शामिल हो?

इस साल के अंत में एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले, 6 और 7 जुलाई को ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। भारतीय प्रधानमंत्री उसमें भाग लेंगे। उस बैठक में भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का मुद्दा उठेगा। पाकिस्तान ब्रिक्स का सदस्य नहीं है। इस तरह क्विंगदाओ बैठक में इस्लामाबाद की ओर से जो दबाव था, वह ब्राज़ील शिखर सम्मेलन में नहीं होगा। लेकिन हर देश ने कोई न कोई रुख़ अपनाया है और यह अचानक नहीं बदलता। इसके लिए लगातार समझाने और तथ्यों को पेश करने की ज़रूरत होती है। क्विंगदाओ बैठक में राजनाथ सिंह और उनकी टीम एससीओ के सदस्यों को समझाने में पूरी तरह विफल रही। ब्राज़ील शिखर सम्मेलन में ऐसा नहीं दोहराया जाना चाहिए।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। इन आठ दिनों में भारतीय राजनयिकों को सदस्य देशों से मिलकर उन्हें भारत के ख़िलाफ़ आतंकी हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में पूरे तथ्यों के साथ भारतीय स्थिति के बारे में समझाने का पूरा प्रयास करना होगा। ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका प्रमुख सदस्य हैं। शिखर सम्मेलन में किसी भी तरह की शर्मिंदगी से बचने के लिए उन्हें उचित जानकारी दी जानी चाहिए।

इस साल के अंत में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के बारे में, क्षेत्र की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों के दृष्टिकोण से विचार-विमर्श बेहद महत्वपूर्ण होगा। अब अपने 25वें वर्ष में एससीओ अपने मूल छह संस्थापक सदस्यों से बढ़कर 10 सदस्य देशों, दो पर्यवेक्षक देशों और 14 संवाद भागीदारों के 'बड़े परिवार' में बदल गया है - जो पूर्वी यूरोपीय मैदानों से लेकर हिंद महासागर और प्रशांत रिम तक फैला हुआ है, और जिसमें दुनिया की लगभग आधी आबादी शामिल है।

एससीओ सूत्रों का कहना है कि यह संगठन क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के लिए एक परिपक्व मंच बन गया है, जिसका प्रभाव, सामंजस्य और अपील लगातार बढ़ रही है। पिछले 25 वर्षों में, यह 'सुरक्षा का विशाल जहाज' आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ लहरों पर सवार होकर क्षेत्रीय सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। सुरक्षा सहयोग से उभरने वाले आर्थिक और व्यापारिक लाभांश और लोगों के बीच आदान-प्रदान भी उल्लेखनीय रहे हैं, जो सभी पहलुओं में सदस्य देशों के लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं।

भारत ने पिछले पांच वर्षों में अमेरिका प्रायोजित क्वाड के प्रति अपने प्रेम के कारण ब्रिक्स और एससीओ के कामकाज की उपेक्षा की है। अब जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प लगातार अपने बयानों का उल्लेख करके भारतीय प्रधानमंत्री को अपमानित कर रहे हैं, तो यह एक ऐसा संवेदनशील मुद्दा बन गया है, जिसके बारे में हम सभी जानते हैं। 10 मई को भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम से अब तक ट्रम्प ने 18 बार भारतीय प्रधानमंत्री को अपमानित किया और यहां तक कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के साथ लंच पर बातचीत भी की। अब हमारे प्रधानमंत्री को पिछले पांच वर्षों में अपनायी गयी अपनी विदेश नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। समय आ गया है कि भारत को ग्लोबल साउथ के लिए लड़ने के लिए ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अन्य विकासशील देशों के साथ हाथ मिलाना चाहिए। देश का हित ग्लोबल साउथ के साथ है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं भूलना चाहिए।

आपके पत्र

लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावटः एक चिंताजनक संकेत

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पर्दाफाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है।

वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है—आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत 68.5 प्रतिशत से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है।

आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9 प्रतिशत पर अटकी हुई है। महिलाएं मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20.30प्रतिशत कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आंकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है।

शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत 87 प्रतिशत से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएं जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी—अब भी मौजूद हैं।

स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियां प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएं, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है।

राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8प्रतिशत रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6प्रतिशत महिलाएं हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनः निर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है।

-प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

विमुद्रीकरण : पांच अहम बिन्दु

ऐसा याद नहीं पड़ता कि रिजर्व बैंक की भूमिका के बारे में आम जनता में इसके पहले कभी कोई चर्चा हुई हो। रिजर्व बैंक में गवर्नर की नियुक्ति और सेवानिवृत्ति एक सामान्य प्रक्रिया के तहत चली आ रही थी, जिसमें पहली बार एक नया मोड़ रघुराम राजन का कार्यकाल समाप्त होने के साथ आया। रिजर्व बैंक ही देश की मुद्रानीति का नियमन और संचालन करता है, यह बात आम तौर पर लोग नहीं जानते, लेकिन प्रधानमंत्री तो इसे जानते थे। इसलिए एक ओर जहां उन्होंने स्वयं दूरदर्शन पर आकर विमुद्रीकरण की घोषणा की, वहीं दूसरी ओर वैधानिक औपचारिकता पूरी करने के लिए उसी दिन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक आनन-फानन में बुलाकर उसमें सरकार की इच्छानुसार फैसला ले लिया गया। इस बारे में अब जाकर पता चला है कि रिजर्व बैंक के बोर्ड में स्वतंत्र सदस्यों के चौदह में दस पद खाली पड़े हैं और उपरोक्त बैठक में बचे चार में से कुल तीन स्वतंत्र सदस्य ही शामिल हुए। इस निर्णय से रिजर्व बैंक की स्वायत्तता को आघात पहुंचा, साथ ही नवनियुक्त गवर्नर उर्जित पटेल की छवि भी धूमिल हुई।

(देशबन्धु में 29 दिसम्बर 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/12/blog-post_28.html

गुरवाणी विचार

लेखे छोड़ अलेखे छूटे हम निर्गुण लेहो उबारी

राग धनासरी वाणी भक्त रविदास जी
हम सर दीन दइआलन नचनी न
तुम सरि अब पतिआर किआ कीजै
बचनी तोर मोर मन मानै जन को
पूरन दीजै हौ बलि बलि जाओ
रमइआ कारने कारन कवन अबोल (रहाओ)
बहुत जनम बिछुरे थे माधो इह जनम तुमारे लेखै।
कह रविदास आसि लगि जीवहो चिर भइओ दरसन देखे।

गुरुवाणी की ये पंक्तियां जो गुरु ग्रंथ साहिब के अंग 694 में अंकित है। इसमें भक्त रविदास मानव मन की तरफ से ईश्वर के सामने अरजी करते हुए फरमा रहे हैं कि हे मेरे प्रभु परमात्मा, हम सांसारिक जीवों के समान कोई कमजोर या निमाणा नहीं है। हर वक्त अज्ञान की ही बात में मशगूल रहता है। सांसारिक मोह, माया में गलतान रहते हैं। आप दोनों के दयाल हो, दीनों पर कृपा करने वाले हो मेरे अवगुणों की तरफ आप ध्यान न देते हुए मुझ पर कृपा करो ताकि मैं आपकी सिमरन बंदगी में लग जाऊं और आप के द्वारा दी गई सर्वश्रेष्ठ कृति मानव जीवन पाने का भरपूर लाभ उठा सकूं तभी मेरा कल्याण हो सकता है। आप अगर मेरे द्वारा किये गये कार्यों का लेखा जोखा करेंगे तो फिर हमारा कल्याण होना असंभव है इसलिए गुरुवाणी में हमें समझाइश दी गई है-

सतगुरु आइओ सरण तुहरी
मिले सुख नाम हरि सोभा
चिंता लाहो हमारी
लेखे छोड़ अलेखे छूटे
हम निर्गुण लेहो उबारी।

मुझ गरीब को इस बात का पूर्ण रूप से भरोसा है कि आप मुझ गरीब पर अवश्य कृपा करेंगे और ऐसी कृपा दृष्टि आप मुझ पर डालेंगे कि मैं आप की सिफत सलाह सिमरन बंदगी में लग सकूं।

हे मेरे प्रभु परमात्मा मैं तुम पर बलिहार जाता हूं अगर आप मेरे द्वारा किए गए कृत्यों के कारण मुझ से नाराज हैं इसी कारण मुझ से रूठे हुए हैं तो प्रभु मुझ पर आप कृपा करो मैं आप से बहुत ही जन्मों से बिछुड़ा हुआ हूं। बहुत जन्म मुझे कई योनियों में भ्रमण करना पड़ा है आप की कृपा दृष्टि के कारण इस जन्म में यह मानव देही मिली हुई है इसलिए अब आप ही मुझ पर कृपा करो और अपनी सिमरन बंदगी में लगा लो ताकि ये पूरा जनम मैं आपकी याद में ही आप की बंदगी में ही लगा रहूं और आपके लोक की प्राप्ति कर लूं। मुझे आपकी सांची दरगाह में स्थान प्राप्त ही सके पर ये सब तभी संभव है जब आप की हम पर नजरें इनायत हो जाए। तभी मेरा मन आपकी सिमरन बंदगी में रम सकेगा। भक्त रविदास जी हर जीव की तरफ से प्रभु परमात्मा से प्रार्थना कर रहे हैं कि हर इंसान पर अपनी रहमतें नजर डाल दो उनके अवगुणों को अनदेखा कर दो और उन पर ऐसी कृपा करो कि आपकी सिमरन बंदगी में रम जाएं तभी हमारा मानव जीवन पाना सफल हो सकेगा।

-इंदर सिंह आहुजा

आठ देशों के प्रतिनिधिमंडल ने किया शीत्सांग का दौरा

बीजिंग, 29 जून (एजेंसियां)। हाल ही में रूस, स्विट्जरलैंड, मंगोलिया, जापान, थाईलैंड, भारत, नेपाल और श्रीलंका सहित आठ देशों के मीडिया और शैक्षणिक जगत के 15 प्रतिनिधियों के एक दल ने चीन के शीत्सांग का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल ने नींगत्छ और ल्हासा शहरों का भ्रमण किया, जहां उन्होंने पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण, आधुनिक बुनियादी शिक्षा के विकास और पारंपरिक चिकित्सा की विरासत पर गहन अध्ययन, जमीनी दौरा और आदान-प्रदान किया। नींगत्छ शहर में, प्रतिनिधिमंडल को किसानों और चरवाहों के परिवारों के साथ समय बिताने का मौका मिला, जिससे उन्हें लोगों के दैनिक जीवन का गहराई से अनुभव हुआ।

भारत ने पाकिस्तानी सेना के दावों को किया खारिज

- **पाक ने वजीरिस्तान में हुए आत्मघाती हमले के पीछे भारत का हाथ होने का किया था दावा**
- **टीटीपी से जुड़े उसुद अल-हरब ने इस आत्मघाती हमले की ली है जिम्मेदारी**

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने रविवार को पाकिस्तान सेना के उस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि वजीरिस्तान में हुए आत्मघाती हमले के पीछे भारत का हाथ है। उस हमले में 13 सैनिक मारे गए थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक बयान में कहा कि हमने 28 जून को हुए वजीरिस्तान हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने वाला पाकिस्तान सेना का बयान देखा है। हम इसे पूरी तरह खारिज करते हैं और इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

शनिवार तड़के पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खादी क्षेत्र में एक आत्मघाती हमले में 13 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 29 लोग घायल हो गए, जिनमें 19 नागरिक शामिल थे। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को बम निरोधक दस्ते के एक माइन-रेसिस्टेंट इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) वाहन से टकरा दिया था।

इस जोरदार विस्फोट में 13 सैनिकों की मौत हो गई और 29 लोग घायल हुए, जिनमें 19 नागरिक थे। इसके अलावा, क्षेत्र में अंधाधुंध गोलीबारी की भी खबरें थीं, जिससे 19 नागरिक घायल हुए। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) पाकिस्तान से जुड़े हाफिज गुल बहादुर समूह के एक उप-समूह उसुद अल-हरब ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है।

पाकिस्तानी मीडिया ने कहा कि यह हमला दक्षिणी वजीरिस्तान में एक खुफिया आधारित ऑपरेशन (आईबीओ) के कुछ दिनों बाद हुआ, जिसमें दो सैनिक मारे गए और 11 आतंकवादी ढेर किए गए। यह घटना हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में हुआ सबसे घातक हमला है, जिसने क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

पिछले महीने, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के सीमावर्ती क्षेत्र किला अब्दुल्ला के गुलिस्तान क्षेत्र में एक कार बम विस्फोट हुआ था, जिसमें कम से कम चार लोग मारे गए और 20 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें से आठ की हालत गंभीर थी। यह विस्फोट गुलिस्तान कस्बे के जब्बार कमर्शियल मार्केट में क्वेटा-चमन राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जो पाकिस्तान के फ्रंटियर कोर के किले के पास है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के दावे को नकारा

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की उस टिप्पणी को खारिज किया है जिसमें दावा किया था कि पाकिस्तान के खिलाफ़ कार्रवाई करने के लिए भारत अफ़गानिस्तानी क्षेत्र का इस्तेमाल कर रहा है। टोलो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक अमीरात के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत ने ज़ोर देकर कहा कि कार्यवाहक सरकार, अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की अपनी नीति के आधार पर, किसी को भी किसी देश के खिलाफ़ कोई कार्रवाई या अभियान चलाने के लिए अपनी भूमि का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देती है। श्री फ़ितरत ने कहा कि फ़िलहाल, किसी को कोई ख़तरा नहीं है और एक पक्ष को दूसरे के खिलाफ़ बढ़ावा दिए जाने संबंधी चिंताएं निराधार हैं। इस्लामिक अमीरात अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की नीति का पालन करता है और खासकर पड़ोसी देशों के खिलाफ़, असुरक्षा पैदा करने के लिए अफ़गान भूमि का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देता है। ये चिंताएं निराधार हैं।

भूकंप के झटके से कांपा पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में रविवार को भूकंप महसूस किया गया, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.3 दर्ज की गई। भूकंप तड़के करीब 3:54 बजे महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलॉजी (एनसीएस) के अनुसार इस भूकंप का केंद्र अक्षांश 30.25 डिग्री नॉर्थ, देशांतर 69.82 डिग्री ईस्ट पर था। भूकंप जमीन से 150 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। लोग खुले स्थानों की तरफ भागे। इस भूकंप में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय मीडिया के अनुसार कुछ घरों की दीवारों में दरारें आ गई हैं। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इससे पहले, 12 मई को पाकिस्तान में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। 10 मई की सुबह 4.7 और 4.0 की तीव्रता के दो भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। 5 मई को यहां 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था। लगातार आ रहे भूकंप के झटकों को देखते हुए स्थानीय अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। भूकंपीय रूप से पाकिस्तान दुनिया के सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। यह देश %यूरेशियन प्लेट% और %भारतीय प्लेट% के बीच स्थित है।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

- **बेजान दारूवाला**

ग्रह स्थिति : सोमवार 30 जून, 2025 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 4

राशिफल

मेष - स्वभाव में उग्रता और जिद्दीपन पर संयम रखें। शारीरिक मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे। अधिक परिश्रम के अंत में कम सफलता से निराशा पैदा होगी। संतान के मामले में चिंता पैदा होगी। पेट संबंधी बीमारियों से परेशान होंगे।

वृषभ - आप सभी काम दृढ़ आत्मविश्वास और अटल मनोबल के साथ कर सकेंगे। पिता या पैतृक संपत्ति से लाभ होगा। सरकार अथवा उनके साथ के आर्थिक व्यवहार से लाभ होगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए अच्छा और लाभदायी होगा। मित्र, बंधु-बांधवों एवं पड़ोसियों के साथ आप के संबंध अच्छे रहेंगे। आर्थिक रूप से आप सजग रहेंगे।

कर्क - आज का दिन मध्यम फलदायी है। आपके मन में ग्लानि रहेगी। जो भी काम करेंगे, उसमें आपको संतोष नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। दांयी आंख में परेशानी होने की आशंका बनी रहेगी।

सिंह - आज आपका दिन शुभ फलदायी है। आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। हर काम को दृढ़ निश्चय के साथ पूरा कर पाएंगे। सरकारी कामों में या सरकार से लाभ होगा। पिता तथा बड़ों का सहयोग मिलेगा।

कन्या - आपका दिन शारीरिक एवं मानसिक चिंता के बोझ में रहेगा। आज किसी के भी साथ आपके इगो का टकराव न हो इसका विशेष ध्यान रखें। कोर्ट-कचहरी में सावधानी रखें। आकस्मिक धन खर्च होगा।

तुला - आज का दिन शुभ फलदायी है। आज आपको कई तरह के लाभ होने के योग हैं। मित्रों के साथ मिलना-जुलना और कुछ मनोहर स्थलों पर घूमने जाने की संभावना बनी रहेगी।

वृश्चिक - आज का दिन शुभ फलदायी है। आपके गृहस्थ जीवन में आनंद और उल्लास बना रहेगा। आपके सभी काम बिना अवरोध के पूरे होंगे। मान-सम्मान मिल सकता है। नौकरी, व्यवसाय में पदोन्नति होगी।

धनु - आज किसी भी तरह की यात्रा को टालना आपके हित में रहेगा। आज आपके शरीर में थकान रहेगी। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम रहेगा। मन में व्याकुलता रहेगी। संतान के विषय में चिंता हो सकती है। व्यवसाय में बाधा उत्पन्न होगी।

मकर - आपके कार्यालय एवं व्यापार में परिस्थिति आपके अनुकूल होगी। आज समय पर ऑफिस के काम पूरे कर पाएंगे। व्यापार तथा सामाजिक काम के लिए बाहर जाने के अवसर मिल सकता हैं।

कुंभ - आज आप में दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास बहुत ज्यादा रहेगा। मैरीड कपल के बीच रोमांस बना रहेगा। दोस्तों के साथ मुलाकात होगी। छोटा प्रवास या आनंददायी पर्यटन का योग बना रहेगा।

मीन - आज आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आप आत्मविश्वासी बने रहेंगे। आरोग्य खूब अच्छा रहेगा। घर में शांति और आनंद का वातावरण बना रहेगा। दैनिक काम अच्छी तरह से कर पाएंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

गाजा में युद्धविराम के लिए ट्रंप ने बढ़ाया दबाव

- **हमास से बंधकों को रिहा करने की मांग**

वाशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और हमास से गाजा में एक समझौता करने का आग्रह किया है। इस समझौते का मकसद 7 अक्टूबर 2023 को अपहरण किए गए शेष बंधकों को वापस लाना है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क पर लिखा कि गाजा में समझौता करें। बंधकों को वापस लाएं।

ट्रंप के इस पोस्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दबाव डाल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप पहले ही भविष्यवाणी कर चुके हैं कि एक हफ्ते के अंदर इस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। ट्रंप ने इस ट्रुथ पोस्ट से पहले बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे की आलोचना की थी। ट्रंप ने दावा करते हुए कहा कि इससे गाजा और ईरान के साथ डील करने की कोशिशों को नुकसान पहुंचेगा। डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि नेतन्याहू के साथ जो हो रहा है, वह भयावह है। ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री को युद्ध नायक बताते हुए कहा कि उन्होंने ईरान के न्यूक्लियर खतरे से छुटकारा दिलाने में अमेरिका के साथ शानदार काम किया है।

ट्रंप ने नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे मुकदमे को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि न्याय का यह मजाक ईरान और हमास, दोनों की वार्ता में बाधा डालेगा।

ट्रंप कुछ दिन पहले गाजा पट्टी में युद्धविराम का दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए उन लोगों से बात की है, जो इस समझौते को सुरक्षित करने की कोशिश में शामिल हैं।

7 अक्टूबर 2023 को इजरायल के नोवा फेस्टिवल में हमास ने अचानक हमला किया था, जिसमें करीब 1,200 लोग मारे गए। इसके साथ ही 251 लोगों को बंधक बना लिया गया। हालांकि, हफ्तों की कोशिशों के बाद कई बंधकों को रिहा किया गया।

ट्रंप ने नेतन्याहू के पक्ष में फिर बुलंद की आवाज

- **भ्रष्टाचार के मुकदमे को खत्म करने की उठाई मांग**

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे की आलोचना की है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया है कि इससे गाजा और ईरान के साथ डील करने की कोशिशों को नुकसान पहुंचेगा। अभियोजन पक्ष को सीधे तौर पर न धमकाते हुए, डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल को अरबों डॉलर की अमेरिकी सहायता पर प्रकाश डाला है। ट्रंप ने लिखा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अभी हमास के साथ एक समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें बंधकों को वापस लाना शामिल होगा। उन्होंने लिखा कि यह कैसे संभव है कि इजरायल के प्रधानमंत्री को बिना किसी बात के लिए पूरे दिन कोर्टरूम में बैठने के लिए मजबूर किया जा सकता है। यह एक राजनीतिक बदले की कार्रवाई है, जो कि बिना ठोस सबूत के किसी के खिलाफ जानबूझकर की गई छानबीन या प्रताड़ना है।

थाईलैंड की पीएम की कॉल रिकार्डिंग लीक

- **हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे, इस्तीफे की मांग**

बैंकॉक, 29 जून (एजेंसियां)। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पेतोंगटार्न शिनावात्रा और कंबोडिया के पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन के बीच हुई एक फोन कॉल लीक होने के बाद देश में जबरदस्त राजनीतिक हलचल मच गई है। बैंकॉक की सड़कों पर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी उतर आए और प्रधानमंत्री से तत्काल इस्तीफे की मांग की।

लीक हुई इस कॉल में शिनावात्रा, हुन सेन को अंकल कहकर संबोधित करती सुनाई दीं और थाई सैन्य कमांडर पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ 'कूल दिखने' के लिए ऐसे बयान दिए जो किसी काम के नहीं थे।

इस बयान से जनता में गुस्सा भड़क उठा और शिनावात्रा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन की एक अहम सहयोगी पार्टी ने भी समर्थन वापस ले लिया। प्रधानमंत्री ने इस पर सफाई दी और माफी भी मांगी। बाढ़ प्रभावित उत्तरी थाईलैंड के दौरे पर रवाना होने से पहले उन्होंने पत्रकारों से कहा कि लोगों का शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना अधिकार है।

प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ बैंकॉक के विक्टरी मॉन्यूमेंट वॉर मेमोरियल के पास इकट्ठा हुई, जहां वे झंडे लहराते और प्रधानमंत्री देश की दुश्मन हैं जैसे नारे लिखे पोस्टर थामे हुए थे। भीड़ ने मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शन जारी रखा।

यह 2023 में फ्यू थाई पार्टी की सत्ता में वापसी के बाद सबसे बड़ा प्रदर्शन रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पार्नथेप पूरपोंगपान ने कहा कि प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि समस्या की जड़ वही हैं।

मिडिल कॉरिडोर वैश्विक परिवहन को गति प्रदान करेगा : तुर्की

इस्तांबुल, 29 जून (एजेंसियां)। तुर्की ने कहा है कि मिडिल कॉरिडोर पहल वैश्विक परिवहन और रसद में नयी गति लायेगा जिससे एशिया और यूरोप के बीच 'रणनीतिक संबंध' स्थापित होगा। देश के परिवहन और अवसंरचना मंत्री अब्दुलकादिर उरालोग्लू ने शनिवार को मिडिल कॉरिडोर प्रमोशन कार्यक्रम में क्षेत्रीय देशों के लिए कॉरिडोर की महत्वपूर्ण वाणिज्यिक और आर्थिक क्षमता पर प्रकाश डाला।

प्रथम पृष्ठ का शेष

वैश्विक संगठन हमारी ...

आपको ये बताते हुए बहुत खुशी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। अब भारत ट्रेकोमा मुक्त देश बन चुका है और यह उन लाखों लोगों की मेहनत का फल है, जिन्होंने बिना थके, बिना रुके, इस बीमारी से लड़ाई लड़ी।'

प्रधानमंत्री ने 'स्वच्छ भारत अभियान' को भी इस उपलब्धि के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इसे मिटाने में 'जल जीवन मिशन का भी बड़ा योगदान रहा है। आज जब घर-घर नल से साफ पानी पहुंच रहा है तो ऐसी बीमारियों का खतरा कम हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस बात की सराहना की है कि भारत ने बीमारी से निपटने के साथ-साथ उसके मूल कारणों को भी दूर किया है।

आज का इतिहास

1870-अदा केपले अमेरिका में लॉ कॉलेज के ग्रेजुएट करने वाली पहली महिला बनी।

1876-सर्बिया ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1914-दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिए आंदोलन करने के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पहली बार गिरफ्तार हुए।

1917-भारत के प्रसिद्ध दिग्गज राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद और विचारक दादा भाई नौरोजी का निधन।

1928-हिन्दी फ़िल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार कल्याणजी का जन्म।

1933-फासीवाद के खिलाफ एंटवर्प में 50 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया।

1937-दुनिया का पहला इमरजेंसी नम्बर 999 को लंदन में जारी किया गया।

1938-बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार कॉमिक में नजर आया।

1947-भारत के विभाजन की घोषणा के बाद बंगाल और पंजाब के लिए बाउंड्री कमीशन के सदस्यों की घोषणा।

1956-भारतीय पत्रकार और राजनेता हरिवंश नारायण सिंह का जन्म।

1962-रवांडा और बुरुंडी आजाद हुए।

1969-भारतीय राजनीतिज्ञ और राज्य सभा सांसद भूपेन्द्र यादव का जन्म।

1985-भारत के प्रसिद्ध चित्रकार के. एच. आरा का निधन।

1997-हांगकांग से ब्रिटिश हुकूमत खत्म।

1999-आस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री तथा नेशनल पार्टी के नेता टीम फ़िशर का इस्तीफ़ा।

मामला बांग्लादेश के चटगांव सेंट्रल जेल में अमानवीय स्थिति पर आक्रोश

मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है भीड़भाड़ वाली जेलें

- **बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण कैदियों को झेलनी पड़ती है कई तरह की तकलीफें**

ढाका, 29 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की चटगांव सेंट्रल जेल में कथित तौर पर क्षमता से तीन गुना अधिक कैदी रखे गए हैं, जिससे उन्हें अत्यधिक भीड़भाड़ वाली स्थिति में रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि अधिकारियों ने स्थिति को संभालने के लिए एक नई जेल बनाने की पहल की। हालांकि, जेल विभाग द्वारा बार-बार अपील करने के बावजूद कोई भूमि आवंटित नहीं की गई है। प्रमुख बांग्लादेशी दैनिक प्रथम आलो ने जेल सूत्रों के हवाले से बताया कि जेल में प्रतिदिन औसतन छह हजार कैदी रहते हैं,जबकि इसकी क्षमता 853 कैदियों को रखने की है।

अखबार ने जेल विभाग के महानिदेशक मोहम्मद मोताहर हुसैन के हवाले से कहा कि फिलहाल चटगांव जेल में कैदियों की संख्या तीन गुना से भी ज्यादा है। बार-बार अनुरोध के बावजूद हमें नई जेल के लिए जमीन नहीं मिल रही है। अगर नई जेल बनती है, तो उसे सुधार गृह के तौर पर विकसित किया जा सकता है, जहां कैदियों को मछली पकड़ने और कपड़ा उद्योग में कामगार के तौर पर प्रशिक्षित करने की व्यवस्था होगी।

इससे पहले, चटगांव जिला प्रशासन ने कहा था कि जंगल सलीमपुर में जमीन पर अब भी अवैध कब्जा है और जेल अधिकारियों को सौंपे जाने से पहले उसे अभी भी मुक्त कराया जाना है।

मानवाधिकार कार्यकर्ता और बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील ज्योतिर्मय बरुआ ने कहा कि भीड़भाड़ वाली जेलें मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि कानून द्वारा दोषी साबित होने तक किसी व्यक्ति को निर्दोष माना जाता है, और उनके अधिकारों को बनाए रखना राज्य की जिम्मेदारी है। सरकार को दोषी ठहराए गए लोगों को छोड़कर, अभियुक्तों के लिए संवैधानिक समानता सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी उपायों पर विचार करना चाहिए।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता और चटगांव सिटी कॉरपोरेशन के वर्तमान मेयर शहादत हुसैन ने स्थितियों को अमानवीय बताया। हुसैन एक राजनीतिक मामले के सिलसिले में जेल में बंद हैं। बीएनपी नेता ने बांग्लादेशी दैनिक को बताया कि कैदियों पर अत्यधिक दबाव है। मैंने देखा है कि 30-40 की बजाय 100 लोगों को एक सीमित क्षेत्र में रखा जाता है। यह अमानवीय है। पर्याप्त जगह और शौचालय की कमी के कारण कैदियों को कई तरह की तकलीफें झेलनी पड़ती हैं। न्यूनतम बुनियादी अधिकारों और स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए चटगांव में एक नई जेल का निर्माण करना आवश्यक है। जेल विभाग की ओर से जारी किए गए एक डाटा से पता चला कि बांग्लादेश की 68 जेलों की क्षमता 42,887 थी, लेकिन उनमें 53,831 कैदी थे।

सुडोकू 6959

	4				2	7	3	
		1		9				
5					4	1		
8			6					2
	3	4				6	7	
7					1			8
		9	7					3
				1		8		
	8	2	4				5	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6959

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-

१. अपहरण,भगा ले जाना,
४. दोपहर
६. लहू पीने वाला
७. वस्त्र
८. दूसरा समय
१०. उपस्थित (उर्दू)
११. हरा-भरा, वाटिका, उद्यान (उर्दू)
१२. विघ्न डालने वाला
१४. बधिर
१५. अधिक अच्छा (उर्दू)
१७. बह सकने के गुण वाले पदार्थ
१९. धन संपत्ति (उर्दू)
२१. जिसकी ईश्वर पर आस्था न हो
२२. रसीला
२४. ओस (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. जो बार बार न हो, जो एक ही बार दिया जाए
२. आंसू
३. सामूहिक हत्या, कत्लेआम
४. बुराई, अहित
५. चैन, आराम (उर्दू)
९. किसी व्यक्ति, वस्तु, इमारत के देखरेख के लिए तैनात, व्यक्तियों का दल
११. दोष, अपराध (उर्दू)
१२. प्रकट (उर्दू)
१३. वरयात्रा
१४. प्रचुर, अधिक
१५. निर्दोष, निरपराध (उर्दू)
१६. तूणिर, बाण रखने का चोगा
१८. दया, कृपा (उर्दू)
१९. चक्कर, दौरा, भाग्य, हेरफेर(उर्दू)
२०. गीला, भीगा हुआ(उर्दू)
२३. अगर

वर्ग पहेली-6958

१ वे	ला	२ प	त्र	३ क	■	४ क	ष्ट	५ प्र	द
ध	■	र	■	६ टु	क	ड़ा	■	त्य	■
७ शा	स	क	■	व	■	८ प	री	क्ष	९ क
ला	■	ट	■	१० च	ल	न	■	■	न्नी
■	११ स	ना	१२ त	न	■	■	१३ त	ड़	का
■	जी	■	रू	■	१४ प्र	ब	ल	■	ट
१५ अ	व	१६ गु	ण	■	ति	■	१७ ब	१८ स	ना
नि	■	रू	■	१९ स	मा	२० ज	■	फ	■
२१ वा	रि	ज	■	वे	■	२२ न	क	ल	२३ ची
र्य	■	२४ न	का	रा	त्म	क	■	■	ख

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दुनिया को जानें

जापान ने एच2ए रॉकेट का अंतिम बार किया प्रक्षेपण

टोक्यो, 29 जून (एजेंसियां)। जापान के एच2ए रॉकेट का 50वां और अंतिम सफल प्रक्षेपण आज तड़के किया गया , जिससे इसकी 20 साल से अधिक की सेवा प्रदाता यात्रा समाप्त हो गई। यह प्रक्षेपण कागोशिमा प्रांत के तनेगाशिमा स्पेस सेंटर से निर्धारित समय पर किया गया। अंतिम मिशन में 'इबुकी-जीडब्ल्यू' सैटेलाइट भेजा गया जिसे जापान के पर्यावरण मंत्रालय, राष्ट्रीय पर्यावरण अध्ययन संस्थान और अंतरिक्ष एजेंसी ने मिलकर विकसित किया है। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष से ग्रीनहाउस गैसों की निगरानी करेगा।

उल्लेखनीय है कि 2001 की शुरुआत के बाद से एच2ए रॉकेट ने जापान की अंतरिक्ष और वैज्ञानिक प्रगति में अहम भूमिका निभायी और तथा अनेक उपग्रह को कक्षाओं में भेजा। इसी बीच, 2003 की एक असफलता को छोड़ सभी प्रक्षेपण सफल रहे। इसके बाद, अब जापान पूरी तरह से अपने अगली पीढ़ी के एच3 रॉकेट पर निर्भर होगा, जिसका उद्देश्य लागत घटाना और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है।

खेल जगत

जम्मू-कश्मीर बनेगा देश का प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर को देश के प्रमुख गोल्फ स्थलों में से एक बनाने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी श्रीनगर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान की, जहां गोल्फ टूर्नामेंट के विजेताओं और उपविजेताओं को सम्मानित किया गया। इससे पहले, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में गोल्फ खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट का शुभारंभ किया, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला सहित देश भर के प्रतिष्ठित गोल्फ खिलाड़ियों ने भाग लिया। कश्मीर में गोल्फ खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी उपस्थिति बेहद उत्साहजनक है। उन्होंने गोल्फ टूर्नामेंट और कश्मीर में पर्यटन हितधारकों की बातचीत के आयोजन के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का भी आभार व्यक्त किया।

मंधाना सभी प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

■ मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टी20 मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वह हरमनप्रीत कौर के बाद टी20 शतक बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला भी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 210/5 का विशाल स्कोर बनाया। यह टी 20 मैचों में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का शीर्ष स्कोर है। भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में इंग्लैंड को 113 रन पर समेट कर मैच 97 रन से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मंधाना नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के सिर में चोट लगने की वजह से इस मैच में कप्तान भी थी। मंधाना के टी 20 करियर पर नजर डालें तो 149 मैचों में एक शतक और 30 अर्धशतक की मदद से 3,873 रन बनाए हैं। मंधाना भारत की तरफ से टी 20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हरमनप्रीत कौर भारत की तरफ से दूसरे और ओवरऑल तीसरे स्थान पर हैं। 102 वनडे मैचों में 11 शतक और 31 अर्द्धशतक की मदद से मंधाना ने 4,473 रन बनाए हैं। वहीं सात टेस्ट मैचों में दो शतक की बदौलत उन्होंने 629 रन बनाए हैं। मंधाना ने 2024 में वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया था।

राधा यादव जिसने स्मृति मंधाना को शतक में मदद की

नॉटिंघम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच को 97 रन से जीता। भारत की ओर से कप्तान स्मृति मंधाना ने 62 गेंदों में 112 रन की पारी खेली। मंधाना ने खुलासा किया है कि साथी खिलाड़ी राधा यादव के साथ बातचीत ने उन्हें ट्रेंट ब्रिज में अपना पहला टी20 शतक जड़ने के लिए प्रेरित किया। मैच के बाद स्मृति मंधाना ने कहा कि तीन दिन पहले, मैं और राधा यादव बातचीत कर रहे थे। यह लड़कियां कभी-कभी मेरे साथ बहुत सख्ती से पेश आती हैं। राधा मुझसे कह रही थीं, अब समय आ गया है कि तुम टी20 में शतक बनाओ। तुम 70, 80 के स्कोर पर आउट होकर अपने टैलेंट के साथ न्याय नहीं कर रही। मैंने सोचा, ठीक है, राधा, अब मैं देखती हूं, इस बार मैं सीरीज के किसी एक मैच में शतक लगाने की कोशिश करूंगी। इस शतक के साथ स्मृति मंधाना हरमनप्रीत कौर के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाली दूसरी भारतीय बन गई हैं।

शॉन विलियम्स और क्रेग एर्विन ने जिम्बाब्वे की पारी को संभाला

बुलावायो, 29 जून (एजेंसियां)। शॉन विलियम्स (नाबाद 45) और क्रेग एर्विन (नाबाद 24) रनों की संघर्षपूर्ण पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार को भोजनकाल तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो विकेट पर 94 रन बना लिये है। दक्षिण अफ्रीका ने नौ विकेट पर 418 रन बनान के बाद पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने टी काइटानो (शून्य) और निक वेल्च (चार) के विकेट जल्दी ही गवां दिया। बेनेट के आउट होने के बाद टीम संकट में फंस गई, लेकिन अनुभवी खिलाड़ी शॉन विलियम्स और क्रेग एर्विन ने पारी को संभाला। इस दौरान सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को मैदान पर लगी चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर होना पड़ा है। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने आठवें ओवर में रिटायर्ड आउट होने से पहले 28 गेंदों में 19 रन बनाए। बेनेट को छठे ओवर में क्वेना मफाका की गेंद को हुक करने के प्रयास में हल्की चोट लगी थी और उन्हें मैदान के बाहर जाना पड़ा था।

केशव महाराज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले स्पिनर बने

■ महाराज टेस्ट करियर में 11 बार एक पारी में पांच विकेट ले चुके हैं

बुलावायो, 29 जून (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे के खिलाफ क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे टेस्ट मैच में कप्तान केशव महाराज ने इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले स्पिन गेंदबाज बन गए। केशव महाराज ने रविवार को जिंबाब्वे के क्रेग एर्विन को आउट कर टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे किए। महाराज ने यह उपलब्धि अपने 59वें टेस्ट में हासिल की है। जिम्बाब्वे की पहली पारी में महाराज ने तीन विकेट लिए। टेस्ट में महाराज के अब 202 विकेट हो गए हैं। महाराज टेस्ट करियर में 11 बार एक पारी में पांच विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा, छह बार वह एक पारी में चार विकेट ले चुके हैं। एक पारी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 129 रन देकर नौ विकेट है। वहीं, एक मैच में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 283 रन देकर 12 विकेट है। टेस्ट में 200 विकेट लेने वाले केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका के नौवें गेंदबाज हैं। देश के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज डेल स्टेन हैं। उन्होंने 93 मैचों में 22.95 की औसत से 439 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान शॉन पोलॉक हैं जिन्होंने 108 मैच में 421 विकेट लिए हैं। तीसरे स्थान पर मखाया एंटिनी हैं। एंटिनी के नाम 101 टेस्ट में 390 विकेट हैं। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। दक्षिण अफ्रीका के नियमित कप्तान टेंबा बावुमा हैमस्ट्रिंग खिंचाव के कारण सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। बावुमा की जगह केशव महाराज को कप्तान बनाया गया है। यह पहला मौका है जब वह दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी कर रहे हैं। मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले दिन शनिवार को 55 रन पर चार विकेट खोने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 19 साल के डेब्यूटेंट विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रीटोरियस के 153 और कॉर्बिन बॉश के नाबाद 100 रन की मदद से नौ विकेट पर 418 रन बनाकर पारी घोषित की। जिम्बाब्वे की टीम अपनी पहली पारी में 251 पर सिमट गई। पहली पारी के आधार पर दक्षिण अफ्रीका को 167 रन की बढ़त मिली है।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन : तन्वी और आयुष ने उलटफेर के साथ किया फाइनल में प्रवेश

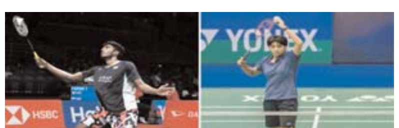

■ महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में हराकर मुकाबले को अपने नाम कर लिया

काउंसिल ब्लफ्स, 29 जून (एजेंसियां)। बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं।

महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं। बाई ने अपने 'एक्स' पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी 'टीन टाइटन' समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली में दिल जीत रही हैं! गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी अब समिट क्लैश में चीन की विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी बेइवेन झांग से भिड़ेंगी। वहीं, दूसरी ओर विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने ताइपे ओपन 2025 के सेमीफाइनल में चोउ से मिली हार का बदला चुकता किया। पहले गेम में मिली करीबी हार के बाद उन्होंने चोउ को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। अब फाइनल में शेट्टी का सामना ब्रायन यांग से होगा, जिन्होंने लियाओ झूओ फू पर 21-10, 21-12 से आसान जीत दर्ज की है।

एमएलसी 2025 : मिशेल ओवेन ने खोला 'पंजा', प्लेऑफ में वाशिंगटन फ्रीडम

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। वाशिंगटन फ्रीडम ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 के 19वें मैच में जीत दर्ज की। इस टीम ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को 12 रन से शिकस्त दी। इसी के साथ टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स पहले ही अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। डलास में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए वाशिंगटन फ्रीडम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। टीम 30 रन तक अपने चार विकेट गंवा चुकी थी, जिसके बाद जैक एडवर्ड्स ने ग्लेन फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी हुई, जिसने टीम को संकट से बाहर निकाल दिया।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के 20 एथलीट करेंगे स्पर्धा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत का 20 सदस्यीय दल आज से शुरु हो रही विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 में महिला और पुरुष वर्ग की विभिन्न भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेगा। झाकसिलिक उशकेम्पिरोव मार्शल आर्ट पैलेस में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट तीन निर्धारित आयोजनों में से दूसरा है, जो मुक्केबाजों को पूरे वर्ष रैंकिंग अंक अर्जित करने में मदद करता है। कजाकिस्तान चरण चार जुलाई तक चलेगा। इसमें ओलंपियन सहित 31 देशों के 400 से अधिक मुक्केबाज पुरुष और महिला दोनों वर्गों की 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत की 10 सदस्यीय महिला टीम में पेरिस 2024 ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक विजेता जैस्मीन लैम्बोरिया के साथ-साथ टोक्यो ओलंपियन और पूर्व एशियाई चैंपियन पूजा रानी भी शामिल हैं। इस बीच, ब्राजील मीट से पुरुष भारतीय मुक्केबाजी टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 70 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया, रजत पदक विजेता अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल इस टीम का नेतृत्व करेंगे। विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 के लिए भारतीय टीमें इस प्रकार है:-

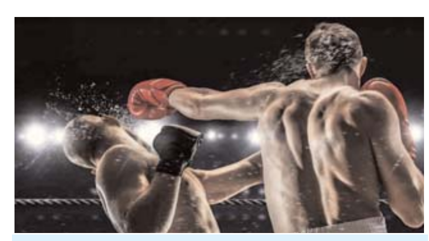

■ हितेश गुलिया, रजत पदक विजेता जामवाल और विजेता नरेंद्र बेरवाल इस टीम का नेतृत्व करेंगे

पुरुष वर्ग: जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा),अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), निखिल दुबे (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), विशाल (90 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 से अधिक किग्रा) भार वर्ग में स्पर्धा करेंगे।

सार संक्षेप

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर सैमी पर जुर्माना

दुबई। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी पर पहले टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना सैमी द्वारा दूसरे दिन के आखिर में मीडिया से बातचीत के दौरान की गई टिप्पणियों से संबंधित है। उन्होंने पूरे दिन के खेल में कई घटनाओं के संदर्भ में मैच अधिकारियों में से एक की आलोचना की थी। 41 वर्षीय सैमी को संहिता के अनुच्छेद 2.7 का उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह किसी अंतरराष्ट्रीय मैच या किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी के सहायक कर्मचारी, मैच अधिकारी या किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने वाली टीम में होने वाली घटना के संबंध में सार्वजनिक आलोचना या अनुचित टिप्पणी से संबंधित है। सैमी पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माने के साथ ही अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध है। सैमी ने अपराध स्वीकार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि इस टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 159 रनों से हराया था।

बेनेट चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर

बुलावायो। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को मैदान पर लगी चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर होना पड़ा है। आज यहां खेले जा रहे मुकाबले में सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने आठवें ओवर में रिटायर्ड आउट होने से पहले 28 गेंदों में 19 रन बनाए। बेनेट को छठे ओवर में क्वेना मफाका की गेंद को हुक करने के प्रयास में हल्की चोट लगी थी और उन्हें मैदान के बाहर जाना पड़ा था।चोट प्रोटोकॉल के अनुसार, ब्रायन बेनेट टेस्ट में आगे कोई भूमिका नहीं निभाएंगे। उनकी जगह प्रिंस मास्वारे को टीम में शामिल किया गया है। मास्वारे टेस्ट क्रिकेट में अपना 10वां मैच खेलेंगे।

इंग्लैंड की महिला टीम पर धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

नॉटिंघम। इंग्लैंड की महिला टीम पर भारत के खिलाफ खेले गये पहले टी-20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इंग्लैंड को निर्धारित समय से दो ओवर कम फेंके जाने का दोषी पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधि अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

एमएलसी 2025: सिएटल ओकार्स ने दर्ज की सीजन में दूसरी जीत

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सिएटल ओकार्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 20वें मैच में लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के खिलाफ पांच विकेट से जीत दर्ज की। यह सीजन में सिएटल ओकार्स की दूसरी जीत है, जो उसे लगातार पांच हार के बाद नसीब हुई। इसी के साथ टीम प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। वहीं, छठी हार के बाद लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स सबसे आखिरी पायदान से ऊपर उठ ही नहीं सकी है। डलास में खेले गए मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स ने चार विकेट खोकर 202 रन बनाए। उन्मुक्त चंद और आंद्रे फ्लेचर की सलामी जोड़ी के बीच 5.3 ओवरों में 39 रन की साझेदारी हुई। उन्मुक्त चंद 11, जबकि आंद्रे फ्लेचर 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रदरफोर्ड भी पांच रन बनाकर चलते बने। टीम 48 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से आंद्रे रसेल ने सैफ बदर के साथ मिलकर टीम को संभाला। दोनों खिलाड़ियों के बीच चौथे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी हुई। रसेल 39 गेंदों में चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 65 रन की नाबाद पारी खेलकर पवेलियन लौटे। इसके बाद सैफ बदर ने रोवमैन पॉवेल के साथ पांचवें विकेट के लिए 73 रन जुटाए। सैफ बदर ने 21 गेंदों में 41 रन की पारी खेली। वहीं, पॉवेल 21 गेंदों में 43 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी टीम की ओर से वकार सलामखिल ने सबसे ज्यादा दो विकेट चटकाए। उनके अलावा हरमीत सिंह और अयान देसाई को एक-एक विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में सिएटल ओकार्स ने एक गेंद शेष रहते जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने पारी की दूसरी ही गेंद पर जोस ब्राउन (0) का विकेट गंवा दिया था। टीम उस समय तक अपना खाता तक नहीं खोल सकी थी। यहां से शायन जहांगीर ने एरॉन जोन्स के साथ दूसरे विकेट के लिए महत्वपूर्ण 119 रन की पारी खेली। जोन्स ने तूफानी पारी खेलते हुए 38 गेंदों में 73 रन जड़ो, जिसमें दो छक्के और 10 चौके शामिल थे।

सात समंदर पार देश का नाम रोशन कर भारत लौटे आशीष चौधरी

भिवानी, 29 जून (एजेंसियां)। भिवानी को 'मिनी क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यहां के बॉक्सरों के मुक्के का दमखम पूरी दुनिया में नजर आता है। अब यहां के शूटर भी सात समंदर पार देश का नाम रोशन कर रहे हैं। इसमें एक नाम आशीष चौधरी का है, जिन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में आयोजित 12-21 आयु वर्ग की 'जूनियर ऑप्शन शूटिंग चैंपियनशिप' में गोल्ड मेडल जीता है।

भिवानी के शूटर आशीष चौधरी ने ऑस्ट्रेलिया में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। उनके कोच प्रदीप बेनीवाल का कहना है कि आशीष के लिए ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलने के दरवाजे खुले हैं, लेकिन आशीष देश के लिए ही खेलना चाहता है। ऑस्ट्रेलिया में परचम लहराने के बाद गोल्डन ब्वॉय आशीष चौधरी का भिवानी में 'लक्ष्य शूटिंग एकेडमी' में स्वागत हुआ। आशीष ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने कोच प्रदीप बेनीवाल को दिया है।

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज सीरीज

दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रह सकते हैं स्टीव स्मिथ

ब्रिजटाउन, 29 जून (एजेंयिां)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी खिलाड़ी स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रेनेडा में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रह सकते हैं। लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान स्मिथ को 'कम्पाउंड डिस्लोकेशन' हुआ था। स्टीव स्मिथ ने पिछला हफ्ता न्यूयॉर्क में बिताया, जहां उन्होंने टेनिस बॉल और 'इनक्रेडी-बॉल' (एक सॉफ्ट क्रिकेट ट्रेनिंग बॉल) के साथ फिर से बल्लेबाजी शुरू की। स्टीव स्मिथ को अभी भी कुछ मेडिकल प्रोटोकॉल पूरे करने हैं, जिसमें ग्रेनेडा में मंगलवार का ट्रेनिंग सेशन निर्णायक होगा। हालांकि, हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को भरोसा है कि स्मिथ नंबर 4 पर वापसी करने के लिए फिट होंगे। एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि यह इंजरी वास्तव में ऊंगली के आसपास की कार्यक्षमता से जुड़ी है, न कि किसी और चीज से। स्मिथ वापस आ जाएंगे और मुझे लगता है कि वह खेलेंगे। अगले गेम से पहले, वह दो दिन मुख्य सत्र में हिस्सा लेंगे। वह (मैच से) एक दिन पहले ट्रेनिंग भी करेंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो मुझे उम्मीद है कि स्टीव नंबर 4 पर फिर से खेलेंगे। ऑस्ट्रेलियाई हेड कोच ने यह भी स्पष्ट किया कि स्मिथ अगर वापसी करते हैं, तो वह नंबर 4 से अपना बल्लेबाजी स्थान नहीं बदलेंगे, भले ही कैमरून ग्रीन नंबर 3 पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हों। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने उन्हें नंबर 4 पर देखने को लेकर सहमति बना ली है। हम चाहें तो उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेज सकते हैं। वह नंबर तीन पर बेहतरीन रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप नंबर 4 पर उनके पिछले 12 महीनों के प्रदर्शन को देखें, तो वह यकीनन हमारे सबसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं।

आधुनिक पीढ़ी में साइकिल चलाना एक चलन बनाना होगा : मांडविया

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को साइकिल पर फिट इंडिया संडे के विशेष संस्करण में कहा कि हमें आधुनिक पीढ़ी को साइकिल चलाना एक चलन बनाना होगा। रविवार सुबह गुजरात के पालिताना में डॉ. मांडविया ने साइकिल पर फिट इंडिया संडे के विशेष संस्करण में एक विविध समूह, विशेष रूप से 'स्वच्छता सेनानियों', हमारे अग्रिम पंक्ति के सफाई योद्धाओं का नेतृत्व किया। इस अभियान साइकिलिंग अभियान के 29वें संस्करण में देशभर में छह हजार स्थानों पर आयोजित साइकिल अभियान में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, सफाई कर्मचारियों, नगर पालिका निगम कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य और जिला नगर निगमों के विभिन्न कर्मचारी और संबद्ध कार्यकर्ता ने भाग लिया। इस अवसर पर अपने गृहनगर पालिताना में डॉ. मांडविया ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में शुरू किए गए फिट इंडिया अभियान को संडे ऑन साइकिल के माध्यम से सर्वोत्तम संभव तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। यह अब केवल एक अभियान नहीं है यह एक आंदोलन है। स्वच्छता सेनानियों के नेतृत्व में, हम एक मजबूत संकेत दे रहे हैं कि फिटनेस और स्वच्छता एक साथ चलते हैं। हर किसी को, चाहे वह बड़ा हो या छोटा, विकसित भारत के लिए अपना योगदान देना चाहिए और हमें इस आधुनिक पीढ़ी में साइकिल चलाना एक चलन बनाना होगा।

शहरी इलाकों से लेकर छोटे शहरों तक, नागरिक सुबह-सुबह सड़कों पर उतरे और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति एकता और प्रतिबद्धता दिखाई। स्वच्छता सेनानियों के अलावा, विधानसभा सदस्य (एमएलए), स्थानीय पुलिस, एनवाईकेएस, एनएसएस आदि से मायभारत के स्वयंसेवक, भावनगर जिले के विभिन्न साइकिलिंग क्लब शामिल हुए।

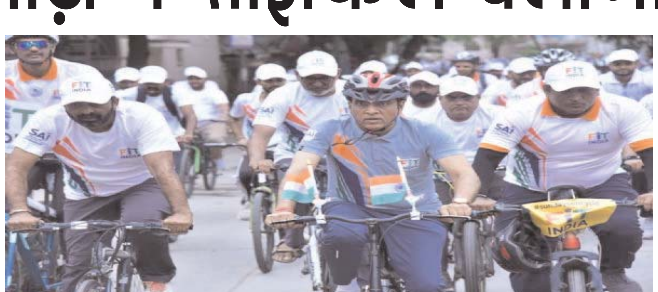

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में शुरू किए गए फिट इंडिया अभियान को संडे ऑन साइकिल के माध्यम से सर्वोत्तम संभव तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है : कोट डॉ. मनसुख मांडविया

बबीता फोगाट ने की 'संडे ऑन साइकिल' में भागीदारी, कहा-

फिट इंडिया का हिस्सा बनकर मिली डबल खुशी

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत, फिट भारत के तहत रविवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में साइकिल चलाकर 'फिट इंडिया' को सेलिब्रेट किया गया। इस दौरान भारत की पूर्व रेसलर बबीता फोगाट ने भी सबके साथ साइकिल चलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की थी। इसके बाद यह एक बड़े अभियान के तौर पर देश में फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहा है। खासकर रविवार को फिट इंडिया मूवमेंट के लिए फिटनेस इवेंट होते हैं, जहां आम जनों के साथ सेलिब्रिटिज की भागीदारी भी होती है। बबीता फोगाट ने इस अवसर पर कहा कि आज हम सब लोग फिट इंडिया मना रहे हैं और इसलिए सबके साथ साइकिल चलाई, क्योंकि फिट रहने से हमारा तन और मन दोनों ही शांत और स्वस्थ रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फिट इंडिया मूवमेंट चलाकर देश को फिट रहने की ओर बढ़ावा दिया है। उन्होंने आगे कहा कि मैं खुद भी खेल से जुड़ी रही हूं। इसलिए ऐसे मूवमेंट से जुड़कर खुशी होती है। इसके जरिए हम लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक कर सकते हैं, तो यह खुशी डबल हो जाती है। पीएम मोदी ने फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की थी। इसकी शुरुआत से लेकर अब तक, खासकर प्रत्येक रविवार को फिट इंडिया से जुड़े आयोजन होते हैं। पीएम मोदी ने लोगों और युवाओं को फिट रखने के लिए यह मूवमेंट चलाया है।

सुडोकू 6959 का हल

6	4	8	1	5	2	7	3	9
2	7	1	3	9	6	4	8	5
5	9	3	8	7	4	1	2	6
8	1	5	6	4	7	3	9	2
9	3	4	5	2	8	6	7	1
7	2	6	9	3	1	5	4	8
4	6	9	7	8	5	2	1	3
3	5	7	2	1	9	8	6	4
1	8	2	4	6	3	9	5	7

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
एशियन पेंट	3.06 प्रतिशत
अल्ट्रासिम्को	2.43 प्रतिशत
पावरग्रिड	2.11 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	1.56 प्रतिशत
रिलायंस	1.39 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
ट्रेंट	1.42 प्रतिशत
इटरनल	1.13 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	0.93 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.74 प्रतिशत
टाइटन	0.66 प्रतिशत

सर्राफा

दिल्ली	
सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	98,930
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,07,890
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7900-8000
उड़द दाल	9500-9600
मूंग दाल	9200-9300
अरहर दाल	8400-8500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

तेजी से बढ़ रहा भारत का रिटेल सेक्टर, 10 प्रतिशत तक वृद्धि का अनुमान : आरएआई

■ मौजूदा समय में करीब 900 अरब डॉलर है भारत के रिटेल सेक्टर की वैल्यू

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत का रिटेल सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले महीनों में इसके और तीव्र गति से बढ़ने की उम्मीद है, यह जानकारी रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) की ओर से दी गई।

मौजूदा समय में भारत के रिटेल सेक्टर की वैल्यू करीब 900 अरब डॉलर है। आरएआई के अनुसार, देश का रिटेल सेक्टर वर्तमान में 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जल्द ही यह गति पकड़ेगा और 9 से 10 प्रतिशत की वृद्धि दर पर पहुंच जाएगा।

आरएआई के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा कि महामारी के ठीक बाद, रिटेल सेक्टर ने 20 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ जोरदार वापसी की है। उन्होंने कहा कि हालांकि, पिछले एक साल में वृद्धि दर धीमी होकर लगभग 5 प्रतिशत रह गई। लेकिन, अब बाजार स्थिर होने, उपभोक्ताओं द्वारा अधिक खर्च करने और सही उपभोक्ता आधार के साथ, यह सेक्टर एक बार फिर तेजी से विकास के संकेत दे रहा है।

आरएआई के 62वें खुदरा व्यापार सर्वेक्षण के अनुसार, मई 2025 में भारत भर में रिटेल बिक्री में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

यह कई महीनों तक बिक्री में 4 से 5 प्रतिशत की मध्यम वृद्धि के बाद एक महत्वपूर्ण सुधार है। क्षेत्रवार आधार पर, दक्षिण भारत ने मई में रिटेल बिक्री में 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे अधिक बढ़त हासिल की।रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी भारत में रिटेल बिक्री में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में क्रमश: 6 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विभिन्न सेगमेंट में, क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) ने 10 प्रतिशत की सबसे अधिक वृद्धि दिखाई है। फर्नीचर के साथ-साथ कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स ने भी 8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। राजगोपालन ने कहा कि यह वृद्धि दर्शाती है कि लोग अब अधिक खर्च करने को तैयार हैं। उपभोक्ता भावना में सुधार से रिटेल बिक्री में और तेजी आ सकती है और निकट भविष्य में यह क्षेत्र दोहरे अंकों की वृद्धि के करीब पहुंच सकता है।

महामारी के ठीक बाद, रिटेल सेक्टर ने 20 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ जोरदार वापसी की है : कुमार राजगोपालन, सीईओ आरएआई

भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में ऑटो सेक्टर निभाएगा बड़ी भूमिका

नई दिल्ली। जैसे-जैसे भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करने के करीब पहुंच रहा है, ऑटोमोबाइल सेक्टर देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7.1 प्रतिशत और विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 49 प्रतिशत का योगदान देकर विकास के एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभर रहा है। देश में यह सेक्टर 3.7 करोड़ से अधिक नौकरियों के अवसर पैदा करता है और भारत के कुल निर्यात में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान देता है। केवल एक वाणिज्यिक उद्योग से अधिक, ऑटो सेक्टर को अब वैश्विक विनिर्माण और इनोवेशन में भारत की बढ़ती शक्ति के प्रतिबिंब के रूप में देखा जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 तक, भारत बिक्री के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार और उत्पादन के मामले में चौथा सबसे बड़ा बाजार है। देश की ऑटोमोबाइल इडस्ट्री विभिन्न सेगमेंट्स में 31 मिलियन से अधिक वाहनों का उत्पादन किया। इसमें 5 मिलियन से ज्यादा यात्री कारें, 1 मिलियन वाणिज्यिक वाहन, 1 मिलियन तिपहिया वाहन और लगभग 24 मिलियन दोपहिया वाहन शामिल थे। निर्यात के मामले में, भारत ने जापान, मैक्सिको, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका जैसे बाजारों में लगभग 5.7 मिलियन वाहनों का निर्यात किया। सरकार ऑटोमोबाइल सेक्टर की वृद्धि दर को बनाए रखने और इसे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं भी चला रही है। सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम है। इस योजना का बजट 25,938 करोड़ रुपए है। यह योजना इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), हाइड्रोजन वाहनों, और एडवांस व्हीकल टेक्नोलॉजीज को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

■ देश में 3.7 करोड़ से अधिक नौकरियों के अवसर पैदा कर रहा ऑटो सेक्टर

■ भारत के कुल निर्यात में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान दे रहा ऑटो सेक्टर

सस्ते में सोना-चांदी खरीदने का मौका

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सोना-चांदी खरीदारों के लिए खुशखबरी है। इस हफ्ते दोनों कीमती धातुओं की दाम में गिरावट देखने को मिली है, जिससे सोने की कीमत एक बार फिर से 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 1.06 लाख रुपए प्रतिकिलो के नीचे आ गया है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 95,784 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 98,691 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 2,907 रुपए की कमी को दर्शाता है। 22 कैरेट सोने का दाम कम होकर 87,738 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 90,404 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 74,018 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 71,838 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। समीक्षा अवधि में चांदी की कीमत 1,582 रुपए कम होकर 1,05,193 रुपए प्रति किलो हो गई है।

■ इस हफ्ते कीमतों में हुई गिरावट

भारतीय सीमेंट सेक्टर की वॉल्यूम मई में बढ़कर 39.6 मिलियन मीट्रिक टन रही

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय सीमेंट सेक्टर की वॉल्यूम मई में सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 39.6 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में मई में दी गई। आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26 के पहले दो महीनों में सीमेंट सेक्टर में सकारात्मक रुझान जारी रहा, जिससे वॉल्यूम 8 प्रतिशत बढ़कर 78.7 मिलियन मीट्रिक टन हो गई है।

वित्त वर्ष 2025 में सीमेंट वॉल्यूम में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और कुल उत्पादन 453.0 मिलियन मीट्रिक टन रहा है। आईसीआरए ने वित्त वर्ष 2026 में 6-7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें वॉल्यूम 480-485 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंचने की उम्मीद है। मई 2025 में सीमेंट की औसत कीमतों में सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 360 रुपए प्रति बैग तक पहुंच गई है, जबकि वित्त वर्ष 2026 के पहले दो महीनों के लिए कीमतें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत बढ़ी हैं।

आईसीआरए का मानना है कि सीमेंट कंपनियों के सैंपल सेट के परिचालन मार्जिन में 80-150 आधार अंकों (बीपीएस) का सुधार हो सकता है, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 16.3-17.0 प्रतिशत हो जाएगा।

रेटिंग एजेंसी ने भारतीय सीमेंट क्षेत्र के लिए स्थिर दृष्टिकोण बनाए रखा है, जो निरंतर मांग और अनुकूल लागत स्थितियों में विश्वास को दर्शाता है। इस क्षेत्र की मजबूती भारत के बुनियादी ढांचे और आवास विकास का समर्थन करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, आठ प्रमुख उद्योगों का संयुक्त सूचकांक पिछले साल के इसी महीने की तुलना में मई में 0.7 प्रतिशत बढ़ा।

■ वित्त वर्ष 2025 में सीमेंट वॉल्यूम में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई

आईआईपी व आर्थिक आंकड़े पर रहेगी बाजार की नजर

-साप्ताहिक समीक्षा-

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। इजराइल-ईरान तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट की बदौलत हुई लिवाली से बीते सप्ताह दो प्रतिशत तक के उछाल पर रहे घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के साथ ही अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी दर जैसे प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1650.73 अंक अर्थात 2.00 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 84058.90 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 525.4 अंक यानी 2.1 प्रतिशत उछलकर 25637.80 अंक हो गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 1060.99 अंक अर्थात 2.33 प्रतिशत की तेजी लकर सप्ताहांत पर 46541.25 अंक और स्मॉलकैप 1870.88 अंक यानी 3.6 प्रतिशत की मजबूती के साथ 54249.40 अंक पर बंद हुआ।

विश्लेषकों के अनुसार, बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ बंद हुए। मध्य-पश्चिम में भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट ने बाजार की तेजी को बल दिया। इससे निवेशकों की धारणा सुधरी और लगभग सभी समूहों में व्यापक स्तर पर खरीददारी देखने को मिली। हालांकि, आईटी समूह के कमजोर प्रदर्शन ने बाजार की तेजी को थोड़ी सीमा में जरूर रखा। दरअसल, आईटी दिग्गज एक्सेंचर द्वारा आउटसोर्सिंग सौदों में मंदी का हवाला देते हुए सतर्क रुख अपनाए जाने से इस सेक्टर में दबाव रहा। इससे ग्राहकों के खर्च और मांग को लेकर चिंता बढ़ी।

दूसरी ओर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कई गवर्नरों के नरम स्वर ने वैश्विक बाजारों में सकारात्मक माहौल बनाया। इससे यह संकेत मिला कि फेड मौद्रिक नीति में लचीलापन दिखा सकता है। बाजार में जुलाई की शुरुआत में संभावित ब्याज दर कटौती को लेकर अटकलें भी तेज हो गई हैं। आगे नजर डालें तो पहली तिमाही के कॉर्पोरेट नतीजों का सीजन नजदीक है, जिसको लेकर निवेशक काफी सतर्क हैं। कारोबारी गतिविधियों और विकास के संकेत पाने के लिए बाजार की नजर कंपनियों के नतीजों पर टिकी है। इसके अलावा अमेरिका अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने जा रहा है, जिसे लेकर भी वैश्विक बाजारों में उत्सुकता बनी हुई है।

इस बीच निवेशक भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी दर जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर भी करीब से नजर रख रहे हैं। ये आंकड़े वैश्विक और घरेलू आर्थिक हालात की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में चार दिन तेजी जबकि एक दिन गिरावट रही। ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान की संभावित जवाबी कार्रवाई को लेकर सहमे निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, ऑटो, टेक और फोकस्ड आईटी समेत बारह समूहों में हुई भारी बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 511.38 अंक का गोता लगाकर 81896.79 अंक और निफ्टी 140.50 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24971.90 अंक पर बंद हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इजराइल और ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते की घोषणा के बाद विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 158.32 अंक की छलांग लगाकर 82055.11 अंक और निफ्टी 72.45 अंक बढ़कर 25044.35 अंक पर पहुंच गया।

■ सेंसेक्स 2.00 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 84058.90 अंक रहा

■ निफ्टी 2.1 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 25637.80 अंक रहा

इथेनॉल ब्लेंडिंग से बीते 11 वर्षों में किसानों की बढ़ी आय : हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सरकार इथेनॉल ब्लेंडिंग के जरिए एक तरफ देश के कच्चे तेल आयात को कम करके बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत कर रही है। दूसरी तरफ इससे किसानों को भी बड़ा फायदा हो रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के तहत सरकार बीते 11 वर्षों में अब तक किसानों को 1,18,126 करोड़ रुपए से भी अधिक का भुगतान कर चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इथेनॉल ब्लेंडिंग से 1,36,655 करोड़ रुपए विदेशों में जाने से बचे हैं, जिससे देश को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत करने में मदद मिली है। वहीं, इस दौरान इथेनॉल को 232 लाख मीट्रिक टन क्रूड ऑयल के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इससे कार्बन उत्सर्जन में 698 लाख मीट्रिक टन की कमी दर्ज की गई है।

पुरी ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में इथेनॉल नए भारत के ग्रोथ इंजन की शक्ति बन रहा है। इसके हर एक बूंद में किसान का स्वाभिमान है, सम्मान है और इससे वे आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं। 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को हम समय से पूर्व हासिल कर चुके हैं। इससे पहले पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने हाल ही में कहा कि ई20 अब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों-इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम-के सभी रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

■ सरकार ने किया 1.18 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान

सरसों तेल महंगा, दाल, अनाज व मीठे में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेज महंगा हो गया जबकि दाल-दलहन, अनाज और मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा सप्ताहांत पर 75 रिंगिट लुढ़ककर 3992 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.55 सेंट की गिरावट लेकर 52.67 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल में 184 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इससे मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 17033 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 17948 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16116 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14102 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13333 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 14666 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। मसूर दाल 300 रुपए और उड़द दाल 200 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो गई जबकि मूंग दाल 150 रुपए और अरहर दाल 200 रुपए प्रति क्विंटल गिर गई। वहीं, चना और दाल चना में कोई बदलाव नहीं हुआ सप्ताहांत पर चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9200-9300, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रही। **अनाज :** अनाज मंडी में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान गेहूं 50 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। इस दौरान (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3000-3100 रुपए और चावल 3650-3750 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने मध्य प्रदेश में 220 मेगावाट की सौर परियोजना किया चालू

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने रविवार को घोषणा की कि उसने मध्य प्रदेश में 220 मेगावाट की शाजापुर सौर परियोजना (यूनिट-2) को पूरी तरह से चालू कर दिया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए अंतिम चरण (120 मेगावाट क्षमता) के पूरा होने की घोषणा की। इसके साथ ही, सौर पार्क की पूरी यूनिट-2 अब व्यावसायिक रूप से चालू हो गई है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि सफल कमीशनिंग के परिणामस्वरूप, मध्य प्रदेश के शाजापुर में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की 220 मेगावाट शाजापुर सौर परियोजना (यूनिट- 2) में से 120 मेगावाट के तीसरे और अंतिम चरण का 29.06.2025 को 00:00 बजे से वाणिज्यिक संचालन शुरू कर दिया गया है। यह मील का पत्थर यूनिट 1 के पहले कमीशनिंग के बाद है, जिसकी क्षमता 105 मेगावाट थी और यह इस साल मार्च में पूरा हुआ था। दोनों इकाइयों के अब सक्रिय होने के साथ, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी के शाजापुर सोलर पार्क की कुल क्षमता 325 मेगावाट क्षमता हो गई है। शाजापुर सौर परियोजना यूनिट 1 और यूनिट 2 का काम पूरा हो चुका है, जबकि 125 मेगावाट की नियोजित क्षमता वाली यूनिट 3 का काम अभी शुरू होना बाकी है। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी के शेयर सोमवार को कमीशनिंग अपडेट के बाद चर्चा में रहने की संभावना है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 0.76 रुपए या 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.99 रुपए पर बंद हुआ।

पिछले एक महीने में शेयर में 6.84 रुपए या 6.06 प्रतिशत की गिरावट आई है। शेयर का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 155.35 रुपए है।

■ एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी के शाजापुर सोलर पार्क की कुल क्षमता 325 मेगावाट हुई

सार संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 697.09 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आारक्षित निधि में भारी गिरावट होने से 20 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.02 अरब डॉलर कम होकर 697.09 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 698.9 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 20 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 35.7 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 589.1 अरब डॉलर पर आ गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 57.3 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 85.7 अरब डॉलर पर आ गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर 8.5 करोड़ डॉलर गिरकर 18.7 अरब डॉलर रह गया।

अडानी ने पुरी के लाइफगार्ड्स को दिया सहयोग

नई दिल्ली। ओडिशा में पुरी का समुद्र तट जहां लाखों पर्यटक और श्रद्धालु प्रतिदिन आते हैं, वहीं उनकी सुरक्षा का जिम्मा दशकों से नोलिया समुदाय के बहादुर लाइफगार्ड निभा रहे हैं और इसी सेवा भावना को सम्मान देते हुए अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने हाल ही में पुरी पहुंचकर इन लाइफगार्ड से मुलाकात की और उनकी जरूरतों को गंभीरता से सुना। श्री अडानी अपने परिवार पत्नी प्रीति अडानी और बेटे करण अडानी के साथ भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी पहुंचे थे। रथ यात्रा में सेवा देने के साथ उन्होंने इस्कॉन किचन में महाप्रसाद वितरण में भी भाग लिया। इसके बाद उन्होंने समुद्र किनारे उन लोगों से मुलाकात की, जिनकी सतर्कता हजारों जिंदगियों की सुरक्षा करती है। पुरी के नोलिया समुदाय के लोग पारंपरिक मछुआरे हैं, लेकिन दशकों से ये समुद्र में नहाने आए लोगों की जान बचाने में जुटे हैं।

अमूल बना भारत का नंबर 1 फूड ब्रांड

नई दिल्ली। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के ब्रांड अमूल ने एक बार फिर भारत के सबसे बड़े फूड ब्रांड का ताज अपने सिर सजाया है। ब्रिटेन की मशहूर ब्रांड वैल्यूएशन कंपनी ब्रांड फाइनेंस की ताजा रिपोर्ट 'ब्रांड फाइनेंस इंडिया 100 - 2025' के मुताबिक, अमूल की ब्रांड वैल्यू 4.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। इस लिस्ट में दिल्ली-एनसीआर की मशहूर कंपनी मदर डेयरी 1.15 बिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ दूसरे नंबर पर रही। अमूल ने न सिर्फ फूड ब्रांड्स की लिस्ट में पहला स्थान हासिल किया, बल्कि भारत के टॉप 100 ब्रांड्स में भी 17वां स्थान पाया। दूसरी ओर मदर डेयरी ने पिछले साल के 41वें स्थान से छलांग लगाते हुए 35वां स्थान हासिल किया। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर ब्रिटानिया, चौथे पर कर्नाटक की डेयरी कोऑपरेटिव नंदिनी और पांचवें स्थान पर डाबर रहा।

बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भूमिका अहम : सांसद चौधरी

विकासखंड स्तरीय प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशियों का स्वागत, एक हजार पौधों का रोपण

महासमुंद, 29 जून (देशबन्धु)। विकासखंड सरायपाली अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला मोखापुटका में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी थी, अध्यक्षता सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने की। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत महासमुंद मोंगरा किशन पटेल, सदस्य जिला पंचायत महासमुंद कुमारी भास्कर, अध्यक्ष जनपद पंचायत सरायपाली लक्ष्मी हरिश्चंद्र पटेल, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सरायपाली मुकेश धर्मेंद्र चौधरी, सदस्य जनपद पंचायत सरायपाली अनीता सरपंच ग्राम पंचायत मोखापुटका लोचन भावना पटेल, संजय शर्मा, विपिन उबोवेजा, जनपद सदस्य उद्धव नंद, एसडीएम;आईएएस नम्रता चौबे, अतिरिक्त तहसीलदार मनीषा देवांगन, तहसीलदार श्रीधर पंडा, नायब तहसीलदार हरि भोय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र मांझी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी डीएन दीवान, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सतीश स्वरूप पटेल सहित पंच गण उपस्थित थे। नवप्रवेशी बच्चों का तिलक कर मिठाई खिलाई गई तथा बैग एवं पाठ्यपुस्तक वितरित कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। कक्षा नवमीं में प्रवेश लेने वाले छात्र.छात्राओं को भी पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत 7 बालिकाओं को नि: शुल्क साइकिलें प्रदान की गईं। इस अवसर पर ग्राम पंचायत मोखापुटका के सरपंच व पंचगणों के सहयोग से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 1000 पौधों का रोपण किया गया। जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही सभी अतिथियों, ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों के लिए नेवता भोज की व्यवस्था भी की गई। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने अपने उद्बोधन में बच्चों की शिक्षा में परिवार, विशेषकर माताओं की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने कहा कि एक बच्चे की पहली शिक्षिका उसकी मां होती है और उसका पहला विद्यालय उसका घर। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों को सिर्फ स्कूल भेजने तक सीमित न रहें, बल्कि घर पर भी उन्हें प्रेरणा दें, संवाद करें और समय दें, कार्यक्रम को विधायक चातूरीनंद ने भी संबोधित किया।

व्यक्ति को सफल होने के लिए कर्मयोगी बनना जरूरी है : रूपाली पाण्डेय

तिवारी परिवार द्वारा की जा रही हैं भागवत कथा का आयोजन

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। प्रत्येक कर्म भाग्य पर टाला नहीं जा सकता सफल होने के लिए कर्म योगी बनना जरूरी है। उक्त बातें नगर के हृदय स्थल बजरंग चौंक में उर्वशी तिवारी के प्रथम पुण्य तिथि एवं स्व. नारायण प्रसाद तिवारी, स्व. शशिकांत तिवारी के स्मृति में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के चतुर्थ दिवस की कथा में रायपुर से पधारे कथा वाचक रूपाली पाण्डेय ने कही। उन्होंने अपने श्री मुख से श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन सर्व प्रथम भगवान श्री राम चंद्र जी की दिव्य जन्मोत्सव का रसपान उपस्थित श्रोताओं को कराया। तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य जन्मोत्सव की कथा का रसपान भारी संख्या में उपस्थित श्रोता जनों को कराया। जिसे सुनकर श्रोतागण आनंद में झूम उठे और संगीत की धुन में देर तक झूमते रहे। इस अवसर पर दिव्य झांकी भी निकाली गई थी।

ज्ञात हो कि इन दिनों नगर के हृदय स्थल बजरंग चौक में तिवारी परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्रीमद भागवत कथा रूपी गंगा के प्रवाहित होने से पूरा नगर भक्ति मय हो गया है। नगरवासी रोजाना बड़ी संख्या में श्रीमद भागवत कथा का रसपान करने पहुंच रहे हैं। कथा में मुख्य रूप से आयोजक भानू शंकर तिवारी, रविशंकर तिवारी, सूर्य शंकर तिवारी एवं तरुण तिवारी, चंद्रकांत तिवारी सहित तिवारी परिवार के अलावा बड़ी संख्या में रोजाना श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी जा रही है।

मानसिक गुलामी से आजादी शिक्षा से ही मिलेगी : अजय

कुहकुहा में गोड़ समाज का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

कुरूद, 29 जून (देशबन्धु)। महापुरुषों के वचनों को हमें आज याद करने की जरूरत है हर युग में शिक्षा से ही क्रांति आई है, आज जिस तरह हमारा समाज मानसिक तौर पर गुलाम है इसकी आजादी के लिए शिक्षा की आवश्यकता है। महापुरुषों के विचारों से ही हमें प्रेरणा मिल सकती है। मानसिक गुलामी से आजादी हमें शिक्षा से ही मिल सकती है.

क्षेत्र के विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री अजय चंद्राकर ने आगे कहा कि अक्सर मेरा आदिवासी समाज के बीच आना जाना होते रहता है। 25 साल पहले क्षेत्र की कुरुद क्षेत्र की यहां कॉलेज खुल गया। पर बहुत लोग तो शिक्षित हो गए, कुरुद कालेज से पढ़कर मगरलोड, सिलौटी, कुरूद, भखारा, में कॉलेज खुल गया इस वर्ष सिर्री कॉलेज खुलेगा लेकिन आजकल बीए, एमए की पढ़ाई की उतनी मानयता नहीं है। उन्होंने कहा कि जितने पांच कॉलेज मैंने आपको बताएं हैं ये सब तकनीकी ही है। आदिवासी समाज के बच्चे यदि वे काम के इच्छा रखते हैं, पढ़ने की इच्छा रखते हैं। तो 10 मिनट के रास्ते में कुरूद विधानसभा में सारी शिक्षा उपलब्ध है।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि आर एन ध्रुव ने कहा कि शिक्षा शेरनी का वह दूध है जिसे जो पियेगा वह दहाड़ेगा. इसीलिए हमें समय के साथ शिक्षा ग्रहण करने की जरूरत है तब हमारा समाज अन्य समाज के समानांतर खड़ा हो सकता है। आजादी से पहले आदिवासी समाज राजा थे। और अनेक गोंडवाना स्कूल चल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हम लोग पढ़ाई लिखाई में पीछे हो गए हैं। आप लोग एक कौर कम खाइये लेकिन अपने बेटी बेटा को जरूर पढ़ाइये. एक बात और है कि हमारा समाज स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा गंभीर नहीं है ज्यादा मृत्यु दर आदिवासी समाज की है। इस कारण हमें शराब से दूरी बनानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी मुसीबत से केवल हमें संविधान ही बचा सकता है। इसीलिए धार्मिक आडंबरों का परित्याग करके तर्कशील बनना होगा। आदिवासी धुव्र समाज परिषद कुरूद के द्वारा ग्राम कुहकुहा में आयोजित समाज के वार्षिक सम्मेलन में बोल रहे थे. अतिथियों ने आदि देव बुढ़ा देव की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की तत्पश्चात अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया.

कार्यक्रम को से नीलकंठ टेकाम विधायक केशकाल, देवेंद्र दीवान अध्यक्ष कंवर पैकरा समाज भिलाई दुर्ग, नेहरू निषाद अध्यक्ष अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग छत्तीसगढ़, ललित ठाकुर अध्यक्ष गोड़ समाज तहसील कुरुद, सहित समाज के पदाधिकारीयों ने भी सभा को बारी, बारी से संबोधित किया। अतिथियों ने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की त्याग और बलिदान की चर्चा की और लोगों को अपनी संवैधानिक अधिकार के प्रति जागरूक किया. कार्यक्रम की शुरुआत गोड़ समाज के परंपरा अनुसार गाजे, बाजे आदिवासी वेशभूषा में गोंडी नत्य के साथ ग्राम की गलियों में समाज की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकालकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे जहां विधिवत पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन फलेंद्र नेताम किया। इस अवसर पर संतोष सोरी, तेजराम छेदैया, राधेश्याम मांडवी, पोखराज नेताम, झागेश्वर ध्रुव घनश्याम कुंजाम, दीपक सोरी, बोधन छैदैया, भरोसा पड़ोसी, जन्मेजय ध्रुव, गायत्री मांडवी, राजकुमारी छेदैया, किरण छेदैया, सुरेंद्र ध्रुव, झम्मन छेदैया, संतोषी छेदैया, मेंहतरीन बाई, ध्रुव, ममता छेदैया, जागेश्वर ध्रुव, सहित सैकड़ो महिला, पुरुष, बच्चे, समाज के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अग्निवीर भर्ती, आज से 10 जुलाई तक होगी ऑनलाइन परीक्षा

बिलाईगढ़, 29 जून (देशबन्धु)। भारतीय सेना द्वारा अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (ष्टश्वश्व) की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट पर पंजीकरण करने वाले उम्मीदवारों के लिए यह परीक्षा 30 जून से 4 जुलाई एवं 7 जुलाई से 10 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। छत्तीसगढ़ के पांच परीक्षा केंद्रों ङ्क बिलासपुर, रायपुर, भिलाई (दुर्ग), दुर्ग और जगदलपुर में प्रतिदिन तीन / चार शिफ्टों में यह ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी।

अग्निवीर क्लर्क / एस.के.टी पद के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का टाइपिंग टेस्ट भी ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर ही लिया जाएगा। सभी उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध किए गए है। छत्तीसगढ़ में निर्धारित परीक्षा केंद्र इस प्रकार हैं-बिलासपुर में चौकसी इंजीनियरिंग कॉलेज, मस्तुरी रोड, लाल खदान और डॉ. सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी, करगी रोड, कोटा; रायपुर में आईओएन डिजिटल जोन, सरोना; भिलाई (दुर्ग) में पर्थिवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, सिर्सकला; दुर्ग में छत्रपति शिवाजी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बालोद रोड और जगदलपुर में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, धरमपुरा। भारतीय सेना ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे समय पर अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें और प्रवेश पत्र में दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नैविक स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम-झिरिया व बिटकुली, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.) में प्रस्तावित आयरन ओर बेनिफिकेशन क्षमता - 8,50,000 टन / वर्ष, पैलेट प्लांट क्षमता - 6,00,000 टन / वर्ष, पैलेट प्लांट हेतु गैसीफायर फॉर क्षमता - 21,000 सामान्य घन मीटर / घंटा, डी. आर.आई. किल्न क्षमता - 6,27,000 टन / वर्ष, इंडक्शन फर्नेस युक्त एल.आर. एफ. एण्ड सी.सी.एम. (हॉट बिलेट्स / बिलेट्स / इन्गोट) क्षमता - 4,62,000 टन / वर्ष, रोलिंग मिल (टी.एम.टी. बार / स्ट्रक्चरल स्टील) क्षमता - 4,62,000 टन / वर्ष, रि-हीटिंग फर्नेस हेतु गैसीफायर क्षमता - 3,570 सामान्य घन मीटर / घंटा, सबमर्ज्ड इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (फेरो सिलिकॉन - 42,000 टन प्रति वर्ष / फैरो मैग्नीज - 1,51,200 टन प्रति वर्ष / सिलिको मैग्नीज - 86,400 टन प्रति वर्ष / फैरो क्रोम - 90,000 टन प्रति वर्ष / पिग आयरन - 60,000 टन प्रति वर्ष), ब्रिक्यूटिंग प्लांट - 600 कि.ग्रा./घंटा डब्ल्यू.एच.आर.बी. बेस्ड पॉवर प्लांट - 46 मेगावॉट, एफ.बी.सी. बेस्ड पावर प्लांट - 20 मेगावॉट एवं ब्रिक मैनुफेक्चरिंग यूनिट - 1,00,000 ब्रिक्स / दिन की स्थापना हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) भारत शासन के पत्र क्रमांक IA - J - 11011 / 151 / 2022- IA - II (IND-I) तथा ई.सी. संख्याः EC23A1001CG5296172N दिनॉकः 23.06.2025 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृती प्रदान की गई है, जिसका अवलोकन मुख्य कार्यालय इन्दिरा पर्यावरण भवन, जोरबाग रोड, नई दिल्ली - 3 तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत शासन की वेबसाइट [parivesh.nic.in] पर किया जा सकता है एवं इसकी प्रतिलिपी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के मुख्य कार्यालय पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर - 19 नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के क्षेत्रीय कार्यालय, 5 / 32 बंगला, भिलाई, जिला दुर्ग में भी उपलब्ध है।

हेतु, **नैविक स्टील एण्ड पावर प्राईवेट लिमिटेड**
(डायरेक्टर)

न्यायालय तहसीलदार, तहसील नांदघाट, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण व आम जनता निवासी ग्राम टेमरी प.ह.नं. 21 तहसील नांदघाट, जिला-बेमेतरा (छ.ग.) को सूचना प्रकाशित किया जाता है आवेदक श्री चंदन दिवाकर पिता रूपउ दिवाकर जाति सतनामी साकिन टेमरी प.ह.नं.21 ने आवेदन पत्र वास्ते मृत्यु पंजीयन करने बाबत् आवेदन पेश किया गया है, कि अपने माता स्व. सोनकुंवर पति रूपउ का मृत्यु दिनांक 15/01/1984 में ग्राम टेमरी में हुआ है। जिसका मृत्यु पंजीयन भूलवश: आज तक दर्ज नहीं करा पाये है जिसका मृत्यु पंजीयन का प्रमाण पत्र प्रदान करने बाबत् निवेदन किया गया है।

अतएव उक्त के मृत्यु पंजीयन में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो दिनांक 16/06/2025 तक अपना आपत्ति एवं दावा कर सकते है। तत्पश्चात् बाद में प्राप्त आपत्ति एवं दावों पर कोई सुनवाई नहीं किया जावेगा।

अत: दिनांक 01/06/2025 को मेरे स्वत: के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया

सील **कार्यपालिकादण्डाधिकारी नांदघाट, जिला-बेमेतरा**

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, TOMESHWAR S/O SURESH KUMAR resident of HOUSE NUMBER 110 WARD NO 7 SUKHRI KARAMTARA, RAJNANDGAON PIN 491441 (C.G.) have changed my old name TOMESHWAR S/O SURESH KUMAR so in future I should be recognized by my new name that is TOMESHWAR KUMAR S/O SURESH KUMAR in all Government and other documents.

TOMESHWAR KUMAR
HOUSE NUMBER 110 WARD NO 7 SUKHRI KARAMTARA, RAJNANDGAON PIN 491441 (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, SUBHASH ALIAS SUBHASH AGRAWAL S/O GHANSHYAM DAS AGRAWAL resident of OPP. L.I.C. OFFICE, MAHAMAYA WARD, AMBIKAPUR SURGUJA (C.G.) have changed my old name SUBHASH ALIAS SUBHASH AGRAWAL S/O GHANSHYAM DAS AGRAWAL so in future I should be recognized by my new name that is SUBHASH KUMAR AGRAWAL S/O GHANSHYAM DAS AGRAWAL in all Government and other documents.

SUBHASH KUMAR AGRAWAL
OPP. L.I.C. OFFICE, MAHAMAYA WARD, AMBIKAPUR SURGUJA (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, JAGJEET KAUR MAKKAD W/O BHAJAN SINGH MAKKAD resident of H.NO-213, GHODARI, PO- BIRKONI, DISTRICT-MAHASAMUND(C.G) 493445 have changed my old name JAGJEET KAUR MAKKAD W/O BHAJAN SINGH MAKKAD so in future I should be recognized by my new name that is JAGJEET KAUR W/O BHAJAN SINGH MAKKAD in all Government and other documents.

JAGJEET KAUR
H.NO-213, GHODARI, PO- BIRKONI, DISTRICT-MAHASAMUND(C.G) 493445

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा, एस. एम. ई शाखा, रायपुर द्वारा नीचे उल्लिखित संपत्ति, जो कि मेसर्स अगस्त प्रोजेक्ट्स कं. के नाम पर दर्ज है, जिसका पंजीकृत कार्यालय 35/75, पंजाबी कॉलोनी, कटोरा तालाब, रायपुर, तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, को अपने एक ग्राहक द्वारा आवेदित ऋण/ क्रेडिट सुविधा के लिए प्रतिभूति के रूप में स्वीकार करने का प्रस्ताव है।

यदि किसी व्यक्ति/पक्ष की उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/स्वामित्व /हित/दावा है, तो वे कृपया 10 (दस) दिनों के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ बैंक से संपर्क करें तथा अपना दावा प्रस्तुत करें।

यदि निर्धारित समयावधि के भीतर कोई आपत्ति दावा प्राप्त नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति पर कोई भार/दावा/ अड़चन नहीं है और बैंक संपत्ति पर गिरवी रखने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा।

संपत्ति का विवरण:
व्यावसायिक संपति
खसरा नंबर: 481/2,483/1, 483/3, 483/4, 483/5 (पुराना 483/4 का भाग), 484 एवं 517
कुल क्षेत्रफाल: 15.880 हेक्टेयर (क्रमश: 0.720, 4.000, 3.950, 2.710, 4.000, 0.450 एवं 0.050 हेक्टेयर)
स्थान: मौजा खुटेरी, प.ह.नं. नंबर 015 (पुराना 22), रा. नि. मं. मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद (पुराना आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.)
स्वामित्य: मेसर्स अगस्त प्रोजेक्ट्स कं.
एस.एम. ई शाखा, 2/16, विधान काम्प्लेक्स, वृन्दावन हॉल के पास, सिविल लाइन्स रायपुर (छत्तीसगढ़) 7000897336
राधा रानी गुप्ता, एडवोकेट, शोभा रानी गुप्ता एडवोकेट नोटरी, एचएमटी चौक, हंडीपारा, रायपुर (छत्तीसगढ़) 8770618838

नाम परिवर्तन के संबंध में प्रकाशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुहाना परवीन (SUHANA PARVEEN) उम्र-27 वर्ष, पति-श्री रमजान बक्श (RAMJAN BAKSH), निवासी-म.नं. 954, विधानसभा रोड, मोवा, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) की हूँ।

1. यह कि, मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजो मे मेरा नाम आभा वर्मा (AABHA VERMA) पिता श्री खिलावन वर्मा (KHILAVAN VERMA) है।

2. यह कि, मेरा विवाह दिनांक 02.06.2016 को रमजान बक्श (RAMJAN BAKSH) पिता श्री कादिल बक्श के साथ हो गया है विवाह पश्चात् मैने अपना नाम सुहाना परवीन (SUHANA PARVEEN) पति श्री रमजान बक्श रख ली हूँ जो कि मेरे आधार कार्ड नंबर- 8225 0240 8613 में दर्ज है।

3. यह कि, अब मै अपना पुराना आभा वर्मा (AABHA VERMA) पिता श्री खिलावन वर्मा (KHILAVAN VERMA) को परिवर्तित करवाकर अपना नया नाम सुहाना परवीन (SUHANA PARVEEN) पति-श्री रमजान बक्श (RAMJAN BAKSH) रखना चाहती हूँ जिस हेतु मेरे द्वारा अनुविभागीय दंडाधिकारी रायपुर छ.ग. के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है।

अत: अब से मुझे मेरे नये नाम सुहाना परवीन (SUHANA PARVEEN) पति-श्री रमजान बक्श (RAMJAN BAKSH) के नाम से जाना पहचाना, पुकारा जावे व समस्त शासकीय, अर्धशासकीय दस्तावेजों में मेरा यही नाम दर्ज किया जावे।

सुहाना परवीन (SUHANA PARVEEN) पति-श्री रमजान बक्श निवासी-म.नं.-954, विधानसभा रोड, मोवा, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) स्थान-रायपुर, छ.ग.

नाम परिवर्तन के संबंध में प्रकाशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं यासमीन परवीन (YASMEEN PARVIN) उम्र-33 वर्ष, पति-श्री यासीन मोहम्मद (YASIN MOHAMMAD), निवासी-म.नं.- 524, कुलर फैक्टरी के पास, प्रेम नगर, मोवा, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) की हूँ।

4. यह कि, मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजो मे मेरा नाम शिल्पा वर्मा (SHILPA VERMA) पिता श्री संतोष कुमार वर्मा (SANTOSH KUMAR VERMA) है।

5. यह कि, मेरा विवाह दिनांक 26.09.2013 को यासीन मोहम्मद (YASIN MOHMMAD) पिता श्री नूर मोहम्मद के साथ हो गया है विवाह पश्चात् मैने अपना नाम यासमीन परवीन (YASMEEN PARVIN) पति-श्री यासीन मोहम्मद (YASIN MOHAMMAD) रख ली हूँ जो कि मेरे आधार कार्ड नंबर- 4597 8906 2866 में दर्ज है।

6. यह कि, अब मैं अपना पुराना शिल्पा वर्मा (SHILPA VERMA) पिता श्री संतोष कुमार वर्मा (SANTOSH KUMAR VERMA) को परिवर्तित करवाकर अपना नया नाम यासमीन परवीन (YASMEEN PARVIN) पति-श्री यासीन मोहम्मद (YASIN MOHAMMAD) रखना चाहती हूँ जिस हेतु मेरे द्वारा अनुविभागीय दंडाधिकारी रायपुर छ.ग. के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत किया जा रहा हैं।

अत: अब से मुझे मेरे नये नाम यासमीन परवीन (YASMEEN PARVIN) पति-श्री यासीन मोहम्मद (YASIN MOHAMMAD) के नाम से जाना पहचाना, पुकारा जावे व समस्त शासकीय, अर्धशासकीय दस्तावेजों में मेरा यही नाम दर्ज किया जावे।

यासमीन परवीन (YASMEEN PARVIN) पति-श्री यासीन मोहम्मद निवासी-म.नं.-524, कुलर फैक्टरी के पास, प्रेम नगर, मोवा, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) स्थान-रायपुर, छ.ग.

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा पाहंदा प.ह.नं. 18 रा.नि.मं. व तहसील बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 485/1, 495, 496, 499, 500, 502, 504, 515, 525/1, रकबा 1.0230, 0.2870, 0.0490, 0.0730, 0.0930, 0.0970, 0.1010, 0.9880, 0.1870, हे. कुल रकबा 2.898 हे. उक्त भूमि में से रकबा 6.07 एकड (छ: एकड सात डिसमिल सौदा युक्त भूमि) सृष्टि डेवेलपर्स पार्टनर शैलेश नितिन त्रिवेदी अमित रंजन त्रिवेदी पिता गिरिजा शंकर त्रिवेदी निवासी पाहंदा एवं गौरव तिवारी पिता कृष्ण कुमार के नाम पर भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। जो पूरी तरह से पाक साफ एवं भार मुक्त है तथा बाजार में विक्रय योग्य है। उक्त भूमि मे किसी भी प्रकार का रहन या पूर्व सौदे बाजी नही हुई है तथा किसी भी न्यायालय में कोई वाद संस्थित नही है। उक्त भूमि पर सृष्टि डेवेलपर्स व उनके वारिस पूर्णत: दाखिल काबिज एवं अधिकृत है। दिनांक 22.05.2025 को उल्लेखित भूमि का पक्का बिक्री सौदा मेरे मुवक्किल/पक्षकार के पास किया गया है। अत: उक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति संस्था गैर सरकारी संस्था अपना हक स्वामित्व रखता हो वह अपना दावा सूचना प्रकाशन तिथि के सात दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मूल दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। सात दिवस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार का उजर दावा अमान्य होगा। क्रेता उक्त भूमि का पंजीयन अपने नाम करने हेतु स्वतंत्र होगा। सो सूचना जाने।

दिनांक 29.06.2025

भवदीय
नीरज ठाकुर अधिवक्ता
कार्यालय नीरज निकुंज गार्डन चौंक बलौदाबाजार, मो.नं. 9926886222

कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : 27, बीकेसी, सी-27, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051
शाखा कार्यालय : कोटक महिंद्रा बैंक पहला माला मुक्त प्रयाग काम्प्लेक्स निरंकारी फर्नीचर के बगल में पंढरी, रायपुर छत्तीसगढ़-492001

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) एवं 9 (1) के परंतुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार (रों), गारंटर (रों) और/या बंधकदाता (ओं) को सूचना दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपति कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ('प्रतिभूत लेनदार') को बंधक/प्रभारित की गई है, जिसका भौतिक कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया जा चुका है, जो कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, प्रतिभूत लेनदार, की कर्जदार/बंधकदाता/ओं/गारंटर/रों नामत: मैसर्स गोयल ब्रदर्स की तरफ 28-02-2025 तक बकाया रु. 17,45,68,501.18/- + भुगतान/वसूली तक आगे चक्रवृद्धि आधार पर संविदात्मक दर पर ब्याज और अन्य प्रभारों की वसूली के लिए दिनांक 22-07-2025 को ई-नीलामी के माध्यम से "जैसी है जहां है आधार", "जैसी है जो है आधार", "जो कुछ भी है वहां है आधार" तथा "कोई उपाय नहीं आधार" पर बेची जाएगी।

नीलामी के लिए रखी गई अचल सम्पत्तियों का विवरण/वर्णन, सुरक्षित मूल्य, धरोहर राशि और नीलामी कार्यक्रम नीचे वर्णित किया गया है :

कर्जदारों/सह-कर्जदारों/गारंटरों/बंधकदाताओं/कानूनी वारिसों का नाम	ई-नीलामी हेतु प्रस्तुत अचल सम्पत्तियों का वर्णन	ऑनलाइन बिड जमा करने अंतिम तिथि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	सुरक्षित मूल्य (आईएनआर)	धरोहर राशि जमा (ईएमडी) (आईएनआर)
ऋण खाता संख्या BBA_WC 9312774043, 6397टीएल0100000099, 6397सीएल0100000006, 6397डीएल0100000113 सभी खातों में सीआरएन 193623514 मैसर्स गोयल ब्रदर्स इसके सभी पार्टनर्स के माध्यम से (कर्जदार) श्री संतोष कुमार अग्रवाल (पार्टनर/सह-कर्जदार) श्री संदीप कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल, (पार्टनर/सह-कर्जदार/कानूनी वारिस) श्री सचिन कुमार अग्रवाल, (पार्टनर/सह-कर्जदार) श्री सुमीत अग्रवाल, पुत्र स्व. श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल, (पार्टनर/सह-कर्जदार/कानूनी वारिस) श्रीमती हंसा देवी, पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल, (सम्पत्ति स्वामी/पार्टनर/कानूनी वारिस) मैसर्स जगदीश प्रसाद गजानंद ऐंड कम्पनी, (ग्रुप कन्सर्न/गारंटर) सभी का पता : गोयल ब्रदर्स कार्यालय पता : गुधियारी निकट अंडर ब्रिज, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001	1 : अचल सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : सम्पत्ति जो प्लॉट नंबर 327, समता कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, समता कालोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001 में स्थित है ....सम्पत्ति 1 2 : अचल सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : सम्पत्ति जो प्लॉट नंबर 312, समता का. आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, समता कालोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001 में स्थित है ....सम्पत्ति 2	21-07-2025 अप. 5.00 बजे तक	22-07-2025 पूर्वा. 11.00 बजे से मध्या. 12.00 बजे तक	आईएनआर 3,90,00,000/- (रूपये तीन करोड़ नब्बे लाख मात्र) ..... सम्पत्ति 1 आईएनआर 1,89,54,000/- (रूपये एक करोड़ नवासी लाख चौपन मात्र) ..... सम्पत्ति 2	आईएनआर 39,00,000/- (रूपये उन्चालीस लाख मात्र) ..... सम्पत्ति 1 आईएनआर 18,95,400/- (रूपये अठारह लाख पिच्यानवे हजार चार सौ मात्र) ..... सम्पत्ति 2

अधोहस्ताक्षरी अपने पूर्ण विवेक पर और संभावित खरीदारों के पूर्व अनुरोध पर, उक्त सम्पत्ति के निरीक्षण की व्यवस्था, अपने अधिकृत प्रतिनिधि/एजेंट के माध्यम से 08-07-2025 को अपराह्न 01.00 बजे से अपराह्न 2.00 बजे तक के बीच कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण नियम और शर्तें :

1. ई-नीलामी केवल "ऑन लाइन इलेक्ट्रॉनिक बोली" के माध्यम से वेबसाइट https://www.bankeauctions.com के माध्यम से 22-07-2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक के बीच, 5 मिनट प्रत्येक की अवधि के असीमित विस्तार के साथ, आयोजित की जाएगी।
2. ई-नीलामी के बारे में विवरण के लिए इच्छुक बोलीदाता मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लिमिटेड से श्री धरणी कृष्णा- मोबाइल +91 - 99481-82222, ईमेल : **andhra@c1india.com** के माध्यम से सम्पर्क कर सकते हैं।
3. इच्छुक बोलीदाता नीलामी विवरण और बिक्री के नियम और शर्तों के लिए बैंक की आधिकारिक वेबसाइट - https://www.kotak.com/en/bank-auctions.html पर जा सकते हैं।
4. नीलामी बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, बोलीदाताओं को पोर्टल https://www.bankeauctions.com पर जाने की सलाह दी जाती है और बोली प्रक्रिया में भाग लेने वाले बोलीदाताओं के लिए उक्त नियम और शर्तें बाध्यकारी होंगी।
5. यह अनुरोध किया जाता है कि इच्छुक बोलीदाताओं को बोली और अन्य दस्तावेज अपलोड करने से पहले पोर्टल https://www.bankeauctions.com से लॉगइन आईडी और पासवर्ड जनरेट करना आवश्यक है।
6. बोली प्रपत्र निर्धारित प्रपत्र में भरा जाना है और केवल बोलीदाता के केवाईसी दस्तावेजों के साथ पोर्टल https://www.bankeauctions.com पर 21-07-2025 तक या उससे पहले 5.00 अपराह्न तक ऑनलाइन अपलोड किया जाना है, और विधिवत भरे हुए और हस्ताक्षरित बोली दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रतियां और बोलीदाताओं के केवाईसी ashok.motwani@kotak.com पर मेल द्वारा भेजे जाने चाहिए।
7. संभावित बोलीदाता, मेसर्स सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से लॉगइन आईडी और पासवर्ड बनाने और ऑनलाइन बोली प्रक्रिया आदि के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण उपरोक्त नंबरों पर प्राप्त कर सकते हैं।
8. धरोहर राशि जमा (ईएमडी), कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा, में 21-07-2025 को या उससे पहले शाम 05.00 बजे तक जमा करनी होगी। किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण ईएमडी और मैं जमा करने में या निर्धारित समय सीमा के भीतर बोली दस्तावेज जमा करने में देरी के मामले में, अधिकृत अधिकारी, अधिकतम बोली भागीदारी और परस्पर बोली प्रक्रिया, अपने विवेकाधिकार पर और उसकी संतुष्टि पर, किसी भी व्यक्ति को कोई प्रकटीकरण दिए बिना निर्धारित कटऑफ समय के बाद प्राप्त बोली को स्वीकार कर सकते हैं। ईएमडी राशि जमा किए बिना जमा की गई कोई भी बोली स्वत: निरस्त मानी जाएगी। प्रस्तावित बोलीदाता द्वारा जमा की गई ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा।
9. प्रस्तुत की जाने वाली बोली मूल्य सुरक्षित मूल्य के बराबर और/या उससे अधिक होगी और बोली प्रक्रिया के दौरान, बोली लगाने वाले बोलीदाताओं को अपनी बोली भारतीय रुपये 1,00,000/- (रुपये एक लाख मात्र) के गुणकों में बढ़ानी होगी।
10. यदि कोई बोली ई-नीलामी कार्यवाही के समापन समय के अंतिम 5 मिनट के भीतर रखी जाती है, तो समापन समय स्वचालित रूप से और तुरंत 5 मिनट तक बढ़ा दिया जाएगा जैसा कि ऊपर बताया गया है।
11. सफल बोलीदाता को उच्चतम बोली राशि का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी सहित) ई-नीलामी बिक्री की कार्यवाही बंद होने पर या ई-नीलामी के दिन व्यावसायिक घंटे बंद होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस पर ऊपर निर्धारित मोड में जमा करना होगा। उच्चतम बोली राशि का शेष 75% उस तारीख से 30 दिनों, जिस दिन ऐसे सफल बोलीदाता को बिक्री की स्वीकृति/पुष्टि की जाती है या ऐसी विस्तारित अवधि के भीतर जमा करना होगा, जो अधिकृत अधिकारी के विवेकाधिकार पर और सरफेसी अधिनियम, 2002 और प्रतिभूति हित नियमावली, 2002 के प्रावधानों के भीतर होगी।
12. उच्चतम बोली लगाने वाले का संपत्ति पर तब तक कोई अधिकार और हक नहीं होगा जब तक कि उसके पक्ष में बिक्री प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता है, जो संपूर्ण नीलामी मूल्य और अन्य आकस्मिक खर्चों की वसूली के अधीन है। बिक्री ई-नीलामी के नियमों और शर्तों के अधीन होगी और उस प्रभाव के लिए सुरक्षित लेनदार द्वारा पुष्टि की जाएगी।
13. यदि सफल बोलीदाता पूरी बोली/नीलामी राशि जमा करने में विफल रहता है, तो सफल बोलीदाता द्वारा पहले ही जमा की गई राशि को जब्त कर लिया जाएगा और चूककर्ता बोलीदाता का न तो संपत्ति पर और न ही जमा की गई राशि पर दावा होगा। प्राधिकृत अधिकारी नीलामी संपत्ति/संपत्तियों के संबंध में सरफासी ऐक्ट, 2002 और प्रतिभूति हित नियमावली, 2002 के प्रावधानों के अनुसार उसे उपलब्ध किसी एक या अधिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र होगा।
14. उपरोक्त वर्णित निर्धारित अवधि के भीतर संपूर्ण बिक्री प्रतिफल प्राप्त होने पर, अधिकृत अधिकारी बिक्री प्रमाण पत्र जारी करेगा, उसके बाद बिक्री पूरी हो जाएगी, और उसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड किसी भी दावे पर विचार नहीं करेगा।
15. बिक्री प्रमाण पत्र उसी नाम से जारी किया जाएगा जिसमें बोली जमा की गई है। बोली में उल्लिखित किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) के नामों के बिक्री प्रमाण पत्र में शामिल/प्रतिस्थापन के लिए किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।
16. असफल बोलीदाताओं को ईएमडी राशि, कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड द्वारा उनके खातों में आरटीजीएस/एनईएफटी/फंड ट्रांसफर के माध्यम से, 10 (दस) कार्य दिवसों के भीतर और बिना किसी ब्याज के वापस कर दी जाएगी।
17. अधिकृत अधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने या अधिसूचित ई-नीलामी बिक्री को स्थगित / रद्द करने का पूर्ण अधिकार है। बोली जमा करने के बाद ई-नीलामी बिक्री के स्थगित/रद्द करने की स्थिति में, बोलीदाताओं द्वारा जमा की गई ईएमडी बिना ब्याज के वापस कर दी जाएगी और यदि बोलियां खारिज कर दी जाती है, तो अधिकृत अधिकारी, निजी संधि द्वारा संपत्ति की बिक्री के लिए, किसी भी बोलीदाता या अन्य पार्टियों के साथ बातचीत कर सकता है।
18. बोलियों अथवा किसी अन्य कारण से ई-नीलामी बिक्री असफल रहने की दशा में, प्राधिकृत अधिकारी सम्पत्ति या उसके किसी भाग की बिक्री के लिए संभावित क्रेता अथवा सम्पत्ति क्रय करने हेतु ऑफर उपलब्ध कराने वाली किसी अन्य पार्टी से निजी संधि कर सकता है।
19. यदि बोली लगाने वाले को ई-नीलामी बिक्री में सफल बोलीदाता घोषित किया जाता है और उसके बाद, यदि नीलामी की कार्यवाही किसी भी न्यायालय/न्यायाधिकरण द्वारा, बिक्री प्रमाण पत्र जारी करने और कब्जा सौंपने तक किसी भी स्तर पर रोक दी जाती है, जिसमें बैंक को आगे की कार्यवाही से रोकना शामिल है, तो बोलीदाता के पास उसके द्वारा जमा की गई ईएमडी/राशि या संपत्ति की बिक्री के लिए जमा की गई राशि पर किसी भी ब्याज की वापसी का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा। बैंक अपने विवेकाधिकार पर बिना किसी ब्याज और/या हर्जाने और/या दावों के जमा की गई धनराशि वापस कर देगा और किसी भी प्रकार के संचार पर विचार नहीं किया जाएगा। ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट प्रतिभूत परिसंपत्तियों का विवरण अधिकृत अधिकारी / प्रतिभूत लेनदार की सर्वोत्तम जानकारी के लिए कहा गया है, लेकिन अधिकृत अधिकारी / प्रतिभूत लेनदार इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होंगे।
20. किसी अन्य प्रकार के भार के बारे में बैंक को जानकारी नहीं है। प्राधिकृत अधिकारी या बैंक, नीलाम की गई संपत्ति के संबंध में सरकार या किसी अन्य को किसी भी प्रकार के शुल्क, ग्रहणाधिकार, भार या किसी अन्य बकाया के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। इच्छुक बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि वे वैधानिक देनदारियों, संपत्ति कर के बकाया, बिजली के बकाया आदि सहित संपत्ति पर भार के बारे में अपनी स्वतंत्र जांच करें।
21. पंजीकरण शुल्क, स्टांप शुल्क, कर आदि सहित सभी वैधानिक देय/अन्य देय राशि क्रेता को वहन करनी होगी।
22. वर्तमान नोटिस के तहत नीलामी-सह-बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति के संबंध में सभी आउटगोइंग शुल्क यानी नगरपालिका कर, रखरखाव/सोसाइटी शुल्क, बिजली और पानी के शुल्क और किसी भी अन्य बकाया या करों का भुगतान नीलामी खरीददार द्वारा ही किया जाएगा।
23. अन्य सभी आकस्मिक शुल्क (वर्तमान नीलामी के तहत संपत्ति के संरक्षण के लिए सुरक्षा शुल्क या रखरखाव शुल्क सहित लेकिन सीमित नहीं) बिक्री प्रमाण पत्र जारी करने की तारीख से उच्चतम बोली लगाने वाले द्वारा वहन किया जाएगा, जिसे बिक्री प्रमाण पत्र के पंजीकरण से पहले बैंक को अदा/प्रतिपूर्ति करनी होगी। हालांकि, प्राधिकृत अधिकारी के विवेकाधिकार पर, भविष्य के लिए कोई मिसाल कायम किए बिना, किसी भी न्यायोचित और तर्कसंगत देरी को छूट के लिए माना जाएगा।
24. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 194-आईए के अनुसार, बिक्री आय पर 1% टीडीएस लागू होगा, यदि बिक्री मूल्य 50,00,000.00 रुपये (पचास लाख रुपये मात्र) और उससे अधिक है, तो सफल बोलीदाता/खरीदार मेसर्स गोयल ब्रदर्स (संपत्ति 1 के लिए पैन नंबर ACJPA4637L और संपत्ति 2 के लिए पैन नंबर ACJPA4631N) के नाम पर संपत्ति के लिए 1% टीडीएस काटकर जमा करेगा, जिसे संबंधित संपत्ति के बिक्री मूल्य से वहन करेगा और आयकर विभाग के पास जमा करेगा, इसके अलावा बिक्री मूल्य का केवल 99% बैंक को भेजा जाना है। सफल बोलीदाता/खरीदार के पक्ष में बैंक द्वारा बिक्री प्रमाणपत्र केवल फॉर्म 16बी, फॉर्म 26क्यूबी और ऐसे टीडीएस जमा करने के प्रमाण के रूप में चालान प्राप्त होने पर जारी किया जाएगा।
25. बिक्री पूर्णतया "जहां है, जैसा है", "जो है, जो भी है" और "कोई सहारा नहीं" के आधार पर यहां उल्लिखित नियमों और शर्तों पर होगी, हालांकि प्राधिकृत अधिकारी के पास किसी भी नियम और शर्तों को बदलने या बदलने का पूर्ण विवेकाधिकार होगा। बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित संपत्ति से संबंधित किसी भी भार के बारे में अपनी स्वतंत्र जांच करें, उप-पंजीयक कार्यालय और राजस्व रिकॉर्ड और नगरपालिका रिकॉर्ड और किसी भी प्रशासनिक सरकारी रिकॉर्ड में खोज करें और संबंधित संपत्ति के लिए बोली प्रस्तुत करने से पहले संपत्ति की प्रकृति और विवरण, स्थिति, किसी भी भार, ग्रहणाधिकार, शुल्क, वैधानिक बकाया आदि के बारे में खुद को संतुष्ट करें।
26. यदि सभी लागतों के साथ बैंक की देय राशि, उनके द्वारा या उसके द्वारा किए गए खर्च, जो बैंक को स्वीकार्य हो सकते हैं, कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता/ओं की ओर से बिक्री के लिए निर्धारित तिथि को या उससे पहले किसी भी समय अदा किए जाते हैं, तो नीलामी के लिए प्रस्तुत संपत्ति की बिक्री रद्द की जा सकती है। प्राधिकृत अधिकारी के पास किसी भी बोली को स्वीकार करने या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है, यदि स्वीकार्य नहीं पाया जाता है या बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी की शर्तों को स्थगित / रद्द / स्थगित / बंद करने या बदलने का अधिकार सुरक्षित है और इस संबंध में उनका निर्णय अंतिम होगा।
27. बोलीदाताओं को बिक्री के नियमों और शर्तों को पढ़ और समझ लिया गया माना जाएगा और वे उक्त नियमों और शर्तों का पालन करेंगे।
28. बोलीदाताओं को उचित इंटरनेट कनेक्टिविटी ; पावर बैंक अप आदि, सुनिश्चित करनी चाहिए। इंटरनेट की विफलता, बिजली की विफलता, या तकनीकी कारणों या ई-नीलामी कार्यवाही को प्रभावित करने वाले कारणों / आकस्मिकताओं के कारण किसी भी व्यवधान के लिए बैंक उत्तरदायी नहीं होगा।
29. कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड या उसके कर्मचारी बिक्री के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के संबंध में किसी भी व्यक्ति के किसी भी दावे के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।
30. वर्तमान नोटिस को बैंक की आधिकारिक वेबसाइट www.kotak.com पर भी अपलोड किया गया है और इच्छुक पक्ष इसे देख भी सकते हैं।
31. तीन प्रतिभूतिकरण आवेदन एसए संख्या 494/2022, एसए/384/2023 और एसए/116/2024 डीआरटी जबलपुर के समक्ष विचाराधीन हैं। हालाँकि, इस नीलामी नोटिस के प्रकाशन तक उपर्युक्त संपत्ति के विरुद्ध स्थगन या निषेधाज्ञा का कोई मामला नहीं है।
32. इच्छुक क्रेता को संपत्ति पर ऋणभार के बारे में अपनी स्वतंत्र जांच करनी होगी, जिसमें वैधानिक देनदारियां, अतिदेय रखरखाव, सामान्य शुल्क, अतिदेय बिजली बिल, नगरपालिका कर, जल कर, अन्य शुल्क (यदि कोई हो) शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। उक्त अचल संपत्ति को पिछली पंक्ति में उल्लिखित लंबित कर और बिलों तथा अन्य कर और बिलों से संबंधित सभी भारों के साथ बेचा जाएगा।
33. संपत्ति के निरीक्षण या किसी अन्य जानकारी के लिए कृपया श्री दीपक नंदनकर से +91-772208274 और/या श्री शेष श्रीनिवासन (प्राधिकृत अधिकारी) से +91-9916855444 पर संपर्क करें।

यदि यहां अंग्रेजी तथा स्थानीय समाचारपत्रों में प्रकाशित विक्रय सूचना के प्रकाशनों के बीच कोई विसंगति होती है तो ऐसी दशा में अंग्रेजी समाचारपत्र स्थानीय भाषा समाचार पत्रों का अधिक्रमण करेगा अर्थात अंग्रेजी में छपी सामग्री सही मानी जाएगी और इसे अंतिम प्रति माना जाएगा, इस प्रकार विज्ञापन से संबंधित अस्पष्टता समाप्त हो जाएगी।

स्थान : रायपुर (छत्तीसगढ़) तिथि : 30-06-2025 हस्ता./- कृते कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, प्राधिकृत अधिकारी

जीवन रक्षक डॉक्टर समाज के सच्चे नायक: डेका

चिकित्सकों के सम्मान समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। जीवन रक्षक डॉक्टर समाज के सच्चे नायक हैं जो दिन-रात नि: स्वार्थ भाव से लोगों की सेवा कर उनकी जान बचाते हैं। उनकी मेहनत, उनका ज्ञान और सेवा भावना समाज को स्वस्थ्य बनाती है। राज्यपाल रमेन डेका ने आज धन्वंतरी सम्मान कार्यक्रम में उक्त बाते कही।

श्री डेका आईबीसी 24 न्यूज चौनल द्वारा आयोजित धन्वंतरी सम्मान समारोह में कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में राज्य भर के उत्कृष्ट अस्पतालों, चिकित्सकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डेका ने कहा कि भगवान धन्वंतरी के नाम पर रखा गया यह सम्मान डॉक्टरों को समर्पित है जो दिन-रात बिना थके, बिना रूके इंसान की सेवा में लगे रहते हैं। शहर हो या गांव, सामान्य सर्दी-खांसी हो या कोई बड़ी बीमारी डॉक्टर हर इलाज के लिए तत्पर रहते हैं।

श्री डेका ने कहा कि चिकित्सा सबसे श्रेष्ठ व्यवसाय है। भारत एक विशाल देश जहां 140 करोड़ से अधिक लोग रहते है। उनको

स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा को व्यवसाय न बनाया जाए इसमे मानवीय संवेदना की जरूरत है। चिकित्सकों का दायित्व बहुत बड़ा है, उनसे बहुत अपेक्षाएं है, धैर्य के साथ सेवा को प्राथमिकता दें।

श्री डेका ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत अभियान की परिकल्पना के तहत 'प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत योजना' शुरू की गई है जिसका लक्ष्य भारत को टी.बी. जैसे रोग से सदा के लिए मुक्ति दिलाना है। इसमें आप सब अपनी ओर से महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि टी.बी. के साथ-साथ ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जनमानस में जागरूकता की कमी है। विशेष कर गांवों में इन बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने चिकित्सकों से आव्हान किया कि ब्रेस्ट कैंसर और टी.बी. उन्मूलन के लिए कार्य करें, टी.बी. मरीजों को गोद लें। डेका ने बताया कि वे स्वयं प्रदेश के हर जिले में 10-10 टी.बी मरीजों के नि:क्षय मित्र बने हैं और उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध करने के लिए हर माह 500-500 सौ रूपए की राशि दे रहें हैं। उन्होंने राज्य के तीन गांवों को गोद लिया है जहां टी.बी. उन्मूलन विशेष प्राथमिकता में शामिल हैं। डेका कहा कि ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम हेतु गांवों का चयन कर सर्वे कराया जाएगा और महिलाओं को इस रोग के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने चिकित्सकों को भी इस क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रेरित किया। श्री डेका ने सम्मान प्राप्त करने वाले सभी चिकित्सकों को बधाई दी और कहा कि यह समारोह स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक अनुरणीय प्रयास है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, चैनल के सभी वरिष्ठ अधिकारी, संवाददाता सहित विभिन्न अस्पतालों के संचालक, चिकित्सक एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 123वीं कड़ी

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना और इसे प्रेरणादायी बताया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी च्मन की बातज् कार्यक्रम के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जन-भागीदारी और सकारात्मक प्रयासों की चर्चा करते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित लोगों को पहचान और सम्मान मिलता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपयोगी जानकारियां साझा की। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे नवाचारों के बारे में बताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है और यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं, तो समाज और देश में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री देश की छोटी-छोटी से लेकर बड़ी उपलब्धियों पर भी अपनी बात साझा करते हैं और उसकी सराहना करते हैं। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने योग दिवस की भव्यता, पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि, 1975 के आपातकाल और भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की वियतनाम यात्रा और भारत के ट्रेकोमा मुक्त होने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत हम सभी का संकल्प है और राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए छत्तीसगढ़ हर मोर्चे पर दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा है।

एजुकेशन सिटी के जितेन्दर का चमका सितारा

दंतेवाड़ा, 29 जून (देशबन्धु)। सपने देखने वालों की नहीं, उन्हें साकार करने वालों की दुनिया होती है। दंतेवाड़ा के जितेन्दर की कहानी इस कहावत को सही मायनों में चरितार्थ करती है।

- बेंगलुरु की प्रतिष्ठित इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग में कांस्य पदक
- दंतेवाड़ा प्रशासन ने शुरू किया है घुड़सवारी का प्रशिक्षण
- छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने जितेन्दर

दंतेवाड़ा की गीदम एजुकेशन सिटी का कक्षा दसवीं का एक समर्पित छात्र जितेन्दर वेक, अपने संघर्ष, लगन और प्रतिभा का प्रतीक बन चुका है। उनकी यह प्रेरणादायक यात्रा एक साल पहले तब शुरू हुई, जब दंतेवाड़ा जिला प्रशासन ने गीदम एजुकेशन सिटी में घुड़सवारी के एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। रायपुर की ब्रेगो एंड हेक्टर इक्वेस्ट्रीअन मैंगमेंट कंपनी के सहयोग से सुश्री गीता दहिया के मार्गदर्शन में छात्रों को घुड़सवारी का प्रशिक्षण दिया गया। जितेन्दर ने इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में खुद को साबित करने के लिए दिन-रात मेहनत की। कलेक्टर कुणाल दुदावत के प्रोत्साहन और सहयोग से उन्हें आगे बढ़ने की राह मिली। उनकी सफलता के पीछे उनकी मेंटर विजेता चौधरी का मार्गदर्शन और प्रशिक्षक चित्रभानु सिंह की कोचिंग का अहम योगदान रहा।

जितेन्दर ने बेंगलुरु में चल रही प्रतिष्ठित इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग में कांस्य पदक जीतकर न सिर्फ अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, बल्कि पूरे बस्तर के युवाओं के लिए एक मिसाल कायम की है। उनकी यह उपलब्धि दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अटूट मेहनत से किसी भी सपने को साकार किया जा सकता है। जितेन्दर आज दंतेवाड़ा ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं।

वित्त सेवा के अधिकारी पारदर्शी, जवाबदेह एवं निष्ठापूर्वक कार्यों का निर्वहन करे: ओपी चौधरी

- 'सुनिधि' स्मारिका का किया विमोचन,नई वेबसाइट का शुभारंभ

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ द्वारा कन्वेंशन हॉल, न्यू सर्किट हाऊस सिविल लाईन्स रायपुर में वार्षिक आम सभा एवं स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त ,वाणिज्यिक कर एवं आवास पर्यावरण मंत्री श्री ओ पी चौधरी शामिल हुए ।कार्यक्रम की अध्यक्षता छ ग पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष ,छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष,सेवानिवृत्त प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ शासन श्री आर एस विश्वकर्मा ने किया ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा ,विशेष सचिव वित्त विभाग,श्री चंदन कुमार ,विशेष सचिव वित्त विभाग एवं श्री रितेश अग्रवाल ,संचालक कोष एवं लेखा शामिल हुए ।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मंचासीन सभी अतिथियों के द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री ओ पी चौधरी द्वारा राज्य वित्त सेवा संघ की स्मारिका सुनिधि के द्वितीय संस्करण का विमोचन तथा संघ की नवनिर्मित वेबसाइट का उद्घाटन किया गया ।मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में राज्य वित्त सेवा अधिकारियों द्वारा राज्य के वित्तीय प्रबंधन और वित्तीय नियंत्रण के लिए उनके दायित्वों के कुशल निर्वहन के लिए सराहा गया । तथा अपने कार्यो को अधिक प्रभावी तरीके व ईमानदारी से करने प्रेरित किया गया ।उन्होंने राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ की समस्त मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया ।छ ग राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ की अध्यक्ष डॉ अल्पना घोष ने संघ का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा संघ की वार्षिक आम सभा की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न प्रस्तावों को सदस्यों के समक्ष रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया ।संघ के कोषाध्यक्ष श्री अनिल पाठक द्वारा संघ के आय-व्यय का विवरण सभा में रखा गया ।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सेवानिवृत्त वित्त अधिकारियों का व्याख्यान तथा सदस्यों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गईं ।अंत में संघ के सचिव श्री सचिन शर्मा द्वारा धन्यवाद प्रेषित करने के पश्चात् सम्मेलन का समापन हुआ ।

बागबाहरा के सुप्रसिद्ध नाचा गम्मत लोक कलाकार रंजीत चक्रधारी का मुंबई में सम्मान

बागबाहरा, 29 जून (देशबन्धु)। बागबाहरा अंचल के सुप्रसिद्ध जाने माने नाचा गम्मत लोक कलाकार रंजीत चक्रधारी को मुंबई के एक भव्य कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं शाल देकर उन्हें सम्मानित किया गया।

जिसके कारण क्षेत्र के छत्तीसगढ़ी नाचा गम्मत एवं लोक कलाकारों में हर्ष व्याप्त है। वे कोमाखान तहसील के ग्राम सराईपाली-पतेरापाली गांव के निवासी हैं। जो बालकपन से ही नाचा गम्मत क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

वर्ल्ड सेवन वंडर रेडियंट बुक आफ रिकार्ड फाऊंडेशन द्वारा आयोजित 22 वां अखिल भारतीय प्रतिभा प्रेरणा सम्मान समारोह 2025 मुंबई के भारत रत्न गानसामग्री लता मंगेशकर नाट्य गृह ऑडिटोरियम में आयोजन किया गया। जिसमें

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय नाचा गम्मत लोक कलाकार कल्याण संघ के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश चक्रधारी कुम्हार समाज के युवा उपाध्यक्ष रंजीत चक्रधारी को छत्तीसगढ़ प्रदेश के अनमोल धरोहर में से एक पारंपरिक लोक विधा नाचा गम्मत के संरक्षण, संवर्धन एवं उनके उत्थान के लिए किये जा रहे कार्य एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में रुपाली वशिष्ठ उत्तराखंड देहरादून निदेशक तथा राष्ट्रीय परीक्षक थी। विशिष्ट अतिथि के रूप में डां पी आर रोकड़े, छत्रपति संभाजी महाराष्ट्र निदेशक तथा राष्ट्रीय परीक्षक थे। अध्यक्षता डां कांति महाजन अमरावती महाराष्ट्र संस्थापक व प्रधान संपादक

द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश में नाचा गम्मत के द्वारा किये जा रहे कार्य की सराहना करते हुए चक्रधारी को प्रोत्साहित किया।

ज्ञात हो कि रंजीत चक्रधारी बागबाहरा विकासखंड के एक छोटे गांव सराईपाली-पतेरापाली से निकल कर प्रदेश सहित देश भर में नाचा गम्मत के माध्यम से स्वस्थ मनोरंजन करने सहित सामाजिक जागरूकता, नाटक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दहेज प्रथा, बाल-विवाह, विधवा पुनर्विवाह, अंधविश्वास, जैसे अनेक शिक्षाप्रद कहानी को लोगों के बीच मंचीय प्रस्तुति देते हुए एक सामाजिक जनजागृति एवं सामाजिक जनचेतना का समाज को प्रेरित कर संदेश दे रहे हैं।

लोक नाचा गम्मत कलाकार रंजीत चक्रधारी ने बताया कि यह सम्मान पाकर एक नाचा गम्मत कलाकार के रूप में अपने आप को काफी गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान हमारे सभी नाचा गम्मत कलाकारों को समर्पित है। कला शिरोमणि राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने पर पूरे प्रदेश के नाचा कलाकारो सहित अंचल के कलाकारो एवं गांव में खुशी की लहर है। लोक संरक्षण समिति बागबाहरा के अध्यक्ष टीकम पटेल, सुप्रसिद्ध लोक गायक कलाकार निजाम सिंह दीवान, डिमान सेन, विश्राम यादव, पप्पू ऐतराम साहू, दाऊलाल विश्वकर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, जनपद पंचायत अध्यक्ष केशव नायकराम चंद्राकर, वरिष्ठ पत्रकार ललित सोनी, टीकम अग्रवाल, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, रितेश चक्रधारी, मोतीराम पटेल, धनेश्वर साहू, प्रवीण वर्मा, मनोज यादव, दुर्गेश यादव, नरेंद्र ध्रुव आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

कृषि केंद्रों में मूल्य सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य

- दो कृषि सेवा केंद्रों को नोटिस

बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश के परिपालन में कृषि विभाग द्वारा जिले में उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक के गुणवत्ता नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कृषि आदान विक्रय करने वाले कृषि केंद्रों की कड़ी निगरानी की जा रही है। जिले में पदस्थ निरीक्षक एक-एक कृषि केंद्रों का गहन जांच कर रहे हैं। कृषि केन्द्रों में किसानों को गुणवत्तायुक्त सामग्री उपलब्ध कराने के लिए विक्रय केंद्रों में उपलब्ध स्कंध एवं मूल्य सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है।

विकासखंड पलारी के निरीक्षक सूचिन कुमार वर्मा द्वारा ग्राम ओड़ान में संचालित अनिल कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान विक्रय में उपलब्ध कीटनाशक स्कंध एवं उसकी मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं की गई थी जिससे उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विकासखंड बलौदा बाजार के निरीक्षक लोकनाथ दीवान द्वारा साहू कृषि केंद्र मोहतरा, का निरीक्षण किया गया ।निरीक्षण के दौरान उर्वरक विक्रय केंद्र में उपलब्ध उर्वरक स्कंध एवं उसका निर्धारित मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं किया गया था जिससे उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार विकासखंड भाटापारा के विनय इंटरप्राइजेज का भी निरीक्षण किया गया तथा उन्हें शासन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए विक्रय केंद्र संचालन करने हेतु निर्देश दिए गए। उपसंचालक कृषि दीपक कुमार नायक द्वारा कृषि आदान विक्रय केंद्रों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि कृषि केंद्रों के संचालन में शासन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा विक्रय केंद्रों में उपलब्ध उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक स्कंध एवं उसका मूल्य सूची केंद्र के बाहर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें, जिससे वहां आने वाले किसानों को इसकी जानकारी प्राप्त हो सके। कृषि विभाग के मैदानी अमलो को भी कृषि केंद्रों का निगरानी करने तथा किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

NECC

30.06.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	576	80	165
चिल्हर	7	100	190

डिलीवरी 590 सैकड़ा
दर्जन अंडा 80 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरपारा रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59
फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in

उल्टा पुल्टा

शराबी दरवाजे पे दस्तक देता है? उसकी बीवी दरवाजा खोलती है।
शराबी-कौन हैं आप?
बीवी- मुझे भूल गए।
शराबी - नशा हर गम को भुला देता है बहन।

संपादकीय

बारिश में सांपों का खतरा

वर्षाकाल के आते ही पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर ग्रामीण एवं आदिवासी इलाकों में सर्प दंश का खतरा बढ़ जाता है। प्रदेश वनों तथा खेतों से आच्छादित होने से यहां के ज्यादातर क्षेत्रों में सर्पों की बहुतायत है। बस्तर, सरगुजा, कोरबा आदि में कई तरह के सांप पाये जाते हैं। इनमें से कई ज़हरीली प्रजातियां हैं। जिन भागों का शहरीकरण हो चुका है, वहां अब वे धीरे-धीरे निकलने बन्द हो गये हैं। अब वे ज्यादातर ग्रामीण या सूने इलाकों में ही मिलते हैं परन्तु गाहे-बगाहे शहरी क्षेत्रों में भी मिल जाते हैं। वे नालियों आदि के जरिये आ जाते हैं। इनसे सावधान तो रहा ही जाये, उन्हें न ही छेड़ा जाये तो बेहतर होता है।

सर्प भी इन्सानों से दूरी बनाये रखना पसंद करते हैं। उन्हें मारने की भी ज़रूरत नहीं होती। अब पर्यावरण प्रेमी उन्हें बचाकर उनके प्राकृतिक आवासों अर्थात जंगलों में छोड़ आते हैं। पुलिस के सपर्क क्रमांक 112 पर डायल कर रेस्क्यू टीम को बुलाया जा सकता है। यदि सांप ने काटा हो तो तुरन्त चिकित्सक के पास जाना चाहिये। झाड़-फूंक के चक्कर में कतई नहीं पड़ना चाहिये।

आरंग के देवरी गांव के एक नागरिक के घर शनिवार को कोबरा सांप निकला था। जब रेस्क्यू टीम आई तो एक कमरे में टाइल्स के नीचे से लगभग 35 नाग निकले। सभी को वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। यह अच्छा हुआ कि कोई सर्प दंश का शिकार नहीं हुआ। विषैले सांपों के डंसने से हर साल कई मौतें होती हैं। पिछले साल जुलाई में अंबिकापुर के दरिमा थाना के तहत तुनतुरी गांव में जमीन पर सोये हुए एक 22 वर्षीय युवक को सांप ने काट लिया था जिसमें उसकी जान चली गयी थी। उसके पूर्व बलरामपुर जिले के बलंगी थानांतर्गत जोगयानी गांव में 7 साल की एक बच्ची भी सर्प दंश से मारी गयी। इस प्रकार की कई मौतें राज्य में हर वर्ष आम हैं।

मानसून के दौरान उनके प्राकृतिक आवासों में पानी भर जाता है। इसके चलते वे बाहर निकलते हैं। कई बार राह चलते किसी व्यक्ति का पैर धोखे से इन पर पड़ता है तभी वे अपने बचाव के लिये उसे डंसते हैं। सर्पों के बाहर निकलने के इस काल में सावधान रहें। उन स्थानों पर बारिशों में, विशेषत: रातों में बिलकुल नहीं जाना चाहिये जहां ये हो सकते हैं। पेड़ों व झाड़ियों के नीचे, लकड़ियां, बोरे आदि के ढेर, अंधेरे व नमी वाले स्थानों में वे रहते हैं। ऐसी जगहों पर जाने के पहले प्रकाश किया जाये। बिजली न हो तो टॉर्च का इस्तेमाल किया जाना चाहिये। गांव-जंगलों तथा सूने रास्तों में सावधान रहें। यदि सर्प दंश का शिकार हो ही जायें तो झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़कर यथाशीघ्र डॉक्टरों से उपचार करायें। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व अस्पतालों में एंटी वेनम दवाएं उपलब्ध हैं।

बाढ़ संकट से निपटने तुंगल डेम पर मॉक ड्रिल

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव पहुंचे निरीक्षण पर, देखा नगर सेना का अभ्यास

सुकमा, 29 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर शनिवार शाम को सुकमा में स्थित तुंगल बांध में बाढ़ आपदा राहत दल के जवानों ने जिले में उपलब्ध समस्त बाढ़ राहत सामग्री का परीक्षण एवं मॉक ड्रिल किया। अपर कलेक्टर गजेन्द्र सिंह ठाकुर, एसडीएम सुभाष शुक्ला ने जिला सेनानी नगर सेना नरसिंह नेताम की उपस्थिति में मॉक ड्रिल का अवलोकन एवं निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट श्री ध्रुव ने बाढ़ आपदा एवं बचाव की टीम को स्वयं का बचाव करते हुए आपातकालीन सेवा में बेहतर प्रबंधन कर जोखिम में फंसे व्यक्तियों की जान बचाने के लिए हौसला अफजाई की। इस दौरान बचाव दल के जवानों ने आपदा के समय व्यक्ति को पानी के भीतर खोजने, उसे सुरक्षा पूर्वक लाइव बोट तक लाने का ड्रिल प्रस्तुत किया। इसके साथ ही बचाव के दौरान उपयोग होने वाले सभी उपकरणों का डेमो भी किया। जिसमें सही तरीके से लाइफ जैकेट पहनना, डूबते व्यक्ति को तैराक द्वारा बचाए जाना, अंडर वाटर ड्राइविंग कर पानी के भीतर व्यक्तियों को पता लगाना भी ड्रिल किया गया। इसके अलावा जवानों ने परंपरागत तरीके से निर्मित गांव में उपलब्ध सामानों से बचाव के उपकरण तैयार करने एवं बचाने के तरीके भी बताएं जैसे खाली बोतल से तैयार लाइफ जैकेट, थर्माकोल से तैयार लाइफ जैकेट, घरेलू उपयोग में आने वाले डेकची से तैयार लाइफ जैकेट, टीना डब्बे से बनाए गए उपकरण से भी बाढ़ के समय बचा जा सकता है। इस दौरान मोटर बोट, चेन सा, आस्का लाइट, फुल बॉडी हार्नेस, लाइफ ब्वॉय, लाइफ जैकेट, स्ट्रेचर, रस्सी, फर्स्ट एड बॉक्स इत्यादि का प्रदर्शन व उपयोग के तरीके को बताया गया। इसके साथ ही टीमों ने बचाए गए व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर और रेस्क्यू ब्रीथ देने के तरीके का लाइव डेमो करके बताया। इसके साथ ही कोई डूब रहा है तो उसे उसके पीछे से किस प्रकार पकड़ के बचाना है इसका भी प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा टीम ने आपदा में काम आने वाले उपकरण लाइफ सेविंग जैकेट, लाइफबॉय के उपयोग के तरीकों के बारे में बताते हुए इसका लाइव प्रदर्शन भी किया।

एटीएम को कुल्हाड़ी से तोड़फोड़ कर चोरी को अंजाम देने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सुकमा, 29 जून (देशबन्धु)। सुकमा जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय परिसर में एक व्यक्ति के द्वारा पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को कुल्हाड़ी से तोड़फोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम देने की प्रयास कर रहा था। इस दौरान पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर आरोपी देवेंद्र यादव 20 वर्ष, को गिरफ्तार कर किया गया। एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार ने बताया कि सुकमा स्थिति कलेक्टर परिसर स्थित पंजाब नेशनल बैंक में एटीएम में रात के 02 बजे के करीब तोड़फोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम देने की कोशिश किया जा रहा था। अलार्म सिस्टम की वजह से इसकी सूचना बैंक के पास गई, जिसके बाद इसकी सूचना आधार पर स्थानीय पुलिस तत्काल तत्काल कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित एटीएम में पहुंची। एटीएम में तोड़फोड़ कर रहे व्यक्ति ने पुलिस को देखकर तत्काल वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने मौके से आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी ने एटीएम पूरी तरह से तोड़फोड़ कर उसे नुकसान कर दिया गया था। वहीं पुलिस ने आरोपी से पूछताछ करने पर बताया कि वह रात को 02 बजे के करीब एटीएम में पहुंचा हुआ था। इस दौरान ही उसने तोड़फोड़ कर एटीएम से पैसे निकालने की कोशिश कर रहा था जिसे काफी प्रयास किया लेकिन एटीएम अंदर पैसे रखने की बॉक्स को तोड़ने में सफल नहीं हुआ। इधर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अपने कब्जे में ले लिया है वहीं गिरफ्तार आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपी सुकमा जिले के कुकानार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तुरेपाल का निवासी है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने, चाय गुमटी में फांसी पर लटका मिला सरपंच पति का शव

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत कावापाल की सरपंच के पति कमलोचन बघेल का शव पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने स्थित वन विभाग कर्मचारी कार्यालय के पास एक चाय की गुमटी में फांसी पर लटका मिला। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कमलोचन बघेल डिमरापाल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती था, जहाँ से वह लगभग सुबह 5 बजे निकला था। उसका बेटा भी उस समय डिमरापाल में ही मौजूद था। अस्पताल से निकलने के बाद वह कैसे घटना स्थल तक पहुंचा, उसने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इस पर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। सिटी कोतवाली पुलिस के द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर पूछताछ करने के दौरान पता चला कि मृतक के मोबाइल फोन पर कई लोगों के कॉल आ रहे थे। उसके माध्यम से ही पता चला कि मृतक कमलोचन बघेल है और उसका भाई पुलिस विभाग में है। खबर मिलने पर घटना स्थल पर पहुंचकर उसके चचेरे भाई फगनूराम बघेल ने शव की पहचान की। उसकी उपस्थिति में ही पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज भेजा। बताया जा रहा है कि कमलोचन के मोबाइल पर कई लोगों के फोन कॉल भी आ रहे थे, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वह किसी मानसिक तनाव में था। सूत्रों के अनुसार, मृतक का एक भाई पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ >> शेष पृष्ठ 9 पर >

उत्कल समाज कार्यकारिणी का किया गया विस्तार

महिला विंग की शुभ्रा व युवा विंग के पवन अध्यक्ष मनोनीत

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। उत्कल समाज बस्तर संभाग के प्रथम नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश दास के अनुसंशा पर समस्त पदाधिकारीयों की उपस्थिति में उत्कल समाज के नई कार्यकारिणी व महिला और युवा विंग का गठन किया गया। पदाधिकारियों ने सर्व सम्मति से उत्कल समाज की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए महिला विंग एवं युवा विंग का सर्वसम्मति से मनोनयन किया, जिसमें महिला विंग की अध्यक्ष शुभ्रा दास एवं सचिव सुश्री निरुपमा दास मनोनित हुई। युवा विंग से पवन मिश्रा अध्यक्ष व आशीष दास सचिव मनोनीत किए गए। वहीं समाज के कार्यों व आयोजनों के प्रचार प्रसार के लिए रविन्द्र दास मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए। मुख्य कार्यकारिणी में सदस्यों मे दीनबंधु रथ, असीम दास, रितेश पट्टजोशी, मनीष मिश्रा, अतुल दास, रितेश पाढ़ी, सुश्री सविता आचार्य, सरला रथ, प्रदीप महापात्र, राकेश रथ, अशोक दास व सिंमाचल दास मनोनीत किए गए। आज के बैठक में अध्यक्ष सचिव के साथ उपाध्यक्ष मथुरा प्रसाद तिवारी, कोषाध्यक्ष मनोज महापात्र, संगठन सचिव रमेश नंद, सांस्कृतिक सचिव मनीष श्रीवास्तव व कार्यालयीन सचिव अच्युत सामंत एवं अन्य उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथों में सामूहिक रूप से सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कहा आपातकाल लगाने वालों ने संविधान की हत्या की

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। बस्तर जिले के प्रत्येक बूथ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज रविवार को सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123 वां संस्करण सुना। भाजपा द्वारा मन की बात कार्यक्रम बूथवार सुनने मुख्य अतिथि व प्रभारी बनाये गये थे। जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बूथवार भाजपा कार्यकर्ताओं ने गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में आपातकाल का जिक्र करते हुये कहा कि देश में आपातकाल लगाने वालों ने संविधान की हत्त्या की, न्यायपालिका तक को बंधक बनाया, आपातकाल के उस कठिनतम दौर में देश के लाखों लोगोंड ने कठोर यातनायें झेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 जुलाई से आरम्भ हो रही पावन कैलाश मानसरोवर यात्रा, आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम बढ़ा रहे भारत, योग दिवस के भव्य होते स्वरूप आदि विषयों पर भी प्रकाश डाला। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने ग्रामीण क्षेत्र घाटकवाली में कार्यकर्ताओं व ग्रमीण जनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुना। शहर के मोतीलाल नेहरू वार्ड में पूर्व विधायक डा. सुभाऊ कश्यप, दलपत सागर वार्ड में छग स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, गांधीनगर वार्ड में विद्याशरण तिवारी, नगरनार मण्डल में सुधीर पाण्डेय सहित भाजपा के सभी बड़े नेता व पदाधिकारियों नेअलग अलग बूथों में सामूहिक रूप से मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। जिनमें योगेन्द्र पाण्डेय, श्रीनिवास मिश्रा, श्रीधर ओझा, आर्येन्द्र आर्य, मनोहर तिवारी, नरसिंह राव, आलोक अवस्थी, बृजेश भदौरिया, विक्रम सिंह यादव, शशिनाथ पाठक, योगेश शुक्ला, संजय चंद्राकर, अतुल सिम्हा, बृजेश शर्मा, सूर्य भूषण सिंह, दिलीप झा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बिजली बिल के बोझ को कम करने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

जिला कार्यालय (विद्युत विभाग) में संपर्क कर लें योजना का लाभ

सुकमा, 29 जून (देशबन्धु)। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अभियान से ग्रीन एनर्जी मिशन को बढावा देकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने मे मदद होगी साथ ही रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। भारत सरकार ने सौर रूफटॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने और आवासीय घरों को अपनी बिजली पैदा करने के लिए सशक्त बनाने के लिए 29 फरवरी, 2024 को मंजूरी दी है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल घरों को रोशन करने के लिए नहीं है बल्कि यह योजना सूरज की ऊर्जा को अपनाने के तेज और किफ़ायती तरीक़े के बारे में भी है। एक किलोवाट प्रणाली के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट प्रणाली के लिए 60,000 रुपये तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक प्रणाली के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इस योजना से बिजली के बिल में कमी, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा। यह योजना न केवल स्थायी ऊर्जा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण को बचाने की ओर भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

कौन ले सकता है लाभ: पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को छत्तीसगढ का मूल निवासी होना आवश्यक है। इस योजना में आवेदक का उम्र 18 वर्ष से अधिक होना चाहिए। योजना का लाभ लेने के लिए मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदक बैंक खाते से जुड़ा आधार कार्ड योजना, मूलनिवासी प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, बिजली का बिल, पासपोर्ट साइज़ फोटो, शपथ पत्र के साथ आय प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

लोगों को अपनी जमीन या घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी मुहैया कराती है। इस योजना से लोगों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे किसान और आम लोग अपने घरों के टॉप पर सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल शून्य कर सकते हैं और सरप्लस एनर्जी बेचकर कमाई भी किया जा सकता है।

सैकड़ों भक्त रोज यज्ञ में डाल रहे आहुतियां

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मोतीतालाब पारा स्थित मां छिंदवाली महाकाली मंदिर में चल रहे सात दिवसीय रूद्र चंडी महायज्ञ के दौरान रोज सैकड़ों भक्त यज्ञ में आहुतियां डाल रहे हैं। बताते चलें कि इस अनुष्ठान को संपन्न कराने के लिए विशेष तौर पर असम से 11 वैदिक पंडितों को आमंत्रित किया गया है। महायज्ञ के तीसरे दिन रविवार को मंदिर में भक्तों की खासी भीड़ रही। यहां प्रमुख यजमानों के लिए अलग से चार कुंड बनाए गए हैं। यहां प्रतिदिन पूर्वाह्न 11~36 से रात 8 तक विभिन्न देवी अनुष्ठान संपन्न हो रहे हैं।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का जगदलपुर दौरा

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 के प्रांतपाल रोटेरियन अखिल मिश्रा अपने आधिकारिक दौरे पर सोमवार को जगदलपुर पहुँचेंगे। यह दौरा न केवल रोटरी क्लब के लिए एक विशेष अवसर है, बल्कि स्थानीय समाज को रोटरी की वैश्विक सेवाओं से जुड़ने का आमंत्रण भी है। डिस्ट्रिक्ट 3261 में पूरा छत्तीसगढ़, आधा मध्यप्रदेश और आधा ओडिशा क्षेत्र सम्मिलित हैं। हर वर्ष डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का यह दौरा क्लब के लिए मार्गदर्शन, मूल्यांकन और प्रोत्साहन का महत्वपूर्ण क्षण होता है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अखिल मिश्रा क्लब द्वारा किए गए सेवा प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण करेंगे। रोटरी सदस्यों से संवाद करेंगे और एक सार्वजनिक सभा में स्थानीय नागरिकों को रोटरी इंटरनेशनल तथा डिस्ट्रिक्ट 3261 की गतिविधियों, उद्देश्यों और सेवा संकल्पों से अवगत कराएँगे। अखिल मिश्रा जबलपुर निवासी हैं और उनके साथ डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी जनरल रोटेरियन सारंग भिड़े भी इस दौरे में सम्मिलित रहेंगे।

सांसद-विधायक की खामोशी का खामियाजा भुगत रहे बस्तर के बेरोजगार

नगरनार इस्पात संयंत्र में निकली 900 से अधिक भर्तियों को आउटसोर्सिंग की भेंट चढ़ाने राजधानी के महंगे रिसार्ट में रखा गया साक्षात्कार

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुशील मौर्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगरनार इस्पात संयंत्र में निकली 900 से अधिक भर्तियों में स्थानीय बेरोजगारों के साथ अन्याय होने का आरोप लगाया है। सुशील ने दावा किया है कि इस्पात संयंत्र में निकली 900 से अधिक विभिन्न पदों पर भर्तियों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने की बजाय आउटसोर्सिंग कर अन्य राज्यों के लोगों को रोजगार मुहैया कराया जा रहा है जो कि बस्तर के स्थानीय बेरोजगारों के साथ अन्याय है। बकायदा इसके लिए साक्षात्कार राजधानी रायपुर के एक रिसार्ट में रखा गया है जिसका नाम सुनकर ही बस्तर के गरीब युवा खुद ब खुद साक्षात्कार में ना जाएं। प्रबंधन आउटसोर्सिंग कर बाहरी लोगों को नौकरी में बैठा पाए। इस अन्याय को होता देख कर भी सांसद महेश कश्यप और विधायक किरण देव चुप्पी साधे बैठे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि एक तरह से बाहरी लोगों को रोजगार दिलाने का ठेका स्वयं स्थानीय सांसद और विधायक ले लिया है। सुशील ने कहा है कि एनएमडीसी नगरनार इस्पात संयंत्र प्रबंधन बस्तर के बेरोजगार युवाओं के साथ कुठाराघात कर रहा है। बस्तर के बेरोजगार युवाओं का हक बाहरी लोगों की भर्ती कर डकारने का काम करने यह पूरा षड्यंत्र रचा गया है और डबल इंजन की भाजपा सरकार का इस षड्यंत्र में पर्दे के पीछे से पूरा समर्थन है। आज बस्तर की जनता के सामने बस्तर के बेरोजगार युवाओं के भविष्य को लेकर मोदी और विष्णु सरकार की कथनी और करनी में कितना अंतर है सामने आ गया है। चुनाव के दौरान अमित शाह से लेकर किरण देव तक नगरनार इस्पात संयंत्र में स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार देने दिलाने का झूठा आश्वासन देकर वोट तो बटोर लेते हैं और सत्ता में काबिज भी हो जाते हैं। परंतु सरकार में आते ही बस्तर के बेरोजगार युवाओं के रोजगार का सौदा बाहरी लोगों से करने का कुकृत्य भी करने से बाज नहीं आते जिसके चलते आज बस्तर के युवा नगरनार इस्पात संयंत्र में निकली 900 से अधिक भर्तियों में अन्य राज्यों के बेरोजगारों को अपनी बेरोजगारी दूर करते तो राजधानी रायपुर में साक्षात्कार के दौरान देख पा रहे हैं परंतु खुद को छला हुआ भी महसूस कर रहे हैं। श्री मौर्य ने >> शेष पृष्ठ 9 पर >

संभागायुक्त-कलेक्टर ने किया पीएम आवास का औचक दौरा

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर और कलेक्टर अभिजीत सिंह सूर्या माल के पीछे निर्मित आवास का निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के साथ पहुंचे। बड़ी संख्या एवं खुले क्षेत्र में निर्मित आवासों को देखकर संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर प्रसन्नता जाहिर किये। प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक अंतर्गत 1120 यूनिट सूर्य विहार के पीछे और 810 यूनिट माइलस्टोन के पास आवासों का संयुक्त निरीक्षण निगम के टीम के साथ किए। 1120 यूनिट अंतर्गत निर्माणाधीन मकान को त्वरित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जो हितग्राही शिफ्ट हो गए हैं उनके स्थाई रूप से पानी, बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया। इसके पश्चात 810 यूनिट माइलस्टोन के पास के आवासों का निरीक्षण किया गया । जिसमें निगम भिलाई को पूर्ण किस्त जमा किए गए लगभग 115 हितग्राहियों के मकान को पहले पूर्ण करके हितग्राहियों को सौंपने के लिए निर्देश दिए गए। कलेक्टर कुरूद स्थित सीबीजी प्लांट स्थल का निरीक्षण निगम आयुक्त के साथ किए एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी हरिवंश सिंह मीरी, महेश राजपूत, जोन आयुक्त ऐशा लहरे, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं राजस्व टीम उपस्थित रहे।

त्रिनयन ऐप की मदद से नकबजनी का खुलासा

भिलाईगर, 29 जून (देशबन्धु)। स्मृतिनगर पुलिसने चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी सुधीर कुमार अग्रवाल निवासी स्मृतिनगर पुलिस चौकी ने 28 जून को रिपोर्ट दर्ज कराया कि दुर्गा नगर कोहका स्थित आनंद पूरम फेस-1 के मकान में 27- 28 जून के मध्य किसी अज्ञात द्वारा मकान में रखे 8 नग पंखा, 35 नग नल, 55 नग चिटकनी, दो बंडल वायर एवं अन्य सामान किमती करीबन 50,000६ रूपये को चोरी कर ले गया है। चौकी स्मृतिनगर नें धारा 331(4) 305 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना स्थल के आसपास एवं रोड में लगे सीसीटीव्ही कैमरा में तीन संदेही घुमते नजर आये संदेही की पहचान प्रेम, समीर के रूप में किये जिसके संबंध में संदेहियों की पता तलाश कर घेरा बंदी कर पकड़कर चौकी लाये जिनसे पूछताछ करने पर अपने साथी विधि से संघर्षरत् बालक के साथ मिलकर 3 अप्रैल को मॉडल टाउन शिव मंदिर में चोरी करना, 17 मई को दीन दयाल कालोनी से मोटर सायकल सीजी 07 एएफ 0812 को चोरी करना जिसका नम्बर प्लेट को बदलकर चलाना बताये जिसके बाद तीनों प्लानिंग बनाकर 27 जून को आनंद पूरम फेस 01 में चोरी करना कबूल किये। आरोपियों के कब्जे से चोरी गये मशरूका एक मोटर सायकलए 08 नग सिलिंग फेन, 55 नग स्टील का नल, शावर, दो बंडल वायर एवं अन्य घरेलू सामान को आरोपियों एवं अपचारी बालक के कब्जे से बरामद किया गया है। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक गुरूविन्दर सिंग संधु, प्रधान आरक्षक राधेश्याम चंद्राकर, जितेन्द्र सिंह कुशवाह, पंकज चौबे, आरक्षक सविन्दर सिंग, हर्षित शुक्ला, उमेश साहू, गोविन्द साहू, अनिकेत चंद्राकर,कौशलेन्द्र सिंहए कमल नारायण की कार्यवाही सराहनीय रही।

ब्लैकमेल के प्रकरण में मिली सफलता

भिलाईनगर। प्रार्थी थाना नंदिनी नगर ने लिखित आवेदन पेश किया वर्ष 2009.2010 मे सिद्वार्थ नगर कोसा नाला निवासी दामीनी सोनी से प्रार्थी की पहचान हुई थी जो आपस में बातचीत करते थे। 'वर्ष 2013.2014 मे दामीनी सोनी का विवाह हो गया था। वर्ष 2021 मे दामीनी ने फेस बुक मे प्रार्थी जितेन्द्र कुमार को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजा था फिर मैसेज मे आरोपिया दामीनी ने प्रार्थी का मोबाईल नंबर मांगा व मोबाईल फोन व वाटसअप से बातचीत करने लग व दोनो के बीच नजदीकीयां बढने लगी इसी दौरान दामिनी ने दोनो के बीच हुये बातचीत व मैसेज, चैटिंग, कॉल रिकार्ड आदि को अपने मोबाईल मे रख कर प्रार्थी द्वारा बात नही मानने पर गाली गलौज करती और धमकाती कि मैसेज, चैटिंगए कॉल रिकार्ड तथा वीडियो रिकार्ड सभी रिश्तेदार व पब्लिक में वायरल करने की धमकी एवं अलग से घर और हर महीने आधा पेंमेंट मांगने लगी जिससे प्रार्थी परेशान होकर दामिनी से मिलना जुलना और बातचीत बंद कर दिया था। दामिनी और उसका जीजा प्रार्थी को धमकी देकर डरा धमका कर करीबन 2 लाख रूपये ले चुके थे। फिर भी दामिनी सोनी और उसका जीजा बर्बाद करने की धमकी देकर पैसो का मांग करते रहे कि 7 सितम्बर 24 को शाम दामीनी अपने जीजा के साथ प्रार्थी के घर आकर पैसे की मांग करने पर प्रार्थी ने लिखित आवेदन पर थाना नंदिनी नगर मे देने पर धारा 308(2), 3(5), बीएनएस कायम आज आरोपी जीजा को गिरफ्तार किया गया है, एवं आरोपीया दामिनी घटना के बाद से फरार है।' जिसकी पता साजी किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार शीघ्र ही उनकी गिरफ्तारी हो जायेगी।

बड़ा संस्थान में डॉ सुरेंद के नाम रखने की मांग

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। दुर्ग जिले में जन्मे विख्यात हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे का गत दिनों आकस्मिक निधन पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गौरव, व्यंग्यकार पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे की कवितायें न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि सात समंदर पार विदेशों में भी गूंजती हैं। विधयाक श्री सेन ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं संगठन महामंत्री पवन साय से छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख संस्थान और हर जिले में एक-एक बड़े संस्थान का नामकरण पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे के नाम करने की मांग की है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि अपने विलक्षण हास्य, तीक्ष्ण व्यंग्य और अनूठी रचनात्मकता के माध्यम से डॉ.

सुरेंद्र ने न केवल देश-विदेश के मंचों को गौरवान्वित किया बल्कि छत्तीसगढ़ी भाषा को वैश्विक पहचान दिलाने में भी उनकी अहम् भूमिका रही है। डॉ दुबे को काका हाथरसी हास्य रत्न पुरस्कार, पद्मश्री, पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान, अट्टहास सम्मान, अमेरिका के वाशिंगटन में हास्य शिरोमणि सम्मान, देश के तीन विश्वविद्यालयों से पीएचडी की उपाधि सहित अनेक सम्मान मिल, उनके नहीं होने के बाद भी वो हम सबके हृदय और मन मस्तिष्क में अपनी अमर रचनाओं के माध्यम से सदैव अमर हैं। छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए उनके योगदान को भावी पीढ़ियों के बीच स्मृति शेष बनाए रखने के लिए प्रदेश और छत्तीसगढ़ के हर जिले के एक बड़े संस्थान को डॉ सुरेंद्र दुबे के नाम पर समर्पित किए जाने की मांग छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णुदेव साय और हमारे संरक्षक भारतीय जनता पार्टी संगठन से की है।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। नंदिनी पुलिस ने नौकरी लगाने के नाम पर 6 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में आरोपी जय कुमार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। नंदिनी पुलिस द्वारा बताया गया कि प्रार्थिया ज्योति साहू पिता स्व. केशव प्रसाद साहू निवासी मकान नंबर 37 वार्ड क्रमांक 01 अहिवारा जिला दुर्ग द्वारा थाना नंदिनी में एक लिखित आवेदन इस आशय का पेश की है कि आरोपी जयकुमार द्वारा शासकीय विभाग में राज्य सहकारी मर्यादित अपेक्स बैंक में प्रबंधक के पद में भर्ती करने का आश्वासन देकर 6,00,000 रुपए की मांग करने पर प्रार्थिया द्वारा 6 अगस्त 2023 को 1,00.000 रुपए एवं 13 जनवरी 2024 को 4,00,000 नगद तथा 5 जनवरी 2024 को 1,00,000 रुपए बैंक के माध्यम से दिया गया है। प्रार्थिया द्वारा काम नहीं होने पर वापस पैसों की मांग करने पर आरोपी जय द्वारा 10 मई 2025 और 12 मई 2025 को 2,00,000 रुपए के दो चेक दिया गया था वह चेक जय के खाते में पैसा नहीं होने के कारण निरस्त हो गया। आरोपी जय द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर रकम लेकर प्रार्थिया के साथ धोखाधड़ी किया जाना पाए जाने से प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना नंदिनी नगर में अपराध क्रमांक 142/2025 धारा 420 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया । दौरान विवेचना के बाद आरोपी जय कुमार को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रगति नगर रिसाली भिलाई थाना नेवई का रहना बाला है।

प्रतिबंधित दवाइयों का विक्रय करने वाले आरोपी गिरफ्तार

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। उतई थाना क्षेत्रान्तर्गत नशीली दवाइयां के दुरुपयोग, अवैध तस्करी की रोकथाम ध्लगाकर उक्त अपराधों में त्वरित कार्यवाही हेतु वरिष्ठ अधिकारियों का द्वारा दिए गए दिशा निर्देश का पालन करते हुए थाना उतई पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत कार्यवाही किया गया। विदित हो कि पूर्व में 22 मई 2025 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर सेलूद पाटन रोड रजिया दुकान के पास दो व्यक्ति प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बिक्री करने की सूचना पर मौके पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियान कृष्णा यादव, अजय यादव, मनोज डोंगरे, गोवर्धन लाल सिंह के कब्जे से प्रतिबंधित नशीली टैबलेट एवं कैप्सूल को बरामद कर आरोपियों को 22 जून 2025 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

प्रगतिशील लेखक संघ ने कविता इन दिनों विषय पर की परिचर्चा

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। प्रगतिशील लेखक संघ, जगदलपुर द्वाराज्वैचारिकीज्श्रृंखला के अंतर्गत शनिवार को स्थानीय लाला जगदलपुरी केन्द्रीय पुस्तकालय परिसर स्थित ज़िला ग्रंथालय में कविता इन दिनों विषय पर एक परिचर्चा और तत्पश्चात उपस्थित कवियों द्वारा कविता पाठ किया गया। समकालीन कविता पर इन दिनों कविता का स्वरूप और सार्थकता आलेख के रूप में आधार वक्तव्य खुदेजा ख़ान ने दिया। अपने आलेख में उन्होंने समकालीन कविता की विशेषताओं और कमियों का बिंदुवार उल्लेख किया और कहा कि समकालीन कविता का मुख्य स्वर गहरे भावबोध के साथ मानवता और जनपक्षधरता है।

मदन आचार्य ने कहा कि कविता में बिम्बों, प्रतीकों का सार्थक प्रयोग और शिल्प भी मायने रखते हैं। समकालीन कविता समाज सापेक्ष है और सामाजिक सरोकारों को लेकर चलने वाली है। हिमांशु शेखर झा ने समकालीन कविता में उसके पारंपरिक गठन,गद्यात्मकता और सुस्पष्ट संवेदना का उल्लेख किया। प्रकाश चंद्र जोशी ने समकालीन कविता में निहित जनवादी राजनीतिक चेतना का उल्लेख किया। सुनील श्रीवास्तव ने कविता में पारंपरिक शिल्प को अधिक संप्रेषणीय कहा। अली एम सैयद ने कविता के विकास की चरणबद्धता का उल्लेख किया और कहा कि समकालीन कविता में पारंपरिक शिल्प को लौटाया नहीं जा सकता। उर्मिला आचार्य ने हायकू, नवगीत, प्रश्नोत्तरी कविताओं को रेखांकित किया और समकालीन कविता में निहित जनपक्षधरता का उल्लेख किया। जगदीश चंद्र दास ने कहा कि कवियों की वैचारिक प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदना समकालीन कविता का आधार है। एम ए रहीम ने कहा कि कविता की सृष्टि आसान नहीं। कविता का जन्म संवेदनशील श्रमशीलता और वैचारिक प्रतिबद्धता से ही होता है। दीपक थवानी ने कहा कि कविता समाज सापेक्ष होती है और इसका गठन रचनाकार की क्षमता पर निर्भर करता है। परिचर्चा के बाद विक्रम कुमार सोनी ने स्वरचित कविता च्उन्हें नहीं है प्रेमज् उर्मिला आचार्य ने च्टहल कदमीज्

खुदेजा ख़ान ने च्रोटी और गुलाब चहिमांशु शेखर झा ने चतिरियाज् कविता का पाठ किया। इन सभी कविताओं को श्रोताओं ने बहुत सराहा। संचालन मदन आचार्य ने और आभार प्रदर्शन जगदीश चंद्र दास ने किया। इस कार्यक्रम में योगेंद्र सिंह राठौर, अमित बिश्वास भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के आयोजन में लाला जगदलपुरी केन्द्रीय पुस्तकालय के नोडल अधिकारी अखिलेश मिश्रा और प्रभारी अधिकारी सूरज निर्मलकर का विशिष्ट सहयोग रहा।

तरनताल और खेल परिसर निर्माण का महापौर ने किया निरीक्षण

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। भिलाई चरोदा महापौर निर्मल कौसरे सिरसा गेट के समीप नये निर्माणाधीन तरनताल (स्वीमिंग पुल) और खेल परिसर का औचक निरीक्षण करने पंहुचे थे। इस दौरान आधिकारियों ने महापौर के निर्माण स्थल पर पंहुचने की सूचना प्राप्त होने पर आनन फानन में जानकारी सहित उक्त निर्माण स्थल पर पंहुच कार्य की प्रगति और अब तक किये गये निर्माण कार्य की जानकारी से मेयर श्री कौसरे को अवगत कराया। यहाँ यह बता दे कि पुराना तहसील कार्यालय भिलाई 3 सिरसा गेट चौक से सटे स्थान पर पूर्व स्वीकृत कार्य अनुसार एक नया तरनताल एवं खेल परिसर का निर्माण कार्य वर्तमान में चल रहा है। जिसकी पूर्णता नही होने पर चरोदा महापौर के द्वारा गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई गयी है साथ ही आगामी 15 जुलाई 2025 तक हर स्थिति में कार्य पूर्ण करने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। भिलाई-चरौदा नगर पालिक निगम के महापौर निर्मल कोसरे ने सभी बिकास कार्यो को समय पर पुरा करने का निर्देश दिया है।

विद्यालय, सुरक्षित समाज विषय पर कार्यशाला

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। नए शिक्षण सत्र के शुरुआत में ही छात्र छात्राओं के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित विद्यालय सुरक्षित समाज विषय पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थान स्कूलों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधियों की कार्यशाला का आयोजन कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर में किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने यातायात के प्रति जागरूक होने और सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवश्यक है कि स्टॉफ टीचर एवं स्टूडेंट्स के लिए हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। स्कूली बसों, वैन की गति सीमा नियंत्रित हो, ज़्यादातर दुर्घटनाएं लापरवाही से होती हैं इसलिए सावधानी ही सुरक्षा है, सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करें, ट्रैफिक्र नियमों की जानकारी छात्रों को नियमित रूप से दी जाए,स्कूली बसों की तकनीकी और यांत्रिक जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए, ड्राइवर और कंडक्टर का चरित्र सत्यापन कराया। बसों और प्राइवेट वैन में सीसी कैमरे अनिवार्य रुप से लगवाया जाए। सुरक्षा के लिए अपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों को नियुक्त ना करें, हर कर्मचारी का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रुप से कराया जाए, हर कर्मचारी स्वयं का अपराधिक रिकॉर्ड ना होने का शपथ पत्र देने बताया गया। नियमित रूप से आयोजित किया जावे, बसों, वैनों की जानकारी, ड्राइवर का नंबर, रूट की सूचना पालकों को दी जाए। सूचना संप्रेषण में पारदर्शिता व तत्परता आवश्यक है। महिला स्टॉफ एवं छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया जाए। इसके लिए स्कूल में महिला नोडल अधिकारी नियुक्त हों, स्कूलों में शिकायत पेटी लगाई जाए। उसकी चाबी महिला पुलिस रक्षा टीम के पास होगी। कक्षा 1 से छात्रों को गुड टच.बैड टच के बारे में जानकारी देना आवश्यक इस हेत प्रशिक्षित महिला शिक्षिकाएं और पुलिस कर्मी समय.समय पर सेशन लें, बच्चों को सिखाया जाए कि असहज महसूस होने पर तुरंत किसी विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। नशा मुक्ति और ड्रग अवेयरनेस के तहत छात्रों में नशे की आदत की रोकथाम के लिए काउंसलिंग कराई जाए। साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के प्रति छात्र.छात्राओं को सतर्क रखें, अजनबी से चैट, फोटो शेयरिंग, गेमिंग में सावधानी बरती जाएए, प्रत्येक स्कूलों में सुरक्षा समिति गठित हो। सुरक्षा संवाद और अवेयरनेस सेशन हर माह आयोजित किया जाए। कार्यशाला में वीरेंद्र ठाकुर एडीएम दुर्ग ने स्कूलों में छात्र छात्राओं की सुरक्षा को रेखांकित किया। कार्यशाला में सुखनंदन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, सुश्री ऋचा मिश्रा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात, पद्मश्री तंवर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईयूसीएडब्ल्यू, अरविंद मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग, श्री सत्य प्रकाश तिवारी नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर विजय यादव थाना प्रभारी सुपेला, उप निरीक्षक संकल्प राय सहित लगभग 400 शासकीय अशासकीय स्कूलों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

विधायक ने किया संविधान चौक का लोकार्पण

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। रिसाली सेक्टर के हॉस्पिटल चौक में छत्तीसगढ़ मातृशक्ति संगठन के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस एवं सविधान चौक लोकार्पण का कार्यक्रम किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र यादव, महापौर शशि सिन्हा, विशेष अतिथि सभापति केशव बंछोर, एमआईसी संजू नेताम, एमआईसी जमुना ठाकुर, एमआईसी सनीर साहू, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र परगनिया उपस्थित हुए। कार्यक्रम में संविधान प्रस्तावना की व्याख्यान की गई। संविधान चौक का लोकार्पण विधायक देवेंद्र यादव के द्वारा किया गया व भारतीय संविधान से समस्त देशवासियों को मिली उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। महापौर शशि सिन्हा ने संविधान चौक के सौंदर्यीकरण की घोषणा एवं वीरांगना रानी दुर्गावती को आत्मसात करने की अपील की। प्रवक्ता सारदा रामटेके ने रानी दुर्गावती के जीवनसंघर्ष पर प्रकाश डाला। दिनेश्वरी भुआर्य ने जनगीत के माध्यम से जननायको को याद किया। राजेन्द्र परगनिया ने स्वागत भाषण किया। मंच संचालन चन्द्रकला तारम व सीमा साहू ने किया। पल्लवी ठाकुर, दीपेश्वरी चनाप , डालिया ढाले, प्रमिला सुधाकर, सविता मेश्राम, मुलेश्वरी कोलियारा, बसंती लता साहू, रामेश्वरी ठाकुर, भावना पुसरिया, कौशिल्या देशलहरा, माधुरी, अहेरवाल मंजू ठाकुर, प्रतिमा दामले, अनीता साहू, लक्ष्मी कुंजाम, लीना ध्रुर्वे, गायत्री ठाकुर, पेमीन बाई, गौतरहीन बाई, सुरजा बाई, केशर बाई, सुनिता बाई, दीक्षा दामले, हीरा मेश्राम, डॉ. सोनिका बोधी, मोनेश बंछोर, चुम्मन देशमुख, राजेन्द्र रजक इत्यादि उपस्थित थे।

प्रादेशिकी का शेष...

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के...

है, जिससे मामले की संवेदनशीलता और भी बढ़ गई है। लोगों के बीच यह चर्चा भी गर्म रहा कि यह आत्महत्या है या हत्या। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और जांच प्रारंभ कर दी है। फिलहाल कालोचन के फांसी लगाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मोबाइल कॉल डिटेल और अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद की गतिविधियों की जांच कर रही है। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई और कारण है।

सांसद-विधायक की खामोशी...

सीधे तौर पर नगरनार इस्पात संयंत्र प्रबंधन को विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि बस्तर के युवाओं को छलने की बजाय उन्हें उनका अधिकार देने प्रबंधन कार्य करे। साक्षात्कार को बस्तर संभाग मुख्यालय में आयोजित करे और आउटसोर्सिंग के माध्यम से बाहरी लोगों को रोजगार देना बंद करे अन्यथा भविष्य में कांग्रेस पार्टी के द्वारा किए जाने वाले भारी विरोध के लिए तैयार रहे।

कवि डॉ. सुरेन्द्र दुबे का दंतेवाड़ा से रहा आत्मीय रिश्ता

- छत्तीसगढ़ी बोली व संस्कृति को दंतेवाड़ा में दिलाया स्नेह
- राज्योत्सव और दंतेश्वरी महोत्सव में सजती थी कविताओं की महफिल
- हंसाते-हंसाते रूलाकर चले गए पद्मश्री सुरेन्द्र दुबे

दंतेवाड़ा, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी संस्कृति को देश दुनिया से परिचित कराने वाले हास्य के सुप्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे के निधन पर दंतेवाड़ा के भी साहित्य, संस्कृति और कलाप्रेमियों में शोक की लहर है। स्व. डॉ. दुबे दंतेवाड़ा में भी कई बार कवि सम्मेलन के जरिये लोगों से मुखातिब हुए और अपनी रचनाओं से हंसाया तथा गंभीर विषयों पर चिंतन के लिए बाध्य भी किया। डॉ. सुरेन्द्र दुबे, शारदीय नवरात्र के दंतेश्वरी महोत्सव में कई बार शामिल हुए और कवि सम्मेलन में कविता पाठ किया। इसके साथ ही राज्योत्सव में भी उनकी सशक्त उपस्थिति रही। इसके पूर्व वे एनएमडीसी के राजभाषा मास में भी बचेली पहुंचे थे। अमूमन बस्तर और खासकर दक्षिण बस्तर में यह बात कही जाती रही कि यहां छत्तीसगढ़ी बोली और संस्कृति से संबंधित आयोजन को लोग पसंद नहीं करेंगे, क्योंकि हल्बी-गोंडी बोली बाहुल्य इस क्षेत्र में छत्तीसगढ़ी के प्रति वैसा स्नेह नहीं दिखता, जैसा प्रदेश के अन्य अंचलों में पाया जाता है। डॉ. सुरेन्द्र दुबे ने दक्षिण बस्तर के संदर्भ में इस मिथक को तोड़ा और उनकी कविताओं के जरिये यहां भी छत्तीसगढ़ी को अंचल वासियों ने भरपूर स्नेह दिया। कवि सम्मेलन के जिस महफिल में डॉ. सुरेन्द्र दुबे होते हैं वहां श्रोता शुरू से आखिर तक उन्हें सुनने मौजूद रहते। कई बार तो ऐसा भी हुआ कि कवि सम्मेलन के आखिरी पड़ाव में जब श्रोता काफी कम रहते थे तो डॉ. दुबे उनके लिए भी उसी त्वरा और ऊर्जा से अपनी रचना प्रस्तुत करते और उनकी सराहना भी करते। दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी महोत्सव में कई कवि सम्मेलनों में ऐसा दृश्य देखने को मिला। राज्योत्सव पर जब डॉ. दुबे दंतेवाड़ा पहुंचे थे तो अपनी कई चिरपरिचित रचनाओं का पाठ किया था। इसके अलावा दंतेश्वरी महोत्सव में मैं बस्तर बोल रहा हूं, शीर्षक की अपनी नई रचना का पहली बार पाठ किया और इसमें बस्तर के नक्सलवाद पर सारगर्भित प्रस्तुति थी। यहां के युवाओं के लिए संदेश भी था। डॉ. दुबे के निधन की खबर जैसे ही सोशल मीडिया में वायरल हुई, लोग यही समझ रहे थे कि यह खबर भी अफवाह होगी और इस पर भी डॉ. सुरेन्द्र दुबे कोई हास्य रचना बनाकर लोगों को सुनायेंगे, क्योंकि इससे पहले भी राजस्थान के कवि सुरेन्द्र दुबे की मौत की खबर को उन्होंने अपनी रचना का आधार बनाया और एक रचना लिखी थी कि ठहाको का कोकड़ा, हास्य का परिंदा जिंदा है, टाईगर अभी जिंदा है। लेकिन इस बार डॉ. दुबे सचमुच में लोगों को हंसाते हुए रूलाकर चले गए। उनके निधन पर दंतेवाड़ा क्षेत्र के साहित्य, कला, संस्कृति और रंग कर्म से जुड़े लोगों ने उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

साई मंदिर रेलवे कालोनी का 15 वाँ वार्षिकोत्सव आज

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। श्री शिर्डी साई बाबा मंदिर, रेल्वे कालोनी जगदलपुर में सोमवार 30 जून को 15 वाँ वार्षिकोत्सव मनाया जाएगा। प्रात: आरती 6.00 बजे, श्री गणेश पूजा 8 बजे, पंचामृत के साथ महा अभिषेक 9 बजे, सुबह 10 बजे से 11.30 तक पूजा एवं अभिषेक दोपहर 12 बजे मध्यान आरती इसके बाद महाभंडारा का आयोजन भक्तों की ओर से किया गया है।

'जागृति', 'डॉन', 'संवाद', 'आवाज उठाओ के संबंध में

नालसा के अभियान के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण

कोण्डागांव 29 जून (देशबन्धु)। 28 जून 2025 को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित योजना के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव श्रीमती किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला कोण्डागांव का 'नालसा द्वारा संचालित जिला इकाई जागृति, डान, संवाद, आवाज उठाओ,' में गठित समिति के सदस्यों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला/ प्रशिक्षण जिला परिवार न्यायालय परिसर पर स्थित मध्यस्थता केन्द्र में रखा गया।

कार्यशाला/प्रशिक्षण में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोण्डागांव विक्रम प्रताप चन्द्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोण्डागांव श्रीमती रेशमा बैरागी पटेल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोण्डागांव शिवप्रकाश त्रिपाठी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के सचिव गायत्री साय के द्वारा उपस्थित नालसा द्वारा संचालित अभियान जिला इकाई समिति के साथ बैठक आयोजन हुआ। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नालसा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना उनके क्रियान्वयन में उनकी भूमिका को स्पष्ट करना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विधिक सहायता पहुंचाने हेतु उन्हें सक्षम बनाना तथा नालसा द्वारा संचालित जागृति, डान, संवाद, आवाज उठाओ के संबंध में ग्रामीण स्तरों एवं अंदरूनी स्तरों में प्रचार-प्रसार कर उनकी सहायता करना रहा।

इस प्रशिक्षण में सचिव गायत्री साय ने बताया कि ''जागृति'' इकाई का मुख्य कार्य जमीनी स्तर पर निःशुल्क विधिक सहायता का प्रचार-प्रसार करना एवं शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान करना कमजोर आदिवासियों और विमुक्त घुमंतू जनजातियों के लिए न्याय तक पहुंच को मजबूत कर प्रचार-प्रसार बेनर पोस्टर, लाउण्डस्पीकर, ग्राम सभा, स्कूल एवं अन्य माध्यम से किया जाना है। तथा ''डॉन'' का मुख्य कार्य नशीली दवाओं के दुष्परिणामों के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना तथा समाज और लोगों को नशा मुक्त करने के संबंध में जानकारी देना। इसके साथ ही ''संवाद'' इकाई का मुख्य कार्य जानजाति समुदाय के क्षेत्र में इस वर्ग के बच्चों को पढ़ाई लिखाई हेतु शिक्षा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं एवं सामाजिक योजनाओं के संबंध में अधिक-अधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करना। ''आवाज उठाओ'' इकाई का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए कानूनी जागरूकता फैलाना है। इन सभी योजनाओं का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कर सहायता प्रदान करने हेतु गठित समिति के सदस्यों को निर्देशित किया गया।

प्रशिक्षण/कार्याशाला में नगर पालिका परिषद कोण्डागांव, पुलिस विभाग, जिला पंचायत विभाग, जिला बाल संरक्षण विभाग, महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट, हेल्थ डिपार्टमेंट से सुनिता सरकार एवं अन्य विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी सहित पैनल अधिवक्ता एवं पैरालीगल वालिंटियर्स उपस्थित रहे।

विधायक और जिलाध्यक्ष ने सुनी मन की बात

- **मोदी के विचार सामाजिक बदलाव का माध्यम**
- **एक पौधा मां के नाम, अभियान में पौध रोपण**

दंतेवाड़ा, 29 जून (देशबन्धु)। भाजपा बचेली मण्डल बूथ क्रमांक 137 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का 123 वां संस्करण का प्रसारण भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता की उपस्थिति में स्थानीय भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ताओ के द्वारा देखा गया।

इसके साथ ही विधायक चैतराम अटामी ने दंतेवाड़ा मंडल के शक्ति केंद्र चितालुर के बूथ क्रमांक 153 में उपस्थित होकर भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं के साथ यह प्रसारण देखा। कार्यक्रम के पश्चात एक पेड़ माँ के नाम के तहत विधायक श्री अटामी ने कार्यकर्ताओं के साथ वृक्षारोपण भी किया। श्री अटामी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम न केवल एक संवाद का माध्यम है, बल्कि यह हमारे देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक चेतना को जागृत करने का एक सशक्त प्रयास भी है।भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मन की बात हमें प्रेरणा देती है कि हम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएँ। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के रूप में, हमें इन विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है और समाज में जागरूकता फैलानी है। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

प्रधान मंत्री सूर्य घर योजना से पुष्पलता को मिल रही मुफ्त बिजली

__कोण्डागांव__ 29 जून (देशबन्धु)। केंद्र सरकार की प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने ग्रामीण और शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को उनके घरों की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे न केवल बिजली बिल शून्य हो रहा है, बल्कि अतिरिक्त बिजली से आमदनी भी हो रही है।

बिजली बिल शून्य, खर्च में राहत और अब होगी अतिरिक्त आमदनी

ऐसे ही एक हितग्राही हैं कोंडागांव जिले के आड़काछेपारा निवासी अरुण कुमार विश्वास, जिन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती पुष्पलता विश्वास के नाम से पीएम सूर्य घर पोर्टल पर आवेदन कर 3 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवाया है। श्री विश्वास ने बताया कि पहले उनका मासिक बिजली बिल लगभग 2,000 रुपए आता था, लेकिन अब यह पूरी तरह शून्य हो चुका है। इससे बिजली की कटौती होने पर भी विद्युत सप्लाई बाधित नहीं होती है, जिससे उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है। सोलर प्लांट से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली ग्रिड में सप्लाई होकर अतिरिक्त आय का स्त्रोत भी मिलेगा। श्री विश्वास ने बताया कि इससे उन्हें आर्थिक राहत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रहा है। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा घर के छतों में सौर पैनल स्थापना के लिए हितग्राहियों को प्लांट की क्षमता के आधार पर सब्सिडी दी जा रही है। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार 01 किलोवॉट के लिए लगभग 65 हजार रूपए की लागत पर केंद्र सरकार द्वारा 30 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाएगी, 02 किलोवाट के लिए 01 लाख 30 हजार रूपए की लागत पर 60 हजार रूपए की सब्सिडी और 03 किलोवाट से अधिक की सोलर संयंत्र के लिए 01 लाख 95 हजार की लागत पर 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार की सब्सिडी दी जाएगी। इसमें हितग्राही का अंशदान 10 प्रतिशत रहेगा और शेष राशि के लिए बैंकों द्वारा 07 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराई जाएगी। पीएम सूर्यघर योजना का लाभ उठाने के लिए जिले के विद्युत उपभोक्ता वेब पोर्टल या पीएम सूर्य घर मोबाइल एप में पंजीयन करा सकते हैं।

वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन हेतु दिए गए निर्देश

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर केशकाल पुलिस ने किया स्कूली बसों का वेरिफिकेशन

कोण्डागांव 29 जून (देशबन्धु)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर केशकाल पुलिस द्वारा स्कूली बसों का वेरिफिकेशन किया गया और स्कूल प्रबंधन को बसों के संचालन संबंधी मानकों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन हेतु निर्देश दिए गए। नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने से स्कूली बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर जिला कोण्डागाँव पुलिस अधीक्षक वाय.अक्षय कुमार के दिशानिर्देश एवं अति.पु.अधी.कौशलेंद्र देव पटेल, पु.अनु.अधि.अरूण नेताम के मार्गदर्शन में केशकाल के गिरीदीप स्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में संचालित स्कूल बसों का वेरिफिकेशन किया गया। थाना प्रभारी केशकाल ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गिरीदीप स्कूल केशकाल एवं सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल केशकाल में संचालित स्कूल बसों का वेरिफिकेशन किया गया। गिरीदीप स्कूल केशकाल में संचालित 7 बसों व सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल केशकाल में संचालित 3 बसों के समस्त दस्तावेजों परमिट, बीमा, रजिस्टेशन आदि का निरीक्षण किया गया। स्कूल प्रबंधन को समस्त स्कूल बसों सीसीटीवी कैमरे, फर्स्ट एड बॉक्स, जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम आदि लगाने एवं उनका नियमित जाँच करने संबंधी गया एवं समस्त वाहन चालकों को नियमित वर्दी पहनने व यातायात नियमों के पालन करने संबंधी निर्देश दिए गए। स्कूल प्रबंधन को स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने नियमित बसों का नियमित निरीक्षण करने व वाहन चालकों का काउंसिलिंग करने निर्देश दिया गया।

प्राशा सल्फीपदर (लंजोड़ा) में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव एवं न्योता भोज

__फरसगांव__ 29 जून (देशबन्धु)। 16 जून से नया शिक्षा सत्र 2025 -26 का प्रारंभ हो गया है। शाला के प्रधान अध्यापक देव कुमार जगत के नेतृत्व में प्राथमिक शाला सल्फीपदर लंजोड़ा में शाला प्रवेशोत्सव एवं न्योता भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। बच्चों द्वारा शारदेय गीत एवं मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। उपस्थित अतिथियों द्वारा नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया, साथ ही निःशुल्क गणवेश वितरण किया गया। इस अवसर पर शाला में नव पदस्थ शिक्षिका सुमन वासनीकर द्वारा बच्चों, शिक्षकों, पालकों एवं अतिथियों को न्योता भोजन कराया गया। इस अवसर पर सुनील नेताम (सरपंच), विजय मरकाम जनपद सदस्य, सुखराम नेताम शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष एवं उपसरपंच, सुर्जन कोर्राम सचिव, मीना नेताम पंच, शाला के प्रधान अध्यापक देव कुमार जगत, शिक्षिका शांति सेठ, सुमन वासनीकर एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मन की बात कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता हुए शामिल

बचेली 29 जून (देशबन्धु)। वार्ड नंबर 16 के बूथ क्रमांक 137 में मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए वार्ड वासियों के साथ दंतेवाड़ा जिला भाजपा अध्यक्ष श्री संतोष गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविंद कुंजाम, नगरपालिका अध्यक्ष श्री राजू जयसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री अमलेंदु चक्रवर्ती, महामंत्री सुदीप्तो शेखर मंडल वार्ड पार्षद धन सिंह नाग सहित पार्टी के कार्यकर्ता एंव पदाधिकारी उपस्थित थे।मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को योग दिवस, की भव्यता वन अर्थ,वन हेल्थ के नारे के साथ देश में आपातकाल,की विभत्स कारी परिस्थितियों पर प्रकाश डाला तथा इस माह बीते पर्यावरण दिवस सहित अंतरीक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के साथ हुई अपनी बातचीत का विवरण जनता के साथ साझा किया। इसके बाद वार्ड वासियों के साथ एक पेड़ मां नाम पर पौधारोपण किया गया।

सुलो ने मुर्गी पालन को व्यवसाय के रूप में अपना कर की आर्थिक उन्नति

जगदलपुर, 29 जून (देशबन्धु)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक माध्यम बना है। जगदलपुर विकासखंड के ग्राम बाबूसेमरा निवासी सुलो नाग ने एनआरएलएम बिहान के तहत मां वैष्णव देवी समूह से मुर्गी पालन से जुड़े है और देशी ब्रीड की 200 मुर्गी का पालन कर रहे है। सुलो ने मुर्गी पालन को व्यवसाय के रूप में अपना कर आर्थिक उन्नति की है। वे बताती है कि तीन महीने से मुर्गी को प्रति किलो 350 से 400 रुपए की दर से बेची है जिससे 65 हजार रु की आमदनी हुई है जिसमें से खर्चा काट के 35 हजार रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाई है। सुलो नाग ने अपनी कमाई की राशि से मुर्गी शेड, वैक्सीन और चारा की व्यवस्था भी किए है। सुलो नाग की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं भी अपने आजीविका को बेहतर बनाने के लिए नए अवसरों का लाभ उठा सकती हैं। सुलो ने अपने घर में पूर्व के मुर्गी और बतख पालन का अनुभव के आधार पर इस क्षेत्र में अपनी रुचि को बढ़ाया और स्व सहायता समूह के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर अपने कौशल को और बेहतर किया। सुलो ने कहा कि महिलाएं अपने घर में रहकर भी अपने आजीविका को बेहतर बना सकती हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार कर सम्मानजनक जीवन-यापन कर सकती हैं। विदित हो कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), जिसे अब दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के रूप में भी जाना जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और आजीविका की चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करना और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।

बैठक

प्रदेश भर में सक्रिय युवाओं को समाज से जोड़ने लिया गया निर्णय

मरार पटेल समाज युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी बैठक

कोण्डागांव 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रदेश मरार पटेल समाज प्रदेश युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी बैठक रायपुर स्थित पटेल विद्या मंदिर प्रधान कार्यालय मे सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रितेश पटेल ने की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जीतेन्द्र पटेल एवं प्रदेश महासचिव प्रकाश पटेल ने कार्यक्रम को सफल बनाने सम्पूर्ण प्रदेश से युवाओं को बैठक में सम्मिलित कराने में अहम भूमिका निभाया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज की ईष्टदेवी मां भगवती शाकंभरी एवं प्रभु श्री राम चंद्र जी की पूजा अर्चना कर शुरु हुई, जिसमें प्रदेश भर से उपस्थित युवा पदाधिकारियों की मौजूदगी में संगठन विस्तार बैंक अकाउंट खोलने जिला कार्यकारिणी के गठन के विषय में चर्चा किया गया, जिसमें तय किया गया कि निर्धारित समय अनुसार युवाओं का कार्यशाला आयोजित किया जायेगा, जिसमें युवाओं को समाज से जोड़ने की दिशा में काम करने सामाजिक विचारधारा से युवाओं को जोड़ने की दिशा में कैसे कार्य करें, इसकी जानकारी साझा की जाएगी। बता दें कि बैठक में पूरे प्रदेश भर से विभिन्न क्षेत्र, जिला, राज्यों से बड़ी संख्या में समाज के युवा साथी शामिल हुए एवं बैठक चर्चा में जो युवा आधुनिकता के साथ समाज की बुराइयों की दिशा में जा रहें हैं, उन्हें कैसे मुख्यधारा से जोड़कर रखें समाजिक विचारधारा को कैसे जन जन तक पहुंचाएँ, इस विषय पर गंभीरता से चर्चा किया गया। जहां सभी पदाधिकारियों ने बारी-बारी से अपनी बात रखी तथा समाज के विकास में तन मन धन से सहयोग करने की बात कही गयी, बरसात में युवाओं द्वारा पौधारोपण करने का निर्णय लिया गया एवं ठण्ड में जरूरतमंदों को गर्म कपड़े बाँटने का निर्णय लिया गया। साथ ही आगामी बैठक क्रमिक रूप से बस्तर एवं सारंगढ़ में प्रस्तावित है। कार्यक्रम के दौरान मौजूद सक्रिय युवाओं को नवीन जिम्मेदारी देते हुए भूपेंद्र पटेल उपाध्यक्ष, मनीष पटेल एवं डोमन पटेल महामंत्री, हेमंत पटेल सचिव, नरेश पटेल, देवेंद्र पटेल, शेष नारायण पटेल, मनीष पटेल को प्रचार सचिव, लीलाधर पटेल कार्यकारिणी सदस्य, सोनाराम पटेल, कौशल पटेल को संगठन सचिव राजू पटेल को मीडिया प्रभारी तथा परमेश्वर पटेल को कार्यालय प्रभारी के पद पर नियुक्ति करते हुए कार्यकारिणी का विस्तार किया गया तथा अध्यक्ष रितेश पटेल कार्यकारी अध्यक्ष जीतेन्द्र पटेल ने तिलक चंदन लगाकर बधाई प्रेषित किया। बैठक में रितेश पटेल, जितेंद्र पटेल, प्रकाश पटेल, गजानंद पटेल, हरीश पटेल, श्याम पटेल, दुर्गा प्रसाद पटेल, योगेश पटेल, भूपेंद्र पटेल, नरेन्द्र पटेल, पंचराम पटेल, भगत पटेल, पुरुषोत्तम पटेल, हेम कुमार पटेल, सनत पटेल, विनोद पटेल, भुनेश्वर पटेल, डोमन पटेल, मनीष पटेल, नरेश पटेल, सोनाराम पटेल, कौशल पटेल, नारायण पटेल, हितेंद्र पटेल सहित प्रदेश पदाधिकारियों के साथ सक्रिय युवा साथी मौजूद रहे।

नारी सशक्तिकरण का दिया संदेश

__कोण्डागांव__ 29 जून (देशबन्धु)। 28 जून को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोंडागांव में प्राचार्य श्रीमती सी.के.कोर्राम के मार्गदर्शन में नारी सशक्तिकरण पर कार्यक्रम आयोजित किया जाकर समाज में महिलाओं के साथ हो रहे घटना दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स से रंगोली व कविता बनाया गया। इस दौरान प्राचार्य श्रीमती सी.के.कोर्राम द्वारा समाज व शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समानता के साथ एवं बेहतर जीवन जीने के लिए आत्मनिर्भर होने का संदेश दिया गया। इस विषय पर विद्यालय के बी जान (व्याख्याता) के द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षिकाएं श्रीमती अंजू मरकाम, श्रीमती सरोज मंडावी, श्रीमती गौरा चौहान, श्रीमती कुसुम तिर्की, श्रीमती चंद्रकला दीवान, एनसीसी अधिकारी एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और उन्होंने भी च्नारी सशक्तिकरणज्ज विशय पर अपने-अपने विचार प्रकट किए।

संपादकीय

बारिश में सांपों का खतरा

वर्षाकाल के आते ही पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर ग्रामीण एवं आदिवासी इलाकों में सर्प दंश का खतरा बढ़ जाता है। प्रदेश वनों तथा खेतों से आच्छादित होने से यहां के ज्यादातर क्षेत्रों में सर्पों की बहुतायत है। बस्तर, सरगुजा, कोरबा आदि में कई तरह के सांप पाये जाते हैं। इनमें से कई ज़हरीली प्रजातियां हैं। जिन भागों का शहरीकरण हो चुका है, वहां अब वे धीरे-धीरे निकलने बन्द हो गये हैं। अब वे ज्यादातर ग्रामीण या सूने इलाकों में ही मिलते हैं परन्तु गाहे-बगाहे शहरी क्षेत्रों में भी मिल जाते हैं। वे नालियों आदि के जरिये आ जाते हैं। इनसे सावधान तो रहा ही जाये, उन्हें न ही छेड़ा जाये तो बेहतर होता है।

सर्प भी इन्सानों से दूरी बनाये रखना पसंद करते हैं। उन्हें मारने की भी ज़रूरत नहीं होती। अब पर्यावरण प्रेमी उन्हें बचाकर उनके प्राकृतिक आवासों अर्थात जंगलों में छोड़ आते हैं। पुलिस के सपर्क क्रमांक 112 पर डायल कर रेस्क्यू टीम को बुलाया जा सकता है। यदि सांप ने काटा हो तो तुरन्त चिकित्सक के पास जाना चाहिये। झाड़-फूंक के चक्कर में कतई नहीं पड़ना चाहिये।

आरंग के देवरी गांव के एक नागरिक के घर शनिवार को कोबरा सांप निकला था। जब रेस्क्यू टीम आई तो एक कमरे में टाइल्स के नीचे से लगभग 35 नाग निकले। सभी को वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। यह अच्छा हुआ कि कोई सर्प दंश का शिकार नहीं हुआ। विषैले सांपों के डंसने से हर साल कई मौतें होती हैं। पिछले साल जुलाई में अंबिकापुर के दरिमा थाना के तहत तुनतुरी गांव में जमीन पर सोये हुए एक 22 वर्षीय युवक को सांप ने काट लिया था जिसमें उसकी जान चली गयी थी। उसके पूर्व बलरामपुर जिले के बलंगी थानांतर्गत जोगयानी गांव में 7 साल की एक बच्ची भी सर्प दंश से मारी गयी। इस प्रकार की कई मौतें राज्य में हर वर्ष आम हैं।

मानसून के दौरान उनके प्राकृतिक आवासों में पानी भर जाता है। इसके चलते वे बाहर निकलते हैं। कई बार राह चलते किसी व्यक्ति का पैर धोखे से इन पर पड़ता है तभी वे अपने बचाव के लिये उसे डंसते हैं। सर्पों के बाहर निकलने के इस काल में सावधान रहें। उन स्थानों पर बारिशों में, विशेषत: रातों में बिलकुल नहीं जाना चाहिये जहां ये हो सकते हैं। पेड़ों व झाड़ियों के नीचे, लकड़ियां, बोरे आदि के ढेर, अंधेरे व नमी वाले स्थानों में वे रहते हैं। ऐसी जगहों पर जाने के पहले प्रकाश किया जाये। बिजली न हो तो टॉर्च का इस्तेमाल किया जाना चाहिये। गांव-जंगलों तथा सूने रास्तों में सावधान रहें। यदि सर्प दंश का शिकार हो ही जायें तो झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़कर यथाशीघ्र डॉक्टरों से उपचार करायें। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व अस्पतालों में एंटी वेनम दवाएं उपलब्ध हैं।

उल्टा पुल्टा

काफी दिनों बाद चिंटू पार्क में घूमने गया,
घर लौटकर उसने अपनी पत्नी को बताया-
जानती हो लोग मुझे भगवान मानने लगे हैं।
पत्नी- ये तुमने कैसे जाना।
चिंटू- जब मैं पार्क में गया था, वहां पर औरतें मुझे देख कर बोली, हे भगवान तू फिर आ गया।

एनएचएम कर्मी जुलाई में करेंगे बेमियादी हड़ताल

मानसून सत्र के दौरान बड़े प्रदर्शन की तैयारी

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संघ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहा है। इसी कड़ी में 10 जुलाई से कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। इसके लिए कर्मचारियों ने समर्थन पत्र भी अधिकारियों को सौंपा है।

एन एच एम कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने बताया कि हमारे प्रतिनिधि मंडल ने अप्रैल में स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया एवं आयुक्त सह मिशन संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला से मुलाकात कर नियमितीकरण, ग्रेड पे, मेडिकल अवकाश, स्थानांतरण नीति जैसी महत्वपूर्ण मांगों को रखा था। उस समय अधिकारियों ने एक महीने के भीतर मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

मांग पूरी ना होने से नाराज

संविदा स्वास्थ्य कर्मी विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान बड़े आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। प्रदेश के ब्लॉक से लेकर जिला स्तर के कर्मचारी आंदोलन में भाग लेने की सहमति दे रहे हैं और अपने जिलाध्यक्षों के माध्यम से प्रांतीय अध्यक्ष को अनिश्चितकालीन आंदोलन की अनुशंसा कर रहे हैं। हेमंत सिन्हा के मुताबिक शासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई तो 10 जुलाई से अनिश्चित कालीन हड़ताल लगभग तय है, जिसके लिए जिलों में बैठकें जारी हैं।संघ के प्रदेश प्रवक्ता पूरन दास ने बताया कि, शासन-प्रशासन द्वारा समय पर मांगें पूरी नहीं किए जाने से कर्मियों में भारी निराशा एवं आक्रोश है। मानसून सत्र के दौरान आंदोलन की रूपरेखा बनाई जा रही है।एनएचएम के संविदा कर्मचारी पिछले 20 वर्षों से अत्यंत कम वेतन, बिना ग्रेड पे, बिना मेडिकल अवकाश जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भी उपस्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में सेवा दे रहे हैं। इन्हीं कर्मियों की मेहनत के बल पर छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं में कई राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि बारिश के इस मौसम में कर्मचारियों के आंदोलन में चले जाने से डायरिया, उल्टी, जलजनित रोगों एवं सांप-बिच्छू काटने जैसे मौसमी बीमारियों के बढ़ते मामलों में आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए शासन को पूरी ज़िम्मेदारी लेनी होगी। संघ सरकार से मांग करता है कि कर्मचारी हितों को ध्यान में रखते हुए उनकी मांगों पर तत्काल निर्णय लिया जाए, ताकि जनस्वास्थ्य व्यवस्था पर प्रतिकूल असर न पड़े।

छात्रों के मुद्दों को लेकर विस का घेराव करेगी एनएसयूआई

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में 7 जुलाई की सभा में भीड़ जुटाने सौंपी गई जिम्मेदारी

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) की छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक राजीव भवन में हुई। इस बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, सभी जिला अध्यक्ष एवं संगठन के अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने बताया की बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करना तथा आगामी आंदोलनों की रूपरेखा तैयार करना रहा। विशेष रूप से 7 जुलाई को आयोजित होने वाले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के छत्तीसगढ़ आगमन एवं कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई।

एनएसयूआई ने निर्णय लिया कि प्रदेश भर के छात्रों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक जिला अध्यक्ष और पदाधिकारी को ज़िम्मेदारी दी गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक छात्रों को इस कार्यक्रम में शामिल करवाएं।

इसके साथ ही, बैठक में छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर आने वाले समय में राज्यव्यापी आंदोलनों की रूपरेखा भी तय की गई। शिक्षा, बेरोजगारी, छात्रवृत्ति,युक्तियुक्तकरण , छात्र संघ चुनावों की बहाली, और शिक्षकों की भर्ती जैसे विषयों को लेकर चिंता जताई गई।

महाविद्यालयीन समस्याओं को लेकर एनएसयूआई एक सशक्त जनआंदोलन चलाएगी, जिसकी विस्तृत रणनीति जल्द ही घोषित की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आगामी 7 जुलाई को प्रस्तावित कांग्रेस के कार्यक्रम को लेकर बड़ी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को सफल बनाने में एनएसयू आई की भूमिका सबसे अहम होगी, जो कांग्रेस पार्टी के लिए इंजन की तरह काम करती है।

दीपक बैज ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई है और संगठन के सभी मोर्चे विशेषकर एनएसयू आई इसमें प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस विपक्ष की एक मज़बूत भूमिका निभाएगी और प्रदेश की विफल सरकार को हर मोर्चे पर घेरा जाएगा।

एआईसीसी सचिव देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण के नाम पर स्कूलों को बंद करना, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार की अनदेखी करना और अंतिम व्यक्ति तक विकास नहीं पहुंचा पाने जैसी विफलताओं के खिलाफ एनएसयूआई मजबूती से आवाज उठाएंगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनएसयूआई आने वाले समय में जमीनी मुद्दों पर लड़ाई लड़ेंगी और जन-आंदोलनों के ज़रिए सरकार की नीतियों को बेनकाब करेंगी।

बैठक में दीपक बैज, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, एजाज ढेबर, पंकज शर्मा, संजीव शुक्ला, दीपक मिश्रा, पंकज मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ नेताके अलावा एनएसयूआई के अमित शर्मा, आदित्य बीसेन, संकल्प मिश्रा समेत पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक से प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का मोबाइल चोरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक से दीपक बैज का मोबाइल चोरी हो गया है। जानकारी के मुताबिक श्री बैज बैठक के दौरान मीडिया से बातचीत करने मीटिंग हॉल से बाहर आए थे। इसी बीच कार्यकर्ता के रूप में किसी चोर ने बैज का आई फोन 15 श्चह्र्श चोरी कर ले गया। दीपक बैज के मोबाइल गायब होने की सूचना मिलते ही प्रदेश कार्यालय में हड़कंप मच गया। सभी कार्यकर्ता उनका मोबाइल खोजने में जुट गए। फिलहाल खम्हारडीह थाना में मोबाइल गुम होने की सूचना दी गई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा मोबाइल फ़ोन गायब हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकाजुर्न खड़गे के दौरे की तैयारी चल रही थी। एनएसयूआई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई थी। इसी बीच मीडिया को बाइट देने बाहर आया हुआ था। अंदर जाने पर मोबाइल फ़ोन नहीं मिला। मेरा मोबाइल हो सकता है, मुझसे कहीं छूट गया होगा, इतना मुझे ध्यान नहीं है हमने मोबाइल को बंद करने की सूचना दे दी है। मेरे मोबाइल में गाँव से लेकर दिल्ली तक के कांटेक्ट थे।सिर्फ़ इसी की चिंता है। मेरे कांटेक्ट नए सिरे से जोड़ने पड़ेंगे, और मेरे लोकसभा चुनाव के वक्त की कुछ तस्वीरे है इससे ज़्यादा कुछ ख़ास मेरे मोबाइल पर नहीं था।

राजीव भवन की सुरक्षा के सवाल पर कहा श्री बैज ने कहा पूरा प्रदेश सुरक्षित नहीं है, तो राजीव भवन कैसे सुरक्षित रह सकता है। हालांकि हमने सूचना दे दी है हमे अपने कार्यकर्ताओं पर पूरे भरोसा है।

मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने की मुलाकात

नक्सल क्षेत्रों में 159 आंगनबाड़ी केंद्र, 70 लाख महिलाओं को 10,431 करोड़ रुपए, सशक्तिकरण की नई मिसाल

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने श्रीमती ठाकुर के साथ प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के संकल्प के तहत विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित बीजापुर, सुकमा, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों में नियद नेल्लानार योजना के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 159 आंगनबाड़ी केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह पहल उन दुर्गम क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को सीधे अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने यह भी अवगत कराया कि महतारी वंदन योजना अंतर्गत मार्च 2024 से जून 2025 की अवधि में 70 लाख से अधिक महिलाओं को ?10,431.30 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। इससे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत आधार मिला है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती ठाकुर को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा उपस्थित थीं।

छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का बनते हैं आधार : अरुण साव

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज रायपुर के भनपुरी स्थित पाटीदार समाज भवन में स्थानीय लोगों और युवाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 123वीं कड़ी का प्रसारण सुना। प्रधानमंत्री ने आज की %मन की बात% में देशवासियों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता, देश-विदेश में बने कीर्तिमानों, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की हत्या के काले अध्याय जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। विधायक मोतीलाल साहू ने भी पाटीदार समाज भवन में %मन की बात% का प्रसारण सुना।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने %मन की बात% सुनने के बाद कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है। यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएं तो समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत को ट्रेकोमा मुक्त देश घोषित करने और देश की 64 प्रतिशत आबादी को सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने संबंधी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का उल्लेख किया है। ये उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए उठाए गए ठोस कदमों का प्रमाण है।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस और प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए महिला स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हो रहे नवाचारों के बारे में भी बताया है। रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंदकुमार साहू, रायपुर नगर निगम के पार्षदगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में पाटीदार समाज भवन में मन की बात सुनने के लिए मौजूद थे।

माना नपं में लापरवाही का नतीजा

लाखों के स्वच्छता वाहन और मशीनें बनी कबाड़

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। माना नगर पंचायत में स्वच्छता मिशन के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर खरीदे गए वाहन और मशीनें अब बेकार पड़ी हैं। जिन संसाधनों का उद्देश्य नगर को साफ-सुथरा बनाना था, वे आज स्क्रूसेंटर में जंग खा रहे हैं। इस हालात के पीछे सबसे बड़ी वजह है— रखरखाव की कमी, कर्मचारियों की अनुपस्थिति और अधिकारियों की लापरवाही।

सूत्रों के अनुसार, सीवर सेक्शन मशीन, कचरा वाहन, ई-रिक्शा, ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी जैसी मंहगी मशीनों की खरीदी के बाद से ही इनका समुचित उपयोग नहीं हो पाया। नगर पंचायत ने इन उपकरणों की खरीदी स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए की थी, लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई सुनियोजित योजना नहीं बनाई गई। न ही इन वाहनों को संचालित करने के लिए पर्याप्त चालक और तकनीकी कर्मी नियुक्त किए गए।

माना नगर पंचायत स्वच्छता उपकरण की यह दुर्दशा दर्शाती है कि संसाधन होने के बावजूद, अगर प्रशासनिक इच्छाशक्ति और निगरानी का अभाव हो, तो योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि इन महंगे संसाधनों की स्थिति की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए और जल्द से जल्द इन्हें दुरुस्त कर नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए। अन्यथा यह सारा निवेश केवल कागजों की खानापूरी बनकर रह जाएगा।

युवा राष्ट्र की ऊर्जा, जो सिर्फ सपना नहीं देखते साकार भी करते हैं : बृजमोहन

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। भारत के भविष्य को गढ़ने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, युवा वो होते हैं जिनके भीतर आग होती है कुछ कर दिखाने की, जो चुनौतियों से डरते नहीं, उनका सामना करते हैं। जो सिर्फ अपने लिए नहीं, देश के लिए भी सोचते हैं।

सांसद अग्रवाल रविवार को 'यंग इंडियंस पार्लियामेंट 2025' के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यह आयोजन यंग इंडियंस एवं कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के तत्वावधान में भारत राइजिंग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर से आए 100 से अधिक ऊर्जावान विद्यार्थियों ने संसद की कार्यप्रणाली को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में सांसद अग्रवाल ने कहा कि, युवा सिर्फ अपने भविष्य के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी भागीदार बनते हैं। उनके इरादे मजबूत, सोच सकारात्मक और उद्देश्य समाज सेवा होता है। उन्होंने आगे कहा कि, च्पार्लियामेंट केवल एक इमारत नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मंदिर है जहाँ सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका अहम होती है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझावों के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूती देना भी होता है। इस आयोजन में रायपुर की महापौर मीनल चौबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा, इस प्रकार के आयोजन बच्चों में जनभागीदारी और ज़िम्मेदारी का बोध कराते हैं, जिससे आने वाले समय में सशक्त नेतृत्व तैयार होता है।

बिलासपुर-अंबिकापुर फ्लाइट बंद

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। फ्लाई बिग कंपनी की बिलासपुर-अंबिकापुर हवाई सेवा अब बंद कर दी गई है। पहले सप्ताह में छह दिन संचालित होने वाली यह फ्लाइट यात्रियों की कमी के कारण केवल तीन दिन चलाई जा रही थी। अब कंपनी ने मानसून के दौरान विजिबिलिटी यानी दृश्यता की कमी का हवाला देते हुए सेवा को फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया है। टिकट खरीदने वाली साइट भी बंद है। इस फ्लाइट का किराया मात्र 1048 रुपए निर्धारित था, फिर भी यात्रियों की संख्या बेहद कम रही, जिससे कंपनी को यह निर्णय लेना पड़ा। कंपनी की वेबसाइट भी बंद कर दी गई है और अब टिकटों की बिक्री नहीं हो रही है। फ्लाइट के बंद होने से बिलासपुर और अंबिकापुर के बीच हवाई सफर करने वाले यात्रियों को अब भारी निराशा का सामना करना पड़ेगा।यह हवाई सेवा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही थी, लेकिन अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण इसे बंद कर दिया गया है।

15 जुलाई से बंद होंगी रायपुर के च्वाइस सेंटरों में आधार सेवाएं

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में आधार कार्ड बनवाने और अपडेट कराने की प्रक्रिया में 15 जुलाई से बड़ा बदलाव लागू होने जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशों के तहत अब किसी भी च्वाइस सेंटर में आधार कार्ड से जुड़ी कोई सेवा नहीं मिलेगी। यानी अब नए आधार कार्ड बनवाना हो या उसमें किसी तरह का संशोधन कराना हो, यह काम सिर्फ सरकारी लोक सेवा केंद्रों में ही होगा।

शहर में सिर्फ 9 सरकारी केंद्र रहेंगे विकल्प

फिलहाल रायपुर में 44 से अधिक च्वाइस सेंटर हैं, जहां नागरिक अपनी सुविधा अनुसार जाकर आधार सेवाएं प्राप्त करते रहे हैं। लेकिन अब ये सेवाएं बंद होने से केवल कलेक्टोरेट, नगर निगम मुख्यालय और 6 जोन कार्यालयों सहित कुल 9 सरकारी केंद्रों में ही आधार कार्ड बनेगा। इसके अतिरिक्त श्याम प्लाजा पंडरी में एक निजी कंपनी को सेवाएं देने की अनुमति है, लेकिन वहां सेवाओं के लिए शुल्क देना होगा।

नई व्यवस्था से आम लोगों को परेशानी की आशंका

सरकारी केंद्रों की संख्या सीमित होने के कारण आम नागरिकों को लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है। साथ ही, भीड़ अधिक होने से इंतजार बढ़ेगा और बार-बार दस्तावेज लेकर लौटना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह मुश्किल होगा जो दूर-दराज के इलाकों में रहते हैं या रोज़मर्रा की नौकरी करते हैं।

प्रबंधन की जिम्मेदारी चिप्स को

नाराज च्वाइस सेंटर संचालक

च्वाइस सेंटरों के संचालक इस फैसले से नाराज हैं। उनका कहना है कि पहले आधार कार्ड से उन्हें एक निश्चित कमीशन मिलता था जिससे केंद्र की लागत, स्टाफ वेतन और किराया जैसे खर्च पूरे होते थे। अब काम खत्म होने से सेंटर चलाना मुश्किल होगा। हालांकि चिप्स की ओर से संचालकों को सरकारी केंद्रों में शिफ्ट होने का विकल्प दिया गया, लेकिन कमीशन घटाकर 75 रुपये कर दिए जाने के कारण ज्यादातर ने इसमें रुचि नहीं दिखाई।

अब पूरी व्यवस्था चिप्स के हवाले

अब आधार सेवाओं से जुड़ा पूरा प्रबंधन सीधा चिप्स के अंतर्गत आ जाएगा। पहले यह जिम्मेदारी एनआईसी हैदराबाद के पास थी। अब आईडी अलॉटमेंट, ब्लॉकिंग, सर्वर समस्या और तकनीकी फॉल्ट सुधार जैसे सभी कार्य चिप्स ही करेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि सर्वर में खराबी आती है तो आम नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है, क्योंकि सुधार में समय लग सकता है।

नई व्यवस्था सरकारी निगरानी को मजबूत बनाने और डेटा की सुरक्षा के लिहाज से फायदेमंद मानी जा रही है, लेकिन आम नागरिकों की सहूलियत को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कम केंद्र, ज्यादा भीड़ और दूरस्थ स्थानों तक की यात्रा इस व्यवस्था को जमीनी तौर पर चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह फैसला लोगों की जिंदगी आसान बनाता है या मुश्किल।

फारेस्ट टू फर्मेसी मॉडल को साकार करने की दिशा में सरकार का ऐतिहासिक पहल

मुख्यमंत्री साय ने नवनिर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई और केन्द्रीय भंडार गृह परिसर का किया लोकार्पण

27.87 एकड़ क्षेत्र में 36.47 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित है आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा के अंतर्गत ग्राम जामगांव (एम) में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा निर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई एवं केन्द्रीय भण्डार गृह परिसर तथा स्प्रेयर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप अंतर्गत निर्मित हर्बल्स एक्सट्रेक्शन इकाई का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, सम्पत लाल अग्रवाल, ललित चन्द्राकर, गजेन्द्र यादव एवं रिकेश सेन, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, पूर्व विधायक दया राम साहू, महामण्डलेश्वर हरिद्वार श्रीश्री 1008 डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज, स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, छत्तीसगढ़ राज्य वनोपज संघ प्रबंध संचालक अनिल कुमार साहू, छ.ग. राज्य वनोपज संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एस. मणिकासगन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने लोकार्पण के पहले प्रसंस्करण ईकाई परिसर में आंवला का पौधा रोपित किया। इसके साथ ही वन मंत्री कश्यप ने सीताफल का पौधा, सांसद विजय बघेल ने बेल, महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 डॉ.स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज ने भी सीताफल का पौधा रोपित किया। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधनों और पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज तीन आधुनिक हर्बल (आयुर्वेदिक) औषधीय संयंत्रों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वादे को हमारी सरकार 'मोदी की गारंटी' को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण किया जा रहा है। हमारी सरकार डेढ़ वर्षो से लगातार विकास की ओर अग्रसर है। तीन करोड़ जनता से किए गए वादों को हमारी सरकार पूरा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत पांच वर्षों में गरीब जनता ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' से वंचित रह गई थी, जिसे हमारी सरकार बनते ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी और निर्माण कार्य प्रारंभ किया, जो पूर्णता की ओर है।

हमारी सरकार किसानों से 21 च्टिल प्रति एकड़ धान की खरीद की जा रही है, और उन्हें प्रति च्टिल 3,100 रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। महिलाओं को 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रतिमाह 1000 की आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है, इस योजना के तहत 70 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। इस योजना के छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को नये सिरे से जोड़ने की प्रक्रिया भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रामलला दर्शन योजना' के तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा शुरू की गई 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' को पुन: शुरू कर दिया गया है। योजना के तहत 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा और गंगा स्नान का अवसर नि:शुल्क दिया जा रहा है।

भारत की बेटी ने रचा इतिहास

SSB की कांस्टेबल ललहुमहिमी ने अमेरिका में वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में जीता गोल्ड मेडल

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। देश की बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे किसी भी मैदान में पीछे नहीं हैं। शस्त्र सीमा बल (स्स्ब्) की प्रतिभाशाली जूडो खिलाड़ी कांस्टेबल ललहुमहिमी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का परचम लहराया है।

भारतीय पुलिस बल का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्टेबल ललहुमहिमी ने अमेरिका के बर्मिंघम में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जूडो स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने के बाद ललहुमहिमी ने न सिर्फ स्स्ब् का, बल्कि पूरे देश का नाम गर्व से ऊँचा कर दिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में खुशी की लहर है। सोशल मीडिया से लेकर विभागीय अधिकारियों तक, सभी ने ललहुमहिमी की इस उपलब्धि पर गर्व जताया है और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

सम्मान और संदेश-

ललहुमहिमी की इस कामयाबी से देश की युवा पीढ़ी और विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों को एक नई प्रेरणा मिली है। उन्होंने साबित कर दिखाया कि कठिन परिश्रम, लगन और देशभक्ति के जज़्बे से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

सड़क के दलदल में फंसी गाड़ियां

राजनांदगांव, 29 जून (देशबन्धु)। जिले के अंतिम छोर दुर्ग जिले से लगा ग्राम कोपेडीह से जोरातरई, अंजोरा मार्ग पर पूरी तरह दलदल हो चुका है. स्थिति यह है कि ग्राम वासियों को उक्त सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य मोहनीश धनकर ने बताया कि कोपेडीह, जोरातरई,अंजोरा के ग्रामीणों को आवागमन में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है श्री धनकर ने आगे कहा कि कल्याणी इस्पात कंपनी द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क के किनारे को खोद दिया गया था और उस पर वापस पाटा नहीं गया है जिसके कारण सड़क की दोनों ओर गाड़ियों की लंबी लाइन लग चुकी है और सड़क पूरी तरह से जाम है और सड़क पर बड़े गाड़ियों की लंबी लाइन लग चुकी है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण वाहनों का आवागमन होता रहता है।

दलदल हुई सड़क पर राहगीर हुए परेशान ग्रामीणों में आक्रोश

कोपेडीह, जोरातरई मार्ग पर हुई दलदल से राहगीर परेशान है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश पनप रहा है औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण हजारों की संख्या में मजदूर इसी मार्ग से फैक्ट्री कंपनी में कार्य के लिए इसी मार्ग से आवागमन करते हैं सड़क से गुजरने वाली दोपहिया वाहन चालक तो अक्सर दुर्घटना का शिकार होकर चोटिल होते रहते हैं ग्रामीणों ने यह भी बताया की बारिश होने पर कीचड़ की वजह से यहा से निकलना मुश्किल हो गया है।

दूरस्थ ग्रामीण अंचल से आए जरूरतमंदो को तीन यूनिट रक्तदान

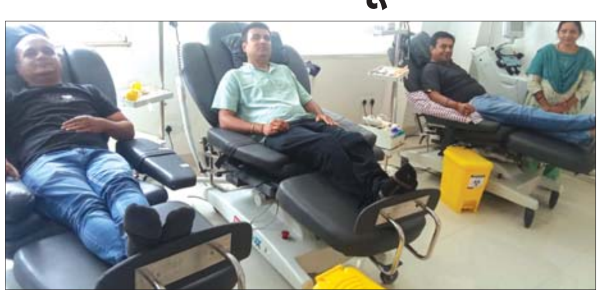

डॉ मनोज ठाकुर बने मार्गदर्शक

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। आज प्रात: रामकृष्ण अस्पताल में दूरस्थ ग्रामीण अंचल से आए हुए एक जरूरतमंद मरीज को 5 यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ने पर तत्काल प्रभाव में आकर गुजराती समाज की युवा प्रकोष्ठ के तीन मित्रों ने वहां पहुंचकर रक्तदान कर जागरूक नागरिक होने का अपना परिचय दिया ,जिस में सेन समाज के जिला अध्यक्ष डॉ मनोज ठाकुर के एक निवेदन पर श्री भूपेश पटेल , श्री प्रदीप भाई, एवं श्री पवन भाई ,ने तत्काल प्रभाव में आकर रामकृष्ण अस्पताल पहुंचे, और डॉक्टर मनोज ठाकुर के मार्गदर्शन में तीनों ने जरूरतमंद मरीज के लिए अपना रक्तदान कर जागरूकता का परिचय दिया, इस में जिला के संरक्षक श्री नारायण सेन , श्री राज श्रीवास श्री सुशील कौशिक, अनिल सेन, कमलेश श्रीवास, रवि सतीष श्रीवास, श्रीमती शांता सेन, श्रीमती लता श्रीवास, श्रीमती श्यामा सेन, रमेश दाऊलाल,,अनिल,संतोष,हिरेंद्र सेन, हेमलाल सेन,ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई देते हुए आभार प्रकट किया/ मुक्त जानकारी जिला के अध्यक्ष डॉ मनोज ठाकुर के साथ जिला सचिव दिलीप सेन ने दी।

जवाहर नगर मंडल में भाजपाईयो ने सुनी मन की बात

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम च्मन की बातज् के 123वें संस्?करण का भव्य आयोजन आज जवाहर नगर मंडल के अंतर्गत आने वाले इंदिरा गांधी वार्ड क्र.27 पार्षद कार्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें जवाहर नगर मंडल के पदाधिकारीगण,महिला मोर्चा की सदस्य, mic मेंबर,वार्ड पार्षद, पूर्व पार्षद के जिले का पदाधिकारी,कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ नागरिक गण भी उपस्थित थे। जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि पीएम मोदी ने देशवासियों को संबोधन में नया नारा दिया उन्होंने कहा कि खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करो, मोटापा घटाओ अगर हमें अपने सामर्थ्य का विस्तार करना है तो सबसे पहले हमें अपनी Fitness और Wellbeing पर ध्यान देना होगा. वैसे साथियों, Fitness के लिए और Obesity कम करने के लिए मेरा एक सुझाव आपको याद है ना! खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करो, मोटापा घटाओ. जब आप स्वद्वह्र होंगे, तो जीवन में और ज्यादा Super Hit होंगे.'

मोरारजी देसाई और बाबू जगजीवन राम को किया याद -

पीएम मोदी ने आपातकाल पर कहा, 'मोरारजी देसाई ने आपातकाल का संक्षिप्त वर्णन कियाज्आपातकाल लगाने वालों ने न केवल लोकतंत्र की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को अपनी कठपुतली बनाए रखना था. 'मीसा' के तहत किसी को भी मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया जा सकता था, लोगों को प्रताड़ित किया जा सकता था. भारतीयों ने लोकतंत्र से समझौता करने से इनकार कर दिया. आखिरकार, लोगों की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया. बाबू जगजीवन राम ने इस बारे में जोरदार ढंग से बात की.'

पीएम मोदी ने कहा, 'देश पर Emergency थोपे जाने के 50 वर्ष कुछ दिन पहले ही पूरे हुए हैं. हम देशवासियों ने संविधान हत्या दिवस मनाया है. हमें हमेशा उन सभी लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने Emergency का डटकर मुकाबला किया था. इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने की प्रेरणा मिलती है.' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग पर बत करते हुए कहा कि 21 जून को देश और दुनिया भर में लाखों लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया. इसकी शुरुआत 10 साल पहले हुई थी. पिछले 10 सालों में हर साल उनकी परंपरा पहले से कहीं ज़्यादा भव्य होती गई है.

निधन

पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा

थानखम्हरिया, 29 जून। चण्डीधाम करमू के पुजारी पं. संजय मिश्रा के पिता पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा का पिछले दिनों दुखद हो गया। चण्डीधाम समिति एवं अनेक श्रद्धालुओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। कमलेश प्रसाद मिश्रा का दशगात्र कार्यक्रम उनके ग्राम सोमईखुर्द में 30 जून को संपन्न होगा। तेरहवीं एवं गंगापूजन 3 जुलाई को संपन्न होगा। वे योगेश्वरी, संजय, अजय, विजय, भागवत मिश्रा के पिता थे। चण्डीधाम समिति के सदस्यों तथा अनेक श्रद्धालुओं ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रामचंद साहू

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून। कसडोल निवासी रामचंद साहू (सेवा निवृत्त मंडी निरीक्षक) का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 30 जून सोमवार को सुबह 8 बजे मुक्ति धाम हड़हा पारा कसडोल में किया जायेगा। वे कसडोल के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता गोपाल प्रसाद साहू के बड़े भाई थे। इनके निधन पर मंडी परिवार के अलावा समाजिक नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

श्री अशोक शर्मा

भाटापारा , 29 जून। संजय वार्ड भाटापारा निवासी श्री अशोक शर्मा (आरा मिल वाले) का आकस्मिक निधन आज हो गया है वे राजा शर्मा,चेतन शर्मा के पिता एवं श्याम शर्मा के छोटे भाई थे जिनकी अंतिम यात्रा 30/06/2025 उनके संजय वार्ड स्थित निवास से निकलेगी भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में शरण दे व परिजनों, स्वजनों को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करें ।

ग्राम टोनहीनारा का नाम बदला जाए: डॉ. मिश्र

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ दिनेश मिश्र ने राज्य शासन को पत्र लिख कर रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ के नजदीक ग्राम टोनहीनारा ग्राम का नाम बदलने की माँग की है. इस संबंध में ग्राम पंचायत ने बकायदा ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर पत्र 2020 में ही प्रशासन को भेजा है. पर अब तक नाम नहीं बदला जा सका है. डॉ दिनेश मिश्र ने कहा रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ में ही टोनाहीनारा नामक ग्राम है इसके संबंध में वहां की ग्राम पंचायत में 29 जुलाई 2020 में एक प्रस्ताव पारित करके , जनपद पंचायत धर्मजयगढ़, तथा स्थानीय प्रशासन को भेजा ,जो कि जिलाधीश रायगढ़ द्वारा 6 मई 2022 को मंत्रालय नया रायपुर, में भेजा गया है और इस बात को भी काफी समय हो चुका है ,पर अब तक उस आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं हो पायी है. जिससे ग्रामीणों में काफी निराशा है. ग्रामीणों ने जानकारी दी है कि उनके गांव के पास एक नाला है जिसके पास एक बुजुर्ग महिला की हत्या जादू टोने के संदेह में टोनही के संदेह में कर दी गई थी .जब उस मामले की जांच तफ्तीश हुई।

250 हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने किए चेक वितरित

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में माननीय सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल जी द्वारा स्वेच्छा अनुदान मद से स्वीकृत 250 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के लिए आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया ।

इस अवसर पर अग्रवाल ने गंभीर बीमारियों के इलाज, शिक्षा, उच्च शिक्षा , संस्थाओं , व पअपने घोषणानुसार खेल संघों को प्रतिवर्ष दिए जाने वाले सहयोग राशि एवं अन्य आवश्यक जरूरतों के लिए पात्र लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की विष्णुदेव साय सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारा संकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सहायता सिर्फ एक आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि एक नई उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान की भावना है जो इन लाभार्थियों को अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। अग्रवाल ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करें और जरूरतमंदों को समय पर सहयोग उपलब्ध कराएं।

कार्यक्रम में रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ,बड़ी संख्या में लाभार्थी, जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। लाभार्थियों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य शिविर से सैकड़ो लाभान्वित

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। संत श्री गजानन महाराज संस्थान, तात्यापारा रायपुर में रविवार को सुबह से ही चहल-पहल का नजारा था। यहां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों मरीजों ने चिकित्सकीय जांच का लाभ उठाया। सुबह पंजीयन के बाद शहर के ख्याति नाम डॉ. शैलेश खंडेलवाल, डॉ. गंभीर सिंह, डॉ. सुमित अग्रवाल, डॉ. मंजू सिंह, डॉ. संजय नाहर, डॉ. नवीन गुप्ता, डॉ. सी. रेडी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. प्रभात पांडे, डॉ. सतीश शर्मा, डॉ. सत्येंद्र पांडे, डॉ. सोनाली, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. संजीव कुमार एवं डॉ. सुधीर कुमार गेदाम इन्होंने घुटना, स्तन केंसर , स्त्री रोग, हड्डी रोग, आँख की जांच, फिजियोथैरेपी एवं जनरल फिजिशियन के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। इसमें लगभग 300 मरीजों ने सहभाग लेकर लाभ उठाया। आज ही गजानन मंदिर में च्गजानन सेवा केंद्रज् खोलने की घोषणा की गई, जो गजानन महाराज संस्थान एवं जय जिनेंद्र ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में संचालित होगा। इसमें अन्य निम्नलिखित निर्णय लिए गए- 1. संस्थान की सिफारिश पर चिकित्सीय परामर्श निशुल्क किया जाएगा। 2,ओमेगा डायग्नोस्टिक में 50त्न शुल्क पर पैथोलॉजी की जांच होगी 3,संस्था की सिफारिश पर सोनोग्राफी मात्र ?400 में होगी ,4, घुटने का एक्स-रे निशुल्क होगा। इसके अलावा भी किसी गंभीर चिकित्सा में अनुमानित राशि में 50त्न फ्री करने का प्रयास किया जाएगा ।

सुशासन — *संभाग के नक्सल प्रभावित जिलों में भी लोगों की पहुंच तक सुविधाएं*

विष्णु के सुशासन से बस्तर संभाग में बदल रही है स्वास्थ्य सुविधाओं की तस्वीर

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन और स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल सामान्य क्षेत्रों में, बल्कि नक्सल प्रभावित जिलों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों की पहुंच में आ रही हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक , राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान और मलेरिया मुक्त अभियान जैसे कार्यक्रमों ने इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नया आयाम दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की जन-केंद्रित सोच और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों, मितानिनों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मेहनत से बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इस दिशा में ठोस प्रयास लगातार जारी हैं। बस्तर में घर-घर जाकर जांच, त्वरित उपचार और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (हृक्तस्) के तहत बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य संस्थानों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच

नक्सल प्रभावित जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता रहा है। कांकेर, बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ अब आम लोगों तक पहुंच रहा है। यह विष्णु देव साय के सुशासन का परिणाम है, जिसने बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है।

बस्तर संभाग में स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे ये सुधार न केवल स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठा रहे हैं, बल्कि यह भी साबित कर रहे हैं कि सुशासन और समर्पित प्रयासों से सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी सकारात्मक बदलाव संभव है।

मनोज कुमार सिंह, सहायक संचालक

चिकित्सक स्टाफ की नियुक्ति से मजबूत हुई व्यवस्था

पिछले डेढ़ वर्षों में बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए 33 मेडिकल स्पेशलिस्ट, 117 मेडिकल ऑफिसर और 1 डेंटल सर्जन की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही राज्य स्तर से 75 तथा जिला स्तर से 307 स्टाफ एवं प्रबंधकीय पदों पर भर्ती की गई है, जबकि 291 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। यह कदम क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि

1 जनवरी 2024 से 16 जून 2025 तक बस्तर संभाग में कुल 130 स्वास्थ्य संस्थाओं को क्वालिटी सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। इनमें 1 जिला अस्पताल, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 113 उप स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा, 65 अन्य संस्थाओं का सर्टिफिकेशन कार्य प्रक्रियाधीन है। विशेष रूप से नक्सल प्रभावित जिलों— कांकेर (8), बीजापुर (2), सुकमा (3) और दंतेवाड़ा (1)— में 14 संस्थानों को गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार का प्रमाण है। नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग में 62,466 राशन कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि एक वर्ष में ही 36,231 आयुष्मान कार्ड पंजीकृत किए जा चुके हैं। इसके अंतर्गत अब तक 52.6 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड का कवरेज इन पांच जिलों में हो चुका है, जिसमें 6,816 लोगों को लाभ मिला है और इन पर 8 करोड़ 22 लाख रुपये की राशि क्लेम की गई है।

आबकारी और पुलिस की टीमों ने शहर के बार, रेस्टोरेंट, होटलों में दी दबिश

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। शहर के वीआईपी रोड समेत अन्य इलाकों में विगत शुक्रवार और शनिवार को आबकारी की जिला, संभाग और राज्यस्तरीय टीमों द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। होटल, बारों, रेस्टोरेंट के निर्धारित समय बाद तक संचालित होने की शिकायतों पर पुलिस थानों और क्राइम ब्रांच की टीम ने भी शिकायत के आधार पर जांच की ।

शुक्रवार 27 जून को राज्य स्तरीय उड़नदस्ता द्वारा शहर के पांच बारों में छापामार कार्यवाही की जिसमें सूर्या बार के समय पश्चात खुला पाए जाने और होटल ओलिव , सेंट्रल पॉइंट , महिंद्रा और ली रॉय बार में पार्सल के रूप में विक्रय करते पाए जाने पर सुसंगत धाराओं में विभागीय प्रकरण कायम किया गया। शनिवार 28 जून को संभागीय उड़नदस्ता रायपुर द्वारा 6 छापामार कार्यवाहियां की गई। एलोरा, इशिका और सुधा रीजेंसी होटल बारों में पार्सल के रूप में विक्रय पाए जाने और होटल कोपाइको में बिना लाइसेंस मद्यपान करते पाए जाने पर सुसंगत धाराओं में विभागीय और आपराधिक प्रकरण कायम किए गए। जिला रायपुर के आबकारी और पुलिस के दल द्वारा अलग ङ्क अलग शनिवार 28 जून को होटल पुनीत , सेंट्रल पॉइंट , आदित्य , विनार , सवेरा , सालिटायर , मयूरा, सतलज , आर्किड, कोर्टयार्ड मैरियट , कोया , जूक , एल्सव्हेयर , हाइपर क्लब , धूम्स विलेज और वीआईपी रोड के अन्य होटल रेस्टोरेंट की जांच की गई। कोर्टयार्ड मैरिएट होटल बार द्वारा निरीक्षण पुस्तिका और स्टॉक रजिस्टर प्रस्तुत न किए जाने और समय पश्चात खुला पाए जाने पर विभागीय प्रकरण कायम किया गया।

सराहनीय योगदान देने वालों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया

रोटरी क्लब ऑफ़ रायपुर क्वींस का बिदाई समारोह

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। रोटरी क्लब ऑफ़ रायपुर क्वींस द्वारा वर्ष 2024-25 की शानदार समाप्ति के उपलक्ष्य में भव्य फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इस खास मौके पर क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन ध्रुति दवे और सचिव रोटेरियन मनप्रीत कौर सहित लगभग 96 क्वींस पूरे जोश और उत्साह के साथ उपस्थित रहीं।

पूरे वर्ष अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में सराहनीय योगदान देने वाले सभी चेयरपर्सन्स को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मजेदार खेलों से हुई ।जिसके बाद सभी सदस्यों नेसंगीत और नृत्य का भरपूर आनंद लिया। स्वादिष्ट व्यंजन और खुशनुमा माहौल ने इस शाम को और भी खास बना दिया।

यह आयोजन न केवल क्लब की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि सदस्यों के आपसी सहयोग, टीमवर्क और दोस्ती की भावना को भी दर्शाता है।

अवैध रेत खनन में लगी चेन मशीन व 7 हाईवा जब्त

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। कलेक्टर रायपुर के निर्देश पर उप संचालक किशोर कुमार गोलघाटे के मार्गदर्शन पर हेमन्त चेरप्पा माइनिंग ऑफसर ,जागृत गायकवाड़ इंस्पेटर ,सुपरवाइजर डी. के .साहू, सुनीलदत्ता शर्मा, बेलचंदन ,जीतेन्द्र केशरवानी, गोलू वर्मा, रूपेंद्र चंद्राकर, दयाराम साहू, रामकुमार वर्मा ,मानिकपुरी व छबि साहू मौजूद थे टीम के द्वारा लखना पारा गॉव अभनपुर मे एक चेन मासीन व सात हाइवा जप्त कर गोबर नावापारा थाना के सुपुर्द किया गया उपरवार थाना नया रायपुर मे जगहा के आभाव मे चेन मशीन को पुलिस अभिरक्छा मे दिया गया

खनिज विभाग के टीम द्वारा अवैध रेत घाट पर कार्यवाही के साथ ही साथ अवैध उत्खनन/ परिवहन पर कार्यवाही की गई उक्त कार्यवाही बड़े ही गोपनीय तरीके से की गई ताकि जायदा से जायदा गाड़िया पकड़ी जाय खनिज विभाग की इस आकस्मिक जांच से अवैध उत्खनन व परिवहन करने वालों में हड़कंप मच गया है

समाज की आर्थिक रीढ़ है व्यापारी : बृजमोहन

श्रीराम बिज़नेस ज़ोन समिति में सम्मान समारोह का आयोजन

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। श्रीराम बिज़नेस ज़ोन समिति डूमरतराई द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय व्यापार परिसर में किया गया। जिसमें प्रमुख जनप्रतिनिधियों, चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं दवा व्यवसाय से जुड़े वरिष्ठजनों की उपस्थिति रही।

समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू को मंत्री पद पर आसीन होने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। श्री साहू ने अपने वक्तव्य में दवा व्यापारियों की सेवा भावना, अनुशासन और समाज में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने व्यापारियों को समाज की आर्थिक रीढ़ बताते हुए उनके योगदान की सराहना की तथा घोषणा की कि सांसद निधि से ?10 लाख की राशि श्रीराम बिज़नेस ज़ोन की सड़क निर्माण हेतु स्वीकृत की जाएगी।

विधायक मोतीराम साहू ने अपने वक्तव्य में क्षेत्रीय व्यापारिक आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने की बात कही और ?10 लाख की राशि देने की घोषणा की ।साथ ही, पार्षद के प्रयासों से नगर निगम द्वारा भी ?10 लाख की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, ऐसा आश्वासन भी दिया गया।

समारोह में चेंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व विधायक एवं संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी ने चेंबर की ऐतिहासिक भूमिका, व्यापारिक नीतियों में सुधार और व्यापारी हितों के संरक्षण में संस्था की भूमिका को रेखांकित किया। चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी द्वारा मनोहर खत्री को उपाध्यक्ष एवं गुलाब साहू को मंत्री पद पर मनोनीत करने की औपचारिक घोषणा की गई।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक मोतीराम साहू जी, सुंदरानी, सतीश थौरानी तथा पार्षद को भी स्मृति चिह्न प्रदान कर समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

104 बार रक्तदान करने पर स्वास्थ्य मंत्री ने किया अजय भसीन का सम्मान

चेम्बर के स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने जांच कराई

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। रविवार को विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन चेम्बर भवन में किया गया। इस शिविर में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थिति थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने शिविर में उपस्थित लोगों का उत्साह बढ़ाया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। उपलब्ध सेवाओं में अस्थि घनत्व (बोन डेंसिटी) जांच, मधुमेह (डाईबिटिज) की बायो थर्मामीटर द्वारा जांच, ऑर्थो परामर्श, ईएनटी (कान, नाक, गला) स्क्रीनिंग और परामर्श, दांत की जांच और रक्तदान शिविर शामिल थे। इन सेवाओं का लाभ उठाकर प्रतिभागियों ने अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई।

चेंबर एवं इट्सा हास्पीटल के पदाधिकारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस तरह के जनहितैषी कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि समाज के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। उन्होंने हाल ही में आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जो आम जनता को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहायक रहे हैं।

साथ ही चेम्बर के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सरकार व्यापारिक समुदाय के साथ मिलकर प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। श्री जायसवाल ने यह भी कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना जरुरी है, बीमारी बढ़ने से पहले उसका रोकथाम करना आवश्यक है एवं सरकार इस दिशा में प्रयासरत है साथ ही उन्होंने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को टीबी मुक्त बनायें। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने चेम्बर से स्वास्थ्य प्रभारी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा, मकान की व्यवस्था सरकार कर रही है लेकिन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना आवश्यक है ।रक्तदान शिविर में चेम्बर महामंत्री अजय भसीन द्वारा 104 वां रक्तदान पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने उन्हें सम्मानित किया।

बूढ़ातालाब में मिला नवजात बच्चे का शव, फैली सनसनी

जांच में जुटी पुलिस

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में रविवार सुबह मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई। शहर के बूढ़ातालाब में एक नवजात का शव तैरता हुआ मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। तालाब पर मछुआरों ने जब शव देखा तो उनकी सांसे थम गईं। तुरंत उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची।

डायल 112 टीम ने तालाब से नवजात का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में नवजात का भ्रूण लगभग 7 से 8 महीने का बताया जा रहा है।

आसपास के लोगों से पूछताछ भी जारी: पुरानी बस्ती थाना के टीआई योगेश कश्यप ने बताया कि पुलिस ने आसपास के अस्पतालों के रिकॉर्ड और क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि आरोपियों की जल्द पहचान की जा सके। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ भी जारी है।

एटीएम से छेड़खानी करके ग्राहकों के रुपए फंसाकर चुराने की आधा दर्जन वारदात

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। राजधानी के आमानाका थाना क्षेत्र में एटीएम से छेड़खानी करके ग्राहकों के रुपए फंसाकर उसे चुराने की आधा दर्जन से ज्यादा घटनाओं की सूचना पुलिस तक पहुंची है। वारदात एक ही बैंक आईडीबीआई के एटीएम बूथ में हुई, जो टाटीबंध के ए टू जेड चौक पर स्थित है। दो दिनों तक गैंग ने एक ही एटीएम को टारगेट किया ।जो भी ग्राहक यहां रुपए निकालने पहुंचा, सफल नहीं हो पाया। उनके खाते से रुपए जरूर कट गए। लोग एक दिन तो तकनीकी खराबी समझकर एकाउंट में रकम वापस आने का इंतजार करते रहे लेकिन जब बैंक पहुंचे तो पता चला कि उनके खाते से रकम निकल चुकी है। बैंक की ओर से शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. सूत्रों को आशंका है कि राजस्थान का गैंग यहां आया, दो दिन एक्टिव रहा और एक लाख रुपए से ज्यादा एटीएम से उड़ाकर निकल गया. ।ग्राहको समझते रहे तकनीकी खराब के कारण पैसा नहीं निकला। टीआई सुनील दास के अनुसार आमानाका थाने में दो दिन पहले आईडीबीआई बैंक की ब्रांच मैनेजर अमृता मीढ़ा ने छह एकाउंट धारकों की रकम धोखाधड़ी करके निकाल लिए जाने की सूचना दी है।

पुलिस ने धारा 305 331(4) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है. रिपोर्ट के मुताबिक ब्रांच के एटीएम में छेड़छाड़ करके रुपए निकाले गए हैं। 23 जून को कई ग्राहकों ने बैंक को सूचना दी कि 20 और 21 जून को वे पैसा निकालने एटीएम बूथ में गए। उनके रुपए नहीं निकले लेकिन पैसा खाते से कट गया। बैंक की ओर से एटीएम की जांच कराई गई और सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग चेक करने पर मशीन के साथ एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा छेड़खानी करने पता चला। दरअसल नोट के एटीएम से बाहर निकलने वाली जगह पर कोई चीज चिपका दिए जाने पर नोट भीतर ही फंस रहे थे और ग्राहकों को लग रहा था कि कोई तकनीकी खराबी होने के कारण रुपए नहीं निकले। एकाउंट से कटे पैसे जब वापस नहीं आए, तब ग्राहक बैंक में पहुंचे।

रायपुर में जेल में कैदी के साथ मारपीट

एफआईआर नहीं होने के विरोध में काली पट्टी बांधकर कुनबी समाज का मौन प्रदर्शन

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। रायपुर सेंट्रल जेल में कुनबी समाज के युवक के साथ मारपीट की गई थी। लेकिन, इस मामले में अबतक स्नङ्खक्रदर्ज नहीं की गई है। स्नङ्खक्र नहीं होने के विरोध में कुनबी समाज के लोगों ने जेल के सामने मुंह पर काली पट्टी बांधकर मौन प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों ने कहना है कि मारपीट में श्याम देशमुख की मौत हो गई थी, लेकिन 25 दिनों से ज्यादा वक्त बीत जाने के बावजूद स्नङ्खक्रदर्ज नहीं की गई। अगर जल्द स्नङ्खक्रदर्ज नहीं हुई और आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि श्याम देशमुख को 4 जून को एक सामाजिक विवाद के तहत न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। वहां जेल में पदस्थ शिक्षक नेतराम नाकतोड़े ने बंदियों के साथ मिलकर उनके साथ बर्बर मारपीट की। पीड़ित का एक पैर टूट गया और शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं। मृतक ने बताया था कि मारपीट से पहले उन्हें धमकाया गया और उनकी पत्नी व बच्चों की तस्वीरें दिखाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इसके बाद जब वे गंज थाना पहुंचे, लेकिन 25 दिनों से ज्यादा वक्त बीत जाने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

उन्होंने सवाल उठाया कि जेल जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह में एक पदस्थ कर्मी द्वारा बंदियों से हमला करवाना बेहद गंभीर अपराध है, और अब तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक पक्षपात का संकेत है। अगर जल्द एफआईआर दर्ज नहीं हुई और आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बता दें कि, रायपुर सेंट्रल जेल में न्यायिक रिमांड पर बंद युवक से जेल के अंदर मारपीट का मामला सामने आया था। पीड़ित ने जेल के शिक्षक नेतराम नाकतोड़े पर कैदियों से पिटवाने का आरोप लगाया था। कुनबी समाज के सचिव पीड़ित श्याम देशमुख, अध्यक्ष देवराज पारधी और पुरुषोत्तम तोड़रे समाज से जुड़े एक मामले में 4 जून से न्यायिक रिमांड पर रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद थे। पीड़ित श्याम देशमुख ने सेन्ट्रल जेल के शिक्षक नेतराम नाकतोड़े पर मारपीट कराने का आरोप लगाया था। जेल से रिहा होने के बाद पीड़ितों के साथ कुनबी समाज के लोग भी थाने पहुंच गए और मारपीट करवाने वाले शिक्षक के खिलाफ एफआईआर की मांग की। लेकिन पुलिस ने एफआईआर नहीं लिखी, जबकि उसका पैर टूट गया था।

महापौर मीनल चौबे ने शास्त्री बाजार और अंतरराज्यीय बस स्टैण्ड का किया निरीक्षण

मिले कई अवैध कब्जे और शिकायतें, अधिकारियों को दिए व्यवस्था दुरुस्त करने निर्देश

रायपुर, 29 जून (देशबन्धु)। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने आज राजधानी शहर में शास्त्री बाजार और अंतरराज्यीय बस स्टेण्ड का निरीक्षण कर वहाँ वाहन पार्किंग व्यवस्था, यातायात, सफाई व्यवस्था जनहित में सुधारने के सम्बन्ध में अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिए है .

महापौर और आयुक्त ने अधिकारियों को बैजनाथपारा मार्ग में एवरग्रीन चौक से चिकनी मन्दिर तक सड़क पर कब्जा जमाकर व्यवसाय कर रही दुकानों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मुख्य बाजार मार्ग को तुरंत कब्जा मुक्त करवाने और प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग कर मार्ग को कब्जा मुक्त करने को कहा. महापौर ने शास्त्री बाजार साइकिल स्टैण्ड में व्याप्त अव्यवस्था को तत्काल आवश्यक कड़ी कार्यवाही जनहित में करते हुए दूर करने निर्देशित किया है.

महापौर चौबे ने निगम के जनप्रतिनिधि पार्षदों और अधिकारियों सहित अंतरराज्यीय बस स्टेण्ड भाठागांव की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर वहाँ लगाए जा रहे ठेलों, आबंटित दुकानों के दुकानदारों को अपना व्यवसाय दुकान, ठेले की सीमा के भीतर सामान रखकर करने कहा और ठेला, दुकान की सीमा के बाहर सामान रखने पर कड़ी कार्यवाही कर जनहित में व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिये.

महापौर ने अंतर राज्यीय बस स्टेण्ड परिसर में आबंटित दुकानों की अनुमति का परीक्षण करने और परीक्षण उपरांत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया है. यातायात पुलिस के अधिकारियों को यातायात सुगम और सुव्यबस्थित बस स्टेण्ड परिसर में सतत मॉनिटरिंग कर बनाये रखने के निर्देश दिए. वाहन पार्किंग हेतु अनुबंधित एजेंसी को पार्किंग व्यवस्था सुगम बनाये रखने निर्देश दिए गए हैं. महापौर ने भूतल पर प्रतीक्षालय हाल और प्रसाधन व्यवस्था की सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था तत्काल सुधारने के लिए जोन 6 के कमिश्नर को निर्देश दिए हैं.

महापौर ने जोन 4 अधिकारियों को शास्त्री बाजार वाहन पार्किंग ठेकेदार द्वारा नागरिकों से निर्धारित दर से अधिक शुल्क लेने की जनशिकायत की जाँच कर शिकायत सही मिलने पर नियमानुसार आवश्यक कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं. महापौर ने कहा शास्त्री बाजार में अच्छी सफाई व्यवस्था कायम की जाये. सुबह के समय टीम लगाकर सफाई करवाकर कचरा उठवाया जाये. शास्त्री बाजार की वाहन पार्किंग व्यवस्था को सुगम और सुव्यास्थित बनाया जाये और अच्छी पार्किंग व्यवस्था का प्रबंधन शास्त्री बाजार में प्रतिदिन आने वाले सैकड़ों लोगों को मिले.

महापौर ने फल व्यवसायियों को शेड से आगे बढ़कर व्यवसाय करने से रोककर शेड में निर्धारित सीमा में बैठाकर फल व्यवसाय अच्छे वातावरण में करवाये जाने आवश्यक कार्यवाही करने कहा. शेड से आगे बढ़कर व्यवसाय करने पर लोगों और यातायात प्रबंधन को असुविधा होती है, जिसे दुर किया जाये.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त विश्व दीप के निरीक्षण के दौरान नगर निगम नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष मनोज वर्मा, राजस्व विभाग के अध्यक्ष अवतार भारती बागल, जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन 6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड पार्षद श्रीमती अर्जुमन एजाज ढेबर सहित नगर निगम अपर आयुक्त यू. एस. अग्रवाल, विनोद पाण्डेय, जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव, जोन 4 कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह सहित निगम जोन 4 और जोन 6 के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे ।

संपादकीय

बारिश में सांपों का खतरा

वर्षाकाल के आते ही पूरे छत्तीसगढ़, विशेषकर ग्रामीण एवं आदिवासी इलाकों में सर्प दंश का खतरा बढ़ जाता है। प्रदेश वनों तथा खेतों से आच्छादित होने से यहां के ज्यादातर क्षेत्रों में सर्पों की बहुतायत है। बस्तर, सरगुजा, कोरबा आदि में कई तरह के सांप पाये जाते हैं। इनमें से कई ज़हरीली प्रजातियां हैं। जिन भागों का शहरीकरण हो चुका है, वहां अब वे धीरे-धीरे निकलने बन्द हो गये हैं। अब वे ज्यादातर ग्रामीण या सूने इलाकों में ही मिलते हैं परन्तु गाहे-बगाहे शहरी क्षेत्रों में भी मिल जाते हैं। वे नालियों आदि के जरिये आ जाते हैं। इनसे सावधान तो रहा ही जाये, उन्हें न ही छेड़ा जाये तो बेहतर होता है।

सर्प भी इन्सानों से दूरी बनाये रखना पसंद करते हैं। उन्हें मारने की भी ज़रूरत नहीं होती। अब पर्यावरण प्रेमी उन्हें बचाकर उनके प्राकृतिक आवासों अर्थात जंगलों में छोड़ आते हैं। पुलिस के सपर्क क्रमांक 112 पर डायल कर रेस्क्यू टीम को बुलाया जा सकता है। यदि सांप ने काटा हो तो तुरन्त चिकित्सक के पास जाना चाहिये। झाड़-फूंक के चक्कर में कतई नहीं पड़ना चाहिये।

आरंग के देवरी गांव के एक नागरिक के घर शनिवार को कोबरा सांप निकला था। जब रेस्क्यू टीम आई तो एक कमरे में टाइल्स के नीचे से लगभग 35 नाग निकले। सभी को वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। यह अच्छा हुआ कि कोई सर्प दंश का शिकार नहीं हुआ। विषैले सांपों के डंसने से हर साल कई मौतें होती हैं। पिछले साल जुलाई में अंबिकापुर के दरिमा थाना के तहत तुनतुरी गांव में जमीन पर सोये हुए एक 22 वर्षीय युवक को सांप ने काट लिया था जिसमें उसकी जान चली गयी थी। उसके पूर्व बलरामपुर जिले के बलंगी थानांतर्गत जोगयानी गांव में 7 साल की एक बच्ची भी सर्प दंश से मारी गयी। इस प्रकार की कई मौतें राज्य में हर वर्ष आम हैं।

मानसून के दौरान उनके प्राकृतिक आवासों में पानी भर जाता है। इसके चलते वे बाहर निकलते हैं। कई बार राह चलते किसी व्यक्ति का पैर धोखे से इन पर पड़ता है तभी वे अपने बचाव के लिये उसे डंसते हैं। सर्पों के बाहर निकलने के इस काल में सावधान रहें। उन स्थानों पर बारिशों में, विशेषत: रातों में बिलकुल नहीं जाना चाहिये जहां ये हो सकते हैं। पेड़ों व झाड़ियों के नीचे, लकड़ियां, बोरे आदि के ढेर, अंधेरे व नमी वाले स्थानों में वे रहते हैं। ऐसी जगहों पर जाने के पहले प्रकाश किया जाये। बिजली न हो तो टॉर्च का इस्तेमाल किया जाना चाहिये। गांव-जंगलों तथा सूने रास्तों में सावधान रहें। यदि सर्प दंश का शिकार हो ही जायें तो झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़कर यथाशीघ्र डॉक्टरों से उपचार करायें। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व अस्पतालों में एंटी वेनम दवाएं उपलब्ध हैं।

उल्टा पुल्टा

काफी दिनों बाद चिंटू पार्क में घूमने गया,
घर लौटकर उसने अपनी पत्नी को बताया-
जानती हो लोग मुझे भगवान मानने लगे हैं।
पत्नी- ये तुमने कैसे जाना।
चिंटू- जब मैं पार्क में गया था, वहां पर
औरतें मुझे देख कर बोली, हे भगवान तू फिर आ गया।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई और केन्द्रीय भंडार गृह परिसर का किया लोकार्पण

फ़रेस्ट टू फ़र्मेसी मॉडल को साकार करने की दिशा में सरकार का ऐतिहासिक पहल

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा के अंतर्गत ग्राम जामगांव एम में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा निर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई एवं केन्द्रीय भण्डार गृह परिसर तथा स्प्रेयर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप अंतर्गत निर्मित हर्बल्स एक्सट्रेक्शन इकाई का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, सम्पत लाल अग्रवाल, ललित चन्द्राकर, गजेन्द्र यादव एवं रिकेश सेन, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, पूर्व विधायक दया राम साहू, महामण्डलेश्वर हरिद्वार डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरी महाराज, स्थानीय आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, छत्तीसगढ़ राज्य वनोपज संघ प्रबंध संचालक अनिल कुमार साहू, छ.ग. राज्य वनोपज संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एस. मणिकासगन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लोकार्पण के पहले प्रसंस्करण ईकाई परिसर में आंवला का पौधा रोपित किया। इसके साथ ही वन मंत्री श्री कश्यप ने सीताफल का पौधाए सांसद विजय बघेल ने बेल, महामंडलेश्वर डॉ.स्वामी कैलाशनंद गिरी महाराज ने भी सीताफल का पौधा रोपित किया।

छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधनों और पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज तीन आधुनिक हर्बल आयुर्वेदिक औषधीय संयंत्रों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वादे को हमारी सरकार मोदी की गारंटी को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण किया जा रहा है। हमारी सरकार डेढ़ वर्षो से लगातार विकास की ओर अग्रसर है। तीन करोड़ जनता से किए गए वादों को हमारी सरकार पूरा कर रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण दर 4500 से बढ़ाकर 5500 प्रति मानक बोरा कर दी हैए जिससे लगभग 13 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशीलता को देखने को मिली। उन्होंने ग्राम बड़भुम जिला बालोद निवासी महिला हितग्राही शकुंतला कुरैटी को अपने हाथों से चरण पादुका पहनाया। इसके साथ ही अन्य हितग्राही वैजयंती कुरैटी, निर्मला उईके, ललिता उईके, अघनतीन उसेंडी को भी वन मंत्री सहित सभी अतिथियों ने अपने हाथों से चरण पादुका पहनाया।

राज्य में आयुर्वेद और वनौषधियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने आज तीन नई हर्बल इकाइयों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों से लगभग दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू.भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक औषधियों की कच्ची सामग्रियाँ जंगलों से एकत्रित कर संयंत्रों तक पहुंचाई जाएंगी, जिससे वनवासियों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रसंस्करण इकाई मध्य भारत का सबसे बड़ा प्रसंस्करण इकाई है। यह संयंत्र आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेदिक केंद्र के रूप में बनेगी। मुख्यमंत्री ने लोगों से एक पड़ माँ के नाम अभियान में जुड़ने का आव्हान किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 44.10 प्रतिशत वनाच्छादित क्षेत्र है। जिसके कारण राज्य में वनोपज की बहुलता है। यह प्रसंस्करण इकाई मध्य भारत का सबसे बड़ा प्रसंस्करण इकाई है। इसके प्रारंभ होने से वनोपज का संग्रहणए प्रसंस्करण के साथ.साथ वनोपज के उत्पाद को बेहतर बाजार मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का वनोपज को पूरी दुनिया तक पहुंचे इस उद्देश्य से इस इकाई की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 67 प्रकार के वनोपज का संग्रहण किया जाता है और वनोपज संग्रहण से जुड़े 13 लाख 40 हजार वनवासियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

महा मण्डलेश्वर हरिद्वार स्वामी कैलाशनंद गिरी महाराज ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुर्वेदिक औषधियां की महत्ता पर प्रकाश डाला।

उल्लेखनीय है कि आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा को विज्ञान और आधुनिक तकनीक से जोड़कर फ़रेस्ट टू फ़र्मेसी मॉडल को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। 27.87 एकड़ क्षेत्र में 36.47 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई से प्रतिवर्ष 50 करोड़ रूपए मूल्य के उत्पाद तैयार किये जाने का अनुमान है। यह इकाई प्रदेश के वनों में पायी जाने वाली औषधीय और लघु वनोपज जैसे महुआ, साल बीज, कालमेघ, गिलोय, अश्वगंधा आदि का संगठित एवं वैज्ञानिक प्रसंस्करण कर चूर्ण सिरप, तेल, टैबलेट एवं अवलेह जैसे गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदिक उत्पादों का निर्माण करेगी। यह इकाई छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड के तहत प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय बाजारों में पहचान दिलाने का प्रमुख केन्द्र भी बनेगी। परियोजना के अंतर्गत 2 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की प्राथमिक प्रसंस्करण कार्यों में भागीदारी सुनिश्चित होगीए जिससे उन्हें स्वरोजगार का अवसर मिलेगा। वही युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त होने से स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए द्वार खुलेंगे। आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई में आधुनिक वेयर हाउस की 20 हजार मीट्रिक टन की संग्रहण क्षमता विकसित की गई है, जिससे सीजनल वनोपजों के दीर्घकालीन संरक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण में सहायता मिलेगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन को मूर्तरूप देती है। यह न केवल वन उत्पादों के स्थानीय मूल्य संवर्धन का उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशिता को भी सशक्त बनाती है।

भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक का जन्मदिन आज मनाया जाएगा

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक का जन्मदिन आज 30 जून को बाफना मंगलम दुर्ग में मनाया जाएगाष। कार्यक्रम आज शाम 6 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर भाजपा नेताओ व कार्यकर्ताओं व नागरिकों को शामिल होने

पार्श्व तीर्थ नगपुरा में भव्य सामूहिक चातुर्मास के आयोजन की तैयारियां जोरो पर

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में इस वर्ष भव्य चातुर्मास आयोजित है। चातुर्मास का विधिवत प्रवेश 6 जुलाई सुबह 8 बजे होगा! तीर्थ प्रबंधन की विनंति पर तीर्थोध्दार.जीर्णोद्धार मार्गदर्शक गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्रीमद विजय राजयश सूरीश्वर जी म.सा.ने अपनी आज्ञानुवर्तिनी साध्वीवृंद तपस्विनी साध्वी लक्ष्ययशा श्रीजी म.सा., व्याख्यात्री साध्वी लब्धियशा श्रीजी म.सा.एवं कार्यकुशल साध्वी आज्ञायशा श्रीजी म.सा. को तीर्थ में चातुर्मास आराधना हेतु भेजा है। उल्लेखनीय है पूज्य साध्वीवृंद तीर्थ में सन् 2018 एवं 2019 में सामूहिक चातुर्मास आराधना के साथ पोष दशमी महोत्सव एवं संस्कार शिविर के आयोजन में निश्रा प्रदान किए थे। सन् 2019 से निरंतर तीर्थ के विकास को दृष्टिगत रखते हुए तीर्थपति श्री उवसग्गहरं पार्श्व प्रभु की विशिष्ट पूजा करते आ रहे हैं। हैद्राबाद, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्णाटक, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के

सा.श्री लब्धियशाश्री जी म.सा. | सा.श्री लक्ष्ययशाश्री जी म.सा. | सा.श्री आज्ञायशाश्री जी म.सा.

विभिन्न शहरों ग्रामों में उवसग्गहरं. उत्सव, आयोजन के माध्यम से तीर्थ को जगह.जगह प्रतिष्ठित किए, अभी तक लगभग 161 स्थानों पर उवसग्गहरं .उत्सव का आयोजन साध्वीवृंद द्वारा किया जा चुका है। तीर्थपति की महिमा एवं उवसग्गहरं स्तोत्र एवं वर्धमान शक्रस्तव के साथ महाभिषेक, विशिष्ट पूजा अनुष्ठान से हजारों श्रद्धालुओं को जोड़कर तीर्थयात्रा के लिए प्रेरित किए है।

इस तारतम्य में तीर्थ अध्यक्ष गजराज पगारिया ने बतलाया कि इस वर्ष पूज्य साध्वीवृंद की निश्रा में देशभर से लगभग 207 आराधकगण तीर्थ परिसर में सामूहिक चातुर्मास की आराधना करने पधार रहे हैं।

चातुर्मास आराधकों के साथ ही देशभर से अनेक जैन श्री संघ के प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथियों का भी आगमन हो रहा है। पूज्य साध्वीवृंद एवं चातुर्मास आराधकों का आराधना पूर्व रविवार 6 जुलाई प्रात: 8 बजे बाजे.गाजे.रथ. घोड़ा बैंड.जुलूस के साथ भव्य चातुर्मास प्रवेश.उत्सव आयोजित है।

चातुर्मास आराधना के अंतर्गत प्रतिदिन प्रवचन प्रत्येक रविवार को विशिष्ट महापूजनध्प्रत्येक शुक्रवार को अधिष्ठायिका देवी श्री पद्मावती माता को चुनरी समर्पण, रात्रि में भक्ति.भावना, सम्पन्न होगा। चातुर्मास में अनेक तपाराधक भी पधार रहें हैए इन तपस्वियों के तप.आराधना से तीर्थ मे तप अनुमोदना का विशेष आयोजन होगा। चातुर्मास उत्सव आत्मजागृति का विशेष पर्व होता है। श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ की महिमावंत . ऊर्जावंत भूमि, दादा श्री उवसग्गहरं पार्श्वनाथ की छत्रछाया और विदूषी साध्वी गुरु भगवंतों की सान्निध्यता में 54 दिनों तक तीर्थ में प्रतिदिन उत्सव का वातावरण रहेगा।

आर्टकॉम ने हर आंगन एक पेड़ अभियान के तहत नगपुरा में लगाएं 101 पौधे

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की कला एवं पर्यावरण के प्रति समर्पित संस्था आर्टकॉम ने सातवे वर्ष अपने अभियान हर आँगन एक पेड़ के तहत संपूर्ण टीम के साथ काम कर रही हैं। इस वर्ष अपने अपने अभियान के तीसरे सप्ताह के आर्टकॉम श्री महावीर मेडिकल कालेज ऑफनेचरोपैथी एवं यौगिक सांईस नगपुरा में कॉलेज के डायरेक्टर डॉ रमेश श्रीवास्तव एवं कुमुद श्रीवास्तव के नेतृत्व में 101 पौधों का रोपण किया। जिसमे आम, मूंगा, कटहल जामुन के साथ विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादारए एवं स्वास्थ वर्धक पौधों का रण आर्टकॉम टीम एवं कालेज के शिक्षकों और छात्रों ने किया।

इस वृक्षारोपण में कालेज के छात्र छात्राओं ने भारी मात्रा में बढ़चढकर हिस्सा लिया और हर आँगन एक पेड़ एवं हर आँगन वाटर हार्वेस्टिंग का नारा बुलंद किया गया। कुछ छात्राओं ने इस दौरान वृक्षारोपण से होने वाले फायदे के बारे में भी जानकारियां दी।

कार्यक्रम में आर्टकाम के संस्थापक निशु पांडेय ने सभी समाज के नेतृत्व कर्ता से आर्टकॉम के अभियान हर आँगन एक पेड़, हर आँगन वाटर हार्वेस्टिंग से जुड़ने हेतू आव्हान किया। संस्था की वरिष्ठ सदस्य शारदा गुप्ता ने कहा कि हम सब अपने वाहनों को रखने के लिए छायादार वृक्ष खोजते हुए दिखते जरूर है तो हमारी भी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने जीवन में कम से कम दो छायादार पेड़ हर वर्ष अवश्य लगाए और धरती माता की सुरक्षा के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करे। आज के इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में कालेज के डायरेक्टर रमेश कुमार श्रीवास्तव, कुमुद श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक साहू, कृतिका राठौर, दीपिका देवांगन मुख्य रूप से उपस्थित थे। आर्टकॉम से से निशु पाण्डेय (संस्था संचालक) करमजीत सिंह, शारदा गुप्ता, डॉरमेश श्रीवास्तव, अमिताभ भट्टाचार्य, संतोष जायसवाल, मेघा कौर, नीलकमल सोनी, श्रीनिवास मिश्रा, शिव शंकर यादव, भास्कर तिवारी आदि उपस्थित थे।

पाटन में 28 जुलाई को निकाली जायेगी कांवर यात्रा

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। बोल बम कांवर यात्रा समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में सर्वे भंवतु सुखिन: एवं जल संरक्षण के उद्देश्य को लेकर सावन के तीसरे सोमवार 28 जुलाई को कांवर यात्रा निकाली जायेगी। टोलाघाट में रूद्राभिषेक एवं जलाभिषेक किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में गांव गांव में तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।

इसके तहत कांवर यात्रा के कांवड़ियों द्वारा गांव गांव में घरोंघर से एक मुट्टी चांवल भगवान शंकर के नाम चांवल एकत्रित कर प्रसाद बनाई जायेगी। इस संबंध में व्यापक विचार विमर्श कर समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक लेकर उक्त निर्णय लिये गये।

इस बैठक में प्रमुख रूप से कमलेश वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष पाटन निशा सोनी, उपाध्यक्ष नगर पंचायत पाटन रानी बंछोर, मंडल अध्यक्ष पाटन दिनेश साहू, अनिल वर्मा, केदार नाथ चंद्राकर, प्रमोद वाघ, नेतराम निषाद, विनोद साहू, विष्णु निषाद, किरण वर्मा, केशव बंछोर, माधव वर्मा, गिरधर प्रसाद, योगेश सोनी, राकेश आडिल, भास्कर वर्मा, दुलेश्वर सिंह, चित्रसेन साहू, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हर चाल सोच-समझकर चलनी होती है, यही सिखाता है शतरंज : मनराखन

खैरागढ़, 29 जून (देशबन्धु)। विवेकानंद पब्लिक स्कूल, खैरागढ़ के प्रांगण में रविवार को केसीजी जिला सीनियर पुरुष-महिला शतरंज चैम्पियनशिप 2025 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। सुबह 10 बजे उद्घाटन के साथ शुरू हुई प्रतियोगिता में 10-30 बजे से मुकाबलों का रोमांच शुरू हो गया, और शाम 4-30 बजे पुरस्कार वितरण समारोह के साथ प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन जिला शतरंज संघ खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा किया गया, जो छत्तीसगढ़ राज्य शतरंज संघ से मान्यता प्राप्त है। आयोजन में विवेकानंद पब्लिक स्कूल का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और धैर्य का परिचय देते हुए भाग लिया।

आयोजकों ने साफ तौर पर बताया कि केवल केसीजी जिले के मूल निवासी ही भाग ले सकते हैं, जिसके लिए आधार कार्ड अथवा निवास प्रमाण पत्र अनिवार्य था। प्रतिभागियों ने पांच राउंड के मुकाबलों में अपनी चालों की बुनावट से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रतियोगिता में प्रवेश शुल्क मात्र 100 रुपये रखा गया था ताकि अधिक से अधिक खिलाड़ी भाग ले सकें। विजेताओं को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन ➢➢ शेष पृष्ठ 9 पर ➢

अय्यूब खान डौंडीलोहारा क्षेत्र के बनाये गये प्रभारी

7 जुलाई के कार्यक्रम की करेंगे तैयारियां

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की 7 जुलाई को होने वाली किसान जवान संविधान आमसभा के लिये प्रदेश कांग्रेस के सचिव अय्यूब खान को डौंडीलोहारा विधानसभा का प्रभारी बनाया गया है। उनकी नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने की। इस संबंध में श्री खान ने बताया कि वे शीघ्र ही डौडीलोहारा जाकर कांग्रेस के सभी संगठनों के अध्यक्षों, नगरीय निकाय के पार्षदों व पदाधिकारियों एवं कांग्रेसजनों की बैठक लेकर 7 जुलाई की आमसभा में ज्यादा से ज्यादा लोग रायपुर पहुंचे इसका प्रयास करेगें।

अंडर 15 शतरंज में इशिका, शिल्प एवं सीनियर में हिमानी व ईशान सैनी बने जिला चैंपियन

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा नगर निगम दुर्ग के सहयोग से दो दिवसीय दुर्ग जिला सीनियरए महिला एवं सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में अंडर 15 बालक वर्ग में शिल्प कुमार घोड़ेसवार 6 अंक एवं बालिका वर्ग में इशिका मड़के 5अंक तथा सीनियर वर्ग में ईशान सैनी 5.5 अंक तथा महिला वर्ग में हिमानी देवांगन 4अंक जिला चैंपियनशिप में विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि जिले के कुल 132 खिलाड़ियों ने स्पर्धा में भाग लिया था। स्पर्धा में कुल 6 मैच खेले गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैलाश जैन बरमेचा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से प्रतिभाएं निखरकर सामने आती है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि हार जीत खेल का हिस्सा है। हार से निराश नहीं होकर खिलाड़ी को आगे अपने खेल में सुधार लाना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष पार्षद लीलाधर पाल ने जिला शतरंज संघ दुर्ग की सराहना करते हुए कहा कि शहर में इस तरह के आयोजन समय समय पर होना चाहिए। विशेष अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र सिंह राजपूत ने भी अपने विचार व्यक्त किये। ➢➢ शेष पृष्ठ 9 पर ➢

■ चयनित चार चार खिलाड़ी राज्य शतरंज चैंपियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे

संभागायुक्त-कलेक्टर ने किया पीएम आवास का औचक दौरा

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर और कलेक्टर अभिजीत सिंह सूर्या माल के पीछे निर्मित आवास का निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के साथ पहुंचे। बड़ी संख्या एवं खुले क्षेत्र में निर्मित आवासों को देखकर संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर प्रसन्नता जाहिर किये। प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक अंतर्गत 1120 यूनिट सूर्य विहार के पीछे और 810 यूनिट माइलस्टोन के पास आवासों का संयुक्त निरीक्षण निगम के टीम के साथ किए। 1120 यूनिट अंतर्गत निर्माणाधीन मकान को त्वरित रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जो हितग्राही शिफ्ट हो गए हैं उनके स्थाई रूप से पानी, बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया। इसके पश्चात 810 यूनिट माइलस्टोन के पास के आवासों का निरीक्षण किया गया । जिसमें निगम भिलाई को पूर्ण किस्त जमा किए गए लगभग 115 हितग्राहियों के मकान को पहले पूर्ण करके हितग्राहियों को सौंपने के लिए निर्देश दिए गए। कलेक्टर कुरूद स्थित सीबीजी प्लांट स्थल का निरीक्षण निगम आयुक्त के साथ किए एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी हरिवंश सिंह मीरी, महेश राजपूत, जोन आयुक्त ऐशा लहरे, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली एवं राजस्व टीम उपस्थित रहे।

त्रिनयन ऐप की मदद से नकबजनी का खुलासा

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। स्मृतिनगर पुलिसने चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी सुधीर कुमार अग्रवाल निवासी स्मृतिनगर पुलिस चौकी ने 28 जून को रिपोर्ट दर्ज कराया कि दुर्गा नगर कोहका स्थित आनंद पूरम फेस-1 के मकान में 27- 28 जून के मध्य किसी अज्ञात द्वारा मकान में रखे 8 नग पंखा, 35 नग नल, 55 नग चिटकनी, दो बंडल वायर एवं अन्य सामान किमती करीबन 50,000६ रूपये को चोरी कर ले गया है। चौकी स्मृतिनगर नें धारा 331(4) 305 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना स्थल के आसपास एवं रोड में लगे सीसीटीव्ही कैमरा में तीन संदेही घुमते नजर आये संदेही की पहचान प्रेम, समीर के रूप में किये जिसके संबंध में संदेहियों की पता तलाश कर घेरा बंदी कर पकड़कर चौकी लाये जिनसे पूछताछ करने पर अपने साथी विधि से संघर्षरत् बालक के साथ मिलकर 3 अप्रैल को मॉडल टाउन शिव मंदिर में चोरी करना, 17 मई को दीन दयाल कालोनी से मोटर सायकल सीजी 07 एएफ 0812 को चोरी करना जिसका नम्बर प्लेट को बदलकर चलाना बताये जिसके बाद तीनों प्लानिंग बनाकर 27 जून को आनंद पूरम फेस 01 में चोरी करना कबूल किये। आरोपियों के कब्जे से चोरी गये मशरूका एक मोटर सायकलए 08 नग सिलिंग फेन, 55 नग स्टील का नल, शावर, दो बंडल वायर एवं अन्य घरेलू सामान को आरोपियों एवं अपचारी बालक के कब्जे से बरामद किया गया है। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक गुरूविन्दर सिंग संधु, प्रधान आरक्षक राधेश्याम चंद्राकर, जितेन्द्र सिंह कुशवाह, पंकज चौबे, आरक्षक सविन्दर सिंग, हर्षित शुक्ला, उमेश साहू, गोविन्द साहू, अनिकेत चंद्राकर,कौशलेन्द्र सिंहए कमल नारायण की कार्यवाही सराहनीय रही।

ब्लैकमेल के प्रकरण में मिली सफलता

भिलाईनगर। प्रार्थी थाना नंदिनी नगर ने लिखित आवेदन पेश किया वर्ष 2009.2010 मे सिद्धार्थ नगर कोसा नाला निवासी दामीनी सोनी से प्रार्थी की पहचान हुई थी जो आपस में बातचीत करते थे। 'वर्ष 2013.2014 मे दामीनी सोनी का विवाह हो गया था। वर्ष 2021 मे दामीनी ने फेस बुक मे प्रार्थी जितेन्द्र कुमार को फ्रेंड रिक्रेस्ट भेजा था फिर मैसेज मे आरोपिया दामीनी ने प्रार्थी का मोबाईल नंबर मांगा व मोबाईल फोन व वाटसअप से बातचीत करने लग व दोनो के बीच नजदीकीयां बढने लगी इसी दौरान दामिनी ने दोनो के बीच हुये बातचीत व मैसेज, चैटिंग, कॉल रिकार्ड आदि को अपने मोबाईल मे रख कर प्रार्थी द्वारा बात नही मानने पर गाली गलौज करती और धमकाती कि मैसेज, चैटिंगए कॉल रिकार्ड तथा वीडियो रिकार्ड सभी रिश्तेदार व पब्लिक में वायरल करने की धमकी एवं अलग से घर और हर महीने आधा पेंमेंट मांगने लगी जिससे प्रार्थी परेशान होकर दामिनी से मिलना जुलना और बातचीत बंद कर दिया था। दामिनी और उसका जीजा प्रार्थी को धमकी देकर डरा धमका कर करीबन 2 लाख रूपये ले चुके थे। फिर भी दामिनी सोनी और उसका जीजा बर्बाद करने की धमकी देकर पैसो का मांग करते रहे कि 7 सितम्बर 24 को शाम दामीनी अपने जीजा के साथ प्रार्थी के घर आकर पैसे की मांग करने पर प्रार्थी ने लिखित आवेदन पर थाना नंदिनी नगर मे देने पर धारा 308(2), 3(5), बीएनएस कायम आज आरोपी जीजा को गिरफ्तार किया गया है, एवं आरोपीया दामिनी घटना के बाद से फरार है।' जिसकी पता साजी किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार शीघ्र ही उनकी गिरफ्तारी हो जायेगी।

बड़ा संस्थान में डॉ सुरेंद के नाम रखने की मांग

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। दुर्ग जिले में जन्मे विख्यात हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे का गत दिनों आकस्मिक निधन पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गौरव, व्यंग्यकार पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे की कवितायें न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि सात समंदर पार विदेशों में भी गूंजती हैं। विधयाक श्री सेन ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं संगठन महामंत्री पवन साय से छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख संस्थान और हर जिले में एक-एक बड़े संस्थान का नामकरण पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे के नाम करने की मांग की है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि अपने विलक्षण हास्य, तीक्ष्ण व्यंग्य और अनूठी रचनात्मकता के माध्यम से डॉ. सुरेंद्र ने न केवल देश-विदेश के मंचों को गौरवान्वित किया बल्कि छत्तीसगढ़ी भाषा को वैश्विक पहचान दिलाने में भी उनकी अहम् भूमिका रही है। डॉ दुबे को काका हाथरसी हास्य रत्न पुरस्कार, पद्मश्री, पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान,

अट्टहास सम्मान, अमेरिका के वाशिंगटन में हास्य शिरोमणि सम्मान, देश के तीन विश्वविद्यालयों से पीएचडी की उपाधि सहित अनेक सम्मान मिल, उनके नहीं होने के बाद भी वो हम सबके हृदय और मन मस्तिष्क में अपनी अमर रचनाओं के माध्यम से सदैव अमर हैं। छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए उनके योगदान को भावी पीढ़ियों के बीच स्मृति शेष बनाए रखने के लिए प्रदेश और छत्तीसगढ़ के हर जिले के एक बड़े संस्थान को डॉ सुरेंद्र दुबे के नाम पर समर्पित किए जाने की मांग छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णुदेव साय और हमारे संरक्षक भारतीय जनता पार्टी संगठन से की है।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। नंदिनी पुलिस ने नौकरी लगाने के नाम पर 6 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में आरोपी जय कुमार को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। नंदिनी पुलिस द्वारा बताया गया कि प्रार्थिया ज्योति साहू पिता स्व. केशव प्रसाद साहू निवासी मकान नंबर 37 वार्ड क्रमांक 01 अहिवारा जिला दुर्ग द्वारा थाना नंदिनी में एक लिखित आवेदन इस आशय का पेश की है कि आरोपी जयकुमार द्वारा शासकीय विभाग में राज्य सहकारी मर्यादित अपेक्स बैंक में प्रबंधक के पद में भर्ती करने का आश्वासन देकर 6,00,000 रुपए की मांग करने पर प्रार्थिया द्वारा 6 अगस्त 2023 को 1,00.000 रुपए एवं 13 जनवरी 2024 को 4,00,000 नगद तथा 5 जनवरी 2024 को 1,00,000 रुपए बैंक के माध्यम से दिया गया है। प्रार्थिया द्वारा काम नहीं होने पर वापस पैसों की मांग करने पर आरोपी जय द्वारा 10 मई 2025 और 12 मई 2025 को 2,00,000 रुपए के दो चेक दिया गया था वह चेक जय के खाते में पैसा नहीं होने के कारण निरस्त हो गया। आरोपी जय द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर रकम लेकर प्रार्थिया के साथ धोखाधड़ी किया जाना पाए जाने से प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना नंदिनी नगर में अपराध क्रमांक 142/2025 धारा 420 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया । दौरान विवेचना के बाद आरोपी जय कुमार को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रगति नगर रिसाली भिलाई थाना नेवई का रहना बाला है।

प्रतिबंधित दवाइयों का विक्रय करने वाले आरोपी गिरफ्तार

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। उतई थाना क्षेत्रान्तर्गत नशीली दवाइयां के दुरुपयोग, अवैध तस्करी की रोकथाम ध्लगाकर उक्त अपराधों में त्वरित कार्यवाही हेतु वरिष्ठ अधिकारियों का द्वारा दिए गए दिशा निर्देश का पालन करते हुए थाना उतई पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत कार्यवाही किया गया। विदित हो कि पूर्व में 22 मई 2025 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर सेलूद पाटन रोड रजिया दुकान के पास दो व्यक्ति प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बिक्री करने की सूचना पर मौके पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियान कृष्णा यादव, अजय यादव, मनोज डोंगरे, गोवर्धन लाल सिंह के कब्जे से प्रतिबंधित नशीली टैबलेट एवं कैप्सूल को बरामद कर आरोपियों को 22 जून 2025 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। इसी क्रम में प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपी नेतराम साहू जो एम आर फील्ड में सेल्स का काम करता है, जिसके द्वारा मेडिकल दुकान में प्रतिबंधित नशीली टैबलेट अल्प्राजोलम एवं कैप्सूल ट्रामाडोल को ऑर्डर पर बिक्री किया जाता था। आरोपी की पता तलाश कर आरोपी के कब्जे से मोबाइल, आधार कार्ड, बिजनेस कार्ड एवं नगदी रकम 2000 रुपए को जप्त कर आरोपी को 28 जून को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाही कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक शिव चंद्र, उप निरीक्षक कमल सिंह सेंगर व थाना स्टाफ की सराहनीय योगदान रहा है। उतई पुलिस ने अपराध क्रमांक 198/2025 धारा 8, 22(क), 27(क) एनडीपीएस एक्ट कार्यवाही की गई है। जप्त संपत्ति नशीली टैबलेट अल्प्राजोलम एवं कैप्सूल ट्रामाडोल, मोबाइल, आधार कार्ड, बिजनेस कार्ड एवं नगदी रकम 2000 रुपये जप्त किया गया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भव्य समारोह

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। भिलाई इस्पात मज़दूर संघ द्वारा सेक्टर-6 स्थित कार्यालय में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त हुए संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सह सचिव बिवास सिन्हा तथा प्रमोद कुमार राय का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा उन्हें अंग वस्त्र, फूल.माला एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित सभी ने सेवानिवृत्त पदाधिकारियों के योगदान को सराहा और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर एक और महत्वपूर्ण घटना घटी जब सेक्टर-2 रोष सोसायटी के अध्यक्ष सीमांचल बेहरा ने भिलाई इस्पात मज़दूर संघ की रीति-नीति एवं विचारधारा से प्रभावित होकर संघ की सदस्यता ग्रहण की। संघ के महामंत्री ने श्री बेहरा का फूल माला एवं अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया और विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन और अधिक मजबूत होगा। समारोह में संघ के अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे जिनमें मुख्य रूप से उपाध्यक्ष आई.पी. मिश्रा, डिल्ली राव, सुधीर गडेवाल, मृगेंद्र कुमार, विनोद उपाध्यायय संयुक्त महामंत्री वशिष्ठ वर्मा, प्रदीप पाल, जोगेन्द्र कुमार, भूपेंद्र बंजारे, गौरव कुमार, कोषाध्यक्ष रवि चौधरी, सचिव ए.वेंकट रमैया, पूरन लाल साहू, अखिलेश उपाध्याय, संतोष सिंह, संजय कुमार साकुरे, सुबोधित सरदार, आर.के. सोनी, घनश्याम साहू, राजीव सिंह, सुधाकर वॉनवे, राजेश बघेल, अनिल राय, संतोष जगन्नाथ नाले शामिल रहे। संघ सतत रूप से मज़दूरों के हितों की रक्षा के लिए संकल्पित है और इसी उद्देश्य से संघ को मजबूत करने हेतु नए सदस्यों का स्वागत करता है।

तरनताल और खेल परिसर निर्माण का महापौर ने किया निरीक्षण

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। भिलाई चरोदा महापौर निर्मल कौसरे सिरसा गेट के समीप नये निर्माणाधीन तरनताल (स्वीमिंग पुल) और खेल परिसर का औचक निरीक्षण करने पंहुचे थे। इस दौरान आधिकारियों ने महापौर के निर्माण स्थल पर पंहुचने की सूचना प्राप्त होने पर आनन फानन में जानकारी सहित उक्त निर्माण स्थल पर पंहुच कार्य की प्रगति और अब तक किये गये निर्माण कार्य की जानकारी से मेयर श्री कौसरे को अवगत कराया। यहाँ यह बता दे कि पुराना तहसील कार्यालय भिलाई 3 सिरसा गेट चौक से सटे स्थान पर पूर्व स्वीकृत कार्य अनुसार एक नया तरनताल एवं खेल परिसर का निर्माण कार्य वर्तमान में चल रहा है। जिसकी पूर्णता नही होने पर चरोदा महापौर के द्वारा गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई गयी है साथ ही आगामी 15 जुलाई 2025 तक हर स्थिति में कार्य पूर्ण करने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। भिलाई-चरौदा नगर पालिक निगम के महापौर निर्मल कोसरे ने सभी बिकास कार्यो को समय पर पुरा करने का निर्देश दिया है।

विद्यालय, सुरक्षित समाज विषय पर कार्यशाला

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। नए शिक्षण सत्र के शुरुआत में ही छात्र छात्राओं के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित विद्यालय सुरक्षित समाज विषय पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल द्वारा जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थान स्कूलों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधियों की कार्यशाला का आयोजन कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर में किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने यातायात के प्रति जागरूक होने और सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवश्यक है कि स्टॉफ टीचर एवं स्टूडेंट्स के लिए हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। स्कूली बसों, वैन की गति सीमा नियंत्रित हो, ज्यादातर दुर्घटनाएं लापरवाही से होती हैं इसलिए सावधानी ही सुरक्षा है, सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करें, ट्रैफिक नियमों की जानकारी छात्रों को नियमित रूप से दी जाए स्कूली बसों की तकनीकी और यांत्रिक जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए, ड्राइवर और कंडक्टर का चरित्र सत्यापन कराया। बसों और प्राइवेट वैन में सीसी कैमरे अनिवार्य रुप से लगवाया जाए। सुरक्षा के लिए अपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों को नियुक्त ना करें, हर कर्मचारी का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रुप से कराया जाए, हर कर्मचारी स्वयं का अपराधिक रिकॉर्ड ना होने का शपथ पत्र देने बताया गया। नियमित रूप से आयोजित किया जावे, बसों, वैनों की जानकारी, ड्राइवर का नंबर, रूट की सूचना पालकों को दी जाए। सूचना संप्रेषण में पारदर्शिता व तत्परता आवश्यक है। महिला स्टॉफ एवं छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया जाए। इसके लिए स्कूल में महिला नोडल अधिकारी नियुक्त हों, स्कूलों में शिकायत पेटी लगाई जाए। उसकी चाबी

महिला पुलिस रक्षा टीम के पास होगी। कक्षा 1 से छात्रों को गुड टच.बैड टच के बारे में जानकारी देना आवश्यक इस हेत प्रशिक्षित महिला शिक्षिकाएं और पुलिस कर्मी समय.समय पर सेशन लें, बच्चों को सिखाया जाए कि असहज महसूस होने पर तुरंत किसी विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी दें। नशा मुक्ति और ड्रग अवेयरनेस के तहत छात्रों में नशे की आदत की रोकथाम के लिए काउंसलिंग कराई जाए। साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के प्रति छात्र.छात्राओं को सतर्क रखें, अजनबी से चैट, फोटो शेयरिंग, गेमिंग में सावधानी बरती जाएए, प्रत्येक स्कूलों में सुरक्षा समिति गठित हो। सुरक्षा संवाद और अवेयरनेस सेशन हर माह आयोजित किया जाए। कार्यशाला में वीरेंद्र ठाकुर एडीएम दुर्ग ने स्कूलों में छात्र छात्राओं की सुरक्षा को रेखांकित किया। कार्यशाला में सुखनंदन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, सुश्री ऋचा मिश्रा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात, पद्मश्री तंवर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईयूसीएडब्ल्यू, अरविंद मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग, श्री सत्य प्रकाश तिवारी नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर विजय यादव थाना प्रभारी सुपेला, उप निरीक्षक संकल्प राय सहित लगभग 400 शासकीय अशासकीय स्कूलों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

विधायक ने किया संविधान चौक का लोकार्पण

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। रिसाली सेक्टर के हॉस्पिटल चौक में छत्तीसगढ़ मातृशक्ति संगठन के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस एवं सविधान चौक लोकार्पण का कार्यक्रम किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र यादव, महापौर शशि सिन्हा, विशेष अतिथि सभापति केशव बंछोर, एमआईसी संजू नेताम, एमआईसी जमुना ठाकुर, एमआईसी सनीर साहू, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र परगनिया उपस्थित हुए। कार्यक्रम में संविधान प्रस्तावना की व्याख्यान की गई। संविधान चौक का लोकार्पण विधायक देवेंद्र यादव के द्वारा किया गया व भारतीय संविधान से समस्त देशवासियों को मिली उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। महापौर शशि सिन्हा ने संविधान चौक के सौंदर्यीकरण की घोषणा एवं वीरांगना रानी दुर्गावती को आत्मसात करने की अपील की। प्रवक्ता सारदा रामटेके ने रानी दुर्गावती के जीवनसंघर्ष पर प्रकाश डाला। दिनेश्वरी भुआर्य ने जनगीत के माध्यम से जननायको को याद किया। राजेन्द्र परगनिया ने स्वागत भाषण किया। मंच संचालन चन्द्रकला तारम व सीमा साहू ने किया। पल्लवी ठाकुर, दीपेश्वरी चनाप , डालिया ढाले, प्रमिला सुधाकर, सविता मेश्राम, मुलेश्वरी कोलियारा, बसंती लता साहू, रामेश्वरी ठाकुर, भावना पुसरिया, कौशिल्या देशलहरा, माधुरी, अहेरवाल मंजू ठाकुर, प्रतिमा दामले, अनीता साहू, लक्ष्मी कुंजाम, लीना ध्रुर्वे, गायत्री ठाकुर, पेमीन बाई, गौतरहीन बाई, सुरजा बाई, केशर बाई, सुनिता बाई, दीक्षा दामले, हीरा मेश्राम, डॉ. सोनिका बोधी, मोनेश बंछोर, चुम्मन देशमुख, राजेन्द्र रजक इत्यादि उपस्थित थे।

संयंत्र के 21 कार्यपालकों को दी गई विदाई

भिलाइनगर, 29 जून (देशबन्धु)। संयंत्र के खदानों सहित विभिन्न विभागों में पदस्थ 21 कार्यपालकों के 30 जून 2025 को सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में उन कार्यपालकों हेतु विदाई समारोह का आयोजन इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक परियोजनाएं एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन, पवन कुमार तथा सेफी चेयरमेन एवं ओए बीएसपी के अध्यक्ष एन के बंछोर ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश और सेवा प्रमाण पत्र प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्जवल भविष्य कामना दी। सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों ने सेल में अपने सेवा अनुभव और सेवानिवृत्ति के बाद भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया। सेवानिवृत्त होने वाले कार्यपालकों में महाप्रबंधक ओपी-2 पूर्ण चंद्र बाग, महाप्रबंधक एस्टेट विजय कुमार शर्मा, महाप्रबंधक एफ एंड पी शॉप, सुधाकर नंदकर, महाप्रबंधक प्रोपेन स्टोरेज, रमेश प्रसाद अहिरवार, महाप्रबंधक सी एंड आईटी श्रीमति सुमिता डेए महाप्रबंधक ब्लास्ट फर्नेस, सनत कुमार बाला, उप महाप्रबंधक आरसीएल प्रशांत जोशी, सहायक महाप्रबंधक एलए सुभाष भाई पटेल, सहायक महाप्रबंधक ओपी-2 डोमार सिंह साहू, सहायक महाप्रबंधक एचआर बीजू जॉर्ज, सहायक महाप्रबंधक टीईईडी जय प्रकाश पांडे, सहायक महाप्रबंधक प्लांट गैरेज प्रवींद्र कुमार कांबले, सहायक महाप्रबंधक सीओसीसीडी, शांति स्वरूप मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक आईओसी माइन्स, रजत कुमार बनर्जी, सहायक महाप्रबंधक आरसीएल, भीमराव फुसे, वरिष्ठ प्रबंधक आरसीएल, प्रशांत कुमार देशपांडे, वरिष्ठ प्रबंधक सीओसीसीडी, के निखाले, वरिष्ठ प्रबंधक मार्स ताल सिंह वर्मा, प्रबंधक आईओसी माइन्स, अजीत कुमार किंडो, प्रबंधक सीएमएम अरविंद ताराचंद रामटेके, जेओ ओएचपी गोवर्धन लाल टंडन।

संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाने का प्रयास

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। संयंत्र में एक मजबूत और सतत सुरक्षा संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से कार्मिकों और अधिकारियों द्वारा निरंतर पहल की जा रही है। इसी क्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों में सुरक्षा प्रोत्साहन और सहभागिता राउंड्स के माध्यम से निरीक्षण किया जा रहा है, जिसे बीहेवियरल इंटरवेंशन के नाम से जाना जाता है। बीआई के अंतर्गतए जब कोई कर्मी कार्यस्थल पर असुरक्षित गतिविधियों में संलग्न पाया जाता है, तो उसे तत्काल रूप से समझाया जाता है और भविष्य में केवल सुरक्षित कार्य पद्धति अपनाने हेतु प्रेरित किया जाता है। साथ ही शॉप्स में उपस्थित असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान कर उन्हें रिकार्ड किया जाता है। जिन्हें संबंधित विभाग द्वारा समयबद्ध रूप से दूर किया जाता है। बीआई के इस अभियान की शुरुआत प्रशिक्षुओं को विशेष प्रशिक्षण देने के साथ की जाती है। इस प्रशिक्षण में असुरक्षित कार्य एवं स्थितियों की पहचान, सहकर्मियों के साथ संवाद की प्रभावी तकनीकें और सुरक्षा के प्रति मानसिकता में सकारात्मक परिवर्तन लाने की रणनीतियाँ शामिल होती हैं। प्रशिक्षण के पश्चात, प्रशिक्षित कार्मिकों एवं अधिकारियों को दो.दो के समूह में विभाजित किया जाता है और उनके भ्रमण का मासिक कार्यक्रम बीएसपी के ई.सुरक्षा पोर्टल पर जारी किया जाता है। भ्रमण के दौरान ये टीमें शॉप्स में जाकर असुरक्षित क्रियाओं और परिस्थितियों की पहचान करती हैं। वहां कार्यरत कर्मचारियों से संवाद कर उनकी सुरक्षा जागरूकता बढ़ाती हैं और उन्हें सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। पिछले वर्षों के अवलोकन से यह स्पष्ट हुआ है कि बीआई कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति चेतना में सकारात्मक वृद्धि हुई है। और वे सुरक्षित कार्य प्रणाली को अपना रहे हैं।

सेक्टर-2 भिलाई विद्यालय में पीटीए का गठन

भिलाईनगर, 29 जून (देशबन्धु)। सेक्टर-2 स्थित भिलाई विद्यालय में पालक शिक्षक समिति का गठन किया गया। कुल 12 सदस्यों को पीटीए में शामिल किया गया है। स्कूल में पढ़ने वालो सैकड़ों बच्चों के अभिभावकों व शिक्षकों की उपस्थिति में पीटीए गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीएसपी के अधिकारी सरोज कुमार झा उपस्थित रहे। भिलाई विद्यालय पीटीए के अध्यक्ष नारायण सिंह राजपूत, के मोहन राव व भुवनेश्वरी देवांगन पीटीए के उपाध्यक्ष चुने गए। संतोष सिंह, साबिर अली, कविता बराक, सीमा भगत व प्रभाष चंद्रदास सदस्य नामित किए गए। प्राचार्य विजय सिहं पवार द्वारा समिति में शिक्षक देवेन्द्र कुमार साहू, पवन कुमार अग्रवाल, संगीता मिश्रा, एसके साहू को मनोनित किया। पीटीए के पदेन सचिव प्राचार्य विजय सिंह पवार व पदेन कोषाध्यक्ष वरिष्ठ शिक्षिका सरिता साख्या होंगी। सभी पदाधिकारियों का एक वर्ष का कार्यकाल होगा। गठित पीटीए स्कूल की शैक्षिणिक गतिविधियों व स्कूल के विकास की दिशा में कार्य करेगी। नए पदाधिकारियों ने शाला विकास के लिए कार्य करने की बात कही। प्राचार्य विजय सिंह पवार ने विद्यालय की उपलब्धिकयों की जानकारी दी। उन्होने बताया कि भिलाई विद्यालय शहर का सबसे पुराना स्कूल हैं। वर्तमान में स्कूल में कंप्यूटर लैब बनाया गया है जिससे की बच्चे कंप्यूटर स्किल में भी बेहतर कर सके। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सरोज कुमार झा ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वे पिछले 25 वर्षों से विद्यालय के कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। उनकी शिक्षा भी भिलाई विद्यालय में पूरी हुई और वर्तमान में भिलाई स्टील प्लांट के अधिकारी हैं। कार्यक्रम का संचालक खोब्रागड़े ने किया।

किसान संगठन द्वारा 2 को प्रदर्शन

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन द्वारा खाद व बिजली की समस्या को लेकर 2 जुलाई को दोपहर 12 बजे जबर्दस्त प्रदर्शन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए संगठन के संयोजक राजकुमार गुप्त ने बताया कि यह प्रदर्शन पटेल चौक दुर्ग में किया जायेगा।

ब्राह्मण मातृशक्ति परिषद् की बैठक में बनी धर्म एवं समाज हित के कार्यों सहित संगठन विस्तार की योजना

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई 29 जून (देशबन्धु) ।समग्र ब्राह्मण परिषद् छत्तीसगढ़ की खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला मातृशक्ति परिषद् ईकाई की बैठक आज रविवार को छुईखदान के ब्राह्मण पारा स्थित श्रीमती डॉली तिवारी के निज निवास में संपन्न हुई.

बैठक के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए जिला ब्राह्मण मातृशक्ति परिषद् की जिलाध्यक्ष श्रीमती डाली तिवारी एवं जिला सचिव श्रीमती स्वाति शर्मा ने बताया कि आज दुर्ग संभाग के अंतर्गत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला एवं आसय के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन विस्तार एवं आगामी आयोजन के विषय में चर्चा हुई. बैठक को संबोधित करते हुये संगठन के प्रदेश संयोजक पं.रामानुज तिवारी ने कहा कि सामाजिक संगठन में सहयोगी के रुप में हम सभी का मुख्य उद्देश्य दिखास या छपास की बजाय नि:स्वार्थ भाव से संगठनात्मक कार्यों में सेवा प्रदान करने का होना चाहिए. इस अवसर पर उपस्थित संगठन के प्रदेश संयुक्त सचिव पं.सचिव तिवारी ने कहा कि हमारी संगठनात्मक कार्यशैली से सामाजिक स्वजनों का प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होना ही सामाजिक कार्यों में हमारे समर्पण को प्रदर्शित करता है अत: समग्र ब्राह्मण परिषद् छत्तीसगढ़ परिवार के अभिन्न अंग होने के नाते हम सभी को आपसी सामंजस्य बनाये रखते हुए वैचारिक रूप से एक होना आवश्यक है. संगठन की रायपुर शहर संयोजक श्रीमती कालिंदी उपाध्याय एवं रायपुर जिला संगठन विस्तार प्रमुख श्रीमती संध्या उपाध्याय ने संगठन की खैरागढ़-छुईखदान-गंडई ईकाई की सभी बहनों की सक्रियता की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी सहयोगी बहनों के सहयोग से लगातार पर्यावरण संरक्षण, सनातन धर्म एवं समाज हित के विभिन्न संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने का सतत् प्रयास किया जा रहा है, जो कि संपूर्ण संगठन परिवार के लिये अनुकरणीय है. संगठन के प्रदेश पदाधिकारियों एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की सहयोगी बहनों द्वारा आज प्रदेश स्तरीय ''प्रकृति श्रृंगार'' अभियान के अंतर्गत छुईखदान स्थित बघरमपाठ के श्री वैष्णो माता मंदिर में पूजा आरती की गई तत्पश्चात मंदिर परिसर में पुष्प के पौधों का पौधारोपण किया गया. बघरमपाठ के संबंध में प्राचीनकाल से प्रसिद्ध है कि इस स्थान में छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न जगहों की मिट्टी को इस स्थान पर लाकर माता वैष्णो की मूर्ति बनाई गयी, जिसे 12 विद्वान पुरोहितों द्वारा अनुष्ठान द्वारा सिद्ध कर स्थापित किया गया था.

बैठक में सनातन धर्म एवं समाज हित सहित आगामी सावन माह में प्रस्तावित आयोजनों के विषय में भी चर्चा हुई. संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डा.भावेश शुक्ला ''पराशर'' ने बैठक में श्रीमती प्रेमलता तिवारी एवं श्रीमती रोहिणी शर्मा को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की मुख्य एवं युवा परिषद् की कार्यकारिणी गठन करने की जिम्मेदारी सौंपी तथा श्रीमती नुपूर तिवारी को दुर्ग संभाग के संभाग मिडिया प्रभारी के रुप नियुक्त किया. इस अवसर श्रीमती विमला शर्मा, श्रीमती शैल शर्मा, श्रीमती सरिता शर्मा, श्रीमती श्यामा तिवारी, श्रीमती श्रद्धा तिवारी, श्रीमती शैल त्रिपाठी, श्रीमती अंजू पांडेय, श्रीमती श्रद्धा दुबे, श्रीमती सीमा मिश्रा, श्रीमती अर्चना दुबे, श्रीमती अंजू तिवारी, श्रीमती रुपा उपाध्याय, श्रीमती आरती तिवारी, श्रीमती मोना चौबे, श्रीमती कीर्तिका तिवारी, पं.वैदिक तिवारी, पं.मुकेश तिवारी, पं.राजकुमार शर्मा, पं.विनय तिवारी, पं.सुरेन्द्र तिवारी सहित खैरागढ़-छुईखदान-गंडई छुईखदान जिला निवासी अनेक संगठन सहयोगी उपस्थित थे.

बेमेतरा पुलिस द्वारा जब्त वाहनों की नीलामी 9 जुलाई को

बेमेतरा 29 जून (देशबन्धु)। बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रों में आबकारी एवं अन्य मामलों में जब्त किए गए 12 वाहनों की नीलामी की प्रक्रिया 9 जुलाई 2025 को सम्पन्न होगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बेमेतरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह नीलामी प्रात: 11ः00 बजे से पुलिस थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा परिसर में की जाएगी। नीलामी हेतु वाहनों का निरीक्षण इच्छुक बोलीदाताओं द्वारा 9 जुलाई की सुबह 04ः00 बजे से किया जा सकेगा। नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को ?2000 की पंजीयन शुल्क राशि जमा करनी होगी, जबकि ?5000 की धरोहर राशि नगद के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति 7 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय में संबंधित अधिकारी से संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं। केवल समयसीमा में पंजीकृत व्यक्ति ही नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। वाहनों की नीलामी से पूर्व इच्छुक व्यक्ति

प्रशासनिक प्रशिक्षण की कलात्मक बयार : डिप्टी कलेक्टरों का सांस्कृतिक अनुभव

खैरागढ़ 29 जून (देशबन्धु)। प्रशासन और कला का एकात्म इसी सोच के साथ छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षणरत 14 प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर्स ने 29 जून रविवार को विश्वविख्यात इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ का प्रेरणादायक अध्ययन भ्रमण किया। यह टीम लोक सेवा आयोग से चयनित अधिकारियों की थी, जो वर्तमान में परिचयात्मक प्रशिक्षण में संलग्न हैं।

कला और विरासत से हुआ आत्मिक साक्षात्कार

अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित ऐतिहासिक दरबार हॉल, प्राचीन महल, राधा-कृष्ण मंदिर, संग्रहालय, शेर गेट दृश्यकला संकाय तथा समृद्ध आर्ट गैलरी का अवलोकन कर वहां की विरासत व संस्कृति की झलक प्राप्त की। यह अनुभव न केवल शैक्षिक रहा, बल्कि शासन में संवेदनशीलता की महत्ता को भी रेखांकित करता है।

पाठ्यक्रमों की जानकारी से मिली शैक्षिक अंतर्दृष्टि

भ्रमण के पश्चात प्रशिक्षुओं ने कुलपति प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा से शिष्टाचार भेंट की और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ढांचे, कलात्मक पाठ्यक्रमों और भविष्य की योजनाओं के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त की। चर्चा सौहार्द्रपूर्ण रही, जिसमें विश्वविद्यालय के विकास को लेकर उत्साहजनक संवाद हुआ। इस भ्रमण कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी टंकेश्वर प्रसाद साहू, एसडीएम खैरागढ़ और सहायक नोडल अधिकारी सहायक कुलसचिव विजय सिंह उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक संवाद और प्रशासनिक दृष्टिकोण का संगम

यह भ्रमण न केवल एक अध्ययन यात्रा रही, बल्कि कला एवं प्रशासन के समन्वय की एक नई दिशा का संकेत भी बनी। अधिकारियों का यह अनुभव निश्चित ही आने वाले प्रशासनिक दायित्वों को अधिक संवेदनशील और सृजनशील दृष्टिकोण से निभाने में सहायक सिद्ध होगा।

विहिप का जिला बैठक ,धर्मातरण को लेकर तेज करेंगे आंदोलन

विहिप पदाधिकारी सदस्य गण संजारी क्लब में किये पौधारोपण

दल्लीराजहरा,29 जून (देशबन्धु)।विश्व हिंदू परिषद जिला की बैठक आज शहर के कला केंद्र भवन में सम्पन्न हुआ। बैठक में दल्ली राजहरा डौण्डो, डौण्डीलोहारा,गुण्डरदेही, गुरूर ब्लाक के विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी व सदस्य गण अपनी उपस्थिति दे कर संगठन के क्रियान्वयन की जानकारी दी। इस बैठक में राजनांदगांव विभाग के संगठन मंत्री कन्हैया लाल कुंदन विभाग मंत्री अरुण गुप्ता,विभाग सह मंत्री प्रशांत दुबे जिला अध्यक्ष विहिप बालोद बलराम गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सर्वप्रथम भारतमाता की पूजा अर्चना व विजय महामंत्र के साथ बैठक की शुरुआत किया गया। इस बैठक में आगामी संगठन की कार्ययोजना के संबध में चर्चा की गई वही कार्ययोजना बनाया गया संगठन मंत्री कन्हैया कुंदन ने बैठक में जानकारी देते हुए कहा कि संगठन के द्वारा राजनांदगांव में 4,5,व 6 जुलाई को विहिप व बजरंग दल के प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है। जिसमे विभाग के तीन जिले राजनांदगांव,बालोद व मोहला मानपुर के जिला व प्रखंड के कार्यकर्ता शामिल होंग। जिसकी तैयारी करने को कहा प्रशिक्षण क्यों जरूरी है। इसकी जानकारी दी विभाग मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं का आव्हान किया व कहा कि धर्म समाज की मजबूती ले लिए समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए काम करना होगा खासकर युवाओं को आगे आना होगा बलराम गुप्ता ने जिले में संगठन के द्वारा किये जा रहे कार्यो की जानकारी देते हुए कहा कि जिले में धर्म समाज को कमजोर करने की कोशिश कुछ लोग कर रहे है। जिसमे धर्मतरण बड़ा मसला है। लेकिन हिन्दू धर्मसेवक लगातार ऐसे लोगो को जवाब दे रहे है। व जिले में हिन्दू धर्म समाज मे जागरूकता बड़ा है। लोग अब धर्मातरण व लव जिहाद गौ तस्करी रोकने के मामलों पर सामने आ रहे है।हीरापुर व सनोद में धर्मतरण पर हुई कार्यवाही पर भी बैठक में चर्चा की गई व सनोद के ग्रामीणों से बात हुई व आगामी समय मे इन गांवों में जाकर बैठक करने व हिंदू धर्म समाज के साथ ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर विचार करने की बात कही साथ सभी विहिप के पदाधिकारियों ने संजारी क्लब में पौधारोपण किया।

दीपक देशमुख भाजपा मीडिया संयोजक बने

छुईखदान ,29 जून (देशबन्धु) ।भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव के निर्देशानुसार एवं मंडल भाजपा अध्यक्ष भावेश कोचर के अनुशंसा से दीपक देशमुख को छुईखदान भाजपा मंडल का मीडिया संयोजक बनाए जाने पर छुईखदान पत्रकार संघ की ओर से पत्रकार साथी अनिल यादव ,संजय शर्मा , सज्जाक खान, दीपक जैन, निलम वैष्णव ,सुदीप श्रीवास्तव, विक्रम ठाकुर ,देवेश सोनी, करणपाल ,महेंद्र सिंह ठाकुर, राजू यादव ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

निर्माण कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करने की रखी मांग

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह को क्षेत्र की समस्या से विधायक हर्षिता ने कराया अवगत

डोंगरगढ 29 जून (देशबन्धु)। मां बमलेश्वरी मंदिर प्रांगण में शनिवार को आयोजित भूमि पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के समक्ष क्षेत्रीय विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने क्षेत्र की मांगों को रखा है । उन्होंने मंच के माध्यम से कहा कि पूर्व की सरकार के समय से वाई सेफ ब्रिज की मांग आ रही थी लेकिन जिस समय माता रानी की कृपा मिलती है उस समय यह कार्य हो जाता है यह मेरे लिए बहुत ही खुशी की बात है कि यह मेरे कार्यकाल में वाईसेफ ब्रिज का भूमि पूजन कार्य संपन्न हुआ । विधायक हर्षिता ने अपनी मांगों को रखते हुए कहा कि शहर में भारी वाहनों के आवाजाही से लोगों को दुर्घटना होने का भय लगा रहता है यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए बायपास रोड बनाना अति आवश्यक है जिससे कि भारी वाहनों की शहर के बाहर से आवाजाही हो । इसी प्रकार उन्होंने शहर में नया बस स्टैंड का निर्माण , करेला स्थित माता भवानी के दर्शनार्थियों को आवाजाही में सुविधा मिले इस दृष्टि से उन्होंने ढारा से भंडारपुर मुख्य मार्ग के निर्माण कार्य हेतु राशि जल्द स्वीकृत करने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष मांग की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप मुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद संतोष पांडे ,जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, उपाध्यक्ष किरण साहू ,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल ,सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी ,भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ,उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बन्नोआना, नपा अध्यक्ष रमन डोंगरे ,जनपद अध्यक्ष लता सिंहा जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष दिनेश गांधी ,मां बमलेश्वरी ट्रस्ट समिति अध्यक्ष मनोज अग्रवाल मंचस्थ थे ।

निधन

पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा

थानखम्हरिया, 29 जून । चण्डीधाम करमू के पुजारी पं. संजय मिश्रा के पिता पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा का पिछले दिनों दुखद हो गया। चण्डीधाम समिति एवं अनेक श्रद्धालुओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। कमलेश प्रसाद मिश्रा का दशगात्र कार्यक्रम उनके ग्राम सोमईखुर्द में 30 जून को संपन्न होगा। तेरहवीं एवं गंगापूजन 3 जुलाई को संपन्न होगा। वे योगेश्वरी, संजय, अजय, विजय, भागवत मिश्रा के पिता थे । चण्डीधाम समिति के सदस्यों तथा अनेक श्रद्धालुओं ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रामचंद साहू

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून। कसडोल निवासी रामचंद साहू (सेवा निवृत्त मंडी निरीक्षक) का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 30 जून सोमवार को सुबह 8 बजे मुक्ति धाम हड़हा पारा कसडोल में किया जायेगा। वे कसडोल के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता गोपाल प्रसाद साहू के बड़े भाई थे। इनके निधन पर मंडी परिवार के अलावा समाजिक नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

श्री अशोक शर्मा

भाटापारा , 29 जून। संजय वार्ड भाटापारा निवासी श्री अशोक शर्मा (आरा मिल वाले) का आकस्मिक निधन आज हो गया है वे राजा शर्मा, चेतन शर्मा के पिता एवं श्याम शर्मा के छोटे भाई थे जिनकी अंतिम यात्रा 30/06/2025 उनके संजय वार्ड स्थित निवास से निकलेगी

भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में शरण दे व परिजनों, स्वजनों को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करें ।

मन की बात

परपोड़ी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनते भारतीय जनता पार्टी परपोड़ी मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, नगर अध्यक्ष, पार्षद गण एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

साल्हेवारा पुलिस ने अवैध रूप से गांजा रखने वाले आरोपी आशाराम को गिरफ्तार कर जुडिशियल रिमांड पर भेजा

खैरागढ़ 29 जून (देशबन्धु)। साल्हेवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत 29 जून रविवार को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिला की ग्राम नवागांव निवासी आसाराम विश्वकर्मा अपने घर मे अवैध रूप से गांजा रखा हुआ कि सूचना मिलने पर जिला केसीजी पुलिस टीम के द्वारा त्वरित रूप से कार्यवाही करते हुए ग्राम नवागांव आसाराम विश्वकर्मा के घर पहुचकर घेराबंदी कर मौके पर 01 व्यक्ति आसाराम को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जो अपने घर मे 500 ग्राम अवैध रूप से गांजा को छुपाकर रखा था एवं अपने पास 2070 रुपए को गवाहों के समक्ष बरामद कर विधिवत अपराध पंजीबद्ध कर धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आशाराम विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय में ज्युडिशियल रिमांड पर भेजा गया।

अन्नदाताओं से छल कर रही है कि प्रदेश सरकार, खाद के लिए भटक रहे है किसान:कमलजीत पिन्टू

राजनांदगांव 29 जून (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता कमलजीत पिन्टू ने जारी एक बयान में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता सुशासन की बात करते हैं पर इस खेती के सीजन में चारो ओर कुशासन नजर आ रहा है। देश की भूख मिटाने वाले किसान इस कुशासन में बेहद परेशान हैं। सोसाइटियों में खाद नहीं मिल रहा।

किसान रोज सोसाइटियों में लंबी लाइन लगाकर खाद के लिए इंतजार करने मजबूर हैं। डीएपी से लेकर अन्य खाद का संकट बना हुआ है। किसान खेती का कार्य शुरू कर चुके हैं पर खाद के बगैर अटक से गए हैं। आगे कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है और राज्य में भी। भाजपा नेता कहते हैं कि यहां डबल इंजन की सरकार है पर हालात देखने से लगता है कि डबल इंजन से तो अब बदहाली का धुआं निकलने लगा है, इसे जनता देख रही है। सोसाइटियों में पर्याप्त खाद-बीज की व्यवस्था नहीं की जाएगी तो आने वाले समय में वे किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करेंगे। जरूरत पड़ी तो सडक़ पर भी उतरेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा उनके पास रोज जिले के किसान पहुंच रहे हैं और बता रहे हैं कि खाद नहीं मिल रहा। किसान तो यह भी कहने लगे हैं कि कांग्रेस राज में यह समस्या नहीं थी बल्कि कर्ज माफी सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से राहत पहुंचाई जा रही थी पर वर्तमान में हालत देखकर लगता है कि भाजपा को किसानों के दुख, दर्द से कोई वास्ता नहीं है।

गौ तस्करी करने वाले आठ आरोपियों को छुईखदान पुलिस ने किया गिरफ्तार

खैरागढ़, 29 जून (देशबन्धु)। छुईखदान थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार 28 जून को गौ सेवक एवं सूत्रो से सूचना मिली की ग्राम कोड़का एवं बिंडोरी के कुछ लोग कृषक पशुओं को बिना चारापानी के निर्दयता से हाँकते हुए कत्लखाना ले जा रहे है सूचना मिलते ही जिला केसीजी पुलिस टीम के द्वारा त्वरित रूप से कार्यवाही करते हुए गौसेवा सदस्यो के साथ ग्राम गड़बंजा ज़ीरो पुलिया के पास घेराबंदी कर मौके पर 08 व्यक्तियों को 17 नग गौवंश को कत्लखाना ले जाते पकड़ा गया मामले में 17 नग गौ वंश को बरामद कर गौ तस्करी करने वाले 08 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 4, 6,10 छ. ग कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, धारा 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम एवं धारा 111 बीएनएस के तहत कार्यवाही करते हुए 08 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिसे न्यायालय के आदेशानुसार ज्युडिशियल रिमांड पर भेजा गया मामले में अग्रिम विवेचना कार्यवाही जारी है।

ट्रेकमेन कर्मचारियों की समस्या के निराकरण हेतु उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ 29 जून (देशबन्धु)। बिलासपुर जोन में ट्रेकमेंटेनर की बहुत सी समस्याएं है जिसके निराकरण के लिए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव को साऊथ ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे ट्रैकमेंटेनर एसोसिएशन, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे डोंगरगढ़ ने ज्ञापन सौंपा है । जिसमें बताया गया है कि एलडीसीई ओपन टू ऑल किया जाए। जिसमें ट्रेकमेंटेनर को रेलवे के अन्य पद में जाने का अवसर मिल सके , ट्रेकमेंटेनर के कार्यों की जटिलता एवं अत्यधिक परिश्रम को ध्यान में रखकर हार्ड वर्क एलाउंस को बेसिक का 30 प्रतिशत प्रदान करे , रेलवे सुरक्षा के लिये पेट्रोलिंग ड्यूटी में अत्यंत जोखिम पूर्ण होता है जिसे 12 किमी. सुनिश्चित करने, जी डी सी ई 2024 के तहत ए अल पी की परीक्षा को बिलासपुर एवं नागपुर मंडल में करने ,यूनिट-मंडल एवं जोन में रुके हुए ट्रांसफर प्रक्रिया को शीघ्र लागु करे ,चाबीदार का कार्य ज्वाइंट लाईन में एक तरफ से 6 किमी का दिया गया है जिसे 3 किमी करने ,छत्तीसगढ़ के रेलवे स्टेशनों को नागपुर रेल मंडल से हटाकर रायपुर मंडल में जोड़ने और ट्रेकमेंटेनर का 4200/- ग्रेड पे एवं ड्यूटी रोस्टर 8 घंटे निर्धारित करने की मांग की गई । इस अवसर एसोसिएशन के अध्यक्ष-सुभाषचंद्र डे ,कोषाध्यक्ष - चिंतामणि ,सहसचिव-घनश्याम निषाद ,कार्यकारिणी सदस्य-डोमेन साहू डी रामचंद्र राव ,मुख्य सलाहकर- कुलेश्वर धुर्वे उपस्थित थे।

प्रादेशिकी का शेष...

किसान संगठन द्वारा 2 को प्रदर्शन

दुर्ग, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन द्वारा खाद व बिजली की समस्या को लेकर 2 जुलाई को दोपहर 12 बजे जबर्दस्त प्रदर्शन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए संगठन के संयोजक राजकुमार गुप्त ने बताया कि यह प्रदर्शन पटेल चौक दुर्ग में किया जायेगा।

--

हर चाल सोच-समझकर...

करने वाले खिलाड़ी आगामी छत्तीसगढ़ राज्य चैम्पियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो 3 से 6 जुलाई और 17 से 20 जुलाई को भिलाई में आयोजित होगी। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने विजेताओं का उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में खेल के प्रति लगन और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। शतरंज दिमाग को तेज बनाता है और समस्या सुलझाने की क्षमता को निखारता है। हर चाल सोच-समझकर चलनी होती है जिससे धैर्य विकसित होता है। खेल के नियम चालें और योजनाएँ याद रखनी होती हैं जिससे मेमोरी तेज होती है। बोर्ड पर ध्यान केंद्रित रखने की आदत जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी काम आती है। शतरंज में आगे की कई चालों को सोचने की आदत जीवन में भी दूरदर्शिता सिखाती है। जीत की अनुभूति और सीखने की प्रक्रिया बच्चों और युवाओं में आत्मविश्वास को मजबूत बनाती है।उन्होंने आयोजकों को धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपक देवांगन,

विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह रहे। कार्यक्रम मे जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन, उपाध्यक्ष यतेंद्र जीत सिंह सचिव राकी देवांगन, कोषाध्यक्ष शेख जाहिद, , निर्णायक अनिल शर्मा दुर्ग, सह-निर्णायक सुरेश उपस्थित रहे। सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं स्कूल शिक्षक भी उपस्थित रहे। मंच संचालन अनुराग तुरे ने किया।

चैंपियंस की सूची वरिष्ठ पुरुष वर्ग अभिषेक वर्मा (4 अंक, 15 क्का्त्रिक्क्ष्ट1) गीतव्य तुरे (4 अंक, 13.5 क्का्त्रिक्क्ष्ट1) पंकज वर्मा (4 अंक, 11.5 क्का्त्रिक्क्ष्ट1) वरिष्ठ महिला वर्ग टिंकल टांडेकर (1 अंक, 8 क्का्त्रिक्क्ष्ट1) अंडर-15 बालक वर्ग अरव यदु (4 अंक, 14 क्का्त्रिक्क्ष्ट1) जय जंघेल (4 अंक, 12.5 क्का्त्रिक्क्ष्ट1) रुशील तुरे (3 अंक, 12 क्का्त्रिक्क्ष्ट1) अंडर-15 बालिका वर्ग भाग्य श्री वर्मा, वर्णिका सिंह, डॉली सिंह ठाकुर सहित अन्य प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

अंडर 15 शतरंज में ...

सब जूनियर अंडर 15 बालक वर्ग में द्वितीय स्थान शुभम सिंह 5अंक तृतीय विराट अय्यर 5अंक चतुर्थ आकांक्षित साहू 5अंक अंडर 15 बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान काशवी जैन 4.5 अंक तृतीय परिधि लिलहरे 4.5 अंक चतुर्थ स्थान कोंडप्पा हर्षिता 4 अंक तथा सीनियर वर्ग में द्वितीय स्थान देवदत्त महानंद 4.5 अंक तृतीय बी पूजन 4.5 अंक चतुर्थ स्थान प्रियांशु पाटले 4.5 अंक महिला वर्ग में द्वितीय स्थान चरनजीत कौर 4अंक तृतीय सुषमा बैरिया 3 अंक चतुर्थ स्थान इच्छा साहू 2 अंक ध्प्राप्त कर राज्य शतरंज चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए। ये सभी चयनित खिलाड़ी भिलाई में आयोजित राज्य शतरंज चैंपियनशिप में दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक अलंकार भिवगड़े, डिप्टी चीफआर्बिटर रॉकी देवांगन, सहायक आर्बिटर अनिल शर्मा, शेख लतीफ सुरेश होता, विक्रम सिंह, चंदन विश्वकर्मा, संदीप पाटले थे। आयोजन में सीनियर नेशनल आर्बिटर अनिल शर्मा, दिनेश जैन, गुलाब चौहान, ललित वर्मा का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर सुभाष पाल कश्यप, भरत ताम्रकार, प्रेम खंडेलवाल सहित शतरंज प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन फ्डि़े आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं आभार प्रदर्शन संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

डबल सब्सिडी और सौर ऊर्जा से समृद्धि की ओर : छत्तीसगढ़ में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभाव

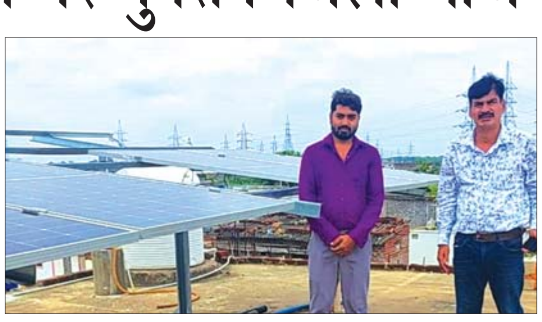

बेमेतरा29 जून (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री सूर्य घर = मुफ्त बिजली योजना अब छत्तीसगढ़ में एक नए युग की शुरुआत हुई है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को अब छत्तीसगढ़ राज्य सरकार का भी प्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त हो गया है। इसका परिणाम है — डबल सब्सिडी का लाभ और हाफ बिजली से मुफ्त बिजली की दिशा में ठोस कदम। इस योजना से न केवल घरों में मुफ्त बिजली मिलेगी, बल्कि आमजन के मासिक खर्च में भी अभूतपूर्व कमी आएगी। इसके साथ ही अतिरिक्त बिजली की बिक्री से कमाई का नया अवसर भी खुलेगा। बेमेतरा जिले में माह मई 2025 तक 24 नागरिकों ने अपने निवास की छतों पर जरूरतें मुताबिक एक किलोवाट वाट से लेकर 6 किलोवाट तक सोलर पैनल लगवाए है । *यह लेख इस योजना के विभिन्न पहलुओं, इसके आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव तथा छत्तीसगढ़ की दृष्टि को विस्तार से समझने का प्रयास है।*

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का उद्देश्य देशभर में आवासीय भवनों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर घर-घर स्वच्छ और नि:शुल्क ऊर्जा पहुंचाना है। वर्ष 2024 में इसकी घोषणा के बाद से यह योजना पूरे भारत में लागू की जा रही है। अब छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इस योजना में अपनी हिस्सेदारी जोड़ दी है, जिसके तहत राज्य सरकार केंद्र द्वारा दी जा रही सब्सिडी के अतिरिक्त स्वयं की ओर से भी आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। इसका परिणाम है कि उपभोक्ताओं को डबल सब्सिडी का सीधा लाभ मिलेगा।*

'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' ने बीरेन्द्र राजपूत के घर में लाई ऊर्जा क्रांति

■ बिजली आने-जाने की झंझट ही खत्म

बेमेतरा, 29 जून (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्रांति का प्रतीक बनकर उभर रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना को अब केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार का भी प्रत्यक्ष सहयोग मिल रहा है। राज्य सरकार की ओर से दी जा रही अतिरिक्त सहायता से उपभोक्ताओं को डबल सब्सिडी का लाभ मिल रहा है, जिससे घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाना अब और भी आसान और किफायती हो गया है।

इस योजना के तहत जिले के बेमेतरा शहर निवासी श्री बीरेन्द्र राजपूत ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती राजपूत के नाम से 3.370 किलोवाट का सोलर पैनल जनवरी 2025 में स्थापित करवाया। उन्हें कुल ?78,000 की सब्सिडी मिली, जो आवेदन के मात्र 15 दिनों के भीतर सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो गई।

श्री बीरेन्द्र बताते हैं कि उन्होंने इस योजना के तहत सौर पैनल लगवाने के बाद से बिजली बिल की चिंता से पूरी तरह छुटकारा पा लिया है। पिछले पाँच माह से उनका बिजली बिल या तो शून्य आया है, या बहुत ही कम। उन्होंने बताया कि उनके घर में 1 ।।क्कक्की पानी की मोटर, एसी और अन्य घरेलू उपकरण सहजता से चलते हैं और बिजली की आपूर्ति भी अब लगातार बनी रहती है।

उपभोक्ता श्रीमती द्रौपति राजपूत द्वारा पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत 3 किलो वॉट के प्लांट कैपेसिटी का ऑन ग्रिड कनेक्शन माह जनवरी में लिया गया था।माह मई 2025 तक सोलर पैनल द्वारा कुल 1160 यूनिट बिजली ग्रिड में सप्लाई किया गया है एवम ग्रिड से 1146 यूनिट बिजली उपयोग हेतु इंपोर्ट गया है।जिससे माह जनवरी से माह मई तक उपभोक्ता को मात्र कुल 90 रुपए का विद्युत बिल प्राप्त हुआ है।

बीरेन्द्र कहते हैं पहले अक्सर बिजली कट जाती थी। दिन-रात कभी भी लाइट चली जाती थी जिससे गुस्सा आता था, नींद में खलल पड़ती थी, बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती थी। लेकिन अब सोलर पैनल लगने के बाद बिजली आने-जाने की झंझट ही खत्म हो गई है। बच्चे रात में बिना रुकावट के पढ़ाई करते हैं और हम सब सुकून से रहते हैं।

इस योजना ने उनके परिवार को न केवल सहज और सस्ती बिजली दी है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का एहसास भी कराया है। पहले जहाँ मासिक बिजली बिल एक बड़ा खर्च होता था, अब वहीं सौर ऊर्जा से हर माह की बचत शुरू हो गई है।

श्री बीरेन्द्र राजपूत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट करते हैं। उनका कहना है कि यह योजना आमजन के जीवन को वास्तव में बदल रही है, और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है।

इस तरह प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना छत्तीसगढ़ में न केवल स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा कर रही है, बल्कि लोगों की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ कर रही है। श्री बीरेन्द्र राजपूत जैसे लाभार्थी इसकी जीवंत मिसाल हैं, जो इस योजना की सफलता की कहानी को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहे हैं।

विधायक दीपेश साहू भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हुए शामिल

■ सनातन परंपरा को सशक्त करता यह भव्य मंदिरः विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा, 29 जून (देशबन्धु)। आज बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रवेली में नवनिर्मित भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं सम्मान समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं श्रद्धा भाव के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपेश साहू शामिल हुए।

विधायक श्री साहू ने मंदिर परिसर में पहुंचकर भक्त माता कर्मा की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा समस्त क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि हमारी सनातन परंपरा, संस्कृति और सामाजिक चेतना का प्रतीक है। माता कर्मा नारी शक्ति, सेवा, श्रद्धा और त्याग की प्रतीक रही हैं। ऐसे पवित्र स्थल का निर्माण ग्राम रवेली में हुआ, यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इस मंदिर से जुड़कर आने वाली पीढ़ियाँ धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जुड़ेंगी।ज्अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और संस्कृति के संरक्षण हेतु कटिबद्ध है। हमारी सरकार ग्रामीण विकास, धार्मिक स्थलों के संरक्षण, गौ सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और किसान कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। आज जरूरत है कि हम सब मिलकर गांव-गांव में ऐसे सांस्कृतिक केंद्रों को विकसित करें, जहां श्रद्धा के साथ-साथ सामाजिक समरसता का भी संचार हो।ज्विधायक साहू ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम रवेली जैसे गांवों में ऐसे भव्य मंदिरों का निर्माण न केवल धार्मिक चेतना को जाग्रत करता है, बल्कि गांव के सामाजिक ढांचे को भी मजबूत करता है। गौकरण साहू, अनिल साहू (परिक्षेत्र अध्यक्ष), गौकरण साहू, भकलूराम साहू, कविलास साई, पुसऊ राम साहू, दीनदयाल साहू, सरपंच सुन्दर यादव, सोसायटी अध्यक्ष, सालिक राम साहू, छन्नू लाल साहू, चून राम साहू, संतोष साहू, भूषण लात साहू सहित समस्त ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

फुलवारी फाउंडेशन के तहत लोगो को किये जा रहे है पर्यावरण के प्रति जागरूक

बेमेतरा, 29 जून (देशबन्धु)। फुलवारी फाउंडेशन पचभैया-अमचो द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी वृहत रूप से वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है ।ज्ञात हो कि फुलवारी फाउंडेशन विगत 5 वर्षों से पर्यावरण की सुरक्षा एंव आसपास को हरियाली प्रदान करने की उद्देश्य से निरंतर आगे बढ रही है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस वर्ष भी स्कूल प्रांगण, मंदिर परिसर और सार्वजनिक स्थलों में अपने टीम के सदस्यों और प्रकृति प्रेमी लोगों के साथ मिलकर 10-10 पेड़ लगाने की लक्ष्य से कार्य कर रहे है । साथ ही साथ लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और इसे सहेजने का प्रयास निरंतर करते आ रहे है ।फाउंडेशन की ओर से नि:शुल्क पौधे जैसे देववृक्ष पीपल, बरगद, निम,आम,जामुन, अमरूद, गुलमोहर, अर्जुन के साथ साथ सुंदर फूल भी प्रदान किया जा रहा है। फाउंडेशन के संस्थापक विनय पाठक का मानना है कि इस तरह कार्य करने से लोगो मे पर्यावरण के प्रति जागरूकता आएगी एंव आसपास हरियाली रहेगी। समिति के सदस्य नुतेश्वर चंद्राकर का कहना है कि देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम के तहत अभियान चलाया जा रहा है ।इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु अगर हम वृक्षारोपण करे तो निश्चित ही आने वाली पीढ़ी के लिए एक अच्छा संदेश होगा। इस मुहिम में फाउंडेशन की ओर से विनय पाठक, नुतेश्वर चंद्राकर,मनोज पाठक,डॉ कुलेश्वर,चेतेश्वर,भूपेंद्र,डुकेश्वर चंद्राकर का विशेष योगदान है।

धर्म नगरी थानखम्हरिया में 60 वर्षों से निरंतर साप्ताहिक रामायण गायन का किया जा रहा आयोजन

थानखम्हरिया, 29 जून (देशबन्धु)। परम श्रद्धेय गोलोकवासी स्वामी अवधूतानंद जी महाराज की प्रेरणा से नगर में विगत 60 वर्षों से साप्ताहिक रामचरितमानस पाठ गायन एवं टीका का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सप्ताह के हर शनिवार को अलग - अलग घर में क्रमश: बारी - बारी से होता है।

नगर के लगभग 150 मानस प्रेमियों के यहाॅ इसका आयोजन होता है जिससे लगभग 3 साल में एक घर में इसकी पुनरावृत्ति होती है। 28 जून शनिवार को साप्ताहिक रामायण सुरेश केडिया/नारायण केडिया के निवास में आयोजित की गयी जहाॅ गुप्त नवरात्रि की भी ज्योति प्रज्जवलित है एवं पाठ किया जा रहा है। रामायण का प्रारंभ मंगलाचरण एवं स्तुति से होता है पश्चात् मानस की चौपाइयों एवं चार दोहों का गायन होता है। टीकाकार इसका टीका करते हैं। भजन, आरती, विसर्जन के बाद प्रसाद वितरण के साथ इस धार्मिक आयोजन का विधिवत समापन होता है। इस अवसर पर प्रत्येक शनिवार को मानस मर्मज्ञों पं. ओमप्रकाश जोशी जी, पं. रामावतार मिश्रा जी, पं. रामेश्वर उपाध्याय रामचरितमानस द्वारा टीका के माध्यम से मानस के रहस्यों को बताते हैं। इस दौरान नियमित श्रद्धालुओं के अलावा मानस में रुचि रखने वाले धर्म अनुरागी, धर्म प्रेमी शामिल होते हैं। कथावाचक पं. ओमप्रकाश जोशी ने रामचरितमानस पर प्रकाश डालते हुए बताया, मान्यताओं के अनुसार रोजाना घर में रामचरितमानस का पाठ करने से हनुमान जी स्वयं उस घर के लोगों की हर विपदा से रक्षा करते हैं। इसके पाठ से संकट दूर होते हैं। रामचरितमानस के रोजाना पाठ से व्यक्ति के जीवन में कई बदलाव आने लगते हैं। आपने बताया रामायण राम की भक्ति और महिमा को दर्शाती है।

विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन

थानखम्हरिया, 29 जून (देशबन्धु)। थान खमरिया समीप ग्राम गोपालपुर में स्कूल शिक्षा विभाग विकासखंड साजा व शाला प्रबंधन समिति के तत्वावधान 1 जुलाई को सुबह 11 स्थान शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से साजा विधायक ईश्वर साहू जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। अध्यक्षता श्री अजय साहू जी भाजपा जिला अध्यक्ष,अति विष्टि अतिथि लाभचंद बाफना जी पूर्व विधायक, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा जी, ओम प्रकाश जोशी जी, श्री मति कल्पना योगेश तिवारी, श्री मति खुशबू गोविंद वर्मा जी, श्रीमती देवी परमेश्वर वर्मा जी व जनपद सदस्य के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के प्रमुख शाला प्रबंधन एवं विकास समिति हाई स्कूल के अध्यक्ष दौलत नाथ योगी ने प्रवेश उत्सव में सभी कार्यकर्ताओं को पहुंचने अपील कि हैं।

कल्याणी इस्पात कम्पनी कोपेडीह ने पाईप लाइन बिछाने सड़क किनारे को खोदा

सड़क पर हुई दलदल, गाड़ियां फंसी

राजनांदगांव, 29 जून (देशबन्धु)। जिले के अंतिम छोर दुर्ग जिले से लगा ग्राम कोपेडीह से जोरातरई, अंजोरा मार्ग पर पूरी तरह दलदल हो चुका है. स्थिति यह है कि ग्राम वासियों को उक्त सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

क्षेत्रीय जनपद सदस्य मोहनीश धनकर ने बताया कि कोपेडीह, जोरातरई,अंजोरा के ग्रामीणों को आवागमन में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है श्री धनकर ने आगे कहा कि कल्याणी इस्पात कंपनी द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क के किनारे को खोद दिया गया था और उस पर वापस पाटा नहीं गया है जिसके कारण सड़क की दोनों ओर गाड़ियों की लंबी लाइन लग चुकी है और सड़क पूरी तरह से जाम है और सड़क पर बड़े गाड़ियों की लंबी लाइन लग चुकी है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण वाहनों का आवागमन होता रहता है।

दलदल हुई सड़क पर राहगीर हुए परेशान ग्रामीणों में आक्रोश

कोपेडीह, जोरातरई मार्ग पर हुई दलदल से राहगीर परेशान है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश पनप रहा है औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण हजारों की संख्या में मजदूर इसी मार्ग से फैक्ट्री कंपनी में कार्य के लिए इसी मार्ग से आवागमन करते हैं सड़क से गुजरने वाली दोपहिया वाहन चालक तो अक्सर दुर्घटना का शिकार होकर चोटिल होते रहते हैं ग्रामीणों ने यह भी बताया की बारिश होने पर कीचड़ की वजह से यहा से निकलना मुश्किल हो गया है।

भगवान का नाम जाप करने से मन का मैल दूर होता है : पं. अक्षय नारायण दुबे

थानखम्हरिया, 29 जून (देशबन्धु)। नगर के शीतला मंदिर समिति भाटापारा के तत्वावधान में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस पर कथा व्यास पं. अक्षय नारायण दुबे जी ने भक्तों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर भरत चरित्र, प्रहलाद चरित्र, समुद्र मंथन एवं गजेंद्र मोक्ष जैसे दिव्य प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया गया।

कथा व्यास पं. दुबे जी ने भगवान श्रीराम के वनगमन प्रसंग के माध्यम से भरत के त्याग, भक्ति और निष्काम प्रेम को रेखांकित करते हुए कहा, भरत जैसा भाई मिलना दुर्लभ है, जिसने सत्ता के मोह को त्याग कर श्रीराम की खड़ाऊँ को गद्दी पर विराजमान किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में भरत जैसा चरित्र हमारे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है, जहाँ भाई-भाई में स्वार्थ और वैमनस्य की भावना घर कर चुकी है।

पं. दुबे जी ने कथा के दौरान भगवान के नाम जाप की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, ईश्वर का नाम स्मरण करने से मन शुद्ध होता है, और आंतरिक विकार स्वत: दूर हो जाते हैं। उन्होंने श्रीराम-भरत के पावन संबंधों के माध्यम से वर्तमान समाज को आपसी प्रेम, त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

कथा श्रवण हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्य रूप से पं. दिनेश तिवारी, सनत सिंह राजपूत, अनिल सिंघानिया, रामकृष्ण सिन्हा, हरिश्चंद्र साहू, रामसनेही नामदेव, घसिया निषाद, गणेशु साहू, पार्षद सूरज पाल, गोदावरी मिश्रा, अन्नपूर्णा वैष्णव सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

पशु तस्करो को पुलिस ने धर दबोचा, भेजा जेल

राजनांदगांव, 29 जून (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्ग दर्शन में आज दिनांक 28/06/2025 को जरिये मुखबीर से मोबाईल से सुचना मिला कि 02 पीकअप वाहन से अवैध रूप से मवेषी भरकर दूर्ग से नागपुर की ओर कत्लखाना ले जा रहे है। कि सुचना पर हमराह स्टाप के फरहद चैक पहुंचकर चेकिंग पाईट लगाकर वाहनों को चेक किया गया। चेकिंग दौरान एक पीकअप वाहन सफेद रंग का बिना नंबर को जिसे रोककर चेक किया जिसमें 04 नग भैंस कीमती 615000/रू. भरा हुआ मिला एवं एक अन्य वाहन दोस्त प्लस एल.एस.वाहन क्र. सीजी. 04 एन.एल. 6724 को चेक किया जिसमें 02 नग भैस किमती 731000/रू. भरा हुआ मिला। आरोपीगणों को उक्त सभी भैसों का 'बिक्रीनामा दस्तावेज,' कोई सक्षम अधिकारी से जारी किया गया दस्तावेज एवं मवेषियों को परिवहन हेतु को अनुज्ञा पत्र पेष करने हेतु नोटिस दिया गया जो कि कोई दस्तावेज नही होना लिखित में दिया गया। आरोपीगणों से जप्त मवेषी एवं वाहनों को गवाहों के समक्ष मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया एवं आरोपीगणा का कृत्य धारा पषु क्रुरता अधिनियम का पाये जाने से थाना लालबाग में पृथक पृथक अप.क्र. 297/25 एवं अप.क्र. 298/25 धारा 4, 6, 10 छ.ग.कृषिक पषु परिरक्षण अधिनियम 2004 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीगण को न्यायालय के समक्ष पेष कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

सम्पूर्ण कार्यवाही में उप निरी.हृदय शंकर पटेल, सउनि शोभाराम बेरवंषी, सउनि ईश्वर यादव, सउनि अष्विनी यदु आर. राजकुमार बंजारा, आर. कमल किशोर यादव की भुमिका सराहनीय रहा है।

कुत्तों -गायों के कारण हो रही दुर्घटना को रोकने सौंपा ज्ञापन

आम आदमी पार्टी ने की यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग

राजनांदगांव, 29 जून (देशबन्धु)। शहर में प्राय: हर गली मोहल्ले में कुत्तों के भौंकने से व गाय बछड़े के पसरे रहने से परेशान लोगों के हित में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू निर्देशानुसार व आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष भूपेश तिवारी के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम व जिला प्रशासन के अधिकारियों का ध्यान खींचा है। शहर में यह समस्याएं लंबे समय से हैं फिर भी जनता को राहत पहुंचाने निगम वह जिला प्रशासन के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि 51 वार्ड वाले शहर में जगह-जगह कुत्तों का जमघट लगता है और भौंक कर आने जाने वालों को अक्सर डराते रहते हैं। दूसरी बात यह है कि जिधर देखो उधर सड़कों पर मेवेसी रात और दिन फंसरे रहते हैं। समय-समय पर नगर निगम द्वारा कटी पर कतिपय मवेशियों को कांजी हाउस में पकड़ कर डाला जाता है जो की ना काफी है। निगम प्रशासन इन मवेशियों को पकड़ कर कांजी हाउस में डालने की व्यापक कार्यवाही नहीं कर रही है औपचारिकता भर निभाने से समस्या जस की तस बनी हुई है इसी प्रकार कुत्तों का बधिया कारण नहीं किया जा रहा है जिससे कुत्तों और गायों की समस्या हल नहीं हो पा रही है विशेष तौर से स्कूली बच्चों काम धंधे निपटाकर रात देर रात घर लौटने वालों को यह कुत्ते भोंकते हैं कई बार तो ऐसा होता है कि सड़क पर बत्ती बंद रहने की दशा में वाहन सवार विशेष पर साइकिल सवार लोग गली में बैठे मवेशियों से जा टकराते हैं निगम और जिला प्रशासन पशुपालकों की बैठक लेकर सख्त हिदायत देनी चाहिए और नहीं मानने पर कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। राजनांदगांव जिले में सडकों पर आवारा जानवरों की समस्या एक बड़ी चुनौती बन गई है, जिससे दुर्घटनाओं और अन्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है, आवारा पशु में ज्यादातर संख्या कुत्तों की है उसके बाद गायों का नंबर आता है, सडकों पर आवारा पशुओं के कारण यातायात बाधित होता है, जिससे जाम की समस्या होती है. आवारा पशु पार्कों और अन्य हरियाली वाले क्षेत्रों में घूमती हैं, जिससे पौधों और हरियाली को नुकसान होता है, आवारा पशुओं के कारण सडक दुर्घटनाएँ आम हो गई हैं, जिससे जानमाल का नुकसान हो रहा है. बीते सालों में ग्रामीण इलाकों में गायों को रखने के लिए गौठान की व्यवस्था की गयी थी, लेकिन सरकार की उदासीनता के कारण पशु सडकों पर विचरण करने मजबूर हैं ।

नगर निगम और अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा आवारा पशुओं को पकडने और उन्हें गौशालाओं या कांजी हाउस में रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए, सडकों पर आवारा पशु छोडने वाले मालिकों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए और आवारा पशुओं की पहचान के लिए उन पर रेडियम बेल्ट और टैग लगाए जाने चाहिए । साथ ही लोगों को आवारा पशुओं (कुत्तों एवं गायों) को सडकों पर न छोडने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए, पशु मालिकों को जिम्मेदारी से अपने पशुओं की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, सार्वजनिक स्थानों पर आवारा पशुओं के घूमने पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है । उम्मीद है हमारी मांगो पर आपके द्वारा समुचित सहयोग मिलेगा । इस दौरान मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के गोपाल साहू प्रदेश अध्यक्ष, भूपेश तिवारी लोकसभा अध्यक्ष, संजीत विश्वकर्मा संगठन मंत्री, राजेन्द्र सोनी, आरीफ भाईजान, मंगल सिंह राजपूत आदि उपस्थित थे।

उल्टा पुल्टा

शराबी दरवाजे पे दस्तक देता है? उसकी बीवी दरवाजा खोलती है।
शराबी-कौन हैं आप?
बीवी- मुझे भूल गए।
शराबी - नशा हर गम को भुला देता है बहन।

शाश्वत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार

प्रवेश प्रारम्भ

के.जी.1 से 12वीं (साईन्स, आर्ट्स, कामर्स, कृषि विज्ञान)

अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम

शाश्वत में आइये और टॉपर बन जाइये...

लुभी साहू कक्षा 12वीं 97% छत्तीसगढ़ टॉप टेन में 4था स्थान प्राप्त करने पर बहुत-बहुत बधाई

सभी विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन	
भौतिक शास्त्र	100 अंक
जीवविज्ञान	100 अंक
रसायन शास्त्र	97 अंक
हिन्दी	96 अंक
अंग्रेजी	92 अंक

प्रिंसी वर्मा 97% सतीश रॉय 96.3% वसुंधरा 96.1% तुषार 95.3% तनु साहू 94.6% हिमानी 94.5% मानसी कुर्रे 93%

अनीषा ध्रुव 92% शायरा चतुर्वेदी 91.8% कृषिका फेकर 91% पायल साहू 91% वंदना देवांगन 90.8% कनिष्का यादव 90.8% माही सोनी 90.3%

निःशुल्क वाहन सुविधा - लोकल बलौदाबाजार, लटुवा, रिसदा, कुकुर्दी, बम्हनमुड़ी संपर्क : 9111002360, 9111002362, 6268089459

प्रधानमंत्री की सोच, हर नागरिक को जोड़ना, छोटे प्रयास, बड़े परिणाम की भावना अपनाना : रोहित साहू

आपातकाल की याद, संविधान की रक्षा का संकल्प, जनभागीदारी से बनेगा विकसित भारत

राजिम, 29 जून (देशबन्धु)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश् का 123वां संस्करण आज पूरे देश के साथ राजिम में भी श्रद्धा, उत्साह और जनभागीदारी के साथ सुना गया।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू ने अपने निवास पर कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया और प्रधानमंत्री के विचारों को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत प्रेरणादायी बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की आत्मा को स्पर्श करते हैं: कार्यक्रम के पश्चात विधायक रोहित साहू ने कहा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की आत्मा को स्पर्श करते हैं।श्मन की बातश् सिर्फएक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत के सामान्य जन के असाधारण योगदान की पहचान है। प्रधानमंत्री ऐसे विषयों को सामने लाते हैं, जो देश को जोड़ते हैं, प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने का संकल्प देते हैं।

उन्होंने कहा कि आज के एपिसोड में प्रधानमंत्री ने योग दिवस की व्यापकता, पर्यावरण संरक्षण में समाज की भागीदारी, महिलाओं की सशक्त भूमिका, भारत के अंतरिक्ष मिशन, ऐरी सिल्क जैसे स्वदेशी उत्पादों और ट्रैकोमा जैसी बीमारी के खात्मे जैसी उपलब्धियों की चर्चा कर यह संदेश दिया कि भारत अब हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कार्यकर्ताओं में उत्साह कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

छोटे प्रयास, बड़े परिणाम की भावना अपनाएं: छत्तीसगढ़ में भी परिवर्तन की सोच के साथ हम कार्य कर रहे हैं - प्रकृति, स्वास्थ्य और समाज के लिए। प्रधानमंत्री द्वारा 1975 के आपातकाल की चर्चा को याद करते हुए विधायक साहू ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र हमारे संविधान की आत्मा है, और इसका संरक्षण प्रत्येक भारतीय की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ष्आपातकाल जैसे कालखंड हमें यह सिखाते हैं कि लोकतंत्र की कीमत क्या होती है, और हमें उसकी रक्षा के लिए सदैव सजग रहना चाहिए।ष

जनभागीदारी से बनेगा विकसित भारत: विधायक साहू ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री का विजन श्विकसित भारतश् केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि जनसहभागिता से साकार होगा।उन्होंने युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों और प्रत्येक नागरिक से अपील की कि वे राष्ट्र निर्माण की इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनें।

कार्यकर्ताओं में उत्साह, कार्यक्रम में उमड़ी भीड़: कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। श्मन की बातश् के बाद उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों की सराहना की और उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।मन की बातश् का यह संस्करण जहां राष्ट्रीय उपलब्धियों की तस्वीर पेश करता है, वहीं प्रेरणा का स्रोत भी बनता है।विधायक रोहित साहू जैसे जनप्रतिनिधियों की सहभागिता इस कार्यक्रम को और अधिक जनोन्मुखी और प्रभावशाली बनाती है।

राजिम में दिनदहाड़े ज्वेलरी चोरी का खुलासा

- ऑनलाइन गेम की लत, दोस्त से कर्ज और फिर जुर्म की राह
- पुलिस ने किया चौंकाने वाला पर्दाफाश

राजिम, 29 जून (देशबन्धु)। चोरी की वारदात 21 जून को उस समय सामने आई जब ज्वेलरी व्यवसायी प्रभात सोनी ने राजिम थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी दुकान से एक अज्ञात युवक सोने की चेन देखने के बहाने आया और 4.250 ग्राम सोने की चेन कीमत लगभग 41 हजार को लेकर फरार हो गया।

एक-एक कदम सोच समझकर रखा - आरोपी की क्राइम जर्नी: पुलिस की विवेचना में सामने आया कि आरोपी ने चोरी की शुरुआत एक मोटरसाइकिल चोरी से की थी।19 जून को अभनपुर के एक हॉस्पिटल से हीरो होंडा स्प्लेंडर (सीजी-07-बीक्यू-0508) चोरी कर वह जगदलपुर रोड होते हुए चारामा पहुंचा, जहां उसने कई ज्वेलरी दुकानों की रेकी की लेकिन असफल रहा। इसके बाद नगरी और फिर गरियाबंद पहुंचा - हर जगह उसकी निगाह ज्वेलरी पर थी। आखिरकार राजिम में उसकी साजिश सफल हुई। आरोपी ने दो-तीन दुकानों की रेकी के बाद ओम ज्वेलरी को निशाना बनाया और मौका पाकर चेन लेकर चंपत हो गया।

साइबर टीम और राजिम पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में हुआ पर्दाफाश: वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी निरीक्षक अमृत साहू के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। मुखबिरों को सक्रिय किया गया और साइबर टीम को भी जोड़ा गया। 29 जून को आरोपी हितेश ओग्रे को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

बरामद सामान और गिरफ्तार आरोपी की पहचान: पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 4.250 ग्राम सोने की चेन कीमत 41हजार, चोरी की मोटरसाइकिल कीमत 25 हजार, मोबाइल फोन कीमत 10 हजार कुल बरामद संपत्ति - 76, हजार आरोपी हितेश ओग्रे पिता: कुमरमणी ओग्रे उम्र 19 वर्ष ग्राम खपरीडिह, थाना सरायपाली, जिला महासमुंद से जप्त की ।

ऑनलाइन गेम की लत ने बनाया अपराधी: पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ऑनलाइन गेम में लाखों हार चुका था और कर्ज में डूब चुका था। आर्थिक दबाव ने उसे अपराध की ओर धकेल दिया।

अवैध रेत उत्खनन करते चैन माउंटेन वाहन जब्त

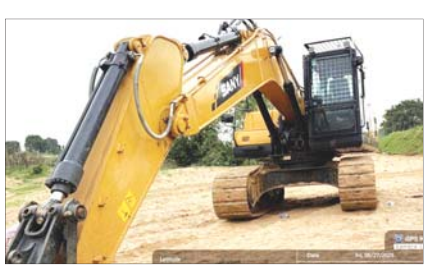

महासमुंद, 29 जून (देशबन्धु)। अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु खनिज विभाग द्वारा सतत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में 27 जून को संयुक्त टीम द्वारा महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम कर्राडीह महानदी क्षेत्र में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए एक चैन माउंटेन वाहन को जप्त किया गया। वाहन को जब्त कर सुरक्षार्थ तुमगांव थाना में खडा किया गया है। खनिज अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त वाहनों पर खान एवं खनिज ;विकास एवं विनियमनद्ध अधिनियम 1957 की धारा 21 के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस प्रकरण में 2 से 5 वर्षों की सजा का प्रावधान है और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कर न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा। पूर्व में भी खनिज पट्टेदारों एवं खनिज परिवहनकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि बिना वैध अभिवहन पास के खनिज का उत्खनन, परिवहन या भंडारण करना कानूनन अपराध है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खनिज विभाग का विशेष अभियान सतत जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विधायक संदीप साहू ने प्रशासन और पुलिस पर लगाया रेत और चूना-पत्थर माफियाओं को संरक्षण देने का आरोप

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)।खपरीडीह में अवैध परिवहन पर आवाज उठाने वाले व्यक्ति का क्या हश्र होता है यह बताने के लिए परमेश्वर साहू को खंभे में बांधकर पीटा गया और कल उनके ऊपर की गई कार्यवाही दुर्भावना पूर्वक की गई कार्यवाही है। उक्त बातें कसडोल विधायक संदीप साहू ने आज अपने प्रेस वार्ता में कहा।

उन्होंने इस घटना के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि खपरीडीह में वर्षों से अवैध उत्खनन किया जाता रहा है माफिया राज चलता है। पिछले 12 जून को परमेश्वर साहू को सिर्फ इसलिए खंभे में बांधकर बुरी तरह से पीटा गया कि वह अवैध उत्खनन व परिवहन की शिकायत किया था और माइनिंग एवं पुलिस वाले अपनी गलती छिपाने प्रेम प्रसंग का मामला बता दिया जबकि आज तक कोई स्वीकार नहीं किया कि यह प्रेम प्रसंग का मामला है। रामेश्वर साहू 28जून को अपने ट्रेक्टर में पत्थर भर कर शिवरीनारायण जा रहा था तब पुलिस वाले उसे शिवरीनारायण से पकड़कर लाए और कार्यवाही किए। मुझे उनके इस कार्यवाही से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन क्या वहां 15 दिनों में एक बार सिर्फपरमेश्वर साहू ही अवैध परिवहन किया, किसी और की गाड़ी में कोई परिवहन नहीं हुआ। गिधौरी में माइनिंग विभाग का बैरियर है वह क्यों उसे छोड़ दिया जिसे पुलिस वाले शिवरीनारायण से पकड़ कर लिए, यह पूर्णतः दुर्भावना पूर्ण की गई कार्यवाही है। जिसका प्रमाण 15 दिन के सी सी टीवी फुटेज निकलकर देखा जा सकता है। चौक में ही शर्मा होटल में लगी सीसीटीवी कैमरे से निकाला जा सकता है।

कसडोल विधायक संदीप साहू ने लिया प्रेसवार्ता

विधायक श्री साहू ने अंत में यह भी कहा कि प्रशासन द्वारा सात भंडारण एवं क्रेशर पर कार्यवाही तो किया है लेकिन माइनिंग विभाग जांच करे कि भंडारण में किसके खदान से पत्थर आता है और वह पत्थर एक नंबर का है या दो नंबर का है। शासन प्रशासन इसे गंभीरता से नहीं लिया तो आने वाले समय में अवैध उत्खनन व परिवहन पर शिकायत करने वाले के ऊपर कभी भी अनहोनी हो सकती है।

कल गिधौरी थाना में परमेश्वर साहू के ऊपर हुई कार्यवाही के संबंध में थाना प्रभारी धीरेन्द्र दुबे का कहना है कल परमेश्वर साहू अपनी ट्रेक्टर में पत्थर भर कर शिवरीनारायण जा रहा था रोकने पर नहीं रुका तो महानदी से पकड़ कर लाया गया जिसके पास कोई दस्तावेज नहीं था। सिर्फ उन्हीं के ऊपर कारवाही नहीं है जो भी अवैध परिवहन करते मिलेगा कारवाही की जावेगी।

युक्तियुक्तकरण की विसंगति को लेकर शिक्षक संघ ने की डीईओ से मुलाकात

महासमुंद, 29 जून (देशबन्धु)।छग शिक्षक संघ जिला इकाई महासमुंद द्वारा शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण में व्याप्त विसंगतियों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे को ध्यान आकृष्ट कराते हुये निराकरण की मांग की है ।

संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष उमेश भारती गोस्वामी एवं उप प्रांताध्यक्ष टेकराम सेन के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी से चर्चा करते हुये बताया कि प्राचीन ऐतिहासिक महत्व वाला विद्यालय शासकीय प्राथमिक शाला खट्टी का युक्तियुक्त के तहत मर्ज किया जाना अनुचित है ।इसी प्रकार पृथक.पृथक केम्पस में संचालित सोरिद एवं खरोरा को मर्ज कर दिया गया है ।

प्रमुख संगठन मंत्री राजेन्द्र इंगोले ने बताया कि प्राथमिक शाला तुमाडबरी महासमुंद में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती माया गुप्ता को 80 किलोमीटर दूर पिथौरा वि.ख में पदस्थापना की गई है जबकि महासमुंद वि.खं के शालाओं में पद रिक्त है ।उन्होंने बताया कि सीनियर को जूनियर बनाकर युक्तियुक्तकरण शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धरमपुर वि.खं बागबाहरा से कर दी गई है ।जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि गलत ढंग से युक्तियुक्तकरण में पीड़ित शिक्षकों के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है तथा जिन संकुल समन्वयकों को स्थानांतरित किया गया है वे कहां कार्य कर रहे हैं, जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर छग शिक्षक संघ ने बातें रखी, इसी प्रकार संगठन के जिला सचिव अविनाश लाल को महासमुंद वि.खं में पदस्थ करने की मांग की गई ।छग शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि विसंगतियों को तत्काल दुरुस्त कर दोषियों पर कार्यवाही की जावें ।संगठन ने नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि बार बार ध्यान आकृष्ट कराये जाने के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं होना संगठन की अनदेखी है ।

अमेरा में रथयात्रा मनाई गई

अमेरा/बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। ग्राम अमेरा में पंरपरा अनुसार रथयात्रा त्योहार एक दिन बाद शनिवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धुमधाम से मनाई गई। श्रद्धालु घरों से निकलकर भगवान की पुजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना किए। रथयात्रा का शुभारंभ राधाकृष्ण मंदिर से होकर श्रीराम मंदिर चौक, महामाई, गुड़ी चौक, घासीदास चौक, शिव चौक, छेरकापुर रोड, बस स्टैंड, गायत्री मंदिर चौक से होकर वापस पहुंची।ट्रैक्टर पर सवार होकर भगवान की रथयात्रा निकाली गई।सामने में नवधा रामायण मंडली द्वारा भगवान की गीत गाते हुए चल रहे थे। जयकारों से भक्तिमय माहौल हो गया। भगवान के दर्शन पाकर भक्तों के चेहरे खिल उठे।इस दौरान गुड़ी चौक पर मेले का आयोजन किया गया। जिसमें तरह तरह के खिलौने पाकर बच्चों के मन खिल उठे।इस दौरान मंडली के लोगों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नाबालिग पुत्री की अपहरण करने वाले आरोपियों के खिलाफ पिता ने की हैं कार्रवाई की मांग

बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। पुलिस चौंकी करहीबाजार अंतर्गत ग्राम खजुरी निवासी भजनलाल डहरिया ने अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण कर ले जाने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा कार्यवाही नही किये जाने की शिकायत पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार एवं केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा को पत्र देकर की है।शिकायतकर्ता ने कहा है कि आरोपियों के नामजद शिकायत दर्ज कराये जाने के बाद भी करहीबाजार पुलिस चौंकी द्वारा कार्यवाही नही की जा रही है जबकि घटना 2 जून की हैं। आवेदक ने अपने नाबालिग पुत्री को आरोपियों के चंगुल से छुडाकर वापस दिलाने की मांग शासन प्रशासन से की हैं।

एक माह के बाद भी पुत्री का नही मिला हैं कोई सुराग

ग्राम खजुरी के भजनलाल डहरिया ने एसपी बलौदाबाजार को शिकायत पत्र देते हुए बताया है कि आरोपी द्वारा 2 जून को रात्रि मे मेरे घर पहुंचकर पुत्री को बहला फुसलाकर, धोखादेकर बुलाया तथा उसका अपहरण कर ले गया है। जिसकी रिपोर्ट आरोपी के नाम सहित पुलिस चौंकी करहीबाजार में की गई। लेकिन करहीबाजार पुलिस द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही न करते हुए उल्टे हम ही लोगों को कहा जाता है कि आप लोगों के कहने पर ही तलाशी करने जाएंगे। आवेदक ने पुलिस द्वारा आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए उचित कार्यवाही किये जाने की मांग पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार एवं मंत्री टंकराम वर्मा को ज्ञापन देकर की है। आवेदक भजनलाल डहरिया ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि दो माह पूर्व आरोपियों के द्वारा ग्राम खजुरी पहुंचकर मेरे लडके को फोन के माध्यम से घर से सडक पर बुलवाकर लाठी डंडे से मारपीट भी किया गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार जब सडक पर पहुचें तब आरोपियों ने अपने मोटरसायकल को छोडकर भाग गये। जिसकी रिपोर्ट भी पुलिस चौंकी करहीबाजार में की गई थी। उक्त घटना पश्चात आरोपियों द्वारा माफी मांगने पर चौंकी करहीबाजार पुलिस द्वारा समझौता कराकर प्रकरण को समाप्त कर दिया गया। इन्होने यह भी बताया कि मेरी बडी लडकी के विवाह के समय भी आरोपी द्वारा >> शेष पृष्ठ 9 पर >

स्कूल की हालत काफी जर्जर अवस्था में, फिर भी यहां पर लग रही कक्षाएं

बच्चों की जान जोखिम में, स्कूल प्रबंधन यहां पर स्कूल लगाने मजबूर

नवापारा राजिम, 29 जून (देशबन्धु)। विद्यालय जिसे विद्या व ज्ञान का मंदिर कहा जाता है। बच्चे यहां पढ़कर लिखकर ज्ञान हासिल करते हैं। पढ़ लिखकर इंसान बनते हैं। कोई डॉक्टर बनता है कोई कलेक्टर, कोई जज, कोई वकील, कोई वैज्ञानिक, तो कोई व्यापारी, कोई बड़ा ऑफिसर बनता है। अगर शिक्षा का मंदिर ही जीर्ण शीर्ण हो, समस्याओं से ग्रसित हो, जहां अव्यवस्थाओं का आलम हो वहां पर अच्छी शिक्षा की कल्पना कहां की जा सकती है? नवापारा नगर के हृदय स्थल व सबसे व्यस्ततम मार्ग सदर रोड में एक ऐसा ही बहुत ही पुराना स्कूल है बढई पारा स्कूल कहा जाता है जो लगभग सो साल पुराना है ।इस नए शिक्षा सत्र से वर्तमान में यहां पर तीन स्कूल संचालित हो रहे हैं। शासकीय प्राथमिक शाला, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक कन्या शाला के बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। स्कूल की हालत काफी जर्जर अवस्था में है। फिर भी यहां पर कक्षाएं लगाई जा रही हैं। बच्चों की जान हमेशा जोखिम में रहती है। स्कूल प्रबंधन यहां पर स्कूल लगाने के लिए मजबूर है। यहां पर कभी भी गंभीर दुर्घटना घट सकती है जिसकी चिंता ना तो शासन को है ना ही प्रशासन को। पिछले दिनों बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन बनाने वाले कमरे मे ऊपर का प्लास्टर भरभरा कर नीचे गिर गया। अगर वहां पर मध्यान्ह भोजन बनाने वाले रहते तो एक बड़ी अनहोनी घटना हो सकती थी। पर किसी भी प्रकार की जन हानि नहीं हुई।कुछ समय पहले वहां पर मध्यान्ह भोजन तैयार हो रहा था। नगर वासियों व पालकों ने मांग की है कि स्कूल को तोड़कर नया स्कूल भवन बनाया जाए।

कार्यकर्ताओं के साथ निगम अध्यक्ष ने सुनी मोदी के मन की बात

महासमुंद, 29 जून (देशबन्धु)।झलप के पंचायत भवन में बीज एवं कृषि विकास निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने स्थानीय कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्मन की बात की 123 वीं संस्करण का प्रसारण सुना। यह कार्यक्रम झलप भाजपा मंडल द्वारा आयोजित किया गया।इस अवसर पर निगम अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने कार्यक्रम के बाद कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में साझा किए गए विचार सभी को नई ऊर्जा और प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास की परिकल्पना साकार हो रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री के विचार देश के हर नागरिक को नई ऊर्जा दे रहा है। उन्होंने मन की बात को जन.जन को जोड़ने वाला आंदोलन बताया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता रूपलाल पटेल, झलप मंडल अध्यक्ष चंद्रहास ;गोलू चन्द्राकर, पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेश शुक्ला, कमल कौशिक, झलप सरपंच मंडल महामंत्री राकेश साहू, डूमरपाली सरपंच श्रीमती यमुना ठाकुर, सरपंच संघ के >> शेष पृष्ठ 9 पर >

सोलर पॉवर से बदली जिंदगी, अब बिजली बिल से मुक्ति

- पर्यावरण के लिए भी लाभप्रद है सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना : पाणिग्रही
- बिजली बिल 15 दिन में शून्य हो गया :ज्योति विश्वास

महासमुंद 29 जून (देशबंधु)। केन्द्र एवं राज्य सरकार की महती योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर.मुफ्त बिजली योजना ने न सिर्फलोगों के बिजली बिल को शून्य किया है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। इस योजना के माध्यम से लोग न केवल ऊर्जा के खर्च से मुक्त हो रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अब वे हर माह बिजली बिल भुगतान की झंझट से मुक्ति पा चुके हैं। जिले में अभी तक 142 सोलर कनेक्शन सफ्लतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। महासमुंद के कौशिक कॉलोनी निवासी एवं रिटायर्ड बैंक मैनेजर लक्ष्मीकांत पाणिग्रही ने बताया कि उन्होंने अपने घर की छत पर 6 किलोवाट का रूफ्टॉप सोलर प्लांट लगाया है। इस प्लांट की कुल लागत लगभग 3.15 लाख रुपये आई, जिसमें से 78,000 रुपये की सब्सिडी उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से प्राप्त हुई। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया पहले हर महीने मुझे सामान्य दिनों में 6000 रुपये और गर्मियों में 12000 रुपये तक का बिजली बिल चुकाना पड़ता था, लेकिन अब मेरा बिजली बिल शून्य आ रहा है। यह योजना न सिर्फबचत करवा रही है, बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा कर रही है। इसी तरह हाउसिंग बोर्ड निवासी एवं शिक्षिका श्रीमती ज्योति विश्वाश ने भी 3 किलोवाट का सोलर पैनल अपने घर की छत पर स्थापित किया। उन्होंने बताया सोलर पैनल लगते ही सिर्फ15 दिनों में मेरा बिजली बिल शून्य हो गया। पहले हर महीने 3000 रुपये तक का बिल आता था, अब बिजली बिल की कोई चिंता नहीं है। साथ ही 24 घंटे निर्बाध बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से मुझे न सिर्फमासिक बिजली बिल से मुक्ति मिली, बल्कि बारिश के दिनों में होने वाली आपदा की स्थिति में बिजली बंद की चिंता भी खत्म हो गई है। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता पीआर वर्मा ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर.मुफ्त बिजली योजना के तहत 142 परिवार न सिर्फ ऊर्जा बचा रहे हैं, बल्कि अपनी जीवनशैली में भी बड़ा बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पंजीयन कार्य जारी है। उल्लेखनीय है कि सोलर प्लांट को विद्युत ग्रिड से जोड़ा जाता है। यदि उपभोक्ता जरूरत से अधिक बिजली पैदा करता है, तो अतिरिक्त बिजली ग्रिड को सप्लाई कर सकता है, जिससे अतिरिक्त आय भी मिलती है। सरकार द्वारा एक किलोवाट वाले प्लांट पर 30 हजार रुपए सब्सिडी, 2 किलोवाट वाले प्लांट पर 60 हजार रुपए सब्सिडी एवं 3 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले प्लांट पर 78000 रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। जो कनेक्शन के लगते ही 15 से 30 दिन के भीतर प्राप्त हो जाता है।

विभिन्न गांवों के रथयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए अमर

महासमुंद 29 जून (देशबंधु)। जिला पंचायत महासमुंद के पूर्व सभापति अमर अरुण चंद्राकर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में आयोजित रथयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने ग्राम जलकी, बिरकोनी तथा नगर पंचायत तुमगांव पहुंचकर भगवान जगन्नाथ स्वामी की पूजा अर्चना कर क्षेत्र वासियों की सुख समृद्धि व क्षेत्र में अच्छी बारिश के लिए प्रार्थना की। जलकी के जगन्नाथ यात्रा के दौरान उन्होंने रथ खींचकर महाप्रभु के जयकारे लगाए। अमर अरुण ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा ओडिशा के जगन्नाथ पूरी की तर्ज पर अब जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। ऐसे दिव्य आयोजन में शामिल होना अत्यंत आनंदमय और परम शौभाग्य की बात है। रथ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक एकता, शांति और सद्भावना का प्रतीक है। यह आयोजन क्षेत्र के ग्रामीणों की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रमाण है। रथ यात्रा ने लोगों में भक्ति, सेवा और परस्पर सहयोग की भावना को प्रबल किया। जिले के ग्रामों में भी ग्राम वासियों द्वारा भगवान के लिए भव्य रथ का निर्माण कर इस पर्व को धूमधाम से मनाने की परंपरा शुरू हो गई है। जिससे रथ यात्रा का आकर्षण और अधिक बढ़ी है। सभी स्थानों पर रथ यात्रा के आयोजन करने वाले समिति सदस्यों तथा समस्त ग्रामीणों को उन्होंने पर्व की बधाई दी। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भक्त, ग्रामीण जन उपस्थित थे।

डा. सुरेन्द्र दुबे को श्रद्धांजलि

कुरूद, 29 जून (देशबन्धु)। पद्मश्री सुरेंद्र दुबे जी, एक अद्भुत साहित्यकार, हास्य और व्यंग्य के मंच के सशक्त हस्ताक्षर, का निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी लेखनी केवल मनोरंजन नहीं करती थी, बल्कि विचारों को जगाती थी और जनमानस में अपनी गूँज छोड़ जाती थी। उनके जाने से प्रदेश के साहित्य जगत में गहरा सन्नाटा पसर गया है।

शनिवार को पूर्व मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने रायपुर स्थित उनके निवास पहुँचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भावुक शब्दों में अजय चंद्राकर ने कहा, च्आज शब्द मौन हैं, व्यंग्य निर्वाक है और कविता शोकसागर में डूबी हुई है। हमने केवल एक देह को खोया है, लेकिन सुरेंद्र दुबे जी की रचनाएँ, उनके विचार और उनका प्रखर हास्यबोध सदा जीवित रहेंगे।ज्

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पद्मश्री सुरेंद्र दुबे ने छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनके व्यक्तित्व में गहराई, सरलता और व्यंग्य की तीक्ष्ण धार का अनूठा संगम था। चंद्राकर जी ने उन्हें समाज का एक सजग द्रष्टा बताया, जिन्होंने हँसाते हुए भी समाज को आईना दिखाया। उनका मानना है कि सुरेंद्र दुबे जी का योगदान युगों तक स्मृतियों में जीवित रहेगा।

इस अवसर पर साहित्य, कला और और संस्कृति से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिन्होंने सुरेंद्र दुबे जी के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

युक्तियुक्तकरण के बाद भी शिक्षकों की कमी से जूझ रहे जिले के अनेक स्कूल: विनोद

- सरकार द्वारा की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया पूरी तरह विफल
- युक्तियुक्तकरण से सुधार के बजाए और बिगड़ गई शिक्षा व्यवस्था

महासमुंद 28 जून (देशबंधु)। पूर्व संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने सरकार द्वारा की गई युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया को पूरी तरह विफल तथा शिक्षा के व्यवसायीकरण करने की दिशा में एक सोची.समझी भाजपाई नीति का हिस्सा बताया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के बाद पूरे प्रदेश के जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों ने शासन के आदेश पर यह दावा किया था कि अब किसी भी स्कूल में शिक्षकों की कमी तथा शिक्षा व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी। यदि, ऐसा है तो महासमुंद जिले सहित प्रदेश भर के विभिन्न जिलों से शिक्षकों की कमी, शिक्षकों द्वारा पदभार ग्रहण नहीं करना तथा कहीं.कहीं विषय विशेष शिक्षकों की कमी संबंधी जो खबरे आ रही है, उससे सरकार के सभी दावे खोखले साबित होते दिख रहा है। श्री चंद्राकर ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने शिक्षा की अच्छी गुणवत्ता के लिए आत्मानंद स्कूल खोले और शिक्षकों की भर्ती की। लेकिन सरकार बदलते ही शिक्षा विरोधी भाजपा की सरकार ने विद्यालयों से शिक्षकों को हटाकर सीधा.सीधा उन गरीब परिवार के बच्चों के शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर दिया है जो अपनी शिक्षा के लिए शासकीय विद्यालयों पर निर्भर रहते हैं। आज युक्तियुक्तकरण के बाद भी शिक्षकों की कमी का दंश महासमुंद जिला झेलने को मजबूर नजर आ रहा है। जिसका सीधा प्रभाव महासमुंद जिला के शिक्षा व्यवस्था पर पड़ना तय है। आज आलम यह है कि कई स्कूलों में एकल शिक्षक प्रणाली है तो कई स्कूलों में विषय विशेष के शिक्षक नहीं है। ताजा उदाहरण झारा स्कूल का सामने आया है, यहां भूगोल, हिन्दी, जीव विज्ञान आदि के शिक्षक ही नहीं है। इसके अलावा यहां गैर शिक्षकीय स्टाफ की भी समस्या बनी हुई है, भृत्य, स्वीपर के अभाव में बच्चों को ही पढ़ाई छोड़कर स्कूल की सफाई आदि कार्यों को करना पड़ता है। श्री चंद्राकर ने कहा कि युक्तियुक्तकरण के नाम पर शिक्षकों की संख्या कम कर भाजपा की साय सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को तहस.नहस कर दिया है। सरकार के मंत्री द्वारा 33 हजार शिक्षकों की भर्ती की घोषणा पहले ही ठंडे बस्ते में जा चुकी है। अब यह सरकार जमीं.जमाई शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से बर्बाद कर शिक्षा के निजीकरण की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि युक्तियुक्तकरण की जगह सरकार को नई भर्ती पर फोकस करना था। शिक्षा विभाग में अब भी बड़े पैमाने पर शिक्षकों के पद खाली हैं। अपने घोषणा अनुरूप शिक्षकों की भर्ती कर रिक्त पदों को तत्काल भरा जाना चाहिए। ना की स्कूलों से शिक्षकों को हटाकर दूसरे स्कूलों में भेजा जाए।

श्याम विद्यामंदिर के छात्रों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

महासमुंद 29 जून (देशबंधु)। स्थानीय श्याम शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्याम विद्या मंदिर/उमावि इमलीभाठा में शिक्षा सत्र 2024-25 हाईस्कूल/ हाय.सेकेण्डरी वार्षिक परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 10वीं में प्रथम चंचल उइके 90 प्रतिशत,द्वितीय अनीशवैष्णव 87.5 तृतीय दीक्षादेवागंन 84.6, चतुर्थ हिमांशी वैष्णव 82 प्रतिशत,, पंचम स्थान पर मुस्कान सोनवानी 81.8 प्रतिशत, माही निषाद एवं रेशमीपाल का 80 प्रतिशत र हा। कक्षा 12वीं प्रथम वैभवी दुबे, द्वितीय भूमिका साहू, तृतीय शाहिल खान ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। संस्था के संस्थापक हेमंत चंद्राकर एवं सचिव श्रीमति ताराचंद्राकर ,प्राचार्य तेजबहादुर सिंह एवं समस्त शिक्षकगणों ने शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों की उज्वल भविष्य की कामना की।

ग्राम बरबसपुर में डायरिया कर प्रकोप, स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैंप

कसडोल, 29 जून (देशबन्ध)। विकास खंड के अंतिम छोर में बसे ग्राम बरबसपुर में डायरिया की शिकायत के बाद शनिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप लगाकर इलाज किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बरबसपुर में शुक्रवार को अचानक लगभग 14 लोग उल्टी दस्त के शिकार हो गए थे जिसकी जानकारी ग्रामीणों द्वारा मितानिन के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग को दी गई जिसके एक बाद स्वास्थ्य विभाग टीम हरकत में आई और शनिवार को कैंप लगाकर सभी का जांच किया गया और इलाज किया । इस संबंध में ग्राम पंचायत खैरा ब के सरपंच हिमाचल पटेल, कांग्रेस नेता पेखन ध्रुव, डॉ कुंज राम सेन, प्यारे लाल पटेल, डोमार सिंह ध्रुव, पंच जीवन लाल ध्रुव सहित ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार को अचानक गांव के कई महिला एवं पुरुषों का तबियत बिगड़ गया और उल्टी दस्त होने लगा जिसके बाद गांव के हालत बिगड़ते देख ग्रामीणों ने मितानिन दीनू बाई सेन के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल के प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी को इसकी जानकारी दी गई जिसके बाद टीम हरकत में आई और दूसरे दिन शनिवार को लगाकर इलाज किया गया तथा कुछ लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी में में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार 3 व्यक्ति को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी और 4 लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी में भर्ती कराया गया है। इसी तरह बाल्दा कछार में भी एक ही परिवार के चार लोगों को उल्टी दस्त होने की जानकारी मिली है जिसमें से भी दो लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बालदा कछार में एक परिवार के लोग मछली खाए थे जिसके कारण उल्टी दस्त होने की आशंका जताई जा रही है। वही बरबसपुर के लोगों को गंदे पानी पीने की वजह से होना बताया जा रहा है। जानकारी मिलने पर शनिवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आर आर दुबे, तहसीलदार विवेक पटेल एवं स्वास्थ्य विभाग से बी एम ओ रवि शंकर अजगले , स्वास्थ्य विभाग , के कर्मचारी पहुंचे थे । पी एच ई विभाग के अधिकारियों द्वारा पानी का सैंपल लिया गया है। फिलहाल स्थिति सुधार में है ।

तुमाडबरी में मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

महासमुंद 29 जून (देशबंधु)। शासकीय प्राथमिक शाला तुमाडबरी में शाला प्रवेश उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत परसदा के सरपंच पीताम्बर ध्रुव , पूर्व सरपंच वीरेंद्र चंद्राकर, ग्राम पंचायत परसदा के पंचगण, शाला प्रबंध समिति के सदस्यगण, पालक गण, संकुल समन्वयक टाकेश्वर प्रसाद साहू, संस्था के मुखिया प्रकाश गिरी गोस्वामी, शिक्षिका श्रीमती धनेश्वरी साहू, गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। नवप्रवेशी बच्चों को गुलाल लगाकर, मुंह मीठा करा कर, गणवेश एवं पुस्तक प्रदान कर अभिनंदन कर प्रवेश उत्सव मनाया गया। शासकीय प्राथमिक शाला तुमाडबरी के प्रधान पाठक द्वारा न्योता भोज का आयोजन किया गया। संस्था प्रमुख द्वारा स्कूल की उपलब्धियां,आवश्यकताओं एवं शिक्षा विभाग के योजनाओं की जानकारी दी गई।

स्कूल वह मंदिर है जहां गढ़ा जाता है बच्चों का भविष्य चातुरी नन्द

सरायपाली 29 जून (देशबन्धु)सरायपाली विकासखंड के ग्राम मोखापुटका में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

- सांसद रूप कुमारी चौधरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव के इस पावन अवसर पर, जहाँ हम अपने नन्हे सितारों का स्वागत कर रहे हैं, जो अपनी नई शैक्षिक यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। यह दिन केवल स्कूल में प्रवेश का नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत, नई उम्मीदों और सपनों का दिन है।

विधायक चातुरी नंद ने अपने संबोधन में कहा कि यह वह दिन है जब हमारे छोटे-छोटे बच्चे, जिनके मन मासूम और उत्साह से भरे हैं, स्कूल की दहलीज पर पहला कदम रखते हैं। यहाँ से शुरू होती है उनकी वह यात्रा, जो उन्हें न केवल किताबी ज्ञान देगी, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करेगी। स्कूल वह मंदिर है, जहाँ बच्चों का भविष्य गढ़ा जाता है, जहाँ उनकी प्रतिभा को निखारा जाता है, और जहाँ वे अपने सपनों को पंख देना सीखते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद रूप कुमारी चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोगरा पटेल, जनपद अध्यक्ष लक्ष्मी पटेल, जिला पंचायत सदस्य कुमारी भास्कर, एसडीएम नम्रता चौबे, सरपंच लोचन भावना पटेल सहित अन्य अतिथिगण मंचासिन थे। कार्यक्रम में अतिथियों ने नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं का स्वागत कर उन्हें किताबें, साइकल भेंट कर नए सत्र के शुरुआत की शुभकामनाएं दीं गईं।

कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पंचगण, शिक्षक शिक्षिकाएं सहित ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बेल पत्ती दस का बारह

भक्तों की प्रतीक्षा कर रहे आंक और धतूरा

भाटापारा, 29 जून (देशबन्धु)। बेल पत्ती फिलहाल दस का बारह। कहीं- कहीं पन्द्रह भी, लेकिन भक्तों की प्रतीक्षा कर रहे हैं आक के फूल और धतूरा के फल। इसलिए इन दोनों में कीमत नहीं खोली है फूल बाजार ने।

11 जुलाई से शुरू हो रहे सावन के लिए फूल बाजार ने तैयारी चालू कर दी है। शुरुआत उस बेल पत्ती से हो चुकी है, जिसमें छिटपुट खरीदी निकलने लगी है। अच्छी मांग की धारणा बनती देखकर बेल वृक्षों की बहुतायत वाले क्षेत्रों से संपर्क बढ़ाया जा रहा है।

बेहतर की संभावना- 10 रुपए में 12 बेल पत्तियाँ बेच रहे फूल बाजार का मानना है कि इस बार भी भक्तों का रुझान बेल पत्तियों में बना रहेगा क्योंकि मांग बढ़त लिए हुए है। मांग बढ़ने पर संख्या जरूर कम हो सकती है लेकिन चाही गई संख्या में कमी नहीं आने पाए इसके लिए बेल वृक्षों की बहुतायत वाले ग्रामीण क्षेत्रों से संपर्क बढ़ाया जा रहा है।

प्रतीक्षा में आक और धतूरा- लगभग शून्य है खरीदी, आक के फूल और धतूरा फल में, इसलिए दोनों में कीमत तय नहीं की गई है लेकिन पूछ-परख से बेहतर की संभावना को देखते हुए परंपरागत उपलब्धता तय करने वाले क्षेत्रों से मांग निकलते ही आपूर्ति के लिए कहा गया है। वैसे फिलहाल अंदाज से ही यह दोनों विक्रय किए जा रहे हैं।

विशेष तैयारी शिवालयों में- ग्यारह जुलाई से शुरू हो रहे सावन के लिए शिवालयों में विशेष पूजा- अर्चना की तैयारियां की जाने लगीं हैं। साथ ही घरों में भी ऐसी ही व्यवस्था की जा रही है। इसलिए फूल बाजार भी बेल पत्ती, आंक के फूल और धतूरा के फल के लिए अलग से काऊंटर की योजना पर काम कर रहा है ताकि भक्तों को प्रतीक्षा नहीं करना पड़े।

एस एम सी बैठक सह शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया

प्रत्येक विद्यार्थी को गणवेश व स्वेटर बांटे गए

पिथौरा, 29 जून (देशबन्धु)। समीपस्थ ग्राम परसापाली के प्राथमिक शाला में नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 के सुचारू रूप से शाला संचालन हेतु शाला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों के शत प्रतिशत नियमित उपस्थिति, स्वच्छता, नवीन कार्ययोजना,शासन से मिलने वाले सुविधाएं जैसे माध्यान्ह भोजन निःशुल्क पाठयपुस्तक गणवेश छात्रवृत्ति योजना की जानकिरी दी गई। सभी छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर, गणवेश वितरण किया गया।गत सत्र गणतंत्र दिवस कार्यक्रम से प्राप्त पुरस्कार राशि से बालवाड़ी से लेकर पांचवीं तक 47 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में सरपंच तुलाराम ध्रुव शिक्षाविद्,बी पी पटेल प्रधान पाठक, सोनूराम ध्रृव उपसरपंच व अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति, श्रीमती लक्ष्मी पटेल संयोजक, मुकेश कुमार ध्रुव पालक अध्यक्ष श्रीमती लकेश्वरी ध्रुव उपाध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति समिति सदस्य व पालक बुद्धेश्वर ध्रुव खिलावन ध्रुव रामलाल ध्रुव श्रीमती रैनबती ध्रुव श्रीमती सरिता ध्रुव हेमलता यादव श्रीमती मधु ध्रुव श्रीमती मीना ध्रुव श्रीमती ऋतु ध्रुव श्रीमती लीला ध्रुव दरसुराम ध्रुव तुलसी बाई ध्रुव रूपेश कुमार ध्रव व सभी छात्र छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती लक्ष्मी पटेल संयोजक ने किया।

शिक्षा ही समाज और व्यक्ति के विकास की असली ताक़त: लालिमा ठाकुर

गरियाबंद, 29 जून (देशबन्धु)। शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालगांव में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा ठाकुर ने नवप्रवेशी बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा शिक्षा समाज और व्यक्ति के विकास की असली ताक़त है। यह हमारी जिंदगी की बुनियाद है, जिसके माध्यम से हम अपने भविष्य को संवार सकते हैं। इस दौरान उन्होने छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं जैसे पोषणयुक्त भोजन, पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म और साइकिल को लेकर भी सराहना की। कार्यक्रम में जनपद सदस्य भीष निषाद ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम जागरूक होकर समाज में सकारात्मक बदलाव भी ला सकते हैं। इस मौके पर नवप्रवेशी बच्चों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया और उन्हें पुस्तकें, गणवेश और साइकिल दी गई। कार्यक्रम में सरपंच लखेंद्र ध्रुव, भाजपा नेता फारूख चौधरी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष विजय टांक, ग्राम पटेल नरसिंह निषाद सहित स्कूल स्टाफ, जनप्रतिनिधि, पालकगण और ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

दिव्यांगता स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में सिकल सेल 156 दिव्यांगजन की जांच

गरियाबंद, 29 जून (देशबन्धु)। समाज कल्याण विभाग ने शुक्रवार को फिंगेश्वर में दिव्यांगता स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया। शिविर में सिकल सेल की जांच के साथ दिव्यांगजनों का चिकित्सा परीक्षण किया गया। जनपद पंचायत परिसर में लगे इस शिविर में कुल 156 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। शिविर में अस्थि रोग, नेत्र रोग और मानसिक रोग विशेषज्ञों ने जांच की। डॉक्टरों ने जांच के बाद जरूरी सलाह दी और उपचार भी किया। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड भी बनाए गए।कलेक्टर बीएस उइके ने शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने डॉक्टरों द्वारा की जा रही जांच का अवलोकन किया। दिव्यांगजनों को शिविर का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक डीएस ठाकुर, एसडीएम विशाल महाराणा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सांसद चौधरी की अनुशंसा पर दो अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 15 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

गरियाबंद, 29 जून (देशबन्धु)। महासमुंद लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी की अनुशंसा पर दो निर्माण कार्यों के लिए 14 लाख 98 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी के मुताबिक मैनपुर ब्लाक में ग्राम पंचायत उरमाल के सरस्वती शिशु मंदिर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 5 लाख रूपये तथा देवभोग ब्लाक मुख्यालय में सरस्वती शिशु मंदिर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 9 लाख 98 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त निर्माण कार्यो के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का दायित्व संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंपा गया है।

चतुर्थ श्रेणी पदों के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि आज

बिलाईगढ़ 29 जून (देशबन्धु)। उच्च शिक्षा संचालनालय अंतर्गत शासकीय कॉलेजों में रिक्त चपरासी, चौकीदार, स्वीपर, प्रयोगशाला परिचारक के 880 पद के लिए छत्तीसगढ़ राज्य व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने अपनी वेबसाइट में 30 जून 2025 को शाम 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया है।

मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के साथ सुनकर पौधारोपण किया भीखम ठाकुर ने

बागबाहरा, 29 जून (देशबन्धु)। बागबाहरा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत आंवराडबरी के बूथ क्रमांक 22 में आज रविवार की सुबह भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण एवं एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं कद्दावर युवा भाजपा नेता भीखम सिंह ठाकुर थे। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाजपा खल्लारी मंडल अध्यक्ष लोकेश पनुरिया, मंडल महामंत्री

ताराचंद देवांगन, युवा मोर्चा महामंत्री हीरा लाल साहू, कुबेर यदु, किसान मोर्चा महामंत्री कीर्तन साहू, छत्रपाल तांडी, भाजपा कार्यकर्ता श्रीमती गायत्री सिन्हा, गुमान सिन्हा, तोरण सिन्हा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायक विचारों को सुनते हुए उपस्थित जनों ने देशहित, समाजहित और सेवा कार्यों के प्रति अपने संकल्प को दोहराया। मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न कोनों में हो रहे सकारात्मक प्रयासों, स्वदेशी नवाचारों और जनभागीदारी की भावना को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने कहा कि मन की बात न केवल एक संवाद कार्यक्रम है, बल्कि यह देश के आम नागरिकों को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने वाला एक अनूठा मंच है। उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात कर अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करने की अपील की।

मंडल अध्यक्ष लोकेश पनुरिया ने भी ग्रामीणजनों से आग्रह किया कि वे इस प्रकार के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करें और प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश को सशक्त बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम में सहभागी सभी ग्रामीणों ने कार्यक्रम को प्रेरणादायक बताते हुए इसे नियमित रूप से सुनने की इच्छा जताई। समापन में सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं व नागरिकों ने प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं राष्ट्रहितकारी नेतृत्व की कामना की।

बोकरामुड़ा के रथयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम ठाकुर

बागबाहरा, 29 जून (देशबन्धु)। खल्लारी विधानसभा क्षेत्र के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 06 के वनांचल ग्राम पंचायत बोकरामुडाकला में रथयात्रा के शुभ अवसर पर भगवान श्रीजगन्नाथ, श्रीबलभद्र और देवी सुभद्रा की भव्य रथयात्रा ग्राम के प्रमुख मार्गों से पारंपरिक विधि-विधान के साथ निकाली गई। इस पावन अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर ने भी भक्तिभाव से रथयात्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर महाप्रभु जगन्नाथ भगवान के दर्शन पूजन किए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बोकरामुड़ाकला के सरपंच पवन ठाकुर, जनपद सदस्य श्रीमती मानबाई मंगलू ठाकुर, ग्राम पंचायत जुनवानीखुर्द की सरपंच श्रीमती पार्वती जनक नायक, रमेश ठाकुर आदि ने गांव के सुख-समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना की।

तेंदूदरहा में आज होगा धरती आबा शिविर

बिलाईगढ 29 जून (देशबन्धु)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शिविर बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत तेंदूदरहा में 30 जून को शिविर आयोजित किए जाएंगे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले के चिन्हित गांवों में बुनियादी सुविधा जैसे राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वन अधिकार पट्टा, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, आयुष्मान वय वंदना कार्ड, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, मनरेगा, पेंशन, पीएम विश्वकर्मा योजना, महतारी वंदन योजना, टीकाकरण आदि नागरिकों को शिविर में उपलब्ध होगी। उल्लेखनीय है कि धरती आबा योजना आदिवासी समुदायों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने का एक महत्वपूर्ण पहल है और इसके सफल संचालन के लिए प्रत्येक स्तर पर समन्वय आवश्यक है। धरती आबा अभियान का मुख्य उद्देश्य सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका जनजातीय क्षेत्रों एवं समुदायों का समग्र विकास करना है।

मेसर्स नाकोड़ा इस्पात एवं पांवर उद्योग का ग्रामीणों नै किया घोर विरोध

◆ **ग्रामीणों के विरोधी स्वर से तिलमिलाये उद्योग ने पत्रकारों से किया बदसलूकी**

कोहका-नेवरा, 29 जून (देशबन्धु)। संयंत्र स्थापना के लिए आयोजित ?जनसुनवाई में ग्रामीणों में भारी उबाल देखा गया , उन्होंने जनसुनवाई को निरस्त करने की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी किया ,वहीं उन्होंने पर्यावरण विभाग पर उंगलियां उठाते हुए कहा कि पर्यावरण विभाग व उद्योग प्रबंधन ? के सांठगांठ से अब नया पैंतरा अपनाया जा रहा है ,जिसकी चर्चा क्षेत्र में सुर्खियों में है । रायपुर जिला तिल्दा जनपद क्षेत्र के ग्राम सांकरा में प्रस्तावित मेसर्स नाकोडा इस्पात एंड पांवर लिमिटेड की संचालन को लेकर पर्यावरण जनसुनवाई आयोजित किया गया जा ,जिसका क्षेत्र के लोगों ने जमकर विरोध किया है,ऐसा कोई भी नागरिक नहीं रहा जो उद्योग लगाने का समर्थन किया हो । जनप्रतिनिधि से ग्रामीण जनो के जेहन में उद्योग के खिलाफ उबाल देखी गई । सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने हाथ में उद्योग के खिलाफ में तख्ती लिये नारेबाजी करते हुए जनसुनवाई निरस्त करने की मांग कर रहे हैं ,जिसके चलते उद्योग प्रबंधन ? में तिलमिलाहट देखी गई ।, ग्रामीणों के विरोधी ?तेवर के चलते उद्योग प्रबंधन ? ने अपना आपा खो दिया ,उन्होंने ग्रामीणों को भारी सुरक्षा कर्मियों के सहारे घेरे में ले लिया ,ताकि वह अधिकारियों से अपनी अधिकार ना जता सके ,वहीं पत्रकारों के साथ भी बदसलुकी भी की गई । पत्रकारों को रिपोर्टिंग करने से रोका गया । उनके अधिकारों का हनन किया गया । ग्रामीणों का विरोधी तेवर में इतना उबाल था जिसके चलते उद्योग प्रबंधन अपनी असली चेहरा को उजागर कर दिया ,वह गुंडागर्दी में उतर आये , ग्रामीणों ने सवाल किया कि है जो उद्योग अभी से गुंडागर्दी में उतर आये है, कंपनी खुलने के पश्चात उनका रंग कैसा होगा ? यह पर बता देवे कि जानकारी के अनुसार उद्योग प्रबंधन ? द्वारा पर्यावरण जनसुनवाई के पुर्व दिवस से क्षेत्र के अनेक गांवों में घुमघुकर अनाधिकृत रूप से सहमति पत्र लिया गया है ,इस प्रकार का धांधली कर उद्योग के द्वारा जहां शासन प्रशासन को गुमराह किया जा रहा है ,वहीं क्षेत्र की जनभावनाओं के साथ खेल खेला जा रहा है । जनसुनवाई के पूर्व दिवस से उद्योग के दलालो के द्वारा प्रभावित ग्राम के समीप के गांवों में रूपये पैसे का प्रलोभन देकर सहमति पत्र में हस्ताक्षर कराया गया है ,जिसका प्रमाण मिडिया हाऊस में सुरक्षित है । इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ग्रामीणों के भावनाओं के साथ कैसा खेल खेला जा रहा है ?।

मोहतरा गांव को नशा मुक्त करने का लिया संकल्प

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। सरपंच गोरेलाल पैकरा की अध्यक्षता मे ग्राम पंचायत मोहतरा (क) में नशा मुक्तिकरण अभियान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे पंचायत के पंचो सहित बडी संख्या मे ग्रामीण महिलायें तथा पुरुष सम्मिलित हुए। जहां नशा करने से होने वाले नुकसान तथा पारिवारिक कलह से अशांत हो रहे समाजिक समरसता पर पड रहे बुरा प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित जन समुदाय ने गांव को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जनपद पंचायत के कृष्णकांत पांडे पेन्शन शाखा प्रभारी कसडोल, प्रकाश साहू सहायक आन्तरिक करारोपण अधिकारी कसडोल एवं अतिरिक्त प्रभारी पंचायत स्पेक्टर कसडोल, सदन लाल ध्रुव सहायक आन्तरिक करारोपण अधिकारी कसडोल, सुधार राम पटेल सचिव असनीद, रामनाथ यादव सचिव मोहतरा क आपरेटर किशोर एवं ग्रामीण जन मोहतरा उपस्थित थे। जिसमे महिलाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। चलाए जा रहे नशा मुक्ति करण अभियान के तहत आम लोगो को नशा नही करने के लिए प्रेरित किया गया। जिसमे उपस्थित सदस्यो ने अमल करने का संकल्प लिया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत आईटीआई परिसर में किया गया वृक्षारोपण

बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले में संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अंतर्गत वृक्षारोपण किया जा रहा हैं। इसी क्रम में शासकीय आईटीआई बलौदाबाजार सकरी परिसर में 300 फ्लदार एवं छायादार पौधे लगाए गये।

आईटीआई परिसर में प्रतिवर्ष वृक्षारोपण किया जाता है जिसमें प्राचार्य सहित प्रशिक्षण अधिकारी एवं विद्यार्थियों की सक्रिय योगदान रहता है। जिले के सभी 5 विकासखंडो में शासकीय आईटीआई संचालित हैं। इस वर्ष भी सभी आईटीआई परिसर में वृहद वृक्षारोपण किया जा रहा है।

सरपट दौड़ रही विष्णु की सुशासन सरकार

घोषणा के मात्र 6 दिन में 5 करोड़ की आडिटोरियम की प्राविधिक स्वीकृति जारी

तिल्दा, 29 जून (देशबन्धु)। 19 जून को तिल्दा नेवरा में नवीन सड़क निर्माण की भूमिपूजन समारोह में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, व सांसद बृजमोहन अग्रवाल की उपस्थिति में स्थानीय विधायक व मत्री टंक राम वर्मा ने नगरवासियों मांग उपमुख्यमंत्री अरुण साव को अवगत कराया था जिससे पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने तत्काल संज्ञान लेते हुए 5 करोड़ रुपए की घोषणा आडिटोरियम बनाने के लिए की जिसके बाद नगरिया प्रशाशन विभाग द्वारा 25 जून को ही एक हफ्ते के अंदर प्राविधिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि पूरे प्रदेश के साथ तिल्दा बलौदाबाजारक्षेत्र को सजाने और संवारने का काम जनता ने हमे जिताकर दिया है और विष्णुदेव सरकार का कार्य केवल और केवल विकास करना है वहीं भाजपा जिला महामंत्री अनिल अग्रवाल ने कहा कि जनता की मांग करने की देरी रहती है विष्णुदेव सरकार सौगात देने में देर नहीं करती मात्र 18 महीने में तिल्दा नेवरा अंचल में करोड़ों का विकास कार्य इनका उदाहरण है वहीं नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा अध्यक्ष चंद्रकला खुमान वर्मा ने नगरवासियों को यह सौगात देने के लिए आभार जताया और कहा कि एक हफ्ते के अंदर यह स्वीकृति मिलेगी इसका अंदाजा भी नहीं लगाया था विष्णुदेव सरकार और मंत्री टंक राम वर्मा का नगर वासियों की तरफ से आभार है।

निधन

पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा

थानखम्हरिया, 29 जून। चण्डीधाम करमू के पुजारी पं. संजय मिश्रा के पिता पं. कमलेश प्रसाद मिश्रा का पिछले दिनों दुखद हो गया। चण्डीधाम समिति एवं अनेक श्रद्धालुओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। कमलेश प्रसाद मिश्रा का दशगात्र कार्यक्रम उनके ग्राम सोमईखुर्द में 30 जून को संपन्न होगा। तेरहवीं एवं गंगापूजन 3 जुलाई को संपन्न होगा। वे योगेश्वरी, संजय, अजय, विजय, भागवत मिश्रा के पिता थे। चण्डीधाम समिति के सदस्यों तथा अनेक श्रद्धालुओं ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रामचंद साहू

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून। कसडोल निवासी रामचंद साहू (सेवा निवृत्त मंडी निरीक्षक) का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 30 जून सोमवार को सुबह 8 बजे मुक्ति धाम हड़हा पारा कसडोल में किया जायेगा। वे कसडोल के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता गोपाल प्रसाद साहू के बड़े भाई थे। इनके निधन पर मंडी परिवार के अलावा समाजिक नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

श्री अशोक शर्मा

भाटापारा , 29 जून। संजय वार्ड भाटापारा निवासी श्री अशोक शर्मा (आरा मिल वाले) का आकस्मिक निधन आज हो गया है वे राजा शर्मा, चेतन शर्मा के पिता एवं श्याम शर्मा के छोटे भाई थे जिनकी अंतिम यात्रा 30/06/2025 उनके संजय वार्ड स्थित निवास से निकलेगी

भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में शरण दे व परिजनों, स्वजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें ।

सरस्वती शिशु मंदिर के शैलेन्द्र सूर्यवंशी को विधायक इंद्रकुमार साहू ने किया सम्मानित

नवापारा राजिम , 29 जून (देशबन्धु)। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन ग्राम सारखी में किया गया। जिसमे शिक्षा सत्र 2024-25 में केंद्रीकृत परीक्षा में सरस्वती शिशु मंदिर नवापारा के प्रतिभावान छात्र शैलेन्द्र शिवराज सूर्यवंशी को 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर अभनपुर क्षेत्र के विधायक इंद्रकुमार साहू ने सम्मानित किया । उनकी इस गौरवमय उपलब्धि पर विद्यालय प्रांगण में समारोह पूर्वक तिलक वंदन कर प्राचार्य एवं शिक्षकों ने शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर हार्दिक अभिनंदन किए।कक्षाचार्य सरोज कंसारी ने कहा कि- यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय हैं। प्रतिभा का सम्मान निश्चित ही किया जाना चाहिए।सफलता एक दिन का नहीं निरंतर अभ्यास का परिणाम हैं ।बिना मेहनत के किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं। बालक शैलेन्द्र शुरू से ही मेघावी रहा हैं। पढ़ाई के साथ ही हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा हैं ।उसकी इस सफ्लता के पीछे उसकी पढ़ाई के प्रति लगन ,शत -प्रतिशत उपस्थिति , विषयचार्यो का मार्गदर्शन और माता -पिता के संस्कार हैं। इस अवसर पर श्री राम जानकी शिक्षण समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष रमेश पहाड़िया, सचिव प्रफुल्ल दुबे, सहसचिव कोमल साहू, व्यास नारायण चतुर्वेदी, रवि जैन, वरिष्ठ शिक्षक नरेश यादव, कृष्ण कुमार वर्मा ,दीपक देवांगन,नरेंद्र साहू, रेणु निर्मलकर, वाल्मीकि धीवर, नारायण पटेल ,नंद कुमार साहू, तामेश्वर साहू आदि ने बंधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना किए।

मन की बात का 123वां एपिसोड का सामूहिक श्रवण जिले के विभिन्न बूथों और शक्ति केंद्रों में उत्साह से हुआ

गरियाबंद, 29 जून (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123वां संस्करण रविवार को गरियाबंद जिले में उत्साह के साथ सुना गया। जिले के विभिन्न बूथों और शक्ति केंद्रों में सामूहिक श्रवण के आयोजन हुए, जिनमें भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री ने योग दिवस की चर्चा से की। इसके बाद उन्होंने वर्ष 1975 में लगे आपातकाल को लोकतंत्र का काला अध्याय बताया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के उस दौर को याद किया। उन्होंने आपातकाल विरोधी सेनानियों को नमन किया और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए सतर्क रहने का संदेश दिया। वहीं सेहत संबंधी सलाहों में प्रधानमंत्री ने भोजन में 10: तक तेल कम करने की अपील की और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आग्रह किया। साथ ही प्रेरणादायक घटनाओं और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हुए देशहित से जुड़ी बातें साझा कीं। लोगों ने तालियों से उनके विचारों का समर्थन किया। कार्यक्रम के बाद कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने देश और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, गरियाबंद मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, बिन्द्रानवगढ़ मंडल अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा, नपा उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, प्रशांत मानिकपुरी, पारस ठाकुर, सागर मयानी, नरोत्तम साहू, धनंजय नेताम, राधे सोनवानी, अभिमन्यु ध्रुव, मिलेश्वरी साहू, तरुण ठाकुर, सरला उइके, जीवन साहू, वंश सिन्हा, अमित बखरिया, प्रतीक सिंह, पुरुषोत्तम ध्रुव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

नयापारा व सुभाष नगर में पुलिस सहायता केंद्र खोलने की मांग लेकर मंत्री से मिले नपाध्यक्ष

महासमुंद 29 जून (देशबंधु)। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने रविवार को महासमुंद प्रवास पर पहुंचे गृहमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर शहर के दो स्थानों पर पुलिस सहायता केंद्र चौकी खोलने की मांग की है। इस बाबत श्री साहू ने गृहमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा है। श्री साहू ने मंत्री को बताया कि शहर के नयापारा बुगलु चौक वार्ड क्र. 07 में कुछ वर्ष पहले पुलिस सहायता केंद्र चौकी खोला गया था। जो वर्तमान में बंद है। नयापारा क्षेत्र में बढ़ते अपराध को रोकने तथा अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर निगरानी रखने के लिए इस पुलिस सहायता केंद्र की खोलने की सख्त आवश्यकता है। इस क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के चलते नयापारा क्षेत्र के विभिन्न वार्ड के नागरिकों ने बंद पड़े उक्त पुलिस सहायता केंद्र को पुन: शुरू करने की मांग की है। अत: नागरिक हित में अपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस सहायता केंद्र नयापारा को पुन: शुरू करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसी प्रकार शहर के सुभाष नगर एरिया में भी एक पुलिस सहायता केंद्र खोलने की महती आवश्यकता है। इस क्षेत्र में भी अपराधिक घटनाएं अकसर सामने आते रहता है। अवैध कारोबार, नशावृत्ति, नशीली सामग्रियों की बिक्री जैसे अवैधानिक कृत्यों को रोकने तथा क्षेत्र में शांति स्थापित करने सुभाष नगर में भी एक पुलिस सहायता केंद्र चौकी खोलने की अनुमति प्रदान करने की मांग श्री साहू ने की।

प्रादेशिकी का शेष...

नाबालिग पुत्री की अपहरण...

अपने साथियों के साथ बारात में आया था उस समय भी आरोपी द्वारा गलत हरकत कर रहा था जिसे समझाकर भेजा गया था। उक्त सारी बातें पुलिस को होने के बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नही करने से मेरी पुत्री की जान खतरे में है। आवेदक ने अपने नाबालिग पुत्री को आरोपियों के चंगुल से छुडाकर वापस दिलाने की मांग शासन प्रशासन से की है।

कार्यकर्ताओं के साथ...

ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश्वर साहू, शिव सिन्हा, ताराचंद पटेल, भूपेंद्र चन्द्राकर, सुरेश देवांगन, संतोष पंडा, जगदीश चौहान, जगमोहन ठाकुर, शिला चक्रधारी, पोतदार सोनवानी, ऋषि बारीक सहित झलप मंडल के भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ग्राम बलरामपुर (बिडोरा) मैं आज होगा प्रकृति पूजन कार्यक्रम

सांसद और विधायक विशेष रूप से कायक्रम में उपस्थित होंगे

फिंगेश्वर 29 जून (देशबन्धु)। आयोजक श्रीमती अमिता मनोज यादव (सरपंच ग्राम पंचायत सरकड़ा), एवं भुनेश्वर साहू (प्रदेश उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ) से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बलरामपुर (बिडोरा) मैं 30 जून 2025 को दोपहर 3-00 बजे प्रकृति पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है वृक्षारोपण एवं पर्यावरण मित्र का सम्मान किया जाएगा। इस अवसर पर वरुण देव यज्ञ वृक्षारोपण पर्यावरण मित्रों का सम्मान पूज्य संत श्री गोवर्धन शरण जी व्यास , मुख्य वक्ता माननीय नारायण नामदेव जी, मुख्य अतिथि श्रीमती रूप कुमारी चौधरी जी सांसद महासमुंद लोकसभा क्षेत्र, अध्यक्षता करेंगे श्री रोहित साहू जी विधायक राजिम विधानसभा क्षेत्र, विशिष्ट अतिथि के रूप में गौरीशंकर कश्यप जी अध्यक्ष जिला पंचायत गरियाबंद चंद्रशेखर हरित भागवत हरीत नंदिनी कोमल ढीढी जी, इंद्राणी नेहरू जी लालाराम साहू जी रामकुमार साहू रामूराम साहू दिलीप यादव मंजू हरित माधुरी देवनाथ ध्रुव ईश्वरी साहू रामाधार साहू राजू साहू धीरज चौबे जी उपस्थित होंगे।

किसानों को अमानक खाद देकर किया जा रहा है छल, ब्लॉक कांग्रेस खरोरा ने सौंपा ज्ञापन

खरोरा, 29 जून (देशबन्धु)।खरोरा तहसील अंतर्गत संचालित प्राथमिक सहकारी समितियों में किसानों के साथ बड़ा अन्याय हो रहा है। किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित डी.ए.पी. खाद के स्थान पर अमानक गुणवत्ता का एन.पी.के. खाद वितरित किया जा रहा है, जिससे किसान न केवल परेशान हैं बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। अमानक खाद के कारण किसानों को बुवाई के समय अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में खाद डालनी पड़ रही है, जिससे उत्पादन को लेकर भी गहरी चिंता व्याप्त है। इस गंभीर विषय को लेकर पूर्व विधायक अनीता योगेंद्र शर्मा और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खरोरा के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर के शाखा प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में खाद आपूर्ति व्यवस्था में त्वरित सुधार और किसानों को मानक गुणवत्ता वाली खाद समय पर उपलब्ध कराने की मांग की गई। पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा ने कहा कि सरकार की लापरवाही और सहकारी समितियों की कमजोर व्यवस्था के कारण किसान दोहरी मार झेल रहे हैं। पहले खाद के अभाव की समस्या और अब अमानक खाद की जबरन आपूर्ति। यदि जल्द से जल्द इस गड़बड़ी को सुधारा नहीं गया तो कांग्रेस पार्टी किसानों के हित में बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस अवसर में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष उधोराम वर्मा,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ मिश्रा,घनश्याम वर्मा,सुरेंद्र गिलहरे,शशांक चंद्राकर,प्रदीप मढ़रिया सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ बालिका सब जूनियर की टीम ने जीता सिल्वर मेडल

नेशनल जूनियर एवं सब जूनियर टेनिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता संपन्न

भाटापारा, 29 जून (देशबन्धु)। शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटापारा के खेल मैदान में 25 जून से 28 जून तक तीन दिवसीय नेशनल जूनियर एवं सब जूनियर बालक बालिका टेनिस वॉलीबॉल की प्रतियोगिता संपन्न हुआ। टेनिस वॉलीबॉल एसोशिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के सचिव शरद पंसारी एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने बताया कि इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ टीम के साथ – साथ 10 राज्य के लगभग 200 खिलाड़ी कोच मैनेजर फेडरेशन के टेक्निकल ऑफिसियल अंपायर ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि शिवरतन शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अध्यक्षता डॉक्टर विकास आडिल विशिष्ट अतिथि डॉ वेंकटेश वांगवाड़ फाउंडर टेनिस वालीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया, धरमवीर सिंह जडेजा सी ई ओ टेनिस वॉलीबॉल एसोशिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा किया गया। तीन दिवसीय नेशनल चैंपियनशिप में सभी खिलाड़ियों

ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया साथ ही मेजबान छत्तीसगढ़ की टीम का भी बहुत शानदार प्रदर्शन रहा और सब जूनियर बालिका टीम ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण श्री राम रूप दास महात्यागी जी (मदकू) के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। जूनियर वर्ग बालक में प्रथम दिल्ली द्वितीय तेलंगाना, तृतीय महाराष्ट्र बालिका वर्ग में प्रथम कर्नाटक्ज द्वितीय गुजरात तृतीय दिल्ली, मिक्स डबल में प्रथम दिल्ली, द्वितीय महाराष्ट्र तृतीय कर्नाटक सब जूनियर बालक में प्रथम महाराष्ट्र द्वितीय गुजरात तृतीय कर्नाटक बालिका में प्रथम गुजरात, द्वितीय छत्तीसगढ़, तृतीय कर्नाटक मिक्स डबल में प्रथम महाराष्ट्र द्वितीय केरल तृतीय दिल्ली की टीम रही सभी विजेताओं को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किया गया। उक्त प्रतियोगिता में मुख्य रूप से अश्वनी शर्मा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भाटापारा, श्रेणिक गोलछा पार्षद एवं शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष, प्रीति बंछोर बिजौरा वरिष्ठ खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण बलौदाबाजार, एस एल पंसारी प्रांतीय सचिव पेंशनर्स समाज, अरुण छाबड़ा उपस्थित थे आयोजन को सफल बनाने में गोविंद पटेल नगर पालिका परिषद सभापति पी डब्लू डी एवं आयोजन समिति सचिव, अरुण गुप्ता, ईश्वर देवदास, हिमांचल, महेश शर्मा, निर्मल जांगड़े, अविचल पाण्डेय, एडवोकेट जे के अग्रवाल, बृजेश अग्रवाल, महेश्वरी पंसारी, सुमन शाहा, आकाश आनन्द, मयंक, शिबू मानिकपुरी, सुजल, चित्ररेखा साहू राजकुमारी भारती, आंचल सिंगरौल के साथ साथ स्थानीय व्यायाम शिक्षक, सभी विभाग विकासखंड शिक्षा अधिकारी, शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं स्टाफ, लायंस कान्वेंट स्कूल प्रबंधन समिति एवं स्टाफ, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका परिषद, पुलिस विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

धार्मिक भावनाओं को पहुंचाया ठेस, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

राजिम, 29 जून (देशबन्धु)। समीपस्थ ग्राम देवरी में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले में गरियाबंद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपीयों ने गाँव के बाहर स्थित एक मंदिर में देवी देवताओं पर खून का तिलक लगाया था। इस मामले में ग्रामीणों में आक्रोश था जिसके बाद थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई थी।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत देवरी के उपसरपंच ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि दिनांक 28 जून शनिवार के सुबह लगभग 08 बजे गांव कुछ लोग जब ग्राम देवरी जेंजरा रोड में स्थित हनुमान, दुर्गा मंदिर, एवं शिव मंदिर में विराजमान हिंदु देवी देवताओ की पुजा करने पहुंचे थे तो मंदिर का दरवाजा खोलने पर वहां विराजमान सभी मूर्तियो के उपर खुन लगा हुआ दिखा। हिंदु देवताओ के उपर खुन लगाकर अपवित्र करने से हिन्दू धार्मिक भावनाओ को ठेस पहुची है। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने आशंका जताते हुए धार्मिक भावनाओ को ठेस पहुंचाने की नियत से हिंदु देवी देवताओ के मूर्ति के उपर खुन लगा कर अपवित्र करने वाले लीलाराम साहू एवं कामता साहू के विरूद्ध कड़ी कार्रवाही की मांग की थी। जिसके बाद राजिम पुलिस ने प्रकरण की जांच शुरू की।

अंधविश्वास में दिया घटना को अंजाम: जाँच के दौरान संदेही लीलाराम साहू उम्र 42 एवं कामता प्रसाद उम्र 50 निवासी ग्राम देवरी, थाना राजिम, जिला गरियाबंद को पुलिस हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया। उन्होंने पुछताछ के दौरान बताया कि उनको कही से जानकारी मिली थी कि देवी देवताओं पर खून की तिलक लगाने से घर में सुख समृद्धि एवं धन–दौलत आता है। इसी अंधविश्वास में आकर उनके द्वारा मंदिर में विराजमान सभी देवी/देवताओं के मूर्तिओं में खून लगाया गया था।

आरोपियों का उक्त कृत्य अपराध धारा 298, 3(5) बीएनएस का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनो आरोपियों के विरूद्ध पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है।

नगर की इकोफ्रेंडली आर्टिस्ट ने राजिम विधायक को भेंट की अनोखी कलाकृति

नवापारा राजिम, 29 जून (देशबन्धु)। प्रतिभाएं गरीबी एवं अभाव में ही जन्मलेती हैं। बुरे वक्त की आंधियां भी उन्हे उनके इरादे से डिगा नहीं सकती। नवापारा नगर के वार्ड क्रमांक 16 में एक ऐसी ही प्रतिभाशाली कलाकार निवासरत हैं सुश्री रानी निषाद। जो की क्षेत्र व प्रदेश स्तर पर अनेक सम्मानों से नवाजी जा चुकी है।नगर पालिका की ब्रांड एम्बेसडर, गोल्डन बुक ऑफ़ रिकॉर्ड धारी एवं नगर की इको फ्रेंडली आर्टिस्ट सुश्री रानी निषाद ने राजिम विधायक रोहीत साहू की अनूठी पेंटिग

बनाकर उन्हे राजिम स्थित उनके विधायक कार्यालय में जाकर अनुपम भेंट की। आपको बता दें की रानी निषाद के द्वारा बनाई गई यह कलाकृति धान, चांवल, बाजरा व अन्य अनाज से बनी है। रानी निषाद के द्वारा बनाए गए उक्त कलाकृति को देखकर विधायक रोहित साहू काफी खुश हुए। साथ ही उन्होंने रानी निषाद के उज्जवल भविष्य की कामना भी की। साथ ही यह भी कहा कि कला के क्षेत्र में रानी निषाद उंचाईयों को स्पर्श करे।

योगासन सिर्फ 21 जून को न करके, पूरे वर्ष करें तो हमेशा स्वास्थ्य रह सकते हैं : सिन्हा

कसडोल/बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। योगासन सिर्फ21 जून को न करके पूरे वर्ष करे तो हमेशा स्वास्थ्य रह सकते है। योग से अभी पुरे विश्व को जोड़ने का अभियान चल रहा है। उक्त बातें योग आयोग के प्रदेश अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने आज कसडोल में आयोजित योग महोत्सव कार्यक्रम में कहा।

उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी योग के माध्यम से पूरे विश्व को जोड़ने की मुहिम चला रहे है। उसी के तहत यह कार्यक्रम भी यहां आयोजित हुआ है। आप लोगो की बहुत अच्छी उपस्थिति से पता चलता है कि योग में रुचि रखते है। योगासन से हम सारी बीमारी दूर कर सकते है और कोई बीमारी नहीं है तो हमेशा निरोगी रह सकते है। योगासन आप सभी अपने पूरे परिवार के सदस्यों को सिखाए और प्रतिदिन करने की आदत डाले, योगासन शरीर के

कसडोल में हुआ योग महोत्सव

लिए भी ही फायदे मंद है। अभी क्या होता है वर्ष में एक दिन 21जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है उस दिन शासकीय तौर से भी निर्देश रहता है कि 21जून को सभी को योग करना है उसके दूसरे दिन ही योग भूल जाते है ऐसा हमें नहीं करना है। निरोग रहना है तो वर्ष के पूरे 365 दिन और जब तक जीवित है तब तक योग करना है। योग महोत्सव के इस कार्यक्रम में नमो नमो के प्रदेश अध्यक्ष विनोद अग्रमोदी, योग प्रशिक्षक ज्योति साहू, रवि कुंभकार, सुचीन वर्मा, लोकेश कन्नौजे एवं गंगा प्रसाद साहू ने 2 घंटे बहुत ही अच्छे योगाभ्यास कराए। मंच में अतिथि के रूप में नागेश्वर साहू नगर पंचायत अध्यक्ष, सुदीप मानिकपुरी उपाध्यक्ष, राजकुमार जायसवाल जिलाध्यक्ष पिछड़ावर्ग भाजपा, मोरध्वज पैकरा जनपद सदस्य कसडोल थे। योगाभ्यास में नगर के गणमान्य नागरिक, सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी, युवा, महिला उपस्थित थे। योगाभ्यास के बाद एक पेड़ मां के नाम से वृक्षारोपण किया गया। अंत में आयुर्वेद विभाग द्वारा भीगा चना मूंग खिलाया गया। योग महोत्सव का आयोजन कीर्ति साहू, सुरेंद्र साहू, संतोष वर्मा एवं अन्य सहयोगियों के माध्यम से किया गया।

सबको हंसाने वाले जाते–जाते रुला गए

भाटापारा, 29 जून (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग जिला बलौदा बाजार–भाटापारा द्वारा अंतर्राष्टीय कवि पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शोक सभा आयोजित की गयी जिसमें नगर के साहित्यकार, राजनेता, पेंशनर्स, पत्रकार एवं शिक्षाविदों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

वरिष्ठ साहित्यकार बलदेव भारती ने कहा कि डॉक्टर सुरेंद्र दुबे के चले जाने से साहित्य जगत के एक युग का अंत हो गया है। सबको हँसाने वाले जाते–जाते सबको रुला गए। लोग उन्हें सदियों तक भूल नहीं पाएंगे। पूर्व विधायक नरेंद्र शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी की सोंधी खुशबू को अंतर्राष्टीय स्तर तक पहुँचाने वाले डॉक्टर सुरेंद्र दुबे का योगदान हमेशा याद किया जायेगा। रघुनाथ प्रसाद पटेल ने दुबे जी

को विलक्षण प्रतिभा का धनी बताते हुए छत्तीसगढ़ी साहित्य के प्रति उनके आगाध प्रेम को स्मरण किया।

राजकुमार शर्मा ने कहा कि रचनाकार हमेशा अमर होता है वह अपने विचारों के माध्यम से सदियों तक जिंदा रहते हैं डॉक्टर दुबे भी सदियों तक अमर रहेंगे। बृजेश अग्रवाल ने दुबे जी की मिलनसारिता को याद किया कि कैसे वे एक फोन पर किये निवेदन को भी स्वीकार कर लेते थे। नरेंद्र वर्मा ने बताया – छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा दिलाने में डॉक्टर सुरेंद्र दुबे की अहम भूमिका थी। वे अंतिम सांस तक छत्तीसगढ़ी को आठवीं अनुसूची में जोड़ने के लिए संघर्ष करते रहे।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में 2 मिनट का मौन रखकर दुबे जी के दिव्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का संचालन अजय अमृतांशु ने एवं आभार प्रदर्शन कन्हैया साहू अमित ने किया।

श्रद्धांजलि सभा में डॉ सीमा अवस्थी, मुकेश शर्मा, हेतराम कुर्रे, कन्हैया साहू च्अमितज्, इद्राणी साहू, निवेदिता वर्मा, वंदना गोपाल शर्मा शैली, स्वर्ण लता त्रिवेदी, सुभाष भट्टर, नरेश शर्मा, के.एन. यदु, आशाराम अनंत, चंद्रभान पाल, दिलीप सिंह बिसेन, अशोक पंत, रमेश कुमार वर्मा, के के वर्मा आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

राशन कार्डधारियों की लंबी लाइन अभी भी

नवापारा राजिम, 29 जून (देशबन्धु)। नगर पालिका क्षेत्राअंतर्गत गोबरा नवापारा के राशन दुकानों में राशन कार्ड धारियों की लंबी लाइन अभी भी लगी हुई है। सर्वर डाउन होने, नेटवर्क के काम नहीं करने, मशीन के काम नहीं करने से लोग काफी परेशान है। उपभोक्ता अपने–अपने राशन कार्ड जमा करके जा रहे हैं। यहां पर यह बताना लाजिमी होगा कि आज 29 तारीख को राशन वितरण का अंतिम दिन है जिसकी वजह से राशन दुकानों में उपभोक्ताओं की काफी भीड़ नजर आ रही है। ऐसी जानकारी मिली है कि राशन लेने के लिए तारीख आगे बढ़ाने की मांग दुकान दार एवं उपभोक्तायों द्वारा की

सर्वर डाउन, नेटवर्क के काम नहीं करने, मशीन के काम नहीं करने से लोग काफी परेशान

गई थी लेकिन अभी तक कोई अधिकृत सूचना नहीं आने की वजह से राशन दुकानदार व उपभोक्ता काफी परेशान है। हमने जब राशन दुकानदार से बात की तो उन्होंने बताया कि हमें कोई ऐसी अधिकृत सूचना प्राप्त नहीं हुई है। जिससे हम उपभोक्ताओं को कह सकें कि राशन के लिए डेट आगे बढ़ गई है।

वनमण्डल में वाहन चालक भर्ती प्रायोगिक परीक्षा हेतु 50 अंक निर्धारित

बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत हल्के एवं भारी वाहन चालक भर्ती में प्रायोगिक परीक्षा हेतु कुल 50 अंक निर्धारित किया गया है जिसमें चालन टेस्ट हेतु 40 अंक एवं चालन सुरक्षा उपाय हेतु 10 अंक शामिल हैं।

हल्के वाहन चालक हेतु 319 एवं भारी वाहन चालक हेतु 96 अभ्यर्थी पात्र

वनमण्डल अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार वनमण्डल बलौदाबाजार में हल्का वाहन चालक अनारक्षित मुक्त 2 एवं अनुसूचित जाति मुक्त 1 कुल 3 पद तथा भारी वाहन चालक अनारक्षित मुक्त 1 एवं अनुसूचित जाति मुक्त 1 कुल 2 पद पर भर्ती की कार्यवाही की जा रही है। हल्का वाहन चालक हेतु 319 एवं भारी वाहन चालक हेतु 96 अभ्यर्थी पात्र पाए गए। भर्ती हेतु हल्का वाहन चालकों से एच एवं भारी वाहन चालकों से टी आकर चालन टेस्ट लिया गया। टेस्ट के लिए कुल अधिकतम अंक 50 निर्धारित था जिसमें चालन टेस्ट हेतु 40 अंक एवं चालन सुरक्षा उपाय हेतु 10 अंक शामिल हैं। चालन टेस्ट में समस्त अभ्यर्थियों को कुल 50 अंक के आधार पर नंबर दिये गए। मशीनी ज्ञान एवं यातायात नियमों का सामान्य ज्ञान परीक्षा में 40 अंक एवं अनुभव प्रमाण पत्र में 10 अंक। इसप्रकार भर्ती में कुल 100 अंक निर्धारित किया गया है। अनुभव प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस की वैधानिक स्थिति का मिलान कर अधिकतम 10 अंक निर्धारित किये गये हैं। अनुभव प्रमाण पत्र में हल्का या भारी वाहन का उल्लेख नहीं होने के कारण ड्राइविंग लाइसेंस के अनुसार हल्का या भारी वाहन चालन के लाइसेंस से 2 वर्ष का कार्यानुभव है उन्हें पात्र मानकर अंक दिये गए। पात्र सभी अभ्यर्थियों जिन्होंने हल्का या भारी वाहन चालन का अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न किये थे दोनों में अंक मान्य करते हुए अंक प्रदान किया गया।

मिडिल स्कूल जंवईबांधा में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया

नवापारा राजिम, 29 जून (देशबन्धु)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जंवईबांधा मे प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया।सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती की छायाचित्र की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुभारम्भ किया गया।कक्षा छठवीं के नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। प्रधान पाठक ओमप्रकाश सोनकला द्वारा अपने पिता स्वर्गीय एन.आर.सोनकला की स्मृति मे कक्षा आठवी मे प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले क्रमश: जय कुमार साहू, धनराज यादव, गौरी यादव, कक्षा सातवीं मे प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले क्रमश: प्रतिभा साहू, टिकेश्वरी तारक, चिनमय साहू व कक्षा छठवी के

प्रधान पाठक ओमप्रकाश सोनकला द्वारा मेधावी छात्रों को अपने स्वर्गीय पिता की स्मृति मे मोमेन्टो देकर किया सम्मानित

भगवती, उपासना साहू व जामुनी यादव को स्मृति चिन्ह व कलम देकर सम्मानित किया गया व सेवानिवृत्त प्रधान पाठक धर्मदास भार्गव द्वारा निर्धन छात्रो ओमकरण, सुषमा व हार्दिक को सभी विषयों के लिए कापी व कलम दिया गया। शाला प्रवेशोत्सव मे आए हुए अतिथियो ने बच्चों को अनुशासन मे रहकर अच्छे से पढने के लिए प्रेरित किया व प्रत्येक दिन शाला आने के लिए उत्साहित किया गया।अतिथियों द्वारा बच्चों को शाला गणवेश व पाठ्यपुस्तक का भी वितरण किया गया।

शाला प्रवेशोत्सव मे सरपंच मुकेश साहू, शाला विकास समिति द्वय अध्यक्ष राकेश कुमार साहू व चन्द्रशेखर साहू, मालिक राम साहू वरिष्ठ नागरिक, डुकेश साहू उपाध्यक्ष शाला विकास समिति, कुबेर साहू पंच, द्वारिका यादव पंचायत सचिव, धर्मदास भार्गव सेवानिवृत्त प्रधान पाठक, चेतन लाल साहू शिक्षक, जीरा जोगी शिक्षिका, घनश्याम यादव, संजू यादव सहित, एस.एम.सी.सदस्य गण, पंचायत पदाधिकारी, पालकगण व ग्रामवासी उपस्थित थे। शाला प्रवेशोत्सव समारोह का संचालन शिक्षिका अंजूलता गिलहरे ने किया।

जौन्दी में एक गरीब परिवार द्वारा शनि मंदिर का कराया गया निर्माण

नवापारा राजिम, 29 जून (देशबन्धु)। समीपस्थ ग्राम जौन्दी में बीते शनिवार को तालाब किनारे एक गरीब परिवार के द्वारा शनिदेव की मुर्ति स्थापति कर मन्दिर निर्माण कर महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा निकाल विधिवत पंडित जी के मन्त्रोंचार के साथ उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत के सदस्य यशवंत साहू ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूरे नवग्रह देवता में मुख्य रूप से इसी शनि देव की ही पूजा की जाती है और लोग इनके प्रकोप से डरते हैं और बचने का भी प्रयास भी करते हैं।

भाजपा नेता टीकम चन्द साहू ने बताया कि यह मन्दिर का निर्माण करने वाला ओमप्रकाश पिता लखन साहू जो अत्यंत ही गरीब परिवार का है जो अपनी पत्नी मोतीम बाई के साथ मिलकर स्वयं अपने खर्चे पर मेहनत व मजदूरी कर स्वयं अपने हाथों से निर्माण कर ग्राम व समाज में एक विशेष मिसाल पेश किया है जो हम सबके लिए अनुकरणीय है। राजधानी रायपुर में राजमिस्त्री का काम करने वाला अपने दैनिक कार्य में जाने पुर्व अलसुबह पांच बजे से तीन घंटे तक अकेले अपनी धर्मपत्नी के साथ प्रति दिन अनवरत तीन माह तक बिना अन्य मजदूर किए इस दम्पति के द्वारा यह सुन्दर मंदिर का निर्माण किया है जो बधाई के पात्र हैं।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई लगातार जारी

बलौदाबाजार, 29 जून (देशबन्धु)। जिला बलौदाबाजार–भाटापारा यातायात पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं। सांथ ही जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम, सुगम एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था के लिए, यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालको पर सख्त कार्यवाही करने हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम मे 28 जून 2025 को यातायात पुलिस द्वारा सड़क मार्ग में दो–पहिया वाहन में तीन सवारी, हेलमेट पहने बिना दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई किया गया है।

कुल 84 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई, 44,700 समन शुल्क किया गया वसूल

यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान में दोपहिया वाहन में तीन सवारी चलने वाले 22 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर 6600 समन शुल्क वसूला गया है। हेलमेट पहने बिना दोपहिया वाहन चलाने वाले 34 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर 17,000 समन शुल्क वसूल किया गया है। 28 जून 2025 को पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल वाहन चालकों के विरुद्ध 84 कार्रवाई कर 44,700 समन शुल्क वसूल किया गया है। जिला बलौदाबाजारभाटापारा यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमो के प्रति जागरूकता एवं यातायात नियमो के पालन हेतु सख्ती से लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। पुलिस आम नागरिकों से अपील करती हैं कि आप सभी यातायात के नियमों का पालन करें एवं जिले में सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए यातायात नियमों का सदैव पालन करें। पुलिस आपकी सेवा एवं सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर हैं।